पटना, शनिवार
8 अगस्त, 2026
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 6.00
पृष्ठ 20

दैनिक जागरण

www.jagran.com
बिहार, झारखंड, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

जुलाई में रिकार्ड 3.28 लाख इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री 17
जन्म के आधार पर अमेरिकी नागरिकता पाने के पात्र लोगों की संख्या होगी सीमित 20

संपादकीय

पुलिस को भी है प्रतिकार का अधिकार: विरोध-प्रदर्शन के नाम पर पुलिस पर हमला किसी व्यक्ति पर हमला नहीं, बल्कि राज्य की विधिक व्यवस्था और कानून के शासन को चुनौती देना है। **अशोक कुमार** का आलेख।

असहमति से असहिष्णुता तक: लोकतंत्र में अपनी बात रखने का अधिकार जितना अहम है, दूसरे की आवाज सुनने का संस्कार भी उतना ही आवश्यक है। **हरवंश दीक्षित** का दृष्टिकोण।

• पेज 10

मेगा ड्रा / गारंटीड उपहार! TRIPLE धमाका
आज के अंक में मेगा ड्रा/ गारंटीड उपहार योजना से संबंधित महत्वपूर्ण सूचना प्रकाशित की गयी है।

यात्रा

राजिम-गरियाबंद में है प्रकृति व आस्था का अद्भुत संसार

रायपुर: रायपुर से राजिम, गरियाबंद की ओर बढ़ते ही यह एहसास होने लगता है कि यह यात्रा प्रकृति और आस्था के अद्भुत संसार से साक्षात्कार की है। • पेज 19

अंदर पढ़ें

रेल यात्रा के दौरान अब छोटे अपराधों में जेल नहीं

अंबाला: रेल यात्रा के दौरान छोटी-सी चूक, अनजाने में हुई लापरवाही या मामूली नियम उल्लंघन पर अब यात्रियों को जेल नहीं जाना पड़ेगा। रेल मंत्रालय ने आपराधिक कार्रवाई के स्थान पर आर्थिक जुर्माने का प्रविधान कर दिया है। • पेज 19

संगिनी आज पढ़ें...
उम्र से आगे
आज भी ताजा हैं यादें : श्रिया पिलगांवकर
• पेज 13

रेलवे ग्रुप डी में 30 हजार पदों के लिए दिसंबर से पहले आवेदन

जागरण संवाददाता, प्रयागराज: रेलवे में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे देश भर के लाखों युवाओं के लिए उम्मीद भरी खबर है। रेलवे बोर्ड ने वर्ष 2026 के लिए लेवल-वन (पूर्व में ग्रुप डी) श्रेणियों में रिक्त पदों का आकलन करने की प्रक्रिया आधिकारिक रूप से शुरू कर दी है। बोर्ड उत्तर मध्य रेलवे सहित देश के सभी जोनल रेलवे और उत्पादन इकाइयों में खाली पदों का ब्योरा उपलब्ध कराने को कहा है। इस प्रक्रिया के पूरा होते ही रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) द्वारा देश भर में लगभग 30 हजार पदों पर नई भर्ती का आधिकारिक विज्ञापन सितंबर-अक्टूबर में जारी हो जाएगा और दिसंबर से पहले आवेदन प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी।

सभी जोनल रेलवे को निर्देश दिया गया है कि वे एचआरएमएस (ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट सिस्टम) के इंडेंट मैनेजमेंट माड्यूल के माध्यम से 31 दिसंबर 2027 तक होने वाली संभावित रिक्तियों का सटीक आकलन करें। मंडल और यूनिट स्तर पर 14 अगस्त के बीच खाली पदों का डाटा फीड किया जाएगा, जबकि जोनल मुख्यालय स्तर पर 10 से 20 अगस्त 2026 तक इन आंकड़ों की समीक्षा और अंतिम स्वीकृति दी जाएगी। इस नई भर्ती में तकनीकी और गैर-तकनीकी सुरक्षा से जुड़े विभिन्न 14 विभागों को शामिल किया गया है।

आसमान में रवि की उड़ान

मंजिल उन्हीं को मिलती है, जिनके सपनों में जान होती है... इन पंक्तियों को उत्तराखंड के अल्मोड़ा निवासी युवा नवाचारी रवि टम्टा ने सच साबित कर दिखाया। बचपन में आसमान में उड़ने का सपना देखने वाले रवि ने 20 वर्ष की उम्र में अपने गांव में हेलीकाप्टर बनाने का सपना देखा था लेकिन तब सपना अधूरा रह गया था लेकिन 12 वर्ष बाद उन्होंने सिंगल सीटर फ्लाइंग कार तैयार कर अपनी वर्षों की मेहनत को नई उड़ान दे दी। शुक्रवार को हेलीकार का सफल परीक्षण भी किया गया। देश-विदेश से उपकरण जुटाकर और इंटरनेट मीडिया के जरिये तकनीकी सीख कर विकसित हेलीकार की यह उपलब्धि उत्तराखंड ही नहीं बल्कि पूरे देश के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। • वीडियो ग्रैब

संबंधित खबर » पेज 17

नाबार्ड से उधार लेकर सड़क व पुल बनाएगी सरकार

- मुख्यमंत्री की उपस्थिति में 21 हजार करोड़ के लिए पथ निर्माण विभाग व नाबार्ड के बीच एमओयू
- बेहतर सड़क और पुल राज्य के विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण : सम्राट चौधरी

राज्य ब्यूरो, जागरण • पटना: सरकार सड़क एवं पुल निर्माण के लिए 21 हजार करोड़ रुपये राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) से उधार लेगी। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की उपस्थिति में राशि के लिए पथ निर्माण विभाग ने शुक्रवार को नाबार्ड से मेमोरेंडम आफ अंडर स्टैंडिंग (एमओयू) किया। लोक सेवक आवास स्थित संकल्प सभागार में पथ निर्माण विभाग के सचिव पंकज कुमार पाल एवं नाबार्ड के अध्यक्ष शाजी कृष्णन वी ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार के विकास में नाबार्ड का काफी सहयोग मिल रहा है। हमें उम्मीद है कि आगे भी इसी तरह सहयोग मिलता रहेगा। उन्होंने कहा कि राज्य में सड़क एवं पुल अवसंरचना को मजबूत करने के लिए लगातार काम किया जा रहा है। इस समझौते से विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क एवं पुल निर्माण के लिए आवश्यक वित्तीय संसाधन उपलब्ध होंगे और विकास कार्यों को गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की उपस्थिति में पथ निर्माण विभाग एवं नाबार्ड के बीच एमओयू हुआ। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री विजेंद्र प्रसाद यादव एवं पथ निर्माण मंत्री कुमार शैलेंद्र भी उपस्थित थे। • आइपीआरडी

पुरस्कृत हुए सृजन के सरताज » पेज 2

मुख्यमंत्री ने कहा कि बेहतर सड़क और पुल राज्य के विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में मजबूत सड़क संपर्क विकसित होने से आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। नाबार्ड के अध्यक्ष शाजी कृष्णन वी ने कहा कि बिहार तेजी से विकास कर रहा है। बिहार के विकास में नाबार्ड हर संभव सहयोग करेगा। उन्होंने राज्य में आधारभूत संरचना के विकास में नाबार्ड की सहभागिता को जारी रखने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने 'नाबार्ड इन बिहार' बुकलेट का विमोचन किया।

पहलेजा से गरीबनाथ तक बनेगा कांवरिया पथ

राज्य ब्यूरो, जागरण • पटना: सारण के पहलेजा घाट से मुजफ्फरपुर के गरीबनाथ मंदिर तक छह मीटर चौड़ाई में कच्चे कांवरिया पथ को सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने स्वीकृति प्रदान की है। पथ निर्माण मंत्री इंजीनियर शैलेंद्र ने इस प्रस्ताव को सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के समक्ष रखा था। उन्होंने डीपीआर तैयार कराए जाने का निर्देश दिया। एनएचएआइ द्वारा इस सड़क का निर्माण कराया जाएगा। पथ निर्माण मंत्री ने इस बारे में पूर्व में नितिन गडकरी को पत्र भी लिखा था। इसके बाद मिलकर हाजीपुर से मुजफ्फरपुर के गरीबनाथ मंदिर तक छह मीटर चौड़े कच्चे कांवरिया पथ निर्माण का अनुरोध किया गया। केंद्रीय मंत्री ने अनुरोध पर सकारात्मक आश्वासन देते हुए पदाधिकारियों को शीघ्र डीपीआर तैयार करने का निर्देश दिया। श्रावणी मेला एवं भादो मेला के दौरान प्रत्येक वर्ष बिहार सहित देश के विभिन्न राज्यों से लाखों श्रद्धालु पहलेजा घाट से गंगाजल लेकर बाबा गरीबनाथ मंदिर में जलाभिषेक करने के लिए पैदल यात्रा करते हैं।

एनटीए के तीन विषय विशेषज्ञ ही थे पेपर लीक के मुख्य स्रोत

सीबीआइ ने आरोपपत्र में हुई सुरक्षा चूकों को किया उजागर

नीट-यूजी 2026

- कुलकर्णी ने छोटे-छोटे चिट पर संक्षिप्त रूप में लिख व याद कर बाहर निकाले प्रश्न व उनके उत्तर
- मनीषा गुरुनाथ मंधारे व मनीषा संजय हवलदार ने भी गोपनीय सामग्री को निकाला बाहर

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले में सीबीआइ के आरोपपत्र ने परीक्षा प्रश्नपत्र तैयार करने वाली गोपनीय प्रक्रिया में हुई सुरक्षा चूकों को उजागर किया है। जांच एजेंसी के मुताबिक, एनटीए के तीन विषय विशेषज्ञ ही पेपर लीक के प्राथमिक स्रोत बने। रसायन विज्ञान के प्रो. पीवी कुलकर्णी, जीव विज्ञान की प्रो. मनीषा गुरुनाथ मंधारे और भौतिकी की प्रो. मनीषा संजय हवलदार पर आरोप है कि उन्होंने प्रश्नपत्र तैयार करने, अनुवाद और बैक-ट्रांसलेशन के दौरान हासिल गोपनीय सामग्री को बाहर निकाला। सीबीआइ ने 28 जुलाई को राउज एवेन्यू स्थित फास्ट ट्रैक कोर्ट में 13 आरोपितों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। अब इस मामले में 10 अगस्त को सुनवाई होगी।

शुक्रवार को दाखिल आरोप पत्र पर सीबीआइ ने फास्ट ट्रैक कोर्ट के विशेष न्यायाधीश अजय गुप्ता की अदालत में अपना पक्ष रखा। इसमें बताया गया कि तीनों विशेषज्ञ काम खत्म होने के बाद पुणे लौटकर अभ्यर्थियों को विशेष कोचिंग देते थे, जबकि एनटीए के नियमों के तहत विशेषज्ञों को ऐसी कोचिंग देने की अनुमति नहीं थी। आरोपितों ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 नाम से वाट्सएप ग्रुप बनाया था। यह ग्रुप पुणे निवासी प्रोफेसर मनीषा गुरुनाथ मंधारे ने जीव विज्ञान की विशेष कक्षाओं और परीक्षा के बाद के मूल्यांकन पर चर्चा के नाम पर बनाया था ताकि, बच्चों तक पेपर को पहुंचाया जा सके। आरोप साबित होने पर उम्रकैद तक की सजा और लोक परीक्षा कानून के तहत कम से कम 10 करोड़ रुपये के जुर्माने का प्रविधान है। चार्जशीट के अनुसार, गोपनीय सेक्शन में विशेषज्ञों को रफ वर्क के लिए सादे कागज उपलब्ध कराए जाते थे। सीबीआइ का आरोप है कि केमिस्ट्री विशेषज्ञ पीवी कुलकर्णी ने इसी सुविधा का फायदा उठाया। वह केमिस्ट्री के 135 प्रश्नों और उत्तर विकल्पों को छोटे-छोटे चिट पर लिखकर बाहर ले गए। मनीषा गुरुनाथ मंधारे जीव विज्ञान के लिए अंग्रेजी से मराठी अनुवाद और बैक-ट्रांसलेशन से जुड़ी थीं। वह दिन का काम खत्म करने के बाद होटल लौटती थीं और एनसीईआरटी की किताबों में संबंधित पैराग्राफ को चिह्नित करती थीं।

फिजिक्स विशेषज्ञ मनीषा संजय हवलदार पर आरोप है कि वह भी रोजाना प्रश्नों को संक्षिप्त में नोट करती थीं। उन्होंने 16 पन्नों में भौतिकी के 68 प्रश्न एक अभ्यर्थी की मां को उपलब्ध कराए। सीबीआइ ने एनटीए के गोपनीय सेक्शन की सुरक्षा व्यवस्था में भी बड़ी खामियां भी बताई हैं।

चार साल की नौकरी में खरीदी साढ़े छह बीघा जमीन

डीपीओ के यहां छापे

- डीपीओ अजीत अमर के सहरसा, छपरा और सिवान के चार ठिकानों पर ईओयू का छापा
- 38 लाख चार साल में वेतन, 41.50 लाख की जमीन खरीदी 40 लाख का मकान बनाया

अजीत अमर, डीपीओ, सहरसा। • सौ. ईओयू

राज्य ब्यूरो, जागरण • पटना: आय से अधिक संपत्ति मामले में आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने शुक्रवार को सहरसा के जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (डीपीओ) अजीत अमर के सहरसा, छपरा और सिवान के चार ठिकानों पर छापेमारी की जिसमें वेतन से दोगुने से भी अधिक चल-अचल संपत्ति के प्रमाण मिले हैं। डीपीओ ने फरवरी, 2022 में सरकारी सेवा में योगदान दिया। पिछले साढ़े चार साल में उनका कुल वेतन मात्र 38 लाख रुपये है, जबकि इस दौरान उन्होंने एक करोड़ से अधिक मूल्य के भू-खंड, सोने के आभूषण, गाड़ियां खरीदी और भव्य मकान बनवाया।

ईओयू के अनुसार, डीपीओ ने पिछले साल मई में पत्नी पूजा कुमारी के नाम पर सारण के एकमा थाना अंतर्गत परसागढ़ मौजा में छह बीघा नौ कट्ठा आठ धुर (481 डिसमिल) जमीन खरीद है। इस जमीन की निर्बाधित कीमत 41 लाख 50 हजार मगर भू-खंड की वास्तविक कीमत इससे कहीं अधिक है। सिवान के दरौंधा के रैना स्थित पैतृक गांव में डीपीओ ने आलीशान मकान बनवाया है, जिसकी अनुमानित लागत 40 लाख बताई जा रही है। हालांकि जांच टीम के अनुसार, मकान की साज-सज्जा और चारदीवारी को देखते हुए इसकी लागत में भी वृद्धि की संभावना है। तलाशी के दौरान मकान के निर्माण से जुड़े तीस बिल भी पाए गए हैं। छपरा से 2023 में खरीदी गई महिंद्रा स्कार्पियो क्लासिक गाड़ी मिली है, जिसकी कीमत 15 लाख 34 हजार है। वहीं एक यामहा एफजेड बाइक भी पाई गई है।

छापेमारी में सिवान के पैतृक गांव के निजी आवास से 40 लाख रुपये से अधिक के गहने पाए गए हैं। इनमें तनिष्क एवं अन्य ज्वेलर्स से खरीदे गए 27 लाख रुपये के गहनों के खरीद का बिल भी पाया गया है।

इन ठिकानों पर हुई छापेमारी

सिवान के दरौंधा के पैतृक आवास, सहरसा नया बजार स्थित किराये का आवास, सहरसा स्थित सरकारी कार्यालय कक्ष, छपरा के गडक कालोनी स्थित आवास।

छपरा में भ्रष्टाचार का आरोप तो वापस भेजे गए सहरसा

ईओयू के अनुसार, अजीत अमर ने चार फरवरी, 2022 को सहरसा में सबसे पहले योगदान किया। इसके बाद उनका स्थानांतरण डीपीओ प्लानिंग एवं अकाउंट, छपरा के पद पर हो गया। छपरा में प्रतिनियुक्ति के दौरान डीपीओ के ऊपर भ्रष्टाचार और अवैध धन अर्जन के आरोप लगे जिसकी जांच स्थानीय जिला प्रशासन के स्तर से की गई। इसके बाद डीपीओ अजीत अमर को वापस मूल पदस्थापन सहरसा भेज दिया गया।

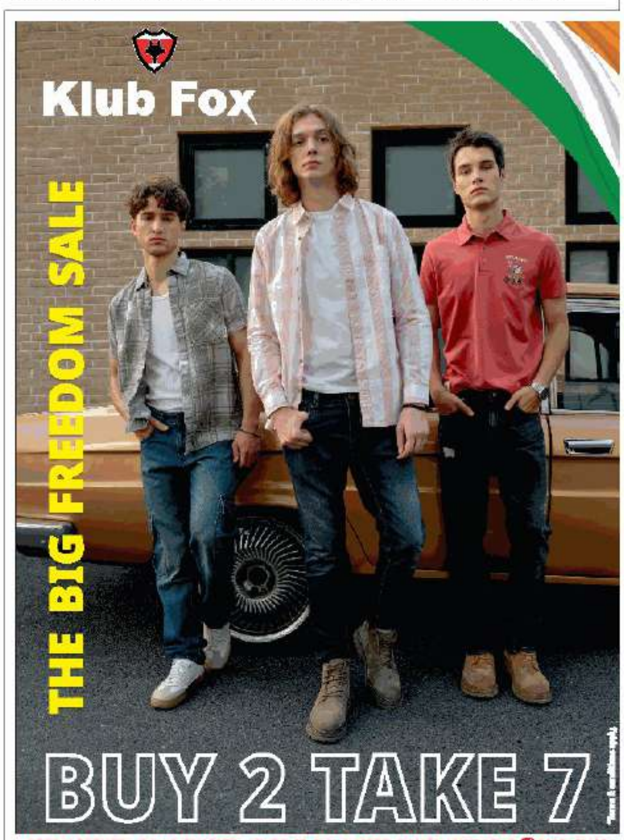

NEWLY OPENED : BIHAR SHARIFF - WARD 23, NALA MORE, RAMCHANDRAPUR. ✆9973401603
EXCLUSIVE STORE : PATNA - Pillar 83, Bailey Rd, Raja Bazar, Sheikhpura. ✆7488068678 | DARBHANGA - Opp Gurudwara, Mirzapur Chowk. ✆8210360640 | PURNIA - Chitrawani Rd, Bhatta Bazar. ✆7976949716 | CHAKIA - Thana Road, Near Vyapar Mandal. ✆8240290685 | AARA - South Ramna Road, Near Judge Koti. 7050998393 | AURANGABAD - Ganesh Market, M G Road Bypass. ✆8655634031 | MOTIHARI - Bank Road, Araysamaj Chowk, Near. Rahaman Hospital. ✆8655634031 | RAXUAL - Main Road, Opp Aditya Vision, Nala Chowk. ✆8655634031 | MUZAFFARPUR - Club Road, Nr. Dainik Bhaskar Office, Mithanapura. ✆8655634031 Opp. Abakari Thana, Kalmbarg Road, Near, Chaata Choki. ✆7677644722 | SIWAN - Chhapra Road, Nr. Old Electricity Office. ✆8655634031 | Oshama Complex, Registry Kachahari Rd. ✆9471284786 | FRANCHISE REQUIRED: PATNA | GAYA | KISHANGANJ | BEGUSARAI | MADHUBANI | BHAGALPUR | SAMASTIPUR | BUXAR | SASARAM | NAWAD DEHRI ON SON | OPENING SHORTLY: MASAURHI (TAREGANA)
FOR FRANCHISE ENQUIRY: 8655634031/9619062328 ✉ enquiry@klubfox.com

साइबर धोखाधड़ी पर सूचना को सुधा दूध के पैकेट पर होंगे हेल्पलाइन नंबर

राज्य ब्यूरो, जागरण • पटना: अब सुधा दूध के पैकेट व बिजली बिल पर भी साइबर धोखाधड़ी की तुरंत सूचना दिए जाने को लेकर हेल्पलाइन नंबर 1930 नजर आएगा। मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने शुक्रवार को साइबर अपराध से जुड़ी उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में यह बात कही। बैठक में डिजिटल अरेस्ट पर भी चर्चा हुई। पुलिस महानिदेशक विनय कुमार भी बैठक में शामिल थे। राज्य के सभी जिलों के जिलाधिकारी, वरीय पुलिस अधीक्षक और पुलिस अधीक्षक भी वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े थे।

- साइबर अपराध से जुड़ी उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव ने दी जानकारी
- शैक्षणिक संस्थानों में साइबर मंगलवार जैसे जागरूकता कार्यक्रमों को जारी रखने का निर्देश

मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत

मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने कहा कि 1930 राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर है, जिसपर किसी भी प्रकार की वित्तीय साइबर धोखाधड़ी होने पर तुरंत शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। उन्होंने निर्देश दिया कि इस नंबर का प्रचार-प्रसार आम जन-जीवन से जुड़ी हर वस्तु और स्थान पर किया जाए, ताकि हर नागरिक को इसकी

मुख्य सचिव ने कहा कि शहरों में नगर निगम के डिजिटल होर्डिंग्स, एलइडी स्क्रीन और अत्यधिक भीड़-भाड़ वाले सार्वजनिक स्थलों पर साइबर जागरूकता संदेश और 1930 नंबर प्रदर्शित किया जाए। स्कूलों, कालेजों और शैक्षणिक संस्थानों में 'साइबर मंगलवार' जैसे जागरूकता कार्यक्रमों को लगातार जारी रखा जाए।

आपरेशन साइबर प्रहार के तहत 6251 म्यूल बैंक खातों का सत्यापन

मुख्य सचिव व डीजीपी की बैठक में यह जानकारी दी गई कि आपरेशन साइबर प्रहार के तहत राज्य में संगठित साइबर अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 6,251 म्यूल बैंक खातों का सत्यापन किया गया, 702 लोगों पर कानूनी कार्रवाई की गई और 507 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया।

देश के शीर्ष साइबर हाटस्पाट में बिहार के चार जिले

देश के शीर्ष साइबर हाटस्पाट जिलों में बिहार का नवादा (रैंक 2), नालंदा (रैंक 4), पटना (रैंक 7) और शेखपुरा (रैंक 15) शामिल हैं। इसके अलावा पटना एटीएम और चेक से पैसे निकासी के मामले में देश के शीर्ष स्थानों में है। पुलिस अधिकारियों को इन हाटस्पाट क्षेत्रों में कड़ी निगरानी और त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

धन वापसी एवं शिकायत निवारण

बिहार में साइबर पीड़ितों को पैसे वापस दिलाने के लिए 16,593 मामले तैयार हैं, जिनमें से 5,642 मामलों पर पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई कर 224.53 लाख रुपये की बहाली के आदेश जारी किए जा चुके हैं। बैंकों द्वारा अनुचित फ्रीजिंग से जुड़ी शिकायतों में बिहार ने 98% से अधिक का निष्पादन कर बेहतर प्रदर्शन किया है। जिलाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे जिला स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठकों के माध्यम से म्यूल खातों को फ्रीज करने और धोखाधड़ी की राशि पीड़ितों को लौटाने की प्रक्रिया में तेजी लाएं। राज्य में फर्जी दस्तावेज के आधार पर सिम बेचने वाले एजेंटों और गैंग्स के खिलाफ विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया गया।

एके-47 से फायरिंग करने वालों के विरुद्ध डीजीपी से मिले तेजस्वी

छात्र आंदोलन

राज्य ब्यूरो, जागरण • पटना : नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने छात्र आंदोलन के दौरान एके-47 से फायरिंग करने के मामले में संबंधित जिले के एसपी और अन्य कर्मियों के विरुद्ध आपराधिक मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। इसको लेकर उन्होंने शुक्रवार को डीजीपी विनय कुमार से पुलिस मुख्यालय में मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन भी सौंपा।

तेजस्वी यादव ने ज्ञापन में कहा कि छात्र आंदोलन के दौरान पुलिस द्वारा की गई ऐसी कार्रवाई की न्यायिक जांच कराई जाए। राज्य की बदहाल विधि व्यवस्था को दुरुस्त कर पुलिस-प्रशासन की मनमानी पर अंकुश लगाई जाए। भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जाएं। उन्होंने कहा कि छात्रों पर एके-47 से गोलियां चलाना दुखद और अलोकतांत्रिक है। साथ ही प्रश्न खड़ा किया कि पुलिस ने भीड़ नियंत्रण के ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान प्रोटोकाल का पालन क्यों नहीं किया। फायरिंग का आदेश देने वाले वरीय पुलिस अधिकारियों के विरुद्ध अब तक कोई ठोस कार्रवाई क्यों नहीं हुई।

भाभा एटोमिक रिसर्च सेंटर से गिरफ्तार रोशन ने कई परीक्षाओं में कराई धांधली

रोशन का सहयोगी आकाश भी गिरफ्तार, कई राज्यों के गिरोह से जुड़े तार

राज्य ब्यूरो, जागरण • पटना : मुंबई के भाभा एटोमिक रिसर्च सेंटर से गिरफ्तार किए गए तकनीकी कर्मी रोशन कुमार ने सिर्फ बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की सहायक शिक्षा विकास पदाधिकारी (एईडीओ) परीक्षा में धांधली नहीं कराई, बल्कि बिहार-झारखंड के आधा दर्जन परीक्षाओं में पैसे लेकर अभ्यर्थियों की सेटिंग कराई। इसमें नीट-यूजी 2023, इस साल 28 जून को केंद्रीय चयन पर्षद की ओर से आयोजित रेडियो आपरेटर परीक्षा, 14 और 18 जुलाई को आयोजित मद्य निषेध परीक्षा, बिहार तकनीकी सेवा आयोग की ओर से आयोजित अमीन बहाली की परीक्षा और झारखंड की सीजीएल परीक्षा में धांधली कराने के साक्ष्य मिले हैं। वह लगभग चार से पांच वर्षों से विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सेटिंग के जरिए पास कराने का काम रहा था। इसके तार कई राज्यों तक फैले मिले हैं।

बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने इस मामले में रोशन के सहयोगी आकाश कुमार को भी गिरफ्तार किया है। रोशन (22 वर्ष) नालंदा के नूरसराय जबकि आकाश (25 वर्ष) नालंदा के सोहसराय का निवासी है। पूछताछ के बाद दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। रोशन की दिसंबर, 2024 में भाभा एटोमिक रिसर्च सेंटर में नियुक्ति हुई थी। वर्तमान में वह प्रशिक्षण ले रहा था।

ईओयू की पूछताछ

- पूछताछ के बाद दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया
- रोशन की 2024 में भाभा एटोमिक रिसर्च सेंटर में नियुक्ति हुई थी

रोशन।

आकाश।

25 लाख में तय हुआ था एईडीओ परीक्षा का सौदा

ईओयू के अनुसार, रोशन ने अन्य आरोपितों के साथ मिलकर एईडीओ परीक्षा की अभ्यर्थी श्वेता कुमारी को पास कराने के लिए 25 लाख रुपये का सौदा तय किया था। इसके लिए फर्जी बायोमैट्रिक आइडी तैयार कर गिरोह के सदस्य चंदन और राहुल की नालंदा के परीक्षा केंद्र में एंट्री कराई गई। इन दोनों के जरिए ही होलोग्राम पर्ची के बीच में छिपाकर सेट की गई आंसर-की कमरा संख्या 25 में बैठी श्वेता कुमारी को उपलब्ध कराई गई थी।

इन परीक्षाओं में धांधली के मिले प्रमाण

- नीट-यूजी 2023 में स्कालर बिठाकर पास कराई परीक्षा।
- एईडीओ परीक्षा मे सेटिंग और फर्जी बायोमेट्रिक से धांधली।
- केंद्रीय चयन पर्षद की रेडियो आपरेटर परीक्षा में की धांधली।
- मद्य निषेध सिपाही परीक्षा मे भी पैसे लेकर अभ्यर्थियों की सेटिंग।
- अमीन भर्ती परीक्षा में अभ्यर्थियों को सेटिंग से पास कराने का आरोप।
- झारखंड की सीजीएल परीक्षा में भी धांधली के मिले प्रमाण।

रोशन ने खुद भी मोतिहारी में सेटिंग से दी एईडीओ परीक्षा

जाच में पता चला है कि रोशन कुमार स्वयं भी एईडीओ परीक्षा में बैठा था। उसका परीक्षा केंद्र मोतिहारी में था, जिसके लिए भी उसने बायोमीट्रिक स्टाफ के जरिए सेटिंग की थी। वह नालंदा के अलावा अपने गिरोह के साथ भागलपुर जिला भी गया था जहां ब्लूटूथ के माध्यम से परीक्षा केंद्र के अंदर अभ्यर्थियों को उत्तर लिखवाने का प्रयास किया गया था। गिरफ्तार अभियुक्त आकाश ने भी एईडीओ परीक्षा में चार से अधिक परीक्षार्थियों की सेटिंग की थी। दोनों से पूछताछ में बायोमीट्रिक कंपनियों के कर्मियों, सेटिंग वाले परीक्षा केंद्र, परीक्षार्थियों, साल्वर गिरोह से जुड़े कई जानकारियां मिली हैं, जिनका सत्यापन कराया जा रहा है। इस मामले में अभी तक छह को गिरफ्तार किया गया है।

स्कालर बिठा पास कराया नीट, परीक्षार्थियों के अपहरण का रचा षड्यंत्र : ईओयू के अनुसार, रोशन और आकाश ने 2023 की नीट यूजी में एक परीक्षार्थी को स्कालर बिठाकर फर्जी तरीके से परीक्षा पास कराई थी। उस परीक्षार्थी की पहचान की जा रही है। इसके अलावा अमीन बहाली की परीक्षा के दौरान दोनों अभियुक्तों ने दो परीक्षार्थियों की सेटिंग कराकर परीक्षा पास कराई गई थी जिसका 3.5-3.5 लाख रुपया बकाया था। इस बकाया पैसा वसूलने के लिए रोशन व आकाश ने अपने गिरोह के सदस्यों के साथ मिलकर परीक्षार्थियों के अपहरण का षड्यंत्र भी रचा गया था।

मानव तस्करी पर आज पूर्वी जोन कान्फ्रेंस, सीएम भी होंगे शामिल

राज्य ब्यूरो, जागरण • पटना : गृह विभाग और बिहार पुलिस मुख्यालय की ओर से शनिवार को राजधानी के ज्ञान भवन में गमुशुदा बच्चों और मानव तस्करी विषय पर पूर्वी जोनल कान्फ्रेंस का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी मुख्य अतिथि होंगे, जबकि सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश ए. अमानुल्लाह और पटना हाईकोर्ट के न्यायाधीश राजीव रंजन प्रसाद गेस्ट आफ आनर होंगे। इसके साथ राज्य के मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, डीजीपी विनय कुमार, एडवोकेट जनरल एसडी संजय, सीआइडी कमजोर वर्ग की एडीजी केएस अनुपम समेत कई वरीय अधिकारी भी कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। उद्घाटन के बाद दो तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे।

कच्ची दरगाह-बिदुपुर पुल के उत्तरी पहुंच पथ को एलिवेटेड रोड से जोड़ने का प्रस्ताव

राज्य ब्यूरो, जागरण • पटना : पथ निर्माण मंत्री इंजीनियर शैलेंद्र ने गुरुवार को दिल्ली में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर बिहार से जुड़ी कई योजनाओं के प्रस्ताव पर विमर्श किया और मांग रखी। उन्होंने कहा कि हाजीपुर पासवान चौक से बिदुपुर तक गंगा के उत्तरी किनारे एलिवेटेड सड़क का निर्माण कराया जाए। इस छह लेन पुल के उत्तरी पहुंच पथ पर घनी आबादी के कारण विस्थापन से बचने हेतु एलिवेटेड रोड के निर्माण का प्रस्ताव रखा गया।

विक्रमशिला सेतु के समानांतर पाटून ब्रिज के निर्माण की स्वीकृति मांगी : विक्रमशिला सेतु के स्थायी पुनर्निर्माण हेतु बेली ब्रिज हटाया जाना है। इसके समाधान हेतु निर्माणाधीन नए विक्रमशिला सेतु के समानांतर एक अस्थायी पाटून ब्रिज निर्माण की तत्काल स्वीकृति मांगी गई है। पथ निर्माण मंत्री ने कहा कि पाटून ब्रिज निर्माण से यातायात बाधित नहीं होगा और लाखों यात्रियों, व्यापार, कृषि व स्वास्थ्य सेवाओं पर भी प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

दिल्ली में शुक्रवार को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मिले पथ निर्माण मंत्री इंजीनियर शैलेंद्र। सौ : विभाग।

मुजफ्फरपुर - बरौनी फोरलेन चौड़ीकरण एवं मुजफ्फरपुर पूर्वी बाईपास

भारतमाला परियोजना के तहत मुजफ्फरपुर-बरौनी फोर लेन चौड़ीकरण तथा पूर्व-पश्चिम गलियारा से सीधा संपर्क स्थापित करने हेतु मुजफ्फरपुर पूर्वी बाईपास के निर्माण के लिए एनएचएआइ को शीघ्र डीपीआर पूरा कर निविदा प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया।

केंद्रीय सड़क निधि से नई योजनाओं की स्वीकृति : बिहार के विभिन्न महत्वपूर्ण एवं जर्जर संपर्क मार्गों के कायाकल्प व उन्नयन हेतु केंद्रीय सड़क निधि के तहत नए प्रस्तावों पर स्वीकृति प्रदान करने का आग्रह किया गया।

भूमि-अर्जन प्राधिकरणों को मिले नए पीठासीन पदाधिकारी

- राजस्व मंत्री दिलीप जायसवाल बोले- भूमि अर्जन मामलों के निष्पादन में आएगी तेजी
- कार्यकाल पदभार ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्ष अथवा 65 वर्ष की आयु पूर्ण होने तक रहेगा

दिलीप कुमार जायसवाल

राज्य ब्यूरो, जागरण • पटना: राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने प्रमंडलीय मुख्यालयों में संचालित भूमि-अर्जन, पुनर्वास एवं पुनर्व्यवस्थापन प्राधिकरणों के लिए नए पीठासीन पदाधिकारियों की नियुक्ति की है।

अली अहमद सेवानिवृत्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश, खगड़िया को मुजफ्फरपुर प्रमंडल, सम्पूर्णानंद तिवारी सेवानिवृत्त अध्यक्ष राज्य परिवहन अपीलीय प्राधिकार, पटना को सारण प्रमंडल, देवराज त्रिपाठी सेवानिवृत्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश,पू. चंपारण को दरभंगा प्रमंडल, विजय आनंद तिवारी सेवानिवृत्त प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश वैशाली को भागलपुर प्रमंडल, विनोद कुमार तिवारी प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दरभंगा को गया प्रमंडल, राकेश मालवीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, गोपालगंज को मुंगेर प्रमंडल, राधे श्याम शुक्ला प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, कैमूर को पूर्णिया प्रमंडल, हसमुद्दीन अंसारी प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, नालंदा को कोशी-सहरसा प्रमंडल और हेमंत कुमार त्रिपाठी प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, कटिहार को पटना प्रमंडल में भूमि-अर्जन, पुनर्वास एवं पुनर्व्यवस्थापन प्राधिकार में पीठासीन पदाधिकारी के रूप में पदस्थापित किया गया है। इनका कार्यकाल पदभार ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्ष अथवा 65 वर्ष की आयु पूर्ण होने तक, जो भी पहले हो, रहेगा। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डा. दिलीप कुमार जायसवाल ने कहा कि इन पीठासीन पदाधिकारियों को भूमि-अर्जन, पुनर्वास एवं पुनर्व्यवस्थापन से जुड़े विवादों की सुनवाई, मुआवजा संबंधी मामलों के निस्तारण तथा अधिनियम के तहत संदर्भित मामलों पर निर्णय देने की शक्तियां प्राप्त होंगी।

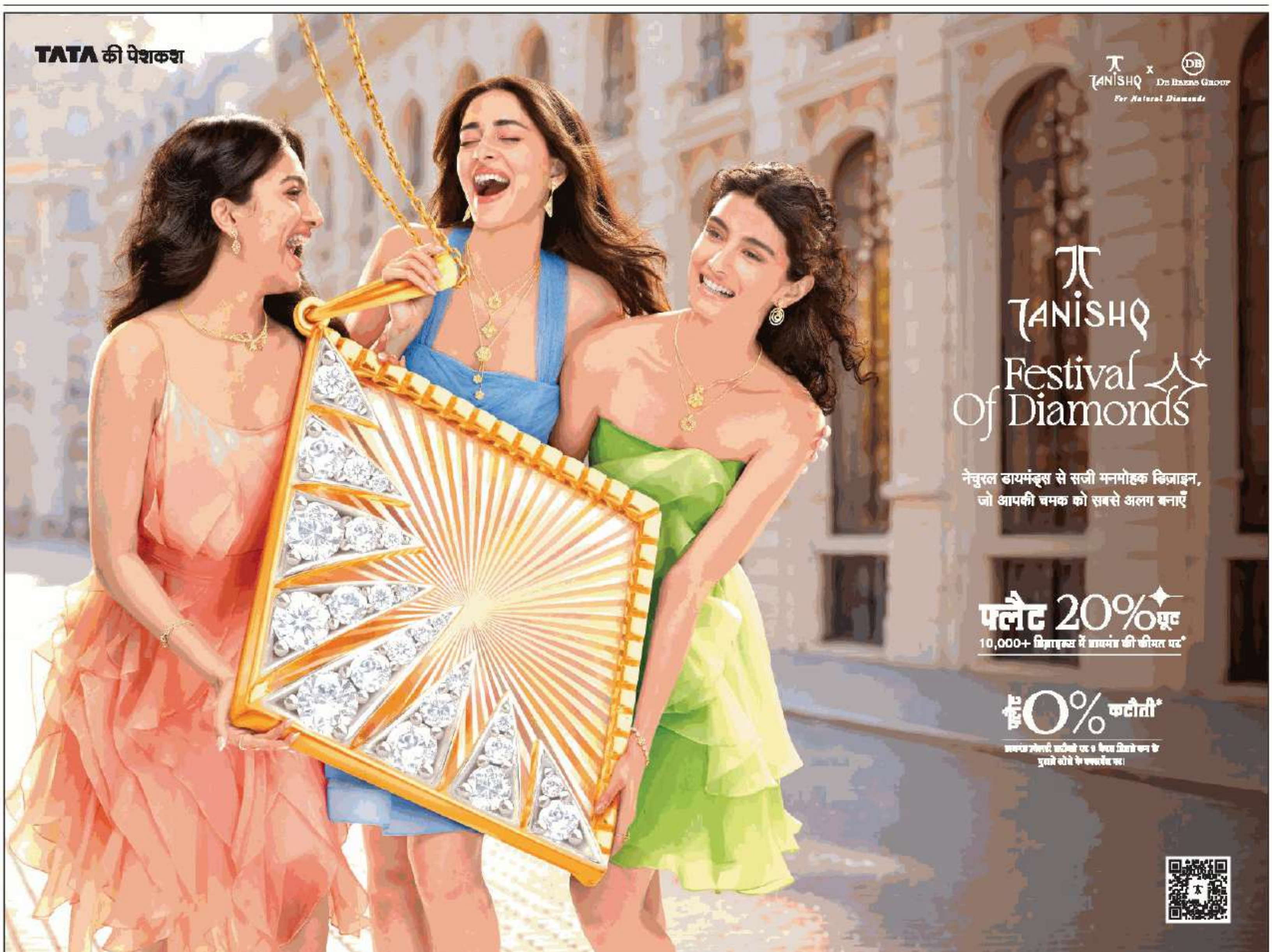

आज का मौसम

प्रदेश के ज्यादातर भागों में बादलों की आवाजाही बने होने के साथ कई स्थानों पर छिटपुट वर्षा के आसार हैं। मेघगर्जन व वज्रपात के साथ 30-40 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है। तीन दिनों बाद तापमान में गिरावट का पूर्वानुमान है।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
गयाजी		
08 अगस्त	31	26
09 अगस्त	33	26
जहानाबाद		
08 अगस्त	33	28
09 अगस्त	32	27
पटना		
08 अगस्त	34	27
09 अगस्त	33	27

डिग्री सेल्सियस में

कृषि शिक्षा में भारतीय भाषाओं के समावेश से ही विकसित भारत का निर्माण संभव

सीयूएसबी में राष्ट्रीय कार्यशाला में कृषि मंत्री ने कहा- बिहार विश्व के 80 प्रतिशत से अधिक मखाना का करता है उत्पादन

संवाद सहयोगी, जागरण • टिकारी : बिहार के कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि कृषि विज्ञान सहित विज्ञान की सभी शाखाओं में भारतीय ज्ञान परंपरा और भारतीय भाषाओं का समावेश समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भारत का ज्ञान उसकी भाषाओं में निहित है और सरकार शिक्षा एवं प्रशिक्षण के क्षेत्र में भारतीय भाषाओं के व्यापक उपयोग को प्राथमिकता दे रही है। वे दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी) के कृषि विभाग और भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय प्रारंभिक कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। 'भारतीय भाषा पारितंत्र का निर्माण: कृषि विज्ञान के कार्यक्रमों एवं पाठ्यक्रमों का मानचित्रण' विषय पर आयोजित कार्यशाला में कृषि मंत्री ने कृषि शिक्षा में पारंपरिक भारतीय शब्दावली को अपनाने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि हम सदियों से बसंती और शारदीय फसल जैसे शब्दों का प्रयोग करते आ रहे हैं, जबकि रबी और खरीफ जैसे शब्द बाहरी प्रभाव से आए हैं। इसलिए कृषि के विद्यार्थियों को भारतीय कृषि परंपरा से जुड़े शब्दों का अध्ययन और उपयोग करना चाहिए। कृषि मंत्री ने कहा कि बिहार पूरे विश्व के 80 प्रतिशत से अधिक मखान का उत्पादन करता है।

मखाना की पहली खेप के सात कंटेनर आस्ट्रेलिया भेजे गए हैं, जो केंद्र सरकार की मखाना संवर्धन नीति की सफलता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि शिक्षा जब भारतीयता से जुड़ेगी, तभी विकसित भारत का सपना साकार होगा। सीयूएसबी के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि किसानों के लिए सफल कृषि माडल विकसित करना है। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत के लिए आत्मनिर्भर विश्वविद्यालय की अवधारणा पर बल दिया।

कार्यक्रम में गया के जिलाधिकारी शशांक शुभंकर, भारतीय भाषा समिति की संयुक्त सचिव डा. रचना विश्वकर्मा, डा. चंदन श्रीवास्तव सहित देशभर के कृषि वैज्ञानिक, शिक्षाविद और विशेषज्ञ उपस्थित रहे। कार्यशाला में भारतीय भाषाओं में कृषि शिक्षा, तकनीकी शब्दावली के मानकीकरण और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री विकसित करने पर चर्चा की गई।

सीयूएसबी में आयोजित कार्यशाला में मंचासीन अतिथि • जागरण

हथकरघा दिवस पर प्रभारी मंत्री को किया चरखा भेंट

संवाद सूत्र, जागरण • मानपुर : 12वें राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर गया जिले के प्रभारी मंत्री विजय कुमार सिन्हा को भाजपा बुनकर प्रकोष्ठ के प्रदेश सह-संयोजक गोपाल प्रसाद पटवा ने कुजापी बाईपास के पास सूत काटने का पारंपरिक चरखा भेंट किया। इस अवसर पर बुनकर प्रतिनिधियों ने मंत्री के समक्ष तीन प्रमुख मांगें रखीं। इनमें गया जिले के लिए विशेष हथकरघा योजना लागू करने, राज्य बुनकर एवं दस्तकार आयोग के गठन तथा हैंडलूम प्रक्षेत्र योजना के माध्यम से महिलाओं एवं युवाओं को जोड़ने के लिए विशेष नीति बनने की मांग शामिल है। श्री पटवा ने कहा कि हथकरघा देश की सांस्कृतिक विरासत है और बुनकरों के सशक्तिकरण के बिना 'वोकल फॉर लोकल' का लक्ष्य अधूरा रहेगा।

किराये के फ्लैट से संचालित हो रहा था गिरोह, पश्चिम बंगाल के नौ साइबर अपराधी गिरफ्तार

फर्जी कस्टमर केयर बनकर खाते करते थे साफ करोड़ों की साइबर ठगी का अड्डा उजागर

गिरफ्त में शातिर

जासं, गयाजी : अमेजन, फ्लिपकार्ट समेत नामी आनलाइन कंपनियों का फर्जी कस्टमर केयर बनकर लोगों के मोबाइल और कंप्यूटर पर कब्जा करना, फिर बैंक खाते की गोपनीय जानकारी और ओटीपी हासिल कर रकम उड़ा देना। गयाजी के रामपुर थाना क्षेत्र में किराये के एक फ्लैट से यही खेल चल रहा था। पुलिस ने इस संगठित साइबर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए पश्चिम बंगाल के नौ साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक जांच में करोड़ों रुपये की साइबर ठगी का खुलासा हुआ है। गिरोह भारत के कई राज्यों के अलावा अमेरिका समेत कई देशों के लोगों को भी अपना शिकार बना चुका है।

शुक्रवार को वरीय पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार ने प्रेसवार्ता में बताया कि रामपुर थाना क्षेत्र के व्हाइट हाउस कंपाउंड, रोड संख्या-6 स्थित मोतीमणि अपार्टमेंट के चौथे तल पर साइबर ठगों के सक्रिय होने की सूचना मिली थी। इसके बाद गठित एसआइटी ने छापेमारी कर गिरोह के नौ सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। इनमें पश्चिम बंगाल के नवेद अनवर, अफजल हुसैन, ओसामा परवेज, सदाशिव भान, मो. इंजमाम आलम, मो. सलमान, अदनाम अहमद, जीमल हुसैन और मो. शाहिद शामिल हैं।

पुलिस गिरफ्त में साइबर बदमाश • जागरण

पूछताछ में आरोपितों ने पुलिस को बताया कि वे अमेजन, फ्लिपकार्ट समेत अन्य आनलाइन शापिंग प्लेटफार्म के फर्जी कस्टमर केयर प्रतिनिधि बनकर लोगों को फोन करते थे। किसी आर्डर, रिफंड या तकनीकी समस्या के समाधान का झांसा देकर वे पीड़ितों से एनीडेस्क, अल्ट्रा व्यूअर, पोर्टशिप और साइलेंट जैसे रिमोट एक्सेस एप डाउनलोड करवा लेते थे। इन एप के जरिए मोबाइल या कंप्यूटर का पूरा नियंत्रण अपने हाथ में ले लेते थे। इसके बाद टेक्स्टप्लस जैसे एप से फर्जी आइडी बनाकर खुद को कंपनी का अधिकृत कर्मचारी बताते और बैंक खाते की गोपनीय जानकारी, ओटीपी तथा अन्य व्यक्तिगत विवरण हासिल कर खाते से रकम निकाल लेते थे।

अमेरिका समेत कई देशों के लोगों को भी बनाया शिकार

एसएसपी ने बताया कि गिरफ्तार सभी आरोपित उच्च शिक्षित हैं और तकनीकी जानकारी का इस्तेमाल कर साइबर ठगी को अंजाम देते थे। बरामद इलेक्ट्रानिक उपकरणों की फोरेंसिक जांच के बाद यह स्पष्ट होगा कि गिरोह ने कितने लोगों को ठगी का शिकार बनाया और लेन-देन का वास्तविक दायरा कितना बड़ा है। प्रारंभिक जांच में करोड़ों रुपये की ठगी की बात सामने आई है। उन्होंने बताया कि जिस अपार्टमेंट से गिरोह संचालित हो रहा था, उसके मालिक की भूमिका भी संदेह के घेरे में है। वहीं, फरार मास्टरमाइंड की तलाश के लिए अन्य राज्यों की साइबर पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों की मदद ली जा रही है। छापेमारी के दौरान छह लैपटाप, 15 मोबाइल फोन, विभिन्न बैंकों के 22 क्रेडिट व डेबिट कार्ड, 500 जीबी की हार्ड डिस्क, चार लैपटाप चार्जर, पांच माउस, एक वाई-फाई राउटर, पांच कलाई घड़िया, 9,500 रुपये नकद, एक नोटबुक तथा अन्य इलेक्ट्रानिक उपकरण बरामद किए गए हैं।

सरकार की नीतियों के विरोध में भाकपा की पदयात्रा शुरू

केंद्र सरकार के नीतियों के विरोध में निकली पदयात्रा में शामिल कार्यकर्ता • सौ पार्टी

संवाद सूत्र, जागरण • खिजरसराय : भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) ने केंद्रीय सरकार की नीतियों के खिलाफ शुक्रवार से राष्ट्रव्यापी पदयात्रा की शुरुआत की है, जो छह से 15 अगस्त तक चलेगी।

कार्यकर्ताओं को एक सितंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में प्रस्तावित रैली में शामिल होने का आह्वान किया गया है। पदयात्रा का शुभारंभ ग्राम पंचायत बिहटा के मांझी टोला से भाकपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य जानकी पासवान के नेतृत्व में हुआ। यह यात्रा बिहटा से निकलकर विभिन्न गांवों से गुजरी। जानकी पासवान ने केंद्र सरकार की आर्थिक, शिक्षा और कृषि नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि बिहार में सैटेलाइट टाउनशिप योजना के माध्यम से किसानों की जमीन कॉरपोरेट घरानों को दी जा रही है। उन्होंने बेरोजगारी और छोटे कारोबारियों के संकट पर भी चिंता व्यक्त की। पदयात्रा में सोहन मांझी, रामबालक जमादार, राजेंद्र दास, सीता यादव, आदर्श कुमार, केशरी दास सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता एवं ग्रामीण शामिल रहे।

// प्रणाम //

शनिवार, श्रावण कृष्ण दशमी, वि.स. 2083

- प्रेमचंद जयंती समारोह
  स्थान : टिकारी राज इंटर स्कूल
  समय : 10 बजे
- पंचायत प्रतिनिधियों का प्रशिक्षण
  स्थान : प्रेक्षागृह सह आर्ट गैलरी, गयाजी
  समय : 11 बजे
- निगरानी समिति की बैठक
  स्थान : मीटिंग सभागार इमामगंज
  समय : 11:30 बजे
- अर्जक संघ की बैठक
  स्थान : पुनावां, वजीरगंज
  समय : 12 बजे
- ध्वजारोहण तैयारी की बैठक
  स्थान : प्रखंड मुख्यालय, टनकुप्पा
  समय : 02 बजे
- जिला परिषद की विशेष बैठक
  स्थान : जिला परिषद सभागार
  समय : शाम 04 बजे।

निलांजन नदी में जलस्तर बढ़ा, किसानों के चेहरे खिले

नीलाजन नदी में आया पानी • जागरण

संवाद सूत्र, जागरण • डोभी: मानसून की सक्रियता के बीच निलांजन नदी में पानी आने से किसानों में खुशी की लहर है। नदी का जलस्तर बढ़ने के बाद घोड़ाघाट स्थित डैम से नहरों में पानी छोड़ा गया है, जिससे धान की रोपनी का कार्य तेज हो गया है। नहरों में पानी पहुंचने से सिंचाई की समस्या काफी हद तक हल होती दिख रही है।

मोटरसाइकिल चोरी

संस, जागरण • शेरघाटी : शेरघाटी के कचौड़ी टोला जनकपुर में चोरों ने एक घर के बरामदे से स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल चुरा ली। पीड़ित राजकिशोर कुमार, जो मोहनपुर थाना क्षेत्र के सुखदेवचक गांव के निवासी हैं, बहन के घर आए थे। उन्होंने रात करीब 10 बजे बाइक बरामदे में रखी थी। इस बाबत पीड़ित ने शेरघाटी थाना में प्राथमिकी कराई है।

डूबने से वृद्ध की मौत

संस, जागरण • गुरुआ : गुरुआ थाना क्षेत्र के अकोथरा गांव के समीप मोरहर नदी में शुक्रवार को नहाने के दौरान 75 वर्षीय ततबीर मांझी की डूबने से मौत हो गई। ततबीर मांझी परैया थाना क्षेत्र के विनोबा नगर गांव के निवासी थे और बेटी के घर अमीरगंज आए हुए थे। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी।

बोधगया केंद्रीय विद्यालय के लिए स्टांप शुल्क में शत प्रतिशत छूट

राज्य ब्यूरो, जागरण, पटना : बोधगया में केंद्रीय विद्यालय के भवन निर्माण के लिए 585.54 डिसमिल भूमि 99 वर्षों के लिए लीज पर ट्रांसफर किए जाने के दस्तावेज के निबंधन पर स्टांप शुल्क से 100 प्रतिशत की छूट प्रदान की गई है। मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है।

संघर्ष और बलिदान की पांच दशक पुरानी गाथा

बोधगया भूमि मुक्ति आंदोलन

संतोष कुमार • जागरण

1978 में शुरू हुआ आंदोलन बना सामाजिक बदलाव की मिसाल, हजारों भूमिहीन परिवारों को मिला अधिकार और सम्मान

बोधगया : बोधगया के इतिहास में 8 अगस्त सामाजिक न्याय, संघर्ष और बलिदान के प्रतीक के रूप में याद किया जाता है। इसी दिन से जुड़ा भूमि मुक्ति आंदोलन भूमिहीन किसानों और मजदूरों के अधिकारों की लड़ाई का महत्वपूर्ण अध्याय बन गया। वर्षों तक चले इस आंदोलन ने हजारों परिवारों के जीवन में बदलाव लाया। हर वर्ष 8 अगस्त को आंदोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि देकर उनके संघर्ष को याद किया जाता है।

वर्ष 1978 में भूमि सर्वेक्षण के दौरान बोधगया क्षेत्र में भूमि मुक्ति आंदोलन की नींव पड़ी। कटोरवा गांव में छात्र युवा संघर्ष वाहिनी के नेतृत्व में प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया, जहां से मठ की भूमि को भूमिहीन किसानों और मजदूरों के बीच दिलाने का अभियान शुरू हुआ। आंदोलन की पहली बड़ी शुरुआत बाराचट्टी प्रखंड के गोसाईं पेसरा गांव से हुई। इसके बाद यह बोधगया, मोहनपुर, बाराचट्टी, शेरघाटी, पत्थलगढ़, कटोरवा, मोचारीम और तुरीकला सहित कई गांवों तक फैल गया। आंदोलनकारियों ने मठ की भूमि पर बाहरी लोगों द्वारा खेती का विरोध किया और जमीन की सामूहिक सुरक्षा शुरू की। इससे ग्रामीणों में अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ी और आंदोलन को व्यापक समर्थन मिला। आंदोलन का सबसे दर्दनाक दौर 8 अगस्त 1979 को आया। बताया जाता है कि मठ की भूमि पर हल चलाए जाने का विरोध करने के लिए किसान और मजदूर शांतिपूर्ण जुलूस निकालकर जापान मंदिर के समीप पहुंचे थे। इसी दौरान कचहरी में लोगों ने निहत्थे आंदोलनकारियों पर बम और गोलियों से हमला कर दिया। इस घटना में रामदेव मांझी और पांचू मांझी की मौत हो गई, जबकि जानकी मांझी गंभीर रूप से घायल होकर दिव्यांग हो गए। इस बलिदान के बाद आंदोलन को नई ऊर्जा मिली। वर्ष 1980 में किसानों और मजदूरों ने मठ की भूमि पर सामूहिक खेती शुरू की। धीरे-धीरे विभिन्न क्षेत्रों में मठ की कचहरियों को हटाने और भूमि पर किसानों का अधिकार स्थापित करने का अभियान चला। आंदोलन का बड़ा परिणाम 14 नवंबर 1987 को सामने आया, जब करीब 35 हजार एकड़ भूमि 48 हजार भूमिहीन किसानों के बीच वितरित की गई।

TRISHA NURSING INSTITUTE
INC
INDIAN NURSING COUNCIL
APPROVED NURSING COLLEGE
COURSES OFFERED
•ANM •GNM •B.Sc. NURSING ADMISSION OPEN
Campus: Punpun, Patna
+91 9031665403/9031665404

APR Cinemas
SPIDER-MAN: BRAND NEW DAY (HINDI,3D)- 9:15AM, 10:30AM, 01:10PM, 2:15PM,3:50PM, 6:30PM, 9:15PM
SPIDER-MAN: BRAND NEW DAY (ENGLISH,3D)- 4:45 PM
DHAMAAL 4- 7:15PM
DC (HINDI)- 11:45AM, 9:40PM
DOLBY ATMOS APR CINEMAS NOW IN DOLBY ATMOS !!!

लेट्स इंस्पायर ने नेता प्रतिपक्ष के आरोप को बताया भ्रामक

जासं, सासाराम (रोहतास) : डेहरी-डालमियानगर नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी बिमल कुमार हत्या मामले में विधानसभा के प्रतिपक्ष नेता तेजस्वी यादव द्वारा दिए गए बयान को लेट्स इंस्पायर से जुड़े लोगों ने भ्रामक करार दिया है। लेट्स इंस्पायर बिहार जिला इकाई सदस्यता अभियान के अध्यक्ष अखिलेश सिंह ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता कर कहा कि ईओ की हत्या मामले में नेता प्रतिपक्ष द्वारा राज्य के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी व मगध जोन के आइजी विकास वैभव पर लगाए गए आरोप पूरी तरह से भ्रामक हैं। विकास वैभव की गिनती एक ईमानदार व कर्तव्यनिष्ठ अधिकारियों में होती है। उनके नेतृत्व में लेट्स इंस्पायर बिहार राज्य को विकसित बनाने का अभियान चला रहा है। गैर राजनीति भावना से प्रेरित होकर ही हर दल के लोग आज इस अभियान से जुड़े हैं और कार्यक्रम में शामिल होते हैं।

प्रेस वार्ता में पत्रकारों को जानकारी देते लेट्स इंस्पायर के अखिलेश कुमार व अन्य • जागरण

आइजी विकास वैभव के समर्थन में उतरे कई संगठन के लोग : इधर, डेहरी अनुमंडल विधिज्ञ संघ के पूर्व अध्यक्ष उमाशंकर पांडेय, बंदी अधिकार आंदोलन के प्रतिनिधि संतोष उपाध्याय तथा जदयू के वरिष्ठ नेता व चिकित्सक डाक्टर निर्मल कुशवाहा ने संयुक्त बयान जारी कर कहा कि एसआइटी की जांच पूरी होने से पहले किसी निष्कर्ष पर पहुंचना न्यायसंगत नहीं है।

रविदास जयंती वर्ष पर पावन कलश प्राप्त

संवाद सूत्र, जागरण • मानपुर : संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती वर्ष के अवसर पर पटना के ज्ञान भवन में शुक्रवार को आयोजित समारोह में गया जिले के लिए पावन कलश प्राप्त किया गया। भाजपा गया जिला पूर्वी के जिला उपाध्यक्ष प्रमोद चौधरी ने श्रद्धापूर्वक कलश को अपने माथे पर धारण कर उसे ग्रहण किया। इस कलश में संत गुरु रविदास जी महाराज की जन्मभूमि की पावन मिट्टी विराजमान है। पावन कलश मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एवं बिहार भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी से प्रदान किया गया। प्रमोद चौधरी ने कहा कि यह पूरे गया जिले के लिए गौरव और आस्था का विषय है। उन्होंने बताया कि गुरु रविदास का संदेश सामाजिक समरसता, समानता और मानव सेवा का प्रतीक है।

स्तनपान के महत्व की दी गई जानकारी

जासं, गया: विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर इनरव्हील क्लब आफ गया सिटी ने वंचित एवं जरूरतमंद परिवारों के बीच स्तनपान जागरूकता सत्र का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य माताओं को शिशु के पोषण, स्वास्थ्य और स्तनपान के महत्व के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्मिता भदानी ने की। मुख्य वक्ता स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डा. हर्षु सेठ ने बताया कि नवजात शिशु के जन्म के बाद पहले छह माह तक केवल मां का दूध ही उसके संपूर्ण विकास के लिए पर्याप्त होता है। इससे बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और वे कई प्रकार के संक्रमण से सुरक्षित रहते हैं। उन्होंने माताओं को नवजात की देखभाल और संतुलित पोषण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां भी दीं।

स्मिता भदानी ने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों तक सही स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी जानकारी पहुंचाना आवश्यक है, ताकि कोई बच्चा कुपोषण का शिकार न हो। क्लब की सचिव कंचन कुमार ने बताया कि इनरव्हील क्लब भविष्य में भी स्वास्थ्य जागरूकता और जनकल्याण से जुड़े कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित करेगा। इस अवसर पर आशा मित्तल, अनीता अग्रवाल, प्रभा देवी, निशा भदानी, सीमा भदानी, स्मिता निलेश, रंजना निवादिया, बबीता, रंजना भदानी, राखी कुमारी, शीतल प्रसाद एवं श्वेता प्रकाश सहित क्लब की कई सदस्याएं उपस्थित रहीं। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग दिया और महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी से लाभान्वित किया।

कार्यक्रम में शामिल इनर व्हील क्लब आफ गया सिटी की सदस्य • सौ. इनरव्हील क्लब

Form No.32 - Patna
[See Regulations 14 of DRT Regulations 2024]
[See Rule 23 (viii) of the DRT (Procedure) Rules, 1993]
Government of India
Ministry of Finance
Department of Financial Services
Debts Recovery Tribunal
2nd Floor, Karpuri Thakur Sadan, Rajiv Nagar, Patna -25.
O.A. No. 879 of 2025 Exh
Applicant(s) State Bank of India, SARB, Patna.
V/s
Defendant(s) M/s Madheshiya Enterprises & Ors.
PRABHUNATH PRASAD, Guarantor- Madheshiya Enterprises, S/o Vinda Prasad. At- Guthni, PO- Guthni, Near Guthni Chauraha, Guthni Mairwa Road, District- Siwan, Bihar-841435
SUMMONS
1. WHEREAS, O.A. No. 879 of 2025 was listed before Hon'ble Presiding Officer/ Registrar on 14/11/2025
2. WHEREAS, this Hon'ble Tribunal is pleased to issue summons/notice on the said application under section 19(4) of the Act, (OA) file against you for recovery of debts of Rs. 21,65,466.82/-
3. WHEREAS, the service of summons/Notice could not be effected in the Ordinary manner and whereas the Application of substituted service has been allowed by this Tribunal.
4. In accordance with sub-section (4) of Section 19 of the Act, you, the defendants are directed as under :
i. To show cause within thirty days of the service of summons as to why relief prayed for should not be granted;
ii. To disclose particulars of properties or assets other than properties and assets specified by the applicant under serial number 3A of the Original Application;
iii. You are restrained from dealing with or disposing of secured assets or such other assets and properties disclosed under serial number 3A of the original application, pending hearing and disposal of the application for attachment of properties;
iv. You shall not transfer by way of sale, lease or otherwise, except in the ordinary course of his business any of the assets over which security interest is created and / or other assets and properties specified or disclosed under serial number 3A of the original application without the prior approval of the Tribunal.
v. You shall be liable to account for the sale proceeds realized by sale of secured assets or other assets and properties in the ordinary course of business and deposit such sale proceeds in the account maintained with the bank or financial institutions holding activity interest over such assets.
5. You are also directed to file the written statement with a copy thereof furnished to the applicant and to appear before Registrar on 08.09.2026 at 10:30 AM. failing which the application shall be heard in your absence. Given under my hand and the seal for this Tribunal on this 16.07.2026.
Registrar,
Debts Recovery Tribunal, Patna

Form No.32 - Patna
[See Regulations 14 of DRT Regulations 2024]
[See Rule 23 (viii) of the DRT (Procedure) Rules, 1993]
Government of India
Ministry of Finance
Department of Financial Services
Debts Recovery Tribunal
2nd Floor, Karpuri Thakur Sadan, Rajiv Nagar, Patna -25.
O.A. No. 177 of 2026 Exh
Applicant(s) State Bank of India, SARB, Patna.
V/s
Defendant(s) 1. M/S RAJ POLYMERS (Prop- Khusboo Raj) Chandmari Road, North Dahiyawan, Chapra, District- Saran, Bihar- 841301
2. KHUSBOO RAJ, W/O Shri Akash Raj, Bhully Ekma, District- Saran, Bihar- 841208
SUMMONS
1. WHEREAS, O.A. No. 177 of 2026 was listed before Hon'ble Presiding Officer/ Registrar on 25/03/2026
2. WHEREAS, this Hon'ble Tribunal is pleased to issue summons/notice on the said application under section 19(4) of the Act, (OA) file against you for recovery of debts of Rs. 22,26,844.60/-
3. WHEREAS, the service of summons/Notice could not be effected in the Ordinary manner and whereas the Application of substituted service has been allowed by this Tribunal.
4. In accordance with sub-section (4) of Section 19 of the Act, you, the defendants are directed as under :
i. To show cause within thirty days of the service of summons as to why relief prayed for should not be granted;
ii. To disclose particulars of properties or assets other than properties and assets specified by the applicant under serial number 3A of the Original Application;
iii. You are restrained from dealing with or disposing of secured assets or such other assets and properties disclosed under serial number 3A of the original application, pending hearing and disposal of the application for attachment of properties;
iv. You shall not transfer by way of sale, lease or otherwise, except in the ordinary course of his business any of the assets over which security interest is created and / or other assets and properties specified or disclosed under serial number 3A of the original application without the prior approval of the Tribunal.
v. You shall be liable to account for the sale proceeds realized by sale of secured assets or other assets and properties in the ordinary course of business and deposit such sale proceeds in the account maintained with the bank or financial institutions holding activity interest over such assets.
5. You are also directed to file the written statement with a copy thereof furnished to the applicant and to appear before Registrar on 11.09.2026 at 10:30 AM. failing which the application shall be heard in your absence.
6. Given under my hand and the seal of this Tribunal on this 20.07.2026.
Registrar,
Debts Recovery Tribunal, Patna

पंजाब नैशनल बैंक ...भरोसे का प्रतीक ! punjab national bank ...the name you can BANK upon !
शाखा कार्यालय: सीओ सैम सर्किल ऑफिस, गया (आर के पैलेस, राय काशी नाथ मोड़, गया) ईमेल: cogayasamd@pnb.co.in
अचल संपत्तियों की बिक्री के लिए बिक्री सूचना
वित्तीय संपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और प्रवर्तन के तहत अचल संपत्तियों की बिक्री के लिए ई-नीलामी बिक्री सूचना प्रतिभूति हित अधिनियम, 2002 को प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 (6) के आलोक में पठित
एतद्द्वारा सामान्य रूप से जनता को और विशेष रूप से ऋणी (यों) और गारंटीकर्ता (ओं) को सूचित किया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति सुरक्षित लेनदार के पास गिरवी रखी गई है, जिसका रचनात्मक/भौतिक/प्रतीकात्मक कब्जा पीएनबी द्वारा ले लिया गया है। बैंक के प्राधिकृत अधिकारी /सिक्योर्ड क्रेडिटर को अपनी बकाया राशि की वसूली के लिए नीचे दी गई तालिका में उल्लिखित तिथि को "जहाँ है जैसा है, जैसा है जो है और जो कुछ भी है" पर बेचा जाएगा। संबंधित कर्जदार (ओं) और गारंटर (ों) से बैंक / सुरक्षित लेनदार के बकाए। आरक्षित मूल्य और बयाना राशि जमा नीचे दी गई तालिका में संबंधित संपत्तियों के अनुसार होगी।
सुरक्षित संपत्ति की अनुसूची

लॉट नम्बर	क. शाखा का नाम ख. खाते का नाम ग. उधारकर्ता/गारंटर के खाते का नाम एवं पता	बंधक रखी गई अचल संपत्तियों (भूमि और भवन) का विवरण, बंधककर्ता/संपत्ति के मालिक के नाम सहित	क. सरफेसी अधिनियम 2002 की धारा 13 (2) के तहत डिमांड नोटिस की तारीख ख. बकाया राशि ग. सरफेसी अधिनियम 2002 की धारा-13 (4) के तहत कब्जे की तारीख घ. कब्जे की प्रकृति प्रतीकात्मक/भौतिक	1. आरक्षित मूल्य (लाख में) 2. ईएमडी 3. बोली वृद्धि राशि	ई नीलामी का दिनांक/ समय	सुरक्षित लेनदारों को ज्ञात ऋणभारों का विवरण
1.	क. शाखा: शेरघाटी, गया, ख. मेसर्स वैष्णवी ट्रेडिंग प्रॉपराइटर -श्री अवधेश मिश्रा, ग. मेसर्स वैष्णवी ट्रेडिंग प्रॉपराइटर-श्री अवधेश मिश्रा पिता श्री कृष्णा चन्द्र मिश्रा, पता- गोपालपुर, शेरघाटी, जिला-गया-824211	भूमि एवं भवन के अंतर्गत विक्रय विलेख संख्या-2928 दिनांक -06/04/2017, खाता संख्या-149, प्लॉट संख्या-1012, थाना संख्या-817, क्षेत्रफल-2.0 डिसमिल, चौहद्दी -उत्तर -श्रीमती पुष्पा देवी एवं सुरेश सिंह, दक्षिण - हृदय सिंह, पूर्व - निज रोड, पश्चिम -कृष्णा पासवान जो मौजा-गोपालपुर, थाना-शेरघाटी, जिला-गया में श्री अवधेश मिश्रा पिता कृष्णा चंद्र मिश्रा के नामपर स्थित है।	क. 11.06.2021 ख. बकाया राशि: रू. 37,54,332.86/-(रुपये सैंतीस लाख चौवन हजार तीन सौ बत्तीस एवं छियासी पैसे मात्र) दिनांक 31.03.2021 तक साथ ही दिनांक 01.04.2021 से अतिरिक्त ब्याज एवं अन्य खर्च पूर्ण भुगतान होने तक। ग. 28.09.2021 घ. प्रतीकात्मक कब्जा	1. रू. 15,50,000/- 2. रू. 1,55,000/- 3. रू. 10,000/-	दिनांक 24.09.2026 को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक	शून्य

नियम एवं शर्तें:
बिक्री सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम 2002 में वर्णित नियमों एवं निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगी:
1. संपत्तियों को 'जैसा है जहां है के आधार पर' और 'जैसा है जो है के आधार पर' और 'जो कुछ भी है' के आधार पर बेचा जा रहा है।
2. ऊपर दी गई अनुसूची में निर्दिष्ट सुरक्षित संपत्तियों का विवरण प्राधिकृत अधिकारी की सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार बताया गया है, लेकिन प्राधिकृत अधिकारी इस उद्घोषणा में किसी भी त्रुटि, गलत विवरण या चूक के लिए जवाबदेह नहीं होगा।
3. बिक्री अधोहस्ताक्षरी द्वारा वेबसाइट https://baanknet.com पर उपलब्ध ई-नीलामी प्लेटफॉर्म के माध्यम से 24.09.2026 को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक की जाएगी।
बिक्री के विस्तृत नियम और शर्तों के लिए कृपया https://baanknet.com और www.pnbindia.in देखें।
दिनांक- 08.08.2026
स्थान- गया
विवाद की स्थिति में अंग्रेजी पाठ्य मान्य होगा
सरफेसी अधिनियम, 2002 के नियम 8 (6) के तहत वैधानिक बिक्री सूचना
श्री विद्यानन्द मिश्रा
प्राधिकृत अधिकारी
पंजाब नेशनल बैंक, सुरक्षित ऋणदाता
मो.- 9051446655

पशुपालन निदेशालय, बिहार सरकार द्वारा जनहित में जारी
बिहार सरकार
बिहार पशु प्रजनन विनियमन अधिनियम, 2025
बेहतर नस्ल ★ अधिक उत्पादन ★ सुरक्षित भविष्य
पशुपालकों एवं कृत्रिम गर्भाधान (AI) से जुड़े सभी व्यक्तियों के लिए महत्वपूर्ण सूचना
बिहार सरकार द्वारा "बिहार पशु प्रजनन विनियमन अधिनियम, अगस्त 2025" से लागू किया गया है। इसका उद्देश्य राज्य में गुणवत्तापूर्ण पशु प्रजनन सेवाएँ सुनिश्चित करना तथा पशुधन की नस्ल एवं उत्पादकता में सुधार करना है।
मुख्य प्रावधान
केवल पंजीकृत Artificial Insemination Technician (AIT) ही AI सेवा प्रदान करेंगे।
केवल प्रमाणित एवं अधिकृत सीमेन/ सेक्स-सॉर्टेड सीमेन का ही उपयोग एवं वितरण किया जाएगा।
सीमेन बैंक, AI सेवा प्रदाता, AI प्रशिक्षण संस्थान एवं IVF-ET प्रयोगशालाओं का पंजीकरण अनिवार्य होगा।
अपंजीकृत अथवा अवैध रूप से पशु प्रजनन संबंधी गतिविधियाँ करना दण्डनीय अपराध होगा।
पशुपालकों से अपील
कृत्रिम गर्भाधान केवल अधिकृत तकनीशियन से ही कराएँ।
AI कराने से पहले तकनीशियन का पंजीकरण/पहचान अवश्य देखें।
अधिक दूध उत्पादन, स्वस्थ बछड़े तथा बेहतर नस्ल के लिए प्रमाणित सीमेन का ही उपयोग कराएँ।
AI तकनीशियन, निजी संस्थान एवं सीमेन विक्रेताओं हेतु
पंजीकरण
यदि आप कृत्रिम गर्भाधान सेवा, सीमेन वितरण, सीमेन बैंक, प्रशिक्षण संस्थान अथवा अन्य पशु प्रजनन गतिविधियों से जुड़े हैं, तो अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार आवश्यक पंजीकरण एवं अनुज्ञप्ति प्राप्त करें।
नोट: अधिनियम का उल्लंघन करने पर जुर्माना एवं अन्य दण्डात्मक कार्रवाई का प्रावधान है।
अधिक जानकारी हेतु संपर्क करें
अपने जिला के जिला पशुपालन पदाधिकारी
या
बिहार लाइवस्टॉक डेवलपमेंट एजेंसी, बिहार, पटना
ईमेल: pdblda.pat@gmail.com
PR No.-009537 (Animal)D. 2026-27
सशक्त नस्ल – समृद्ध पशुपालक – विकसित बिहार
पशुपालन निदेशालय
डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग, बिहार सरकार

Jagran
दैनिक जागरण
TRIPLE धमाका ऑफर
अभूतपूर्व भागीदारी के लिए सभी पाठकों का आभार
गारंटीड उपहार!
उपहार वितरण
10 अगस्त से 22 अगस्त 2026 तक*
गारंटीड उपहार प्राप्त करने के लिए पाठक के पास सही भरा हुआ कूपन-प्रपत्र और REGISTRATION CODE / UNIQUE ID होना अनिवार्य है
• जिन पाठकों ने गारंटीड उपहार के लिए रजिस्ट्रेशन नहीं किया है, उनको मेगा ड्रा में शामिल किया जाएगा • गारंटीड उपहार प्राप्त करने और मेगा ड्रा का कूपन प्रपत्र जमा कराने हेतु पाठकों को नीचे दिए गए पते पर संपर्क करना होगा • समय सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक रहेगा। उपहार वितरण सेंटर्स रविवार को भी खुले रहेंगे। सिर्फ 15 अगस्त (शनिवार) को ये सेंटर्स बंद रहेंगे।
◆ पटना 01. दैनिक जागरण कार्यालय, सी 5,6 और 15 पाटलिपुत्र इंडस्ट्रियल एरिया 2. कंगन घाट रोड, चौक थाना के सामने, पटना सिटी 3. अमित इलेक्ट्रिकल्स, दल्लूचक, आनंद मार्केट के पास, खगौल, पटना 4. रंजीत कुमार जायसवाल, मोबिल दुकान, हॉस्पिटल मोड़, दानापुर, पटना 5. धर्मवीर समाचार पत्र एजेंसी, इंडस्ट्रियल एरिया, माउंट स्कूल के सामने, रायपुरा, फतुहा 6. बालाजी इंटरप्राइजेज, दैनिक जागरण, पीतांबर नगर, पेट्रोल पंप के पास, मनेर रोड, बिहटा 7. विशाल न्यूज एजेंसी, न्यू मार्केट, स्टेशन रोड, पटना ◆ आरा . दैनिक जागरण कार्यालय शिवम कॉम्प्लेक्स, रमना रोड, पकड़ी ◆ बेगूसराय दैनिक जागरण कार्यालय चांदसी मेडिकल शॉप, पशुपालन अस्पताल के पास ◆ बिहारशरीफ दैनिक जागरण कार्यालय, वेटनरी हॉस्पिटल के पास, हॉस्पिटल मोड़, भैंसासुर ◆ बक्सर दैनिक जागरण कार्यालय, ज्योति चौक, बक्सर ◆ छपरा दैनिक जागरण एजेंसी, कचहरी स्टेशन रोड, नियर दुर्गा मंदिर के पीछे योगिनियां कोठी, छपरा । ◆ गोपालगंज रजत समाचार एजेंसी, पोस्ट ऑफिस चौक ◆ हाजीपुर दैनिक जागरण कार्यालय, प्रथम तल, महेंद्र कॉम्प्लेक्स यादव चौक, सिनेमा रोड ◆ जहानाबाद दैनिक जागरण कार्यालय, वी 2 मॉल के पास, होरिलगंज, जहानाबाद ◆ सीवान दैनिक जागरण कार्यालय, नगर परिषद के पास, कचहरी रोड, सीवान ◆ गया दैनिक जागरण कार्यालय, कॉटन मिल कंपाउंड, छोटकी नवादा, गया जी ◆ नवादा दैनिक जागरण एजेंसी, बिहार बस स्टैंड के पास, भगत सिंह चौक, नवादा M: 7909017414 ◆ सासाराम दैनिक जागरण कार्यालय, रौजा रोड, सदर अस्पताल के सामने, सासाराम ◆ कैमूर दैनिक जागरण कार्यालय, एकता चौक, सब्जी मंडी, भभुआ ◆ औरंगाबाद नागा बिगहा, शान्ति योग स्कूल के बगल में मो. 7004410561
• कूपन एवं कूपन प्रपत्र मूल रूप में होने चाहिए तथा किसी भी प्रकार की छाया प्रति स्वीकार नहीं की जाएगी • अधूरा / गलत भरा अथवा फटा हुआ कूपन प्रपत्र स्वीकार नहीं होगा • एक दिनांक का एक ही कूपन स्वीकार्य होगा • पाठक पूर्ण रूप से भरा हुआ प्रपत्र (REGISTRATION CODE / UNIQUE ID सहित) अपने नजदीकी उपहार वितरण केंद्र में प्रस्तुत कर अपना गारंटीड उपहार प्राप्त कर सकते हैं • पाठक जो मोबाइल नंबर प्रपत्र पर लिखेंगे, उस मोबाइल का पाठक के पास होना अनिवार्य है • एक प्रपत्र पर एक ही मोबाइल नंबर लिखा जाएगा • उपहार प्राप्त करने के लिए विजेताओं को उनके द्वारा भरे गए कूपन प्रपत्र में दिए गए नाम एवं फोटो की भारत सरकार द्वारा मान्य फोटो व आई.डी. की मूल प्रति दिखानी होगी • साथ ही उसी की छायाप्रति जमा करवानी होगी। टीडीएस, इन्श्योरेन्स / रोड टैक्स आदि के मद में आने वाले उपहार प्राप्त करने के लिए सभी टैक्स की राशि विजेता द्वारा ही देय होगी। *अन्य नियम व शर्तें लागू

चेरकी पैक्स अध्यक्ष व प्रबंधक पर प्राथमिकी

जांच में गोदाम मिला बंद, अध्यक्ष ने समय मिलने पर चावल जमा करने की कही बात

- 35.96 लाख रुपये के धान गबन के आरोप में हुई है प्राथमिकी
- पूर्व में भी चेरकी पैक्स कई वर्षो तक रहा है डिफाल्टर

संवाद सहयोगी • शेरघाटी : थाना क्षेत्र के चेरकी पैक्स अध्यक्ष और प्रबंधक के खिलाफ सरकारी धान गबन के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है। जिला सहकारिता पदाधिकारी गया की जांच में मामला सामने आने के बाद सहकारिता प्रसार पदाधिकारी तुषार अनल चन्द्र के आवेदन पर शेरघाटी थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, विपणन वर्ष 2025-26 में चेरकी पैक्स द्वारा कुल 362.188 मीट्रिक टन धान की खरीद की गई थी।

इसमें से 211.969 मीट्रिक टन धान के समतुल्य सीएमआर (चावल) बिहार राज्य खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति निगम को जमा किया गया, जबकि 150.219 मीट्रिक टन धान के समतुल्य सीएमआर अब तक जमा नहीं किया गया है। विभाग ने इसकी सरकारी कीमत 35 लाख 96 हजार 242 रुपये 86 पैसे बताई है।

विभागीय आवेदन में बताया गया है कि अवशेष धान के सत्यापन के लिए पैक्स के सरकारी गोदाम का निरीक्षण किया गया, लेकिन गोदाम बंद मिला। पैक्स अध्यक्ष से दूरभाष पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनके स्वजनों ने उनके घर से बाहर होने की जानकारी दी।

विभाग का आरोप है कि कई बार पत्र भेजकर सीएमआर जमा करने का निर्देश दिए जाने के बावजूद कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया। आवेदन में आशंका जताई गई है कि शेष धान को खुले बाजार में बेचकर सरकारी राशि का गबन किया गया है। इसी आधार पर शेरघाटी थाना में कांड संख्या 375/26 के तहत मामला दर्ज किया गया है। थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार ने बताया कि शिकायत के आधार पर विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। मामले की जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

इधर, पैक्स अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने बताया कि पूर्व में पैक्स डिफॉल्टर रहा था और उन्होंने काफी राशि अपने स्तर से जमा की है। इस बार समय पर सीएमआर जमा नहीं हो पाया है। उन्होंने कहा कि समय मिलने पर चावल जमा कर दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि पूर्व में भी चेरकी पैक्स गबन के मामले में कई वर्षों तक डिफाल्टर रहा था, जिसके कारण यह पैक्स एक बार फिर सवालों के घेरे में है।

एसएमएसजी कालेज में शिक्षकों ने किया प्रदर्शन

संसू, जागरण • शेरघाटी : शुक्रवार को एसएमएसजी कालेज, शेरघाटी के शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों ने प्रस्तावित बिहार विश्वविद्यालय अधिनियम-2026 के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने इसे विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता पर हमला बताते हुए तत्काल वापस लेने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने उनकी मांगों पर विचार नहीं किया, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। विरोध-प्रदर्शन में डा. अजेंद्र कुमार, डा. रजनीश कुमार, डा. शिवपूजन प्रसाद, डा. शैलेश कुमार, डा. विक्रम प्रसाद, रवि रंजन कुमार, शिशिर कुमार, सूर्य प्रकाश, डॉ. अरुण कुमार सहित अन्य शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारी मौजूद रहे।

छात्रों की आवाज से बदली मवि. सिमुआरा की तस्वीर

सिमुआरा मध्य विद्यालय का न्यू कैम्पस • जागरण

संवाद सहयोगी, जागरण • टिकारी: प्रखंड अंतर्गत मध्य विद्यालय सिमुआरा का कायाकल्प छात्रों के हंगामे के बाद हुआ है। छात्रों की शिकायत पर स्कूल के दोनों कैम्पस में बिजली, पानी, शौचालय, एमडीएम जैसी मूलभूत सुविधाएं बहाल कर दी गई हैं। हाल ही में अनुमंडल पदाधिकारी ने बच्चों के साथ बैठकर एमडीएम का भोजन ग्रहण किया और गुणवत्ता पर संतोष व्यक्त किया। विद्यालय में सुविधाओं के बहाल होने पर छात्र-छात्राओं और अभिभावकों ने सराहना की है। पंचायत के मुखिया प्रभु रजक ने विद्यालय प्रांगण में पेवर ब्लाक का सोलिंग कार्य कराया, जिससे इसकी रौनक बढ़ गई है।

विद्यालय में 333 बच्चे नामांकित हैं। पुराने भवन में कक्षा 1-5 और नए भवन में कक्षा 6-8 के वर्ग संचालित होते हैं। पहले कक्षा एक और दो के बच्चे स्कूल के बरामदे में पढ़ाई करते थे, लेकिन जांच अधिकारियों के निर्देश पर उन्हें अब अलग-अलग कमरों में शिफ्ट कर दिया गया है। स्कूल में कुल 17 पंखे हैं और शुद्ध पेयजल के लिए 9 नल और एक स्वचालित आरओ युक्त शीतल पेयजल की व्यवस्था है। दोनों स्कूल कैम्पस में 3-3 शौचालय भी हैं। बच्चों के पठन-पाठन के लिए प्रधानाध्यापक सहित कुल 10 शिक्षक कार्यरत हैं। प्रधानाध्यापक विजय कुमार ने बताया कि सभी शिकायतों का समाधान वरीय पदाधिकारियों के निर्देशानुसार किया गया है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि कुछ लोगों के बहकावे में आकर बच्चों ने एसडीएम कार्यालय में शिकायत की थी, जो बाद में चर्चा का विषय बन गया।

बिहार सरकार

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग

कृषि वानिकी (अन्य प्रजाति) योजना में शामिल होने का सुनहरा अवसर

कृषकों के लिए खुशखबरी

पौधे लगाएं, पर्यावरण बचाएं। आमदनी और हरियाली बढ़ायें।

वृक्षों से लाभ

अतिरिक्त आय | तापमान में संतुलन | जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव से बचाव | स्वच्छ वायु | हरित आवरण में वृद्धि

मात्र ₹10 प्रति पौधे की सुरक्षित राशि देकर पौधे प्राप्त करें। 3 वर्ष पश्चात् 50 प्रतिशत या उससे अधिक पौधे जीवित रहने की स्थिति में ₹50 प्रति पौधा प्रोत्साहन राशि के साथ-साथ सुरक्षित जमा राशि ₹10 भी वापस कर दिया जायेगा।

कृषकों से अनुरोध है कि,
योजना अन्तर्गत सुरक्षित राशि ₹10/- प्रति पौधा भुगतान करने हेतु संबंधित वन प्रमण्डल पदाधिकारी के कार्यालय में संपर्क कर निम्न माध्यमों से राशि का भुगतान करें।
1. सुरक्षित राशि Fixed Deposit या NSC जिसकी वैधता 15 जून 2029 तक हो के माध्यम से संबंधित वन प्रमण्डल पदाधिकारी के पदनाम से उपलब्ध करायी जा सकती है।
या
2. नगद राशि भी जमा किया जा सकता है।

आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि : 31.08.2026

- अधिक जानकारी के लिए कार्यालय अवधि में हमें कॉल करें : 0612-2226911
- संलग्न आवेदन पत्र भरकर, स्थानीय वन प्रमण्डल या वन प्रक्षेत्र कार्यालय में सुरक्षित राशि ₹10/- प्रति पौधा के साथ समर्पित करें।

विस्तृत जानकारी एवं शर्तों के लिए https://state.bihar.gov.in/cache/36/Media%20Gallery/Scheme%20Info/krishivaniki%20_os.pdf लिंक पर क्लिक करें या hariyalimission@gmail.com पर ई. मेल करें।

DEFCCofficial

कृषि वानिकी (अन्य प्रजाति) योजना में शामिल होने के लिए आवेदन प्रपत्र

1. वन प्रमंडल का नाम :- .... 2. जिला का नाम :- ....
3. वन प्रक्षेत्र इकाई का नाम :- .... 4. प्रखंड का नाम :- ....
5. आवेदक का नाम :- .... 6. पिता/पति का नाम :- ....
7. पेशा :- .... 8. जन्म तिथि :- ....
9. स्थायी पता :- ....
10. वर्तमान पत्राचार का पता :- ....
(दूरभाष/मोबाईल नं0) .... 11. ई-मेल (यदि हो) :- ....
12. भूमि का विवरण :-

क्र0	खाता नं0	खेसरा नं0	रकबा (एकड़ में)	रसीद सं0/वर्ष

13. समूह में आवेदन करने पर भूमि की विवरणी (जगह कम पड़ने पर अलग पृष्ठ में विवरणी संलग्न करें।)

क्र0	खाता नं0	खेसरा नं0	रकबा (एकड़ में)	रसीद सं0/वर्ष

14. प्रस्तावित वृक्षारोपण (कृपया ✓ करें)
(क) फार्म वानिकी (पूरी भूमि पर)
(ख) कृषि वानिकी (कृषि फसलों के साथ या मेढ़ पर)
15. इच्छित प्रजाति का नाम लिखें।

क्र0 सं0	प्रजाति का नाम	पौधों की संख्या

16. बैंक खाता विवरणी :-

बैंक खाता नं0	बैंक का नाम एवं शाखा	I.F.S.C कोड

17. घोषणा :- मैं स्वेच्छा से अपनी भूमि पर वृक्षारोपण करना चाहता/चाहती हूँ तथा रोपित पौधों की सुरक्षा एवं संपोषण की जिम्मेदारी लेता/लेती हूँ। वृक्षों के परिपक्व होने अथवा आँधी तूफान में गिरने/सूखने की स्थिति में ही इन पौधों की कटाई आवश्यकतानुसार करूँगा/करूँगी। पौधों का सुरक्षित मूल्य देने के लिए मैं सहमत हूँ।
संलग्न अभिलेख की विवरणी
1.
2.
3.

आवेदक का हस्ताक्षर एवं पूरा नाम (तिथि के साथ)

PR No.- 009538 (Forest)D. 2026-27

स्वस्थ समाज

शांत मन सुखद जीवन

नकारात्मक सोच तनाव और डर को जन्म देती है।
सदा सकारात्मक रहने का प्रयास करें।

जागरण

जागरण प्रकाशन लिमिटेड द्वारा जनहित में जारी

गैस के अभाव में तीन माह से बंद रोगी आहार योजना, मरीजों के स्वजन परेशान

संवाद सूत्र • गुरुआ : गुरुआ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में भर्ती मरीजों को पिछले तीन माह से भोजन और सुबह के नाश्ते की व्यवस्था ठप है। भर्ती मरीजों के स्वजन अपने स्तर से भोजन और नाश्ते की व्यवस्था करने को मजबूर हैं। स्वजन का कहना है कि सरकारी अस्पताल में इलाज के साथ भोजन की सुविधा भी मिलनी चाहिए, लेकिन व्यवस्था बंद होने से अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ रहा है। सीएचसी के हेल्थ मैनेजर अजीत कुमार ने बताया कि रोगी आहार उपलब्ध कराने वाले संवेदक वेंडर के पास गैस की उपलब्धता नहीं होने से पिछले तीन माह से भोजन बनाने का कार्य बंद है। इसी वजह से भर्ती मरीजों को भोजन और नाश्ता नहीं मिल पा रहा है।

राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार

विज्ञापन संख्या – 03/2026

विशेषज्ञ चिकित्सकों के लिए
वॉक–इन रिक्रूटमेंट

कुल रिक्त पदों की संख्या – 450

इच्छित जिला चुनने का विकल्प

न्यूनतम 3 वर्षो की अवधि के साथ पदस्थापन

आवेदन देने की प्रारंभिक तिथि एवं समय	07.08.2026 के 10:00 बजे पूर्वाह्न से
आवेदन देने की अंतिम तिथि एवं समय	21.08.2026 के 06:00 बजे अपराह्न तक

रिक्तियों का विवरण, निर्देश तथा ऑनलाइन आवेदन के लिए QR कोड स्कैन करें अथवा shs.bihar.gov.in पर जाएं, "मानव संसाधन (Human Resource)" अनुभाग में जाकर "विज्ञापन (Advertisement)" पर क्लिक करें।

कार्यपालक निदेशक

उक्त सूचना state.bihar.gov.in/prdbihar पर भी देखी जा सकती है।

PR. No.009533 (BBC) 2026-27

नशे से बनानी दूरी है, क्योंकि परिवार जरूरी है।

निर्वाचन विभाग
मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, बिहार का कार्यालय
7, सरदार पटेल मार्ग (मैंगल्स रोड), पटना–800015

बिहार सरकार

पंजीकृत अमान्यता प्राप्त राजनीतिक दल (आर यू पी पी), जिनका मुख्यालय बिहार राज्य में स्थित है, हेतु आवश्यक सूचना

स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचन के संचालन हेतु सभी दलों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी पारदर्शिता संबंधी दिशा–निर्देशों का अनुसरण करें। उल्लेखनीय है कि भारत निर्वाचन आयोग का पत्रांक 76/पीपीईएमएस/पारदर्शिता/2013 दिनांक 29.08.2014 एवं पत्रांक 76/पीपीईएमएस/पारदर्शिता/2013 दिनांक 19.11.2014, जो सभी राजनीतिक दलों के अध्यक्ष/महासचिव को संबोधित है, द्वारा दल की निधियों एवं निर्वाचन व्यय मामलों में पारदर्शिता एवं लेखांकन पर विस्तृत दिशा–निर्देश दिये गये हैं। इसी क्रम में भारत निर्वाचन आयोग का पत्रांक 76/पीपीईएमएस/पारदर्शिता/2013 दिनांक 29.08.2014 द्वारा निर्देशित किया गया है कि पंजीकृत अमान्यता प्राप्त राजनीतिक दल (Registered Unrecognized Political Party) अपने निर्वाचन व्यय, अंशदान रिपोर्ट और वार्षिक लेखा–परीक्षित लेखे से संबंधित विवरण उस राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के कार्यालय में जमा करायेंगे, जिस राज्य में राजनीतिक दल का मुख्यालय अवस्थित है।

भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के पत्रांक 56/Complaint-RUPP/PPEMS/2025 दिनांक 06.01.2026, जो इस कार्यालय के पत्रांक 353 दिनांक 13.01.2026 द्वारा बिहार राज्य स्थित सभी पंजीकृत अमान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों (RUPPs) को प्रेषित है तथा मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, बिहार के वेबसाईट https://ceoelection.bihar.gov.in पर प्रदर्शित भी है, में उपरोक्त प्रतिवेदनों को जमा करने हेतु निम्न समयावधि (Time line) वर्णित है :–

(a) अंशदान रिपोर्ट (फार्म–24क) [Contribution Report (Form-24A)] – गत वित्तीय वर्ष (Preceding FY) का अंशदान रिपोर्ट 31 अक्टूबर तक या आयकर विवरणी दाखिल करने के लिए सी0बी0डी0टी0 द्वारा यथा विस्तारित वैसी तारीख तक दाखिल किया जाना है।

(b) वार्षिक लेखा–परीक्षित लेखे (Annual Audited Accounts) – आयकर विवरणी दाखिल करने की नियत तिथि से एक माह के भीतर दाखिल किया जाना है।

(c) निर्वाचन व्यय का विवरण (Statement of Election Expenditure) – विधान सभा निर्वाचन के पूरा होने के 75 दिनों और लोक सभा निर्वाचन के पूरा होने के 90 दिनों के भीतर।

साथ ही पत्र की कंडिका–4 में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि "any Contribution Reports of the Party received beyond the due date shall be treated as non-compliance within the meaning of Section 29C (3) of the Representation of the People Act, 1951, and shall not be taken on record for any purpose."

विदित हो कि जिन संबंधित पंजीकृत अमान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों द्वारा मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, बिहार के कार्यालय में अंशदान रिपोर्ट, वार्षिक लेखा–परीक्षित लेखे एवं निर्वाचन व्यय का विवरण समर्पित/दाखिल किये गये हैं, वह मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, बिहार के वेबसाइट के लिंक https://ele.bihar.gov.in/rupp-mis/ पर उपलब्ध है, जहाँ से इसका अवलोकन किया जा सकता है।

अतः उक्त के आलोक में वैसे सभी पंजीकृत अमान्यता प्राप्त राजनीतिक दल, जिनका मुख्यालय बिहार राज्य में अवस्थित है, से अनुरोध है कि आयोग द्वारा विहित समय और रीति के अनुसार उपर्युक्त रिपोर्ट/विवरण मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, बिहार के कार्यालय, 7, सरदार पटेल मार्ग (मैंगल्स रोड), पटना–800015 में जमा किया जाये।

विस्तृत जानकारी state.bihar.gov.in/prdbihar पर भी देखी जा सकती है।

PR- 009541 (Election) 2026-27 नशे की मार, बर्बाद करे सुखी परिवार।

उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी

Bihar Urban Infrastructure Development Corporation Limited

A Government of Bihar Undertaking

Building Better Tomorrow

Govt. of Bihar

NOTICE INVITING Re-TENDER

FOR

Construction of Storm Water Drainage System for Bodhgaya Nagar Parishad Area, Bodhgaya, Bihar under Atmanirbhar Bihar Saat Nischay2

(Through e-procurement mode only- www.eproc2.bihar.gov.in)

NIT.No- BUIDCo/ Yo-2069/2021(Part-2)-59

1. Bihar Urban Infrastructure Development Corporation Limited (BUIDCo) invites bids from eligible experienced Firms / Contractors / Agencies.

Name of Work	Estimated Cost	Bid Document cost	Bid Security (EMD) in Lakh.	Time for completion	Bid Processing Fee
Construction of Storm Water Drainage System for Bodhgaya Nagar Parishad Area, Bodhgaya, Bihar under Atmanirbhar Bihar Saat Nischay-2	Rs. 89,61,19,016.00	Rs. 59,000.00	Rs. 99.62	24 Months	As per eproc2

2.	Date of Downloading of Bid Document	:	From 12.08.2026 to 01.09.2026 up to 05:00 P.M. Through website : www.eproc2.bihar.gov.in .
3.	Place & Date of pre-bid meeting	:	Date:-17.08.2026, Time 03.00 P.M; BUIDCo Office, *West Boring Cannal Road (Rajapur Pul) Patna, Bihar, India, PIN -800 001* Query may be send only on e-mail id- pdhqbuidco@gmail.com up to date 17.08.2026, Time 05.00 PM. No Query will be entertained after the last date time of submission of queries & other than the given e-mail.
4.	Last Date and time for uploading of bid.	:	Date:-01.09.2026 up to 05.00 P.M. Through website : www.eproc2.bihar.gov.in .
5.	Last Date and time for submission of hard copy of EMD	:	Date:- 02.09.2026, Time 03.00 P.M
6.	Time & Date of opening technical bids	:	Date:- 02.09.2026, Time 03.30 P.M
7.	Time & date of opening financial bids	:	To be communicated later on.
8.	Place of opening of Bid	:	Through website : www.eproc2.bihar.gov.in .
9.	Periods of bids validity	:	120 Days.
10.	Officer inviting bids	:	Chief General Manager, South Bihar, BUIDCo.
11.	Any Contractor registered with Central Government /any State Government or any PSU or an agency of international or national repute may give the tender but registration with BUIDCo will be essential after issue of LOA.		
12.	For participating in E – tendering process, the contractor shall have to get themselves registered to get user ID, Password and Digital signature. This will enable them to access the website www.eproc2.bihar.gov.in and download/participate in E – tender.		
13.	All tender queries related to this tender shall be communicated to pdhqbuidco@gmail.com (i) Bid processing fees to be paid through online mode i.e. Internet payment getaway (Credit/Debit Card), Net Banking, NEFT/R TGS. (ii) Bids along with necessary online payments must be submitted through e -procurement portal www.eproc2.bihar.gov.in before the date & time specified in the NIT. The department does not take any responsibility for the delay/Non availability of internet conne ction, Network Traffic/Holidays or any other reasons".		

#West Boring Canal Road (Rajapur Pul) Patna, Bihar, India, PIN -800 001 (Tel: +91 612-2558412, Web:-https://buidco.in, Email: mdbuidco@gmail.com)

For further details please visit : www.state.bihar.gov.in/prdbihar

Chief General Manager, South Bihar, BUIDCo.

PR, No. 009386 (B&C) 2026-27 सुरक्षित जीवन अपनाओ, अपनी नियमित एच.आई.वी. जाँच कराओ।

वजीरगंज में नल–जल व बिजली व्यवस्था पर हंगामा

फतेहपुर पंचायत समिति की बैठक में सरकारी दर पर उर्वरक मुहैया कराने की उठी मांग

वजीरगंज पंचायत समिति की बैठक में शामिल अधिकारी एवं प्रतिनिधि • जागरण

टनकुप्पा में आयोजित बैठक करते अधिकारी एवं पदेन सदस्य • जागरण

संवाद सूत्र • वजीरगंज/फतेहपुर : प्रखंड मुख्यालय सभागार में शुक्रवार को पंचायत समिति की मासिक बैठक में विकास योजनाओं के साथ-साथ नल-जल और बिजली व्यवस्था के मुद्दे पर जमकर हंगामा हुआ। बैठक की अध्यक्षता प्रमुख फुलवा देवी ने तथा संचालन बीडीओ प्रभाकर सिंह ने किया। 16वें वित्त आयोग एवं सातवें राज्य वित्त आयोग की राशि से कराए जाने वाले कार्यों की योजनाओं को स्वीकृति दी गई। साथ ही नई विकास योजनाओं को भी सूचीबद्ध किया गया। बीडीओ ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार से प्राप्त राशि का पारदर्शी उपयोग करते हुए सड़क, नाली, जल निकासी और सामुदायिक भवन जैसी मूलभूत योजनाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। प्रमुख ने स्वीकृत योजनाओं को समय पर और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा कराने का निर्देश दिया।

योजनाओं की समीक्षा के दौरान माहौल तब गरमा गया, जब सदस्यों ने नल-जल योजना की बदहाल स्थिति का मुद्दा उठाया। कई पंचायतों में पेयजल आपूर्ति ठप रहने, पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने और मोटर खराब रहने की शिकायत करते हुए सदस्यों ने पीएचईडी के कनीय अभियंता से जवाब मांगा। शिकायतों के बावजूद समस्या के समाधान में उदासीनता का आरोप लगाते हुए कुछ देर तक बैठक में शोर-शराबा होता रहा। बिजली व्यवस्था को लेकर भी सदस्यों ने नाराजगी जताई। उन्होंने क्षेत्र में लो वोल्टेज, अनियमित आपूर्ति और कृषि कार्य के लिए पर्याप्त बिजली नहीं मिलने की समस्या उठाई। साथ ही आरोप लगाया कि बिजली विभाग के कनीय अभियंता पिछले पांच वर्षों से पंचायत समिति की बैठकों में शामिल नहीं हुए हैं। सदस्यों ने अगली बैठक में उनकी उपस्थिति सुनिश्चित कराने की मांग की। जीविका के कार्यों की समीक्षा के दौरान स्वयं सहायता समूहों को समय पर ऋण और प्रशिक्षण नहीं मिलने का मुद्दा भी उठा। बीडीओ ने लापरवाही मिलने पर संबंधित कर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई का आश्वासन दिया। बैठक के शुरुआती दो घंटे पूर्व बैठक की कार्यवाही के अनुपालन की समीक्षा में बीते, जबकि कई विभागों द्वारा अनुपालन प्रतिवेदन प्रस्तुत नहीं करने पर उनके विरुद्ध कार्रवाई का प्रस्ताव पारित किया गया।

इधर, टनकुप्पा प्रखंड मुख्यालय में प्रमुख चिकी कुमारी की अध्यक्षता में बैठक हुई। बीडीओ गौरी कुमारी ने पदेन सदस्यों का परिचय कराया तथा गत बैठक की कार्यवाही की समीक्षा के साथ बैठक का संचालन किया। बैठक में पंसस संतोष कुमार सुमन समेत सभी सदस्यों ने बैठकों से लगातार अनुपस्थित रहने वाले अधिकारियों के विरुद्ध स्पष्टीकरण लेकर कार्रवाई के लिए जिलाधिकारी को पत्र भेजने का प्रस्ताव पारित किया। सदस्यों ने दर्जनाचक आंगनबाड़ी केंद्र में सेविका-सहायिका की बहाली, प्रखंड मुख्यालय की बंद कैंटीन चालू कराने, 15 अगस्त से पहले पार्क की सफाई, बिजली व्यवस्था में सुधार के लिए नया पावर सब स्टेशन स्थापित करने तथा किसानों को सरकारी दर उर्वरक उपलब्ध कराने की मांग उठाई। आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को नियमित सुबह का नाश्ता उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया। उतलीबार की मुखिया कंचन देवी ने नल-जल योजना, राशन कार्ड और भूमि विवाद के समाधान का प्रस्ताव रखा। चौवार की मुखिया गायत्री देवी ने सलखही आहर में चेक डैम व चलका निर्माण तथा नल-जल योजना में सुधार की मांग की। भेटौरा के मुखिया दिलीप यादव ने करियादपुर उप स्वास्थ्य केंद्र से एंबुलेंस हटाए जाने पर नाराजगी जताते हुए उसे वापस भेजने की मांग की। बैठक में जियनबीघा रेलवे क्रॉसिंग की समस्या, बिजली आपूर्ति में सुधार, शिक्षक उदय कुमार का मूल विद्यालय में पदस्थापन, प्रथम प्रमुख रामजी यादव की प्रतिमा प्रखंड पार्क में स्थापित करने तथा समृद्धि यात्रा के दौरान गेहूं की फसल क्षति झेलने वाले किसानों को मुआवजा देने का प्रस्ताव भी रखा गया।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–टेंडरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए मंडल रेल प्रबंधक (इंजी०)/वाराणसी निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन (ई–टेंडरिंग) के माध्यम से 'खुली निविदा' आमंत्रित करते हैं। कार्य का नाम: शिवान यार्ड– आवश्यक अतिरिक्त यातायात सुविधाओं के साथ पुनर्निर्माण कार्य (03 रनिंग लाइन, नौन रनिंग लाइन को रनिंग लाइन में परिवर्तित करना, लॉक्स/कैब प्लेटफॉर्म आदि)।; ई–निविदा सूचना सं.: एनईआर–बीएसबी–2026–100; अनुमानित लागत(₹): ₹17,68,76,030/-; बयाना राशि (बिड सिक्योरिटी)(₹): ₹35,37,500/-; निविदा बन्द होने की तिथि: 01.09.2026; स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि: 12 माह। • निविदा सूचना संख्या एनईआर–बीएसबी–2026–100 दिनांक 01.09.2026 को 1130 बजे तक ऑनलाइन जमा कर सकेंगे। • पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें। • यदि निविदा सूचना में हिन्दी एवं अंग्रेजी में अंतर होता है तो निविदा सूचना में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा। मंडल रेल प्रबन्धक/(इन्जी०) मुजाधि/कम्प्यू–269 वाराणसी

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

पूर्व मध्य रेल

खुली ई-निविदा सूचना

निविदा संख्या–ई.सी.आर.–सीटीसीपी–वीटी–1 बार महाप्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार)/हाजीपुर द्वारा निम्न कार्य हेतु भारत के राष्ट्रपति की ओर से ई–निविदा आमंत्रित करते हैं।

1. कार्य का नाम और स्थान ईसीआर के 06 स्टेशनों (डीएनएन, वीईडी, पीएनबीई, आरजेपीबी, एसपीजे से आरएक्सएल) पर मौजूदा सीसीटीवी सिस्टम की कोडल लाइफ पूरी होने पर एनआरएस और एआई के साथ बदलकर आईएसएमएस कार्यों के तहत स्थापित सीसीटीवी सिस्टम का अपग्रेडेशन। 2. कार्य की अनुमानित लागत: रु. 35,56,50,075.14 (पैंतीस करोड़ छियासी लाख पचास हजार पचहत्तर रुपये और चौदह पैसे मात्र)। 3. जमा की जाने वाली बयाना राशि (Earnest Money) रु.71,73,000/– (इकहत्तर लाख तिहत्तर हजार रुपये) और टेंडर डॉक्यूमेंट की लागत: रु. 0.00 (शून्य रुपये मात्र) 4. टेंडर जमा करने की अंतिम तिथि और समय: दिनांक 27.08.2026 को 1230 बजे तक और ई–टेंडर खोलना: दिनांक 27.08.2026 को 1230 बजे के बाद। 5. टेंडर का पूरा विवरण: www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है। यदि टेंडर डॉक्यूमेंट/खोलने या बंद करने की तारीख में कोई बदलाव होता है, तो उसे www.ireps.gov.in पर अपलोड किया जाएगा। रेलवे प्रशासन के पास बिना कोई कारण बताए किसी भी समय टेंडर को बदलने/रद्द करने/स्थगित करने का अधिकार सुरक्षित है।

उप मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर/प्रोजेक्ट्स पूर्व मध्य रेलवे/हाजीपुर

बिहार/365/एस&टी/एसएसटी/टी/26–27/10

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबंधक(इंजी.)/पूर्व मध्य रेल/समस्तीपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से नीचे लिखे गये कार्यों के लिए अनुभवी एवं वित्तीय क्षमता रखने वाले निविदादाताओं से भारतीय रेल के आई.आर.ई.पी.एस. वेब पोर्टल पर खुली ई–निविदा के रूप में आमंत्रित करती है:

1. निविदा सूचना सं.: टी.सी.–111–2026–एस.पी.जे. कार्य का नाम: जयनगर स्टेशन पर पाथवेजोइन एवं दीवार के सीलन तथा पानी रूम, लॉबी एवं टीटीई विश्रामालय के सौंदर्य का मरम्मत। निविदा लागत: रु. 7445559.01 बयाने की राशि: रु. 148900.00 कार्य की समाप्ति अवधि: 03 माह

2. निविदा सूचना सं.: टी.सी.–112–2026–एस.पी.जे. कार्य का नाम: दरभंगा–सकरी टीबीएसआर (एच बीम)–198 नग, सकरी–जयनगर टीबीएसआर (एच बीम)–373 नग एवं समस्तीपुर–समस्तीपुर टीबीएसआर (एच बीम)–825 नग। निविदा लागत रु. 47623979.90 बयाने की राशि: रु. 953500.00 कार्य की समाप्ति अवधि: 06 माह

3. निविदा सूचना सं: टी.सी.–113–2026–एस.पी.जे. कार्य का नाम: हसनपुर में स्टेशन से हट आरपीएफ कार्यालय तक रोड एवं अतिक्रमण को रोकने हेतु दीवार का प्रावधान। निविदा लागत रु. 31388738.53 बयाने की राशि: रु. 626700.00, कार्य की समाप्ति अवधि: 08 माह

4. निविदा सूचना सं: टी.सी.–114–2026–एस.पी.जे. कार्य का नाम: सरायरंजन में ट्यूबवेल सिंकिंग एवं पम्प हाउस सहित 50000 गैलन क्षमता वाले आरसीसी ओवरहेड टैंक का निर्माण। निविदा लागत: रु. 28508927.68 बयाने की राशि: रु. 570100.00 कार्य की समाप्ति अवधि 10 माह

5. निविदा सूचना सं: टी.सी.–115–2026–एस.पी.जे. कार्य का नाम: सहरसा में ट्यूबवेल सिंकिंग एवं पम्प हाउस सहित 50000 गैलन क्षमता वाले आरसीसी ओवरहेड टैंक का निर्माण। निविदा लागत: रु. 26324647.77, बयाने की राशि रु. 526500.00 कार्य की समाप्ति अवधि 10 माह

(i) आई.आर.ई.पी.एस. वेब पोर्टल पर ई–निविदा के रूप में निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि एवं समय: 31.08.2026 को 12:00 बजे तक। (ii) ई–निविदा खुलने की तिथि एवं समय: 31.08.2026 को 12.00 बजे के बाद। (iii) वेबसाइट का विवरण जहाँ से निविदा एवं निविदा प्रपत्र की विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है वेबसाइट www.ireps.gov.in उपरोक्त निविदा से संबंधित यदि कोई भी संशोधन/परिवर्तन किया जाता है तो उसकी सूचना समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किया जाएगा बल्कि वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जाएगा।

वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/समन्वय पूर्व मध्य रेल/समस्तीपुर

बिहार/062/एसपीजे/इंजी/टी/26–27/64

डोभी में 4,000 तिरंगा वितरित करने का लक्ष्य

संसू, जागरण • डोभी: स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 9 से 17 अगस्त 'हर घर तिरंगा अभियान–2026' को सफल बनाने के लिए बीडीओ ने दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इस वर्ष अभियान का आयोजन 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में किया जा रहा है। इसका उद्देश्य प्रत्येक नागरिक के घर, कार्यालय एवं सार्वजनिक स्थलों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर देशभक्ति, राष्ट्रगौरव और जनभागीदारी की भावना को मजबूत करना है। प्रखंड में न्यूनतम 4,000 तिरंगे उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। ध्वजों के निर्माण एवं वितरण की जिम्मेदारी जीविका समूहों को दी गई है। इन ध्वजों का वितरण पंचायत प्रतिनिधियों, स्वयं सहायता समूहों, आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के माध्यम से कराया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोग अपने घरों पर तिरंगा फहरा सकें। 12 अगस्त से तिरंगा रैली, तिरंगा दौड़, साइकिल रैली, 'सेल्फी विद तिरंगा' अभियान, तिरंगा प्रदर्शनी, सांस्कृतिक कार्यक्रम, वंदे मातरम् का सामूहिक गायन, आनलाइन क्विज, चित्रकला, निबंध, लेखन प्रतियोगिता एवं प्रमुख सरकारी भवनों की तिरंगा थीम पर प्रकाश सज्जा कराई जाएगी। सभी विभागों को अभियान से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करने और व्यापक जनसहभागिता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

कुशल शिक्षक बनकर राष्ट्र निर्माण में दें योगदान

बीएड इंडक्शन मीट में छात्र-छात्राओं का स्वागत कार्यक्रम • सौ. कालेज प्रशासन

जासं, गयाजी: अनुग्रह मेमोरियल कालेज के बीएड विभाग में शुक्रवार को सत्र 2026-28 के नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं के लिए इंडक्शन मीट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कालेज के प्राचार्य डा. नजीर अख्तर, बीएड विभागाध्यक्ष डा. मानिक मोहन शुक्ला एवं अन्य शिक्षकों ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। द्वितीय वर्ष की छात्राओं ने सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत कर नए विद्यार्थियों का अभिनंदन किया। प्राचार्य डा. नजीर अख्तर ने कहा कि शिक्षक समाज का सबसे सम्मानित व्यक्तित्व होता है। विद्यार्थियों को लगन और अनुशासन के साथ अध्ययन कर एक कुशल शिक्षक बनकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिए। विभागाध्यक्ष डा. मानिक मोहन शुक्ला ने कहा कि योग्य शिक्षक ही देश के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला हैं। परीक्षा नियंत्रक डा. उमाशंकर सिंह ने कहा कि शिक्षक होना केवल पेशा नहीं, बल्कि एक पवित्र दायित्व है। पाली विभागाध्यक्ष डा. दिलीप कुमार ने भगवान बुद्ध के आदर्शों को शिक्षक जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी।

पंचायत कोना

ब्लाक मोड़ के पास आटो स्टैंड बना हादसों का कारण

पंसू, जागरण • कहुदाग (बाराचट्टी): बाराचट्टी प्रखंड के कहुदाग पंचायत के गजरागढ़ स्थित ब्लाक मोड़ के सामने सड़क किनारे खड़े ऑटो और टेम्पो स्थानीय लोगों के लिए समस्या बन गए हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह स्थान सड़क दुर्घटनाओं का केंद्र बनता जा रहा है। ब्लॉक मोड़ की ओर से आने वाले वाहन तेज रफ्तार में होते हैं, जबकि सामने बड़ी संख्या में ऑटो और टेम्पो खड़े रहते हैं। यहां कोई अधिकृत टेम्पो स्टैंड नहीं है, फिर भी प्रतिदिन दर्जनों वाहन सड़क के बीचोंबीच और किनारे खड़े रहते हैं। संजय कुमार सुमन एवं उप प्रमुख इंद्रदेव यादव ने प्रशासन से इस समस्या का समाधान करने की मांग की है। उन्होंने अवैध वाहनों को हटाने, अधिकृत स्टैंड की व्यवस्था करने और यातायात को सुव्यवस्थित करने की आवश्यकता पर जोर दिया है।

बाराचट्टी का ब्लॉक मोड़ तथा गजरागढ़ बाजार तीन मुहाना • सौ. पंसू

बाराचट्टी प्रखंड मुख्यालय परिसर की लाइट खराब

पंचायत सूत्र जागरण • कहुदाग (बाराचट्टी) : बाराचट्टी प्रखंड मुख्यालय परिसर में सांसद मद से लगाई गई स्ट्रीट लाइटें पिछले कई महीनों से बंद पड़ी हैं, जिससे रात होते ही पूरा परिसर अंधेरे में डूब जाता है। इस स्थिति ने सरकारी संपत्ति की सुरक्षा के साथ-साथ अधिकारियों, कर्मचारियों और आम लोगों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। स्थानीय निवासी नवल किशोर गुप्ता ने इसे गंभीर लापरवाही बताया, जबकि शंकर प्रसाद केशरी ने अंधेरे में विषैले जीवों के घुसने की आशंका जताई। राजू गुप्ता ने कहा कि असामाजिक तत्वों के सक्रिय होने का खतरा भी है। स्थानीय लोगों और साइबर कैफे संचालकों ने संबंधित अधिकारियों को लिखित आवेदन देकर स्ट्रीट लाइटों को शीघ्र चालू करने की मांग की है। अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि खराब स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत कर उन्हें जल्द चालू किया जाएगा। अब स्थानीय लोगों की निगाहें विभागीय कार्रवाई पर टिकी हैं।

बाराचट्टी मुख्यालय में लगा बंद स्ट्रीट लाइट • सौ. पंसू

पीसीसी सड़क और नाली निर्माण को मिली मंजूरी

वार्ड नंबर नौ जहां सड़क और नाली का होगा निर्माण • सौ. पंचायत सूत्र

पंचायत सूत्र, जागरण • सिंदुआर (मोहनपुर): सिंदुआर पंचायत के झलार गांव के वार्ड नंबर नौ में पीसीसी सड़क एवं नाली की समस्या को लेकर दैनिक जागरण में प्रकाशित खबर के बाद मुखिया उमेश पासवान एवं पंचायत सचिव ने गांव का दौरा किया। जांच में ग्रामीणों की शिकायतें सही पाई गईं। इसके बाद पंचायत ने झलार गांव में पीसीसी सड़क एवं नाली निर्माण की मंजूरी दी। इस सूचना से ग्रामीणों में खुशी की लहर दौड़ गई। उन्होंने दैनिक जागरण का आभार व्यक्त किया, जिसने उनकी समस्या को प्रमुखता से उठाया। ग्रामीणों ने मुखिया उमेश पासवान को धन्यवाद दिया।

न्यायालय,
श्रीमान् अपर समाहर्ता महोदय
गया जी
म्युटेशन रिवीजन वाद संख्या–
20/2022–23
साधु दास..........................आवेदक
बनाम
अंचल अधिकारी नगर अंचल गया
वगैरह..........................विपक्षीगण

नोटिस बनाम : 1. बाबूलाल रविदास वल्द स्वर्गीय बालगोविन्द रविदास वर्तमान निवासी मोहल्ला शास्त्रीनगर, पोस्ट + थाना मगध मेडिकल, जिला–गया 2. बालदेव रविदास वल्द स्वर्गीय विशेश्वर रविदास निवासी ग्राम पोस्ट बेलहारी, थाना–बेलागंज, जिला गया

आवेदक द्वारा उपरोक्त दाखिल खारिज रिविजन वाद दायर किया गया है जो मेरे न्यायालय में लंबित है।

चूंकि आपलोग को न्यायालय द्वारा नोटिस भेजा जा चुका है बावजूद नोटिस के आप लोग उपरोक्त दाखिल खारिज रिविजन वाद में उपस्थित नहीं हो सके हैं अतः आपको इस पेपर प्रकाशन के माध्यम से सूचित किया जाता है कि आप उपरोक्त दाखिल खारिज रिविजन वाद में मेरे न्यायालय में दिनांक 27.08.2026 बजे 10.30 AM पूर्वाह्न स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष रखें अन्यथा आपके विरुद्ध एकपक्षीय करवाई की जाएगी इसे अति आवश्यक समझें मेरे द्वारा हस्ताक्षरित एवं न्यायालय के मुहर से जारी।

अपर समाहर्ता
गया जी

न्यायालय
भूमि सुधार उपसमाहर्ता
नालन्दा
दाखिल खारिज अपील वाद संख्या–
227/2026
अभिमन्यु सिंह..........................अपीलकर्ता
बनाम
अंचलाधिकारी, राजगीर, वगैरह.......
विपक्षीगण

नोटिस बनाम 1. रामचन्द्र प्रसाद वल्द रामविलास प्रसाद निवासी महल्ला वीरकुंवर सिंह कॉलोनी, गली न.–11, पोस्ट सिविल एरोड्रम, थाना–मगध मेडिकल, जिला–गया को बजरिये दैनिक समाचार पत्र के माध्यम से आपलोगों को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त वाद को वादीगण ने आपलोगों के विरुद्ध मेरे न्यायालय में उपरोक्त वाद दायर किया है जिसमें मेरे न्यायालय द्वारा आपलोगों को नजारत एवं निबंधित डाक द्वारा नोटिस भेजा गया है बावजूद इसके आपलोग उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत नहीं कर रहे हैं जिसके कारण मुकदमा के निष्पादन में अनावश्यक रूप से विलंब हो रहा है।

अतः आपलोगों को अंतिम रूप से हिन्दी दैनिक समाचार पत्र के माध्यम से सूचित किया जाता है कि उपरोक्त मुकदमा में सुनवाई हेतु अगली तिथि दिनांक 10.08.26 को निर्धारित है अतः उक्त तिथि को आप स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें अन्यथा आपके विरुद्ध एक पक्षीय सुनवाई प्रारम्भ कर दी जायेगी इसे अति आवश्यक समझें। आज दिनांक 20.08.26 को मेरे हस्ताक्षर एवं मोहर से जारी किया गया।

भूमि सुधार उप समाहर्ता
राजगीर, नालन्दा

अनियंत्रित ई-रिक्शा की टक्कर से मासूम की मौत, चालक को पिटाई

शेरघाटी-चेरकी मार्ग पर सगाही बाजार के पास वेला मोड़ के पास घटना

संवाद सहयोगी, जागरण, शेरघाटी : शेरघाटी-चेरकी मार्ग पर सगाही बाजार के समीप बेला मोड़ के पास शुक्रवार को एक अनियंत्रित ई-रिक्शा की चपेट में आने से पांच वर्षीय बालक सत्यम कुमार की मौत हो गई। सत्यम, दखिनखाप गांव निवासी गौतम कुमार यादव का पुत्र था और वर्तमान में उसका परिवार सगाही बाजार में रह रहा था। वह ट्यूशन पढ़कर घर लौट रहा था, तभी तेज रफ्तार ई-रिक्शा ने उसे टक्कर मार दी। हादसा इतना गंभीर था कि उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना से आक्रोशित स्थानीय लोगों ने ई-रिक्शा चालक को पकड़कर उसकी पिटाई कर दी, लेकिन चालक किसी तरह भागने में सफल रहा। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलने पर शेरघाटी थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस फरार चालक की पहचान कर उसकी गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि चालक को जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा।

कुम्हारी के समीप सड़क हादसे में दो युवक घायल

संसू, जागरण • रोही (बाराचट्टी) : बाराचट्टी प्रखंड की रोही पंचायत अंतर्गत कुम्हारी गांव के समीप सुलेबट्टा-चांदौं मार्ग पर गुरुवार देर रात सड़क दुर्घटना में दो लोग घायल हो गए। कुम्हारी निवासी भगीरथ महतो धान के खेत में पानी की स्थिति देखने जा रहे थे। इसी दौरान चांदौं की ओर से आ रही एक बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बाइक सवार भी सड़क किनारे खेत में जा गिरा और घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने भगीरथ महतो को सीएचसी, बाराचट्टी पहुंचाया। सूचना मिलने पर डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची और घायल बाइक सवार, जिसकी पहचान दिव्नीयां निवासी संजय यादव के पुत्र के रूप में हुई, को भी अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने दोनों को अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कालेज एवं अस्पताल, गया रेफर कर दिया।

कष्ठा स्टेशन के समीप ट्रेन से गिरकर अज्ञात महिला की गई जान, पहचान में जुटी पुलिस

जासं, गयाजी: गया-डीडीयू रेलखंड पर कष्ठा स्टेशन के समीप गुरुवार देर शाम ट्रेन से गिरने से एक अज्ञात महिला की मौत हो गई। रेल थानाध्यक्ष शिवकुमार यादव ने बताया कि कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। मृतका की पहचान के लिए आसपास के थानों, स्थानीय लोगों और अन्य माध्यमों से जानकारी जुटाई जा रही है। उन्होंने बताया कि अज्ञात शवों को पहचान के लिए 72 घंटे तक सुरक्षित रखा जाता है। पहचान नहीं होने पर कानूनी प्रक्रिया के तहत अंतिम संस्कार कराया जाता है। रेल पुलिस ने लोगों से अपील की है कि यदि किसी महिला के लापता होने या घटना से संबंधित कोई जानकारी हो तो तत्काल रेल थाना या नजदीकी पुलिस स्टेशन को सूचित करें, ताकि मृतका की पहचान कर स्वजन तक सूचना पहुंचाई जा सके।

गुरुआ में टोटो की टक्कर से मासूम की गई जान

संसू, जागरण • गुरुआ : गुरुआ थाना क्षेत्र के सगाही बाजार में शुक्रवार शाम सड़क हादसे में नर्सरी के छात्र सत्यम कुमार की टोटो की चपेट में आने से मौत हो गई। मृतक की पहचान सगाही गांव निवासी गौतम यादव के पांच वर्षीय पुत्र के रूप में हुई है। सत्यम स्कूल की छुट्टी के बाद पैदल घर लौट रहा था। इसी दौरान राजन मोड़ के समीप तेज रफ्तार टोटो ने उसे टक्कर मार दी, जिससे मौके पर उसने दम तोड़ दिया।

चोरों ने सेवईचक गांव में बंद घर में की चोरी

पंचायत सूत्र, जागरण, पकरतन (डोभी) : थाना क्षेत्र के सेवईचक गांव में शिव मंदिर के पास कमलाकांत मिश्रा के बंद घर में चोरों ने मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर प्रवेश किया और अलमारी व बक्सों को खंगालकर कीमती सामान लेकर फरार हो गए।

सूचना मिलते ही डोभी थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की और आवश्यक साक्ष्य जुटाए। गृह स्वामी के घर पर न होने के कारण चोरी गए सामान की स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पा रही है। घर में रखे सामान की जांच के बाद ही नुकसान की वास्तविक जानकारी सामने आएगी।

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर बुनकरों का सम्मान

संवाद सूत्र, जागरण • मानपुर: मगध क्षेत्रीय हथकरघा सहकारी संघ लिमिटेड के कार्यालय पिहानी पटवा टोली में शुक्रवार को 12वां राष्ट्रीय हथकरघा दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यतिथि समाज के अध्यक्ष प्रमोद कुमार एवं वार्ड प्रतिनिधि मुन्ना कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। अध्यक्षता देवलाल प्रसाद ने की। समारोह में हैंडलूम से निर्मित सूती वस्त्रों के निर्माण से जुड़े बुनकरों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुन्ना पाल, प्रेम नारायण, खूब लाल, ललिता देवी, कविता देवी सहित बड़ी संख्या में बुनकर उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान केंद्र एवं बिहार सरकार के समक्ष बुनकरों की 9 सूत्री मांगें रखी गईं, जिनमें पेंशन योजना, कार्यशील पूंजी, बच्चों की शिक्षा हेतु छात्रवृत्ति और स्वास्थ्य सुविधा के लिए बुनकर कार्ड योजना प्रमुख रहीं। दुखन पटवा ने कहा कि हथकरघा हमारी संस्कृति और बुनकरों की मेहनत का प्रतीक है। उन्होंने सरकार से बुनकरों के विकास के लिए ठोस कदम उठाने की अपील की।

एससी-एसटी एक्ट का अभियुक्त गिरफ्तार

संवाद सूत्र, जागरण • डुमरिया: छकरबंधा थाना क्षेत्र के महुराव गांव से हत्या का प्रयास एवं एससी-एसटी एक्ट के मामले में फरार चल रहे अभियुक्त ललन यादव को पुलिस ने एसटीएफ के सहयोग से गिरफ्तार किया है। ललन पर छकरबंधा थाना कांड संख्या 25/26 के तहत मामला दर्ज है। थाना प्रभारी शमशेर आलम ने बताया कि ललन यादव नामजद अभियुक्त था, जिसके खिलाफ हत्या के प्रयास और एससी-एसटी एक्ट की धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस को सूचना मिलने के बाद एसटीएफ ने महुराव क्षेत्र में कार्रवाई की और ललन को गिरफ्तार किया।

जैव चिकित्सा अनुसंधान केन्द्र
Centre of BioMedical Research
उत्तर प्रदेश सरकार का एक स्वायत्तशासी सेन्टर
An Autonomous Centre of Government of Uttar Pradesh
SGPGIMS Campus, Raebareli Road, Lucknow-226014, U.P. (INDIA)

TENDER NOTICE Dated: 07.08.2026

Online offers are invited from reputed manufacturers/direct importers/ authorized Indian representatives for the purchase of "LC-HRMS (Proteomics)" against GeM Bid No. GEM/2026/B/7845712 dated 04.08.2026. **Last date for submission of bid is 25.08.2026.** For detailed information, you may please visit GeM Portal i.e. www.gem.gov.in.

DIRECTOR

OFFICE OF THE CHIEF ENGINEER WATER RESOURCES ZONE KOTA
क्रमांक : F.156/ CEWRZ/JWR/e-NIB-05/2026-27/ 10215-22 दि: 30.07.2026

e-NIB No.- 05/2026-27

Bids for "Repair and Renovation work of all minors namely Kaltalai, Raghunathpura, Asaondiya, Nandpura, Sunwas-II, Borband, Kalyanpura, from RD 0 to Tail off-taking from the LMC, Raipur & Sunwas Distributary and Minors off-taking from RMC namely Fatehgarh, Khejrapur Minor-I and II of Chauli Dam Tehsil-Raipur, District- Jhalawar (Est. Cost Rs 1884.76 Lac) including GST @18% is invited from interested eligible bidders from 01.08.2026 (9:30 Hr) to 24.08.2026 till 18:00 Hr. other particulars, terms & conditions may be seen on the procurement portal. **https://eproc.rajasthan.gov.in, https://sppp.rajasthan.gov.in, www.dipr.rajasthan.gov.in** & **www.water rajasthan.gov.in.**

UBN No. WRD2627WLOB00450

Chief Engineer
DIPR/C/13608/2026 Water Resources Zone, Kota

PROJECT IMPLEMENTATION UNIT (PIU)-Forest
UTTARAKHAND DISASTER PREPAREDNESS AND RESILIENCE PROJECT (UPREPARE)
5th Floor, USDMA Building, 36 IT Park, Sahastradhara Road, Dehradun
Website : www.u-prepare.com, Email : procurement.uprepare@gmail.com

Ref. No: 103/03/QR/RFB/PIU-Forest/U-PREPARE/2025-26 Date: 06/08/2026

Request for Bids

The Government of India has received financing from the World Bank towards the cost of the Uttarakhand Disaster Preparedness and Resilience Project (UPREPARE). PIU-Forest, an implementing agency of U-PREPARE intends to apply part of the proceeds for the procurement of goods under the following package.

The bid document in English may be downloaded by interested eligible bidders from the website https://uktenders.gov.in from 07.08.2026.

S. No.	Package No.	Name of Package	Method of Procurement
1	03/QR/RFB/ PIU-Forest/ U-PREPARE/ 2025-26	Procurement for the Supply of 25 Quick Response Team Vehicles for Forest Fire Crew under PIU-Forest, U-PREPARE	Request for Bids (RFB)

Note: - 1. Any corrigendum/addendum to the above package shall be uploaded on the website www.uktenders.gov.in. 2. For any clarification or information, bidders may contact- piuforestuprepare@gmail.com

Program Manager

पूर्व मध्य रेल

शुद्धि पत्र

शुद्धि पत्र सं. ईएल/30/दानापुर/सोलर/12 Mwp/2026-27, दानापुर, दिनांक 05.08.2026, यह पुनः सूचित किया जाता है कि ई-निविदा सं. ईएल/30/दानापुर/सोलर/12 Mwp/2026-27, दिनांक 23.07.2026 को प्रशासनिक कारणों से निरस्त की जाती है।

मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत/सामान्य)/दानापुर
पीआर/0679/सीएमआर/ईएलसीटी/बी/26-27/12

पूर्व मध्य रेल

रेल यात्री बन्धुओं के लिए आवश्यक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर दिनांक 22.08.2026 से गाड़ी सं० 13234 दानापुर–कोडरमा इन्टरसिटी एक्सप्रेस का पटना – करौटा के बीच ठहराव समय में संशोधन करने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:

स्टेशन	संशोधित समय
पटना	06:55 - 07:00
राजेन्द्र नगर (ट०)	07:05 - 07:07
गुलजारबाग	07:13 - 07:14
पटना साहिब	07:19 - 07:21
फतुहा	07:31 - 07:33
खुसरूपुर	07:41 - 07:43
करौटा	07:50 - 07:52

नोट: अन्य स्टेशनों पर ठहराव समय यथावत् रहेंगी।
विस्तृत जानकारी के लिए – www.enquiry.indianrail.gov.in / NTES APP
पीआर/0686/एचक्यू/परि/एन/26–27/54 मु० रा० परि० प्रबंधक/पूमरे/हाजीपुर

GOVT. OF N.C.T. OF DELHI
DEPARTMENT OF FOREST & WILDLIFE
OFFICE OF THE DEPUTY CONSERVATOR OF FORESTS
WEST FOREST DIVISION, MANDIR LANE, NEW DELHI-60
E-Mail: - dcfwest.gnctd@gov.in

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

"नई दिल्ली रेंज में सेंट्रल रिज के पॉकेट A, B, C (14,800) और पॉकेट F (50,448) तथा साउथ वेस्ट रेंज में ईसापुर (20,500), मित्राओं (18,720), जैनपुर (16,844), नजफगढ़ ड्रेन (4,700 और 2,700) और उजवा (5,000) में लगाए गए कुल 1,33,712 पेड़ों की 1 साल तक देखभाल। (Tender Id 2026_DYCFW_296498_1)"

यदि निविदाकर्ता/बोलीदाता को निविदा दस्तावेज में निहित किसी भी चीज के अर्थ के बारे में कोई संदेह है, तो वह उप वन संरक्षक, पश्चिम वन प्रभाग, वन एवं वन्यजीव विभाग, दिल्ली सरकार, मंदिर लेन, दिल्ली-110060 के कार्यालय से स्पष्टीकरण मांगेगा।

निविदा कार्य की अनुमानित लागत Rs. 8,54,77,478/- (आठ करोड़ चौवन लाख सतहत्तर हजार चार सौ अठहत्तर रुपये मात्र)। बोली प्रस्तुत करने का विवरण इस प्रकार है:

दिल्ली सरकार के ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल के माध्यम से टेंडर जारी करने की तारीख	05.08.2026 at 03:00 PM
टेंडर डाउनलोड करने की शुरू होने की तारीख/समय	05.08.2026 at 03:00 PM
प्री-बिड मीटिंग की तारीख	10.08.2026 at 12:00 PM
टेंडर डॉक्यूमेंट जमा करने/अपलोड करने की शुरू होने की तारीख/समय	11.08.2026 at 03:00 PM
टेंडर दस्तावेज जमा करने/अपलोड करने की अंतिम तिथि/समय	26.08.2026 at 10:00 AM
टेक्निकल बिड खुलने की तारीख और समय	26.08.2026 at 11:00 AM
वित्तीय बोली खोलने की तारीख और समय	Will be intimated

निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 26.08.2026 प्रात: 10:00 बजे तक है। किसी भी अन्य जानकारी हेतु पश्चिम वन प्रभाग, उप वन संरक्षक कार्यालय, मंदिर लेन, नई दिल्ली-110060 से संपर्क करें।
वेबसाइट लिंक- https://govtprocurement.delhi.gov.in/

-S/d-
DEPUTY CONSERVATOR OF FORESTS
WEST FOREST DIVISION
DIP/SHABDARTH/CLASSIFIED/0169/26-27

पूर्व मध्य रेल

रेल कौशल विकास योजना के तहत युवाओं के कौशल विकास हेतु तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम की संक्षिप्त सूचना

सं.: ECR-HQ0PERS(MPP)/62/2020(CN31114) दिनांक: 04.08.2026

रेल कौशल विकास योजना के अंतर्गत वर्ष 2026–27 के प्रथम बैच के लिए पूर्व मध्य रेल के 04 नामित प्रशिक्षण केन्द्रों पर नवयुवकों/नवयुवतियों के लिए लघु अवधि (3 सप्ताह) के प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। प्रशिक्षण केन्द्रों एवं ट्रेडवार निर्धारित सीटों की संख्या निम्नवत है:–

क्र.सं.	प्रशिक्षण संस्थान का नाम एवं पता	ट्रेड	प्रत्येक बैच में प्रशिक्षुओं की संख्या
1	परिचालन प्रशिक्षण केन्द्र, समस्तीपुर	फीटर	30
2	बेसिक प्रशिक्षण केन्द्र, कैरिज रिपेयर वर्कशॉप, हरनौत, नालंदा	वेल्डर	30
		मशीनिस्ट	30
3	इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन प्रशिक्षण केन्द्र, गया कॉलोनी, दीन दयाल उपाध्याय, जिला- चंदौली (यूपी)	इलेक्ट्रीशियन	30
4	सिग्नल एवं दूर संचार प्रशिक्षण केन्द्र, नेउरा कॉलोनी, रोड नं.-15, दानापुर	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इंस्ट्रुमेंटेशन	30

इस प्रशिक्षण हेतु उपरोक्त ट्रेड में ITI प्रमाण पत्र धारक होना अनिवार्य नहीं है। प्रशिक्षण बिल्कुल निःशुल्क है, परन्तु प्रशिक्षणार्थियों को अपने रहने, खाने-पीने, आवागमन आदि की व्यवस्था स्वयं करनी होगी।
अर्हता – हाई स्कूल उत्तीर्ण, उम्र – 18 से 35 वर्ष, आवेदन हेतु पोर्टल खुलने की तिथि: 08.08.2026 (00:00 hrs), पोर्टल बंद होने की तिथि: 21.08.2026 (23:59 hrs)।
प्रशिक्षण हेतु आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से किया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थी प्रशिक्षण हेतु आवेदन एवं विस्तृत जानकारी/शर्तों के लिए वेबसाईट www.railkvy.indianrailways.gov.in का अवलोकन करें। ऑफलाइन माध्यम से कोई भी आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। उक्त तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रत्येक माह आयोजित की जाती है, अतएव इच्छुक अभ्यर्थी से अनुरोध है कि प्रशिक्षण हेतु आवेदन एवं विस्तृत जानकारी/शर्तों के लिए वेबसाईट www.railkvy.indianrailways.gov.in का नियमित रूप से अवलोकन करते रहें। नोट : उक्त सांकेतिक सूचना अब से केवल रेल कौशल विकास योजना की वेबसाईट www.railkvy.indianrailways.gov.in पर अवलोकन किया जा सकता है।

सहायक कार्मिक अधिकारी/
पीआर/0675/एचक्यू/का./एन/26–27/80 पूमरे/हाजीपुर

भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण
INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA
(पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार)
ए-13, सेक्टर-1, नोएडा-201301 (उत्तर प्रदेश)
फोन: 0120 – 2474050 और 2544036

दिनांक: 07.08.2026

संक्षिप्त रोजगार सूचना संख्या / विज्ञापन संख्या IWAI/11014/7/2024-A3(LH)

भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय, सरकार के तहत एक स्वायत्त निकाय है। भारत निम्नलिखित पद को, पूरी तरह से अनुबंध के आधार पर, शुरू में एक (01) वर्ष की अवधि के लिए नियुक्त करने का इरादा रखता है, जिसे संतोषजनक प्रदर्शन के आधार पर सालाना आधार पर बढ़ाया जा सकता है।

क्रम संख्या	पद का विवरण	पदों की संख्या
1	विशेषज्ञ (कानूनी)	01

इच्छुक और योग्य उम्मीदवार विज्ञापन की तारीख से 30 दिनों के भीतर रजिस्टर्ड पोस्ट / स्पीड पोस्ट के ज़रिए तय फ़ॉर्मेट में असिस्टेंट सेक्रेटरी (A&E), IWAI, A-13, सेक्टर-1, नोएडा-201301 को आवेदन भेज सकते हैं। आवेदन मिलने की आखिरी तारीख को उम्मीदवार की कम से कम उम्र 25 साल और ज्यादा से ज्यादा उम्र 63 साल होनी चाहिए। ऐसे वकीलों को प्राथमिकता दी जाएगी जिन्हें कानूनी मामलों को संभालने का अनुभव हो और जिन्हें कंप्यूटर का काम-काज का ज्ञान हो। अनुभव में छूट पर सक्षम अधिकारी द्वारा विचार किया जा सकता है।

योग्यता, ToR आदि के बारे में अधिक जानकारी के लिए कृपया आईडब्ल्यूएआई की वेबसाइट www.iwai.gov.in पर जाएँ।

हस्ताक्षर– सचिव

बिहार सरकार
डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग

बाढ़/आपदा के कारण पशु मृत्यु होने पर सहाय्य अनुदान

प्राकृतिक आपदा एवं राज्य सरकार द्वारा अधिसूचित स्थानीय आपदाओं में पशुपालकों के पशुओं की मृत्यु की स्थिति में सरकार द्वारा सहाय्य अनुदान दिये जाने का प्रावधान है। सहाय्य अनुदान के दावा एवं भुगतान की प्रक्रिया तथा दर निम्नवत है :

आवेदन एवं भुगतान की प्रक्रिया

1. पशु मृत्यु के पश्चात् अगर शव प्राप्त हो:

(क) पशुपालक निकटतम पशु चिकित्सा पदाधिकारी को सूचना दें तथा विहित प्रपत्र (प्रपत्र–क) में आवेदन दें।

(ख) आवेदन मुखिया/पंचायत समिति सदस्य/जिला परिषद् सदस्य/सरपंच/पंच/वार्ड सदस्य द्वारा अग्रसारित होना चाहिये (प्रपत्र–क)। पशु चिकित्सा पदाधिकारी आवेदन अंचलाधिकारी को प्रेषित करेंगे।

(ग) अंचलाधिकारी प्रतिवेदन के अनुसार स्वीकृति हेतु आवश्यक कार्रवाई करेंगे।

2. पशु शव प्राप्ति नहीं होने की स्थिति में:

(क) पशुपालक स्थानीय थाना में पशु क्षति के संबंध में सनहा/प्राथमिकी दर्ज करायें।

(ख) पशुपालक सन्हा/प्राथमिकी की प्रति संलग्न कर आवेदन अंचलाधिकारी को देंगे। अंचलाधिकारी राजस्व कर्मचारी/अन्य कर्मी से वास्तविक रूप से पशु क्षति संबंधी जाँचोपरान्त स्वीकृति हेतु अग्रेतर कार्रवाई करेंगे (प्रपत्र–ग)।

(ग) अंचलाधिकारी पशु क्षति संबंधी सूचना को ससमय जिला पदाधिकारी को उपलब्ध करायेंगे (प्रपत्र–ख/प्रपत्र–ग)। जिला पदाधिकारी द्वारा आवश्यक जाँचोपरान्त अभिलेख स्वीकृत कराकर घटना के एक सप्ताह के अन्दर सहाय्य अनुदान का भुगतान किया जायेगा।

3. अन्य आपदाओं यथा सुखाड़/वज्रपात/अग्निकाण्ड आदि की स्थिति में यथासंभव अन्त्य परीक्षण कराना आवश्यक होगा। बड़ी संख्या में एक ही स्थान में एक ही तरह की परिस्थिति में पशुओं की मृत्यु होने पर रैण्डम रूप से यथासंभव पाँच से दस प्रतिशत पशुओं/मुर्गियों का अन्त्य परीक्षण करते हुए मृत्यु का कारण निर्धारित किया जाएगा।

टिप्पणी :

1. विहित प्रपत्र–क, ख एवं ग तथा विस्तृत मानक संचालन प्रक्रिया विभागीय वेबसाईट (https://state.bihar.gov.in/ahd), जिला पशुपालन कार्यालय एवं भ्रमणशील पशु चिकित्सा पदाधिकारी/प्रखण्ड पशुपालन पदाधिकारी के कार्यालय में उपलब्ध है।

2. आवेदन में वांछित विवरण यथा नाम, पता, मोबाईल नं., आधार नं., मृत पशु से संबंधित विवरण, मृत्यु का कारण तथा बैंक खाता का ब्योरा इत्यादि अंकित रहना आवश्यक है।

बाढ़/आपदा के कारण पशु मृत्यु होने पर सहाय्य अनुदान की दर

क्र	पशु का प्रकार	राशि प्रति इकाई	अधिकतम अनुमान्य (प्रति परिवार)	अभ्युक्ति
1	दुधारू पशु क) गाय/भैंस/ऊँट/याक/मिथुन आदि	37,500/–	3 पशु तक सीमित	1. आर्थिक रूप से उत्पादक पशुओं की वास्तविक क्षति के अनुसार सीमित होगी। 2. किसी अन्य सरकारी योजना से प्राप्त होने वाली सहायता (यथा एवियन इन्फ्लुएन्जा से पक्षियों की मृत्यु या अन्य बीमारियों से मृत्यु) की स्थिति में यह सहाय्य अनुदान देय नहीं होगा।
	ख) बकरी/भेड़/सूकर	4,000/–	30 पशु तक सीमित	
2	भारवाही पशु क) बैल/ऊँट/घोड़ा आदि	32,000/–	3 पशु तक सीमित	
	ख) बछड़ा/खच्चड़/गदहा/टट्टू	20,000/–	6 पशु तक सीमित	
3	पोल्ट्री	100/–	अधिकतम सीमा 5000/– रुपये	
4	घर के साथ संलग्न पशु शेड अग्निकांड हेतु	3,000/–	प्रति पशु शेड	

विशेष जानकारी पशुपालन निदेशालय, बिहार, पटना स्थित आपदा कोषांग (दूरभाष संख्या 0612–2230942) या पशु स्वास्थ्य एवं उत्पादन संस्थान, बिहार, पटना (दूरभाष संख्या 0612–2226049) से प्राप्त की जा सकती है।

PR No.- 009447 (Animal)D. 2026-27

बिहार सरकार
राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग

क्या आपको अपनी जमीन के कैथी लिपि में लिखे गए दस्तावेजों का अनुवाद कराने में समस्या आ रही है?

तो घबराएं नहीं!

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग द्वारा कैथी लिपि में लिखे गए पुराने दस्तावेजों का देवनागरी लिपि में सुलभ अनुवाद सुनिश्चित करने हेतु

29 कैथी लिपि परामर्शदाताओं को जिलावार सूचीबद्ध किया गया है।

इसके लिए **₹220** रुपये प्रति पृष्ठ शुल्क निर्धारित की गई है।

इनमें से दो कैथी लिपि विशेषज्ञ मुख्यालय स्तर पर उपलब्ध हैं।

आम नागरिक बिहारभूमि पोर्टल https://biharbhumi.bihar.gov.in पर जाकर आसानी से कैथी लिपि विशेषज्ञों से उनके मोबाइल नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।

स्पष्ट भू संपदा, सुशासन, समृद्धि से शांति सर्वदा

शिकायत एवं सुझाव के लिए लिए जन शिकायत पोर्टल पर जायें। https://biharbhumi.bihar.gov.in/

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, बिहार द्वारा जनहित में जारी।

Follow Us #BiharRevenueAndLandReformsDept

PR No.-009450 (Revenue)D. 2026-27

इंटर्नशिप से व्यावहारिक ज्ञान, प्रशिक्षण अनिवार्य

जगजीवन कालेज में छात्र-छात्राओं को मूल्यांकन प्रक्रिया और रिपोर्ट तैयार करने के मानकों से कराया गया अवगत

कार्यशाला

जागरण संवाददाता, गयाजी: जगजीवन कालेज में विद्यार्थियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप व्यावहारिक ज्ञान से जोड़ने के लिए विभिन्न विभागों द्वारा इंटर्नशिप जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को मनोविज्ञान विभाग ने विशेष इंटर्नशिप जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में इंटर्नशिप की प्रक्रिया, नियमों और मूल्यांकन प्रणाली की जानकारी दी गई। मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष डा. राजीव रंजन एवं सहायक प्राध्यापक डा. अनुरानी ने विद्यार्थियों को बताया कि इंटर्नशिप चार क्रेडिट का पाठ्यक्रम है और इसकी अवधि 120 घंटे निर्धारित की गई है।

मनोविज्ञान विभाग में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में विद्यार्थियों को इंटर्नशिप की जानकारी देते कालेज के सहायक प्राध्यापक डा. अनुरानी। ● सौजन्य- कालेज प्रशासन

उन्होंने कहा कि दूसरे एवं चौथे सेमेस्टर के बाद महाविद्यालय छोड़ने वाले विद्यार्थियों के लिए भी इंटर्नशिप करना अनिवार्य होगा, हालांकि उन्हें क्रेडिट स्कोर का लाभ नहीं मिलेगा। विद्यार्थियों की सहायता के लिए महाविद्यालय स्तर पर इंटर्नशिप सेल, नोडल पदाधिकारी और विभागीय मेंटर उपलब्ध रहेंगे। विद्यार्थियों को यह भी बताया गया कि नेटवर्किंग और मार्केट चेन जैसे क्षेत्रों में इंटर्नशिप नहीं करनी है। इंटर्नशिप में सफल होने के लिए न्यूनतम 45 प्रतिशत अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा।

विद्यार्थियों को इंटर्नशिप रिपोर्ट तैयार करने में एकरूपता बनाए रखने और जिस संस्थान या लैब में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे, वहां की जीपीएस टैग तस्वीर भी रिपोर्ट के साथ संलग्न करने का निर्देश दिया गया। कार्यक्रम में कुछ कंपनियों के प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया गया था, जिन्होंने विद्यार्थियों को इंटर्नशिप के अवसरों एवं कार्यप्रणाली की जानकारी दी। महाविद्यालय के प्राचार्य डा. मो. ऐयूब ने कहा कि इंटर्नशिप की सफलता विद्यार्थियों की सैद्धांतिक तैयारी पर निर्भर करती है। उन्होंने विद्यार्थियों से नियमित अध्ययन करने और 75 प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने की अपील की। इस अवसर पर प्रो. रतिकांत दास, प्रो. पूर्णेंदु कुमार, डा. मनीष कुमार सिंह, डा. अंकला, डा. संगीता कुमारी, डा. शिवकुमार रविदास, डा. पंकज कुमार, डा. प्रदीप कुमार, डा. प्रियंका कुमारी सिन्हा, डा. ऐजाज असलम, डा. निरुपमा कुमारी, डा. नारायण कुमार, डा. सत्येंद्र सिंह चंद्र, डा. शोभा, डा. अमित कुमार सहित अन्य शिक्षक उपस्थित थे।

कस्तूरबा विद्यालय का डीईओ ने लिया जायजा

संसू, जागरण ● डोभी: डीईओ कृष्ण मुरारी गुप्ता ने शुक्रवार को डोभी स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने कक्षा के संचालन, षष्ठम से अष्टम तक की पढ़ाई और मासिक अभिभावक बैठक की जानकारी ली। वार्डेन अर्चना कुमारी ने बताया कि विद्यालय में 162 छात्राएं नामांकित हैं। निरीक्षण के दौरान मूक-बधिर बच्चों की शिक्षा की भी समीक्षा की गई। ग्यारहवीं में 11 तथा षष्ठम से अष्टम तक 25 दिव्यांग छात्र-छात्राएं नामांकित हैं। अभिभावकों ने बताया कि ग्यारहवीं की छात्राओं को प्रतिदिन लगभग तीन किलोमीटर पैदल चलकर उच्च विद्यालय डोभी जाना पड़ता है, जिससे सड़क दुर्घटना का खतरा बना रहता है। उन्होंने शिक्षकों की संख्या बढ़ाने और नियमित पढ़ाई की व्यवस्था की मांग की।

ॐ नमः शिवाय

कोचेश्वर महादेव

कोचेश्वर महादेव ● जागरण

गयाजी से उत्तर-पश्चिम दिशा में अवस्थित कोचेश्वर महादेव मंदिर अब मनोकामना सिद्धि मंदिर के रूप में प्रसिद्ध है। मान्यता है कि मंदिर में श्रद्धा के साथ जो श्रद्धालु पूजा-अर्चना करते हैं उनका कोचेश्वर महादेव मनोकामना पूर्ण करते हैं। सावन में श्रद्धालु देवहरा नदी से जल लाकर यहां जलाभिषेक करते हैं। प्रत्येक सोमवार को मंदिर को सजाया जाता है। भजन-कीर्तन होता है। विगत वर्ष से राज्य सरकार यहां सावन महोत्सव मना रही है। प्रसिद्ध लोक गायक व गायिका के साथ विभिन्न प्रकार के रंगारंग कार्यक्रम किये जाते हैं।

मंदिर का इतिहास : कोचेश्वर महादेव को छठी शताब्दी में गुरु शंकराचार्य द्वारा रुद्राभिषेक किया गया था। इस मंदिर की भव्यता की तुलना भुवनेश्वर के लिंगराज महादेव मंदिर से की गई है। भारत सरकार ने 1996 में मंदिर को अपने अधीन कर लिया है। इस मंदिर का वर्णन बृहद शिवपुराण मार्कंडेय पुराण में मिलता है। पुरातात्विकविद वेगलर ने अपनी पुस्तक इंडियन कल्चर एंड हेरिटेज में इसका वर्णन किया है। बिहार के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों में कोचेश्वर महादेव नाथ मंदिर का व्याख्यान डा. आर पाटिल के पुस्तक में मिलता है। मंदिर से 100 मीटर की दूरी पर सहसलिंगी महादेव और अकबरिया महादेव मंदिर की पौराणिकता को देखा जा सकता है।

मंदिर की विशेषता : मंदिर से सटे बुढ़वा महादेव का एक शिवलिंग है। यहां श्रद्धालु शिवलिंग को भर अकबार पकड़ते हैं। जो श्रद्धालु घमंड में कहकर शिवलिंग को भर अकबार पकड़ते हैं तब उनके द्वारा नहीं पकड़ पाता है। लेकिन जो श्रद्धालु श्रद्धा-भक्ति से पकड़ने जाता है वह शिवलिंग को पकड़ लेता है।

पहुंचने का मार्ग : गया-गोह मुख्य मार्ग से एक किलोमीटर दूर पश्चिम-उत्तर कोण पर कोंचडीह में कोचेश्वर महादेव मंदिर स्थित है। कोंचडीह बाजार से होते हुए यहां पहुंचा जा सकता है। दूसरा, कोंच नहर से होते हुए टिकारी-कोंच पथ से पहुंचा जा सकता है।

"कोचेश्वर महादेव महोत्सव विगत साल से शुरू हुआ है। सावन एक सप्ताह से अधिक बीत गया। बावजूद प्रशासनिक तैयारी को ले पुरातत्व विभाग द्वारा नापी वगैरह स्थल को किया गया है।
अरुण कुमार, पाठक, पुजारी।

कमेटी के सदस्यों के द्वारा मंदिर परिसर में होने वाले अनुष्ठान-महोत्सव में काफी सहयोग किया जाता है। प्रत्येक सोमवार को श्रद्धालुओं के लिए सुलभ व्यवस्था किया जाता है।"
अजय कुमार, कमेटी सदस्य।

स्वास्थ्य विभाग
(प्रेस विज्ञप्ति)

प्राध्यापक एवं सह-प्राध्यापक के पद पर राज्य के राजकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में योगदान करने के संबंध में।

स्वास्थ्य विभागीय अधिसूचना संख्या-755(17), दिनांक-03.07.2026 द्वारा संविदा के आधार पर प्राध्यापक एवं सह-प्राध्यापकों को नियोजित करते हुए राज्य के विभिन्न राजकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में पदस्थापित किया गया है, परन्तु कतिपय चिकित्सक शिक्षकों द्वारा पदस्थापन स्थल पर योगदान नहीं किया गया है एवं उनके द्वारा योगदान करने हेतु अवधि विस्तार करने का अनुरोध किया गया है।

2. अतः चिकित्सक शिक्षकों द्वारा अनुरोध के आलोक में सम्यक् विचारोपरान्त राज्य के राजकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में योगदान करने की तिथि को दिनांक-20.08.2026 तक विस्तारित किया जाता है। उक्त तिथि के बाद अवधि विस्तार पर विचार नहीं किया जाएगा।

(रेणु कुमारी)
विशेष कार्य पदाधिकारी

PR- 009545 (Health) 2026-27
विस्तृत सूचना www.state.bihar.gov.in/prdbihar पर भी देखी जा सकती है।
नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार

निदेशालय
स्वास्थ्य सेवाएँ, बिहार, पटना
प्रेस विज्ञप्ति

स्वास्थ्य विभागीय आदेश संख्या 887(8), दिनांक 02.07.2026 के द्वारा डा० संदीप कुमार गुप्ता, सहायक प्राध्यापक, शल्यतंत्र विभाग, राजकीय अयोध्या शिवकुमारी आयुर्वेद महाविद्यालय-सह-चिकित्सालय, बेगूसराय के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही संचालित की गयी है, जिसके संचालन हेतु अधोहस्ताक्षरी को संचालन पदाधिकारी एवं प्रशाखा पदाधिकारी-(श्री) स्वास्थ्य विभाग, बिहार, पटना को उपस्थापन पदाधिकारी नियुक्त किया गया है। विभागीय कार्यवाही के क्रम में अधोहस्ताक्षरी के पत्रांक 66/आ०नि०को० दिनांक 08.07.2026 के द्वारा दिनांक 24.07.2026 को उपस्थित होना था, परन्तु डाक द्वारा नोटिस वापस। डाकिया द्वारा स्पष्ट किया गया कि प्राप्तकर्ता एक साल से ऑफिस नहीं आते हैं।

अतः इस प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से आपको सूचित किया जाता है कि प्रेस विज्ञप्ति के प्रकाशन के एक पक्ष के अन्दर अधोहस्ताक्षरी के (कार्यालय प्रकोष्ठ कमरा सं० 312/स्वा० विभाग नया सचिवालय), विकास भवन (तृतीय तल) में उपस्थित होकर साक्ष्यों एवं बचाव बयान के साथ अपना अंतिम रूप से अपना पक्ष रखें। अन्यथा उपलब्ध साक्ष्यों को आधार मानते हुए विभागीय कार्रवाई की सुनवाई समाप्त कर दी जाएगी।

(डा० राजेन्द्र चौधरी)
अपर निदेशक
स्वास्थ्य सेवाएँ, बिहार, पटना

PR- 009542 (Health) 2026-27
विस्तृत सूचना www.state.bihar.gov.in/prdbihar पर भी देखी जा सकती है।
नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार

बिहार सरकार
भवन निर्माण विभाग
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय भवन प्रमण्डल, मधेपुरा
वेबसाईट www.eproc2.bihar.gov.in पर
शुद्धि-पत्र

सर्व साधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय के पत्रांक-824 अनु० दिनांक 21.07.2026 के द्वारा जो निविदा आमंत्रित की गई थी, जिसका पी० आर० न० 008330(भवन)/2026-27 है को अपरिहार्य कारणवश निम्न प्रकार विस्तारित किया जाता है :-

क्रमांक	कार्य का नाम
1.	मधेपुरा जिला में बी०पी० मंडल इंडोर स्टेडियम के नवीनीकरण/जीर्णोद्धार कार्य।

क्र	कंडिका का विषय	निविदा की तिथि एवं समय	विस्तारित तिथि एवं समय
1.	निविदा बिक्री तिथि (ऑनलाइन करने) की अंतिम तिथि एवं समय	दिनांक-28.08.2026 से 29.08.2026 को अप० 3:30 बजे तक।	दिनांक 18.08.2026 से 08.09.2026 को अप० 3:30 बजे तक।
2.	प्री-बिड मीटिंग की तिथि समय एवं स्थान	दिनांक 14.08.2026 को 1:00 बजे अधीक्षण अभियंता, भवन अंचल सहरसा के कार्यालय वेश्म में एवं दिनांक 21.08.2026 को 1:00 बजे मुख्य अभियंता(उ०) भवन निर्माण विभाग, बिहार, पटना के कार्यालय वेश्म में।	दिनांक 22.08.2026 को 1:00 बजे अधीक्षण अभियंता, भवन अंचल सहरसा के कार्यालय वेश्म में एवं दिनांक 28.08.2026 को 1:00 बजे मुख्य अभियंता(उ०) भवन निर्माण विभाग, बिहार, पटना के कार्यालय वेश्म में।
3.	निविदा प्राप्ति(ऑनलाइन करने) की अंतिम तिथि एवं समय	दिनांक 31.08.2026 को अप० 3:30 बजे तक।	दिनांक 10.09.2026 को अप० 3:30 बजे तक।
4.	निविदा खोलने(तकनीकी बीड) की तिथि एवं समय	दिनांक 01.09.2026 को अप० 3:30 बजे तक।	दिनांक 11.09.2026 को अप० 3:30 बजे तक।
5.	वित्तीय बीड खोलने की तिथि एवं समय	तकनीकी बीड के पश्चात्।	तकनीकी बीड के पश्चात्।

शेष शर्तें पूर्ववत रहेंगी।

कार्यपालक अभियंता,
भवन प्रमण्डल, मधेपुरा

PR. No. 009426 (BCD) 2026-27
उक्त सूचना www.state.bihar.gov.in/prdbihar पर भी देखी जा सकती है।
सुरक्षित जीवन अपनाओ, अपनी नियमित एच.आई.वी. जाँच कराओ।

बिहार पुलिस भवन निर्माण निगम
(बिहार सरकार का उपक्रम)
कॉर्पोरेट पहचान सं० (CIN) U45200BR1974SGC001128
प्रधान कार्यालय- कौटिल्य नगर, बि०बि०स०यू०-8, थाना हवाई अड्डा, पटना-800014
मोबाईल नं० : 9473459812 वेबसाईट : www.bphcc.bihar.gov.in
(द्वितीय_पद्धति)
ई०-निविदा आमंत्रण सूचना संख्या- 18/2026-27

1 विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता : मुख्य अभियन्ता, बिहार पुलिस भवन निर्माण निगम, मुख्यालय, पटना। 2. निविदा विज्ञाप्त करने की तिथि : दि०- 01-08-2026 3. निविदा डाउनलोड करने की तिथि : दि०- 20-08-2026 से 01-09-2026 तक। 4. निविदा अपलोड करने की अंतिम तिथि एवं समय : दि०- 02-09-2026 को 17.00 बजे तक। 5. (क) तकनीकी बीड खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक- 03-09-2026 को 16.00 बजे। (ख) वित्तीय बीड खोलने की तिथि एवं समय : तकनीकी बीड का निष्पादन सक्षम प्राधिकार से होने के पश्चात्। 6. प्री बीड मिटिंग की तिथि, समय एवं स्थान : दि०- 26-08-2026 को 15.00 बजे। मुख्य अभियन्ता, बिहार पुलिस भवन निर्माण निगम, मुख्यालय, पटना के कार्यालय कक्ष में। 7. निविदा प्रपत्र बिक्री का स्थान : eproc2.bihar.gov.in पर। 8. निविदा की वैधता अवधि : 120 दिन। 9. कार्य का विवरण :-

क्र सं	कार्य का नाम	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	कार्य समाप्ति की अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	पटना जिलान्तर्गत चमकारा, नवीकी में आगंतुक कक्ष (Ground Structure) एवं मुलाकाती कक्ष (Ground Structure) फर्नीचर एवं आधारभूत संरचना सहित निर्माण कार्य।	पटना	8128800	162800	10000	As per eproc 2	12 माह
2.	[illegible] जिलान्तर्गत [illegible] में [illegible] कार्यालय भवन फर्नीचर एवं आधारभूत संरचना का निर्माण कार्य।	मगध	[illegible]	171120	10000	As per eproc 2	12 माह
3.	औरंगाबाद जिलान्तर्गत अंचल पुलिस निरीक्षक, नबीनगर के कार्यालय-सह-आवास फर्नीचर एवं आधारभूत संरचना का निर्माण कार्य।	मगध	10600400	212010	10000	As per eproc 2	12 माह
4.	औरंगाबाद जिलान्तर्गत अंचल पुलिस निरीक्षक, नगर औरंगाबाद के कार्यालय-सह-आवास फर्नीचर एवं आधारभूत संरचना का निर्माण कार्य।	मगध	10478710	209610	10000	As per eproc 2	12 माह
5.	औरंगाबाद जिलान्तर्गत अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर 02 नवलपुर के कार्यालय-सह-आवास भवन का निर्माण कार्य।	मगध	[illegible]	[illegible]	10000	As per eproc 2	12 माह
6.	औरंगाबाद जिलान्तर्गत अंचल पुलिस निरीक्षक, मुफस्सिल औरंगाबाद के कार्यालय एवं आवासीय भवन, फर्नीचर एवं आधारभूत संरचना का निर्माण कार्य।	मगध	[illegible]	210480	10000	As per eproc 2	12 माह

इस निविदा की अन्य विस्तृत जानकारी एवं आवश्यक शर्तें अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय के सूचना पट एवं वेबसाईट www.bphcc.co.in पर देखा जा सकता है तथा ई-निविदा-पत्र www.eproc2.bihar.gov.in से प्राप्त किया जा सकता है।

PR. No. 009391 (B&C) 2026-27
मुख्य अभियंता, पटना
विस्तृत जानकारी www.state.bihar.gov.in/prdbihar से प्राप्त की जा सकती है।
यौन जनित रोग छुपाओ नहीं इलाज कराओ,

'संदेश वृक्ष' के जरिए दिया जागरूकता का संदेश

जागरूकता अभियान में शामिल इनरव्हील क्लब के सदस्य व छात्राएं. सौ. क्लब प्रशासन

संवाद सूत्र, जागरण ● बोधगया: विश्व स्तनपान जागरूकता सप्ताह के समापन पर इनर व्हील क्लब ऑफ गया ने मगध विश्वविद्यालय के होम साइंस विभाग में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। क्लब की अध्यक्षा आभा सिंह और सचिव राखी भदानी ने छात्राओं को स्तनपान के महत्व एवं मातृ-शिशु स्वास्थ्य पर इसके सकारात्मक प्रभावों की जानकारी दी। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण "संदेश वृक्ष" रहा, जिस पर छात्राओं ने स्तनपान से जुड़े प्रेरक संदेश लिखे। उत्कृष्ट संदेश लिखने वाली छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष दीपशिखा पांडे ने क्लब पदाधिकारियों को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्तनपान और संतुलित पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

ई-शिक्षा पोर्टल पर दिखेगी मध्याह्न भोजन पाने वालों की उपस्थिति

जागरण संवाददाता, गयाजी : जिले के सरकारी विद्यालयों में मध्यान भोजन योजना की निगरानी को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए शिक्षा विभाग ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। अब ई-शिक्षा कोष पोर्टल पर मध्यान भोजन योजना के तहत लाभान्वित छात्रों की दैनिक उपस्थिति दर्ज और प्रदर्शित की जाएगी। इस संबंध में मध्यान भोजन योजना के निदेशक ने जिला कार्यालय को पत्र भेजकर आवश्यक निर्देश दिए हैं। पत्र में बताया गया है कि ई-शिक्षा कोष पोर्टल के मध्यान भोजन योजना माड्यूल में छात्रों की उपस्थिति दर्ज करने का नया फीचर उपलब्ध कराया गया है। शिक्षकों को इस सुविधा का उपयोग करने के लिए ई-शिक्षा कोष मोबाइल ऐप के नए संस्करण 3.6.0 का उपयोग करना होगा। पुराने संस्करण में यह सुविधा उपलब्ध नहीं होगी। विभाग ने सभी विद्यालयों को निर्देश दिया है कि वे अपने मोबाइल ऐप को जल्द से जल्द अपडेट करें, ताकि मध्यान भोजन योजना से लाभान्वित छात्रों की उपस्थिति नियमित रूप से दर्ज की जा सके। इससे विद्यार्थियों की वास्तविक उपस्थिति और योजना के क्रियान्वयन की प्रभावी निगरानी संभव होगी।

बिहार कर्मचारी चयन आयोग,
पो०-वेटनरी कॉलेज, पटना-14
पत्रांक-वि०क०च०आ०-10-02/लेखा-27/2026
आवश्यक सूचना
(PR-008070 GAD-2026-27)

बिहार कर्मचारी चयन आयोग, पटना द्वारा लिये जाने वाले विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षा के सफल आयोजन हेतु पंडाल, शामियाना, जेनरेटर, माईक, टेबल कुर्सी, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों आदि के दर निर्धारण से संबंधित कार्य के लिए एजेंसी चयन हेतु निविदा सं0-04/आ0, दिनांक-16.07.2026 के द्वारा निविदा प्रकाशित की गई थी।

प्रकाशित निविदा में इच्छुक निविदाकर्त्ता से 02 (दो)वर्षों के लिए दिनांक-06.08.2026 को दोपहर 12:00 बजे तक सील्ड लिफाफा में तकनीकी एवं वित्तीय निविदा आमंत्रित की गई थी, उक्त के आलोक में मात्र एक एजेंसी द्वारा निविदा समर्पित किया गया है। अतएव मात्र एक निविदा प्राप्त होने के कारण पुनः निविदा की तिथि को निम्नवत् विस्तारित किया जाता है।

1. इच्छुक निविदाकर्त्ता द्वारा सील्ड लिफाफा में निबंधित डाक द्वारा तकनीकी एवं वित्तीय निविदा की तिथि-21.08.2026 के 12:00 बजे मध्याह्न तक आमंत्रित किया जाता है।

2. निविदा जमा करने की अंतिम तिथि-21.08.2026 को 12:00 बजे मध्याह्न तक निविदा आयोग कार्यालय को प्राप्त हो जाना चाहिए। निर्धारित समय के उपरांत प्राप्त निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा।

3. निविदा जमा करने की अंतिम तिथि दिनांक-21.08.2026 को 04:00 बजे अपराह्न में निविदाकर्त्ता स्वयं अथवा उनके द्वारा प्राधिकृत प्रतिनिधि की उपस्थिति में क्रय समिति द्वारा तकनीकी निविदा आयोग कार्यालय में खोला जाएगा। तकनीकी निविदा का कार्य सम्पन्न होने के पश्चात् सफल निविदाकर्त्ता का वित्तीय निविदा खोला जाएगा।

उक्त निविदा सं0-04/आ0, दिनांक-16.07.2026 में अंकित अन्य शर्तें यथावत् रहेंगी। PR008070 (GAD) 2026-27 द्वारा प्रकाशित निविदा को इस हद तक संशोधित समझा जाय।

सचिव
बिहार कर्मचारी चयन आयोग, पटना।

PR- 009551 (GAD) 2026-27
नशे की मार, बर्बाद करे सुखी परिवार।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण कार्य विभाग
जाँच एवं गुणवत्ता नियंत्रण प्रमण्डल, सिवान
के कार्यालय हेतु किराये के मकान हेतु पुनः विज्ञापन

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, जाँच एवं गुणवत्ता नियंत्रण प्रमण्डल, सिवान के कार्यालय हेतु सामान्यतः 04 कमरों का पक्का मकान/लगभग 2000-2500 वर्गफीट के मकान की सिवान में आवश्यकता है, जिसमें बिजली, पानी, हवा एवं रौशनी तथा शौचालय की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए। इच्छुक मकान मालिक जो अपना मकान कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, जाँच एवं गुणवत्ता नियंत्रण प्रमण्डल, सिवान के कार्यालय हेतु किराया पर देना चाहते हैं तो वे कार्यालय में अपने मकान के कमरों की संख्या, क्षेत्रफल सहित मुहल्ले के नाम सहित पूर्ण विवरणी यथा आधार कार्ड, पैन कार्ड की छायाप्रति, खाता नं0, खेसरा नं0, होल्डिंग नं0 एवं होल्डिंग टैक्स की अद्यतन रसीद के साथ अपना आवेदन अधीक्षण अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य अंचल, सिवान, गंडक कॉलोनी, श्रीनगर, सिवान पिन-841226 के कार्यालय में दिनांक-18.08.2026 के अपराह्न के 3:00 बजे तक समर्पित कर सकते हैं।

मकान के चयन होने के उपरान्त मकान किराया सरकार के द्वारा निर्धारित दर के आधार पर भुगतान किया जायेगा।

मकान के आगे पार्किंग एवं सड़क होने पर उसको प्राथमिकता दी जायेगी। मकान के चुनाव हेतु अधोहस्ताक्षरी पूर्णरूपेण स्वतंत्र होंगे। इस संदर्भ में आवेदक का कोई दावा मान्य नहीं होगा।

(ई0 विद्यानन्द प्रसाद)
कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण कार्य विभाग
जाँच एवं गुणवत्ता नियंत्रण
प्रमण्डल, सिवान

PR- 009423 (RWD) 2026-27
विस्तृत सूचना www.state.bihar.gov.in/prdbihar पर भी देखी जा सकती है।
नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार

बिहार सरकार
कार्यालय, नगर पंचायत, फुलपरास, मधुबनी
npphulparas@gmail.com
-: आम सूचना संख्या - 03/2026-27 :-

सर्वसाधारण एवं सभी संबंधित को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत, फुलपरास, मधुबनी द्वारा सरकारी आदेशों की अवहेलना करने, विभागीय पत्रों को अनसुना करने तथा संविदा (एकरारनामा) की शर्तों का घोर उल्लंघन करने के कारण नीचे वर्णित फर्म के कार्यादेश तत्काल प्रभाव से रद्द (Cancel) कर दिए गए है तथा उन्हें अगले 05 (पाँच) वर्षों के लिए ब्लैकलिस्ट (Blacklisted) कर दिया गया है :-

1. फर्म का विवरण :- खोजपुर इण्डेन ग्रामीण वितरक
- प्रोपराईटर एवं पता :- विनीता कुमारी, पति-प्रदीप कुमार, सिकटियाही, खुटौना, मधुबनी।
- Eproc ID :- 119261
  कार्य Eproc2.0 पोर्टल NIT No.-03/2025-26/NPP के माध्यम से कुल 2600 अदद Street Light लगाने का कार्य।
  मामला/कार्य NIT संख्या 03/2025-26/NPP के तहत 2600 अदद स्ट्रीट लाईट लगाने का कार्य।

उपरोक्त एजेंसी/फर्म अगले 05 वर्षों तक नगर पंचायत, फुलपरास के किसी भी कार्य, Eproc पोर्टल से संबंधित निविदाओं अथवा अन्य किसी भी प्रकार के टेंडर में भाग नहीं ले सकते है।

कार्यपालक पदाधिकारी
नगर पंचायत, फुलपरास, मधुबनी

PR. No. 009388 (B&C) 2026-27
उक्त सूचना www.state.bihar.gov.in/prdbihar पर भी देखी जा सकती है।
यौन जनित रोग छुपाओ नहीं इलाज कराओ,
खुद के साथ अपने जीवन साथी को भी सुरक्षित करें।

सरकारी विद्यालयों में इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब का गठन

संसू, जागरण ● गुरारू : कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्रों को मतदान के अधिकार, लोकतंत्र की प्रक्रियाओं व नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूक करने के लिए राज्य सरकार के निर्देश पर सरकारी विद्यालयों में इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब का गठन किया जा रहा है। सर्वोदय विद्या मंदिर प्लस टू विद्यालय में 42 छात्रों को शामिल कर इस क्लब का गठन किया गया। प्रभारी प्रधानाध्यापक अजय कुमार ने बताया कि इसमें कक्षा 9वीं के 16, 10वीं के 12, 11वीं के 9 और 12वीं के 5 छात्र-छात्राओं को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। एक्जीक्यूटिव कमेटी में 9वीं के छात्र रोहित कुमार को मुख्य छात्र प्रतिनिधि, 11वीं की छात्रा यशस्वी कुमारी को मुख्य छात्रा प्रतिनिधि, 10वीं के छात्र पवन कुमार को छात्र सदस्य और 9वीं की छात्रा प्रिया कुमारी को छात्रा सदस्य के रूप में चयनित किया गया है। क्लब के नोडल अधिकारी के रूप में शिक्षक सकलदेव कुमार को नियुक्त किया गया है। यह क्लब 14 से 17 वर्ष के भावी मतदाताओं को चुनावी प्रक्रिया से अवगत कराएगा।

मवि बरवाडीह में गंदगी व बंद शौचालय पर सवाल

पंचायत सूत्र जागरण ● जयगीर (बाराचट्टी) : जयगीर पंचायत स्थित मध्य विद्यालय बरवाडीह में साफ-सफाई और शौचालय की बदहाल स्थिति को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। विद्यालय परिसर में रसोईघर के पास कचरे का ढेर लगा है, जबकि दोनों शौचालयों के आसपास घनी झाड़ियां उगी हुई हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि झाड़ियों में कीड़े-मकौड़े और जहरीले जीवों का बसेरा है, जिससे बच्चों की सुरक्षा को खतरा है। एक शौचालय में पानी की टंकी है, लेकिन पानी नहीं है, जबकि दूसरा शौचालय लंबे समय से बंद है। रसोइयों ने बताया कि शौचालय बंद होने के कारण उन्हें बाहर जाना पड़ता है।

समाचार सार

एथलेटिक्स में डीपीएस के विद्यार्थियों ने जीते 12 पदक

प्रशस्ति पत्र व मेडल के साथ प्रतिभागी व उनके अभिभावक ● सौ. संस्थान

जासं, गयाजी: सेकेंडरी दिल्ली पब्लिक स्कूल, गयाजी के विद्यार्थियों ने जिला स्तरीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप-2026 में 12 पदक जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यार्थियों ने तीन स्वर्ण, तीन रजत एवं छह कांस्य पदक अपने नाम किए। इस उपलब्धि पर विद्यालय की प्रातःकालीन सभा में विजेता विद्यार्थियों का अभिभावकों की उपस्थिति में सम्मान एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। समारोह में विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों के चेहरों पर खुशी और गर्व साफ झलक रहा था। प्रधानाचार्य उमेश चन्द्र ने सभी पदक विजेता विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों तथा खेल शिक्षकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि विद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है और विद्यार्थियों के कठोर परिश्रम, अनुशासन तथा अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को भविष्य में इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

भाजपाइयों ने पुण्यतिथि पर टैगोर को दी श्रद्धांजलि

रवीन्द्रनाथ टैगोर की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि देते नेता व अन्य ● सौ. भाजपा

जागरण संवाददाता, गयाजी: भारत के महान दार्शनिक, साहित्यकार, शिक्षाविद और नोबेल पुरस्कार विजेता गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की पुण्यतिथि पर शुक्रवार को भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। भाजपा के वरिष्ठ नेता डा. मनीष पंकज मिश्रा ने कहा कि टैगोर केवल महान कवि ही नहीं, बल्कि युगदृष्टा थे। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजेंद्र प्रसाद अधिवक्ता ने कहा कि गुरुदेव का जीवन ज्ञान, साहित्य, कला और संस्कृति की शक्ति का प्रतीक है। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में अन्य कार्यकर्ताओं ने भी गुरुदेव को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

भारत स्काउट एवं गाइड प्रशिक्षण का समापन

संवाद सहयोगी, जागरण ● टिकारी : प्रखंड के टेपा-फतेहपुर स्थित प्लस टू उच्च माध्यमिक विद्यालय में छह दिवसीय भारत स्काउट एवं गाइड के प्रथम सोपान प्रशिक्षण शिविर का समापन शुक्रवार को सर्वधर्म प्रार्थना, सांस्कृतिक कार्यक्रम और राष्ट्रगान के साथ हुआ। समापन समारोह का उद्घाटन विद्यालय की प्रधानाध्यापिका सुमिता कुमारी ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर प्रशिक्षित स्काउट एवं गाइड विद्यार्थियों ने गीत, संगीत, नाटक, नुक्कड़ नाटक, पिरामिड, भारत माता की झांकी, भक्ति और देशभक्ति पर आधारित आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। शिविर का संचालन बिहार राज्य भारत स्काउट एवं गाइड, गया के जिला संगठन आयुक्त गोपाल कुमार के निर्देशन में हुआ। आयुक्त कुमार ने कहा कि स्काउट एवं गाइड प्रशिक्षण बच्चों में अनुशासन, सेवा, नेतृत्व और जिम्मेदारी की भावना विकसित करता है, और इसके प्रमाणपत्र से सरकारी नौकरियों में वेटेज भी मिलता है। कार्यक्रम में स्काउट मास्टर आशुतोष कुमार, गाइड कैप्टन मधु कुमारी, यूनिट लीडर सूरज कुमार स्काउट राजू कुमार, गाइड खुशबू कुमारी, सोनाली कुमारी, राधिका कुमारी, प्रिया कुमारी सहित कई शिक्षक, यूनिट लीडर और विद्यार्थी उपस्थित थे।

विद्यालय में भारत स्काउट एवं गाइड के साथ विद्यालय के शिक्षक ● जागरण

पानी भरे गड्ढे में डूबने से मां, दो बेटे व दो बेटियों की मौत

संवाद सहयोगी, जागरण, अरेराज (पूर्वी चंपारण) : अरेराज प्रखंड के बभनौली गांव में एक मां और उसके चार बच्चों की पानी भरे गड्ढे में डूबने से मौत हो गई। इस परिवार में अब केवल पिता ही बच गए हैं।

गोविंदगंज थाना क्षेत्र के बभनौली गांव के वार्ड संख्या छह निवासी धर्मेंद्र महतो की सुशीला देवी (35) अपनी पुत्री अमृता कुमारी (11), पम्मी कुमारी (06) एवं पुत्र अविनाश कुमार (08) व रवि कुमार (04) के साथ गुरुवार को घर से चारा लेने निकली थीं। देर शाम तक नहीं लौटने पर स्वजन की चिंता बढ़ी। पूरी रात स्वजन और ग्रामीण उनकी तलाश में इधर-उधर भटकते रहे, लेकिन पता नहीं चला। शुक्रवार सुबह चौर में पानी भरे गड्ढे में सभी के शव उपलाते देख ग्रामीणों ने स्वजन को जानकारी दी। सूचना पर प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) आदित्य कुमार दीक्षित तथा गोविंदगंज थानाध्यक्ष सच्चिदानंद पांडेय मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों की मदद से शवों को बाहर निकाला गया।

ग्रामीणों के अनुसार, जिस स्थान पर हादसा हुआ, वहां मिट्टी की खोदाई के कारण काफी गहरा गड्ढा है। इसमें बरसात का पानी भर गया है। आशंका जताई जा रही है कि सुशीला किसी काम से वहां पहुंची होंगी। पहले कोई बच्चा गहरे पानी में फिसला होगा और उसे बचाने के प्रयास में एक-एक कर पूरा परिवार पानी में समा गया होगा। हालांकि, इस घटना की वास्तविक वजह क्या है, इसका पता पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले भी इस पोखर को लेकर चिंता जताई गई थी, लेकिन सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं किया गया। ऐसे स्थानों की घेराबंदी कर चेतावनी बोर्ड लगाया जाए। बताया जाता है कि चौर में जहां हादसा हुआ, वह जमीन चनरदेव महतो की है। वहां मछली पालन के लिए एक वर्ष पहले सात से आठ फीट गहरा गड्ढा खोदवाया गया था। पत्नी व बच्चों को गंवाने वाला धर्मेंद्र गांव में ही ट्रैक्टर चालक का काम करता है।

गंडक नदी के जलस्तर में वृद्धि, बगहा में 300 घरों में घुसा पानी

जागरण टीम, मुजफ्फरपुर : सावन में नदियां एक बार फिर उफना रही हैं। गंडक बराज से 1.75 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया, जिसके बाद चकदहवा समेत कई गांवों पर बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। नेपाल में रुक-रुककर हो रही वर्षा से गंडक नदी के जलस्तर में उतार-चढ़ाव जारी है। शुक्रवार शाम चार बजे तक गंडक बराज से 1.75 लाख क्यूसेक पानी डिस्चार्ज किया गया। इससे गंडक के तटवर्ती गांवों के साथ ही उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्रों में भी पानी के जमाव की आशंका बढ़ गई है। नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए सिंचाई विभाग ने निगरानी बढ़ा दी है और कर्मियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। इधर, मधुबनी प्रखंड की दो पंचायतें सिसई व पिपरही में 300 घरों में बाढ़ का पानी गुरुवार की देर शाम घुस गया। करीब एक महीने के भीतर दूसरी बार इलाके के लोगों को बाढ़ का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीण नाव के सहारे अपने घरेलू सामान को सुरक्षित एवं ऊंचे स्थानों पर पहुंचाने में लगे हैं। सिंचाई विभाग के कार्यपालक अभियंता इकबाल अनवर ने बताया कि गंडक बराज के जलस्तर में वृद्धि दर्ज की जा रही है।

दिल्ली जल बोर्ड: राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार

उप निदेशक (डी) का कार्यालय
कमरा नं. 211, वरुणालय फेज-II, करोल बाग, नई दिल्ली- 110005

विषय:- दिल्ली जल बोर्ड में उप निदेशक और प्रशासनिक अधिकारी/क्षेत्रीय राजस्व अधिकारी के पद को प्रतिनियुक्ति के आधार पर भरने के लिए।

आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 06.09.2026 है

दिल्ली जल बोर्ड में प्रतिनियुक्ति के आधार पर उपर्युक्त पदों को भरने के लिए योग्य उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। यह नियुक्ति शुरू में एक साल के लिए होगी (इसे अधिकतम 3 साल तक बढ़ाया जा सकता है, एक बार में एक साल के लिए) या डीएसएसएसबी के माध्यम से नियमित आधार पर पद भरे जाने तक, जो भी पहले हो, तक लागू होंगी। अधिक जानकारी के लिए, कृपया हमारी वेबसाइट www.delhijalboard.nic.in पर जाएं।

क्रमांक	पद का नाम	पदों की संख्या	वेतनमान
1	उप निदेशक	08	पे लेवल-11 (PB-3 Rs. 15600-39100/- + GP Rs 6600/- पूर्व संशोधित)
2	प्रशासनिक अधिकारी/ क्षेत्रीय राजस्व अधिकारी	09	पे लेवल-09 (PB-2 Rs. 9300-34800/- + GP Rs 5400/- पूर्व संशोधित)

पीआरओ (जल) द्वारा जारी,
विज्ञापन संख्या जे.एस.वी 04/2026-27

(सुवर्णा तुशाबा शिंदे ओगाले)
उप निदेशक (डी)

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन

(श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार)
Employees' Provident Fund Organisation
(Ministry of Labour & Employment, Govt. of India)
क्षेत्रीय कार्यालय, पटना / Regional Office, Patna,
भविष्य निधि भवन/ Bhavishyanidhi Bhawan,
आर.ब्लॉक, रोड नं.-6, पटना-800 001/ R, Block, Road No- 6, Patna - 01
दूरभाष/ Phone No. - 0612-2227139, 2227410 ईमेल Email: ro.patna@epfindia.gov.in

विषय: ईपीएफओ (EPFO) ने PF ट्रस्टों के नियमितीकरण के लिए एकमुश्त 'एम्नेस्टी योजना, 2026 (AMNESTY 2026) का किया शुभारंभ

पटना : कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO) ने आयकर अधिनियम, 1961 के तहत मान्यता प्राप्त लेकिन कर्मचारी भविष्य निधि एवं प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 या सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 के तहत औपचारिक छूट (Exemption) प्राप्त न करने वाले प्रोविडेंट फंड (PF) ट्रस्टों की छूट स्थिति को नियमित करने के लिए एक विशेष एकमुश्त योजना "AMNESTY, 2026" की शुरुआत की है। केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचित कर्मचारी भविष्य निधि योजना, 2026 (EPF Scheme 2026) के भाग 'C' के तहत इस एम्नेस्टी योजना को शुरू किया गया है।

योजना की प्रमुख विशेषताएँ एवं दिशानिर्देश

1. योजना की अवधि :
यह योजना 28 दिसंबर 2026 तक (अधिसूचना की तिथि से 6 माह) वैध रहेगी। केंद्रीय न्यासी बोर्ड (CBT) की सिफारिश पर इसे अधिकतम 6 महीने के लिए और बढ़ाया जा सकता है।
2. पात्र श्रेणियाँ (Eligible Categories):
- श्रेणी -I (Category-I) : वे प्रतिष्ठान जो गैर-छूट प्राप्त (Un-exempted) प्रतिष्ठान के रूप में अनुपालन शुरू कर चुके हैं या आगे शुरू करना चाहते हैं।
  श्रेणी - II (Category & II) : वे प्रतिष्ठान जो सामाजिक सुरक्षा संहिता के तहत छूट प्राप्त (Exempted) प्रतिष्ठान के रूप में बने रहना चाहते हैं।
3. पिछली तारीख से नियमितीकरण:
योजना का लाभ उठाने वाले संस्थानों को पुरानी तारीख से छूट की स्थिति प्रदान की जाएगी। इससे बिना औपचारिक अधिसूचना के ट्रस्ट चलाने वाले संस्थानों की स्थिति नियमित हो सकेगी।

कानूनी राहत एवं नियोक्ताओं की जिम्मेदारियाँ

कानूनी कार्यवाहियों से राहत:
- केवल औपचारिक छूट न होने के आधार पर बकाया राशि, हर्जाने (Damages) या ब्याज के आकलन के लिए कोई नई कार्रवाई शुरू नहीं की जाएगी।
- ऐसी लंबित कार्यवाहियों को वापस लिया जाएगा और रद्द माना जाएगा।
- पहले से जारी किए गए आकलन आदेशों को निष्प्रभावी माना जाएगा और वसूली गई राशि को भविष्य के बकाए में समायोजित (Adjust) किया जाएगा।

प्रतिष्ठानों/ नियोक्ताओं की जिम्मेदारियाँ:
1. आवेदन दाखिल करना: निर्धारित प्रारूप (Annexure-I) में क्षेत्रीय/जिला कार्यालय में आवेदन करना होगा।
2. ऑडिट की अनिवार्यता: कट-ऑफ तिथि तक खातों का सीए (CA) द्वारा ऑडिट अनिवार्य है। आवेदन के 3 महीने के भीतर स्पेशल ऑडिट (Special Audit) पूरा करना होगा।
3. कर्मचारी विवरण KYC : कर्मचारियों की सूची, UAN, PAN, पहचान विवरण और बैंक विवरण का अद्यतनीकरण (Update) सुनिश्चित करना होगा।
4. निवेश घाटे की भरपाई : प्रतिभूतियों की खरीद / बिक्री से हुए नुकसान की भरपाई नियोक्ता को करनी होगी।

कार्यान्वयन और हेल्पलाइन (AMNESTY 2026 Cell & Helpdesk)

सभी क्षेत्रीय एवं जिला कार्यालयों में 'AMNESTY 2026 Cell' और एक समर्पित हेल्पडेस्क (Dedicated Helpdesk) का गठन किया जा रहा है। आवेदन, आडिट और नियमितीकरण प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए स्पष्ट प्रशासनिक दिशानिर्देश जारी कर दिए गए हैं।

अधिक जानकारी एवं आवेदन प्रारूप के लिए संपर्क करें:
ईमेल : ro.patna@epfindia.gov.in | वेबसाइट : www.epfindia.gov.in

भवदीय,
कर्मचारी भविष्य निधि संगठन
क्षेत्रीय कार्यालय, पटना

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय भवन प्रमंडल, खगड़िया।

बिहार सरकार

"शुद्धि पत्र"

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय द्वारा ई0-निविदा आमंत्रण सूचना संख्या-03/2026-27 (Construction of Meeting Hall under Khagaria District for the year 2026-27.) जो विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित हुआ है, जिसका PR. No. 004072 (BCD)/2026-27] PR. No. 005265 (BCD)/2026-27 एवं PR. No. 007510 (BCD)/2026-27है जिसमें प्रिबीड मिटिंग की तिथि, परिमाण विपत्र की बिक्री तिथि, निविदा प्राप्ति कि तिथि एवं निविदा खोलने की पूर्व में प्रकाशित तिथि को अपरिहार्य कारणवश निम्नांकित रूप से विस्तारित की जा रही है :-

क्र0 सं0	विवरणी	पूर्व में प्रकाशित तिथि एवं समय	संशोधित तिथि एवं समय	पुनः संशोधित तिथि एवं समय
1	प्रिबीड मिटिंग की तिथि एवं समय स्थान	दिनांक-23.06.2026 को 3:30 बजे अपराह्न अधीक्षण अभियंता, भवन अंचल, भागलपुर।	दिनांक-27.07.2026 को 3:00 बजे अपराह्न अधीक्षण अभियंता, भवन अंचल, भागलपुर।	दिनांक-20.08.2026 को 3:00 बजे अपराह्न अधीक्षण अभियंता, भवन अंचल, भागलपुर।
2	प्रिबीड मिटिंग की तिथि समय एवं स्थान मुख्य अभियंता (क0), भवन निर्माण विभाग, बिहार पटना।	दिनांक-30.06.2026 को 3:30 बजे अपराह्न तक।	दिनांक-03.08.2026 को 3:30 बजे अपराह्न तक।	दिनांक-24.08.2026 को 3:30 बजे अपराह्न तक।
3	परिमाण विपत्र (डाउनलोड करने) कीतिथि एवं समय	दिनांक-19.06.2026 से 13.07.2026 को 3:00 बजे अपराह्न तक।	दिनांक-20.07.2026 से 11.08.2026 को 3:00 बजे अपराह्न तक।	दिनांक-17.08.2026 से 08.09.2026 को 5:00 बजे अपराह्न तक।
4	निविदा प्राप्ति (अपलोड करने) की अंतिम तिथि एवं समय	दिनांक-14.07.2026 को 3:00 बजे अपराह्न तक।	दिनांक-12.08.2026 को 3:00 बजे अपराह्न तक।	दिनांक-08.09.2026 को 5:00 बजे अपराह्न तक।
5	निविदा (तकनीकी बीड) खोलने की तिथि एवं समय	दिनांक-16.07.2026 को 3:30 बजे अपराह्न तक।	दिनांक-14.08.2026 को 3:30 बजे अपराह्न तक।	दिनांक-11.09.2026 को 3:30 बजे अपराह्न तक।

विस्तृत जानकारी state.bihar.gov.in/prdbihar पर भी देखी जा सकती है।

PR-009339 (B C D) 2026-27 नशे की मार, बर्बाद करे सुखी परिवार।

कार्यपालक अभियंता,
भवन प्रमंडल, खगड़िया।

Govt. of Bihar — Bihar Urban Infrastructure Development Corporation Ltd.

A Government of Bihar Undertaking

NIT No: Buidco/Yo- 3051/2024-60

NOTICE INVITING Re-TENDER

(Through e-procurement2.bihar mode only – www.eproc2.bihar.gov.in)

Gr.No	Name of work	Estimated Cost	Bid Document cost	Bid Security (EMD)	Time for completion	Bid Processing Fee
1.	Construction of TTRO Plant for Re-Use of Treated Sewage From 11 MLD Barh STP for NTPC Barh, Bihar including 15 years O&M.	Rs 74.71 Cr	Rs. 59,000/-	Rs. 84.71 lakh	18 Months	As per eproc2

1	Date of downloading of bid document	:	From 08.08.2026 to 28.08.2026 up to 03:00 PM Through website www.eproc2.bihar.gov.in
2	Place & Date of Pre-bid meeting	:	Date 13.08.2026 Time 03:30 PM. BUIDCo. Near Rajapur Pul, West Boring Canal Road, Patna -800001 (Pre Bid query also may send on pdhqbuidco@gmail.com . Query will not be accepted after 13.08.2026 at 05:00 PM. Query will not be considered other than above mail Id.)
3	Last date and time for receipt (upload) of bids	:	Date 28.08.2024 up to 04:00 PM Through website www.eproc2.bihar.gov.in
4.	Last Date and time for Submission of hard copy of EMD	:	Date 29.08.2026 up to 03:00 PM at Buidco HQ, rajapur pul patna 800001 and Office of Respective Project Director, Buidco.
5.	Time and date of opening technical bids	:	Date 29.08.2026 Time 04:00 PM
6.	Time and date of opening of financial bids	:	To be communicated later on
7.	Place of opening of bid	:	Through website www.eproc2.bihar.gov.in
8.	Period of bids validity	:	120 days
9.	Officer inviting bids	:	Chief General Manager, BUIDCO
10.	Any Contractor registered with Central Government /any State Government or any PSU or an agency of international or national reputed may give the tender but registration with Buidco will be essential after issue of LOA		
11.	For participating in E – tendering process, the contractor shall have to get themselves registered to get user ID, Password and Digital si gnature. This will enable them to access the website www.eproc2.bihar.gov.in and download/participate in E – tender.		
13.	The tender documents can be obtained through website www.eproc2.bihar.gov.in and www.buidco.in.		
21.	For clarification, regarding the E –tendering process, please contact e-procurement, Helpdesk address: mjunction services limited RJ Complex, 2nd Floor, Canara bank Campus, Khajpura, Ashiana Road, P.S - Shastri Nagar, Patna 800014, Bihar.Working Hours: 8AM to 7PM (All days in week except Sunday and few selected state holidays) Mobile No –7605056831/7605056830		

For further details please visit website state.bihar.gov.in/prdbihar

PR-009376 (B & C) 2026-27 नशे की मार, बर्बाद करे सुखी परिवार।

Chief General Manager(S)
BUIDCo, Patna

Bihar Eco Tourism Development Society

Environment, Forest & Climate Change Department
Aranya Bhawan, 2nd Floor, Saheed Peer Ali Marg, Patna – 800014

Govt. of Bihar

CORRIGENDUM - 1

Notice Inviting Expression of Interest (EOI)

Subject: Corrigendum for"EXPRESSION OF INTEREST (EOI)for Selection of Agencies for Development, Operation and Maintenance of Adventure Tourism Activities and Water Sports Facilities at Identified Eco-Tourism Destinations in Bihar"vide EOI No.:2 BETDS/ECO-TOURISM/EOI/2026-27/Adventuredated 11.07.2026 published in papers vide PR No. 007588 (Env. & Forest).

In order to encourage wider participation and to provide sufficient time to the prospective bidders/participants following the pre-bid / consultative meeting, the Society has decided to extend the last date for submission of EOI under No.:2 BETDS/ECO-TOURISM/EOI/2026-27/Adventure.Accordingly, the schedule prescribed in the said EOI shall stand revised as per the details provided below:

Sl.	Particulars	Details
1	Name of Issuing Authority	Project Director, Bihar Eco Tourism Development Society (BETDS), Government of Bihar, Aranya Bhawan, 2nd Floor, Peer Ali Marg, Patna- 800014.
2	Availability of EOI	The EOIdocument shall be available on the official websitehttps://state.bihar.gov.in/forest. of the Environment, Forest & Climate Change Department / Government ofBihar. All subsequent amendments, corrigenda or addenda to the EOI shall be published only on the above-mentioned website.
3	EOI Publish Date	*11.07.2026*
4	Last Date and Time forSubmission of EOI	*13.08.2026 till5 :00PM*
5	Date, Time and Place ofOpening of EOI	*14.08.2026 at11 :00 AM*at the office of Bihar Eco Tourism Development Society, Bihar, Aranya Bhawan, 2nd Floor, Saheed Peer Ali Marg, Patna- 800014.
6	Proposal Validity	The proposal shall remain valid for120 (One Hundred and Twenty) days from the Proposal Due Date

Revised EOI submission Schedule/Programme:

All other terms and conditions of the EOI document shall remain unchanged. Bidders are advised to carefully review (i) The EOI and (ii) clarifications/addenda issued by the Society from time to time on the department websitehttps://state.bihar.gov.in/forest
For further information, please contact:Email:-biharecotourismsociety@gmail.comMobile No.: +91-8986153336

Project Director
Bihar State Ecotourism Development Society
Government of Bihar

PR-009536 (Forest) 2026-27 नशे की मार, बर्बाद करे सुखी परिवार।

भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल

(गृह मंत्रालय) भारत सरकार
केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल
चिकित्सा अधिकारी चयन बोर्ड-2025
गृह मंत्रालय, भारत सरकार,
महानिदेशालय, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल

भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अधीन केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (BSF, CRPF, ITBP, SSB और असम राइफल) में ग्रुप 'A' के पदों यानी सुपर स्पेशलिस्ट मेडिकल ऑफिसर (दूसरा-कमान/सेकंड-इन-कमांड), स्पेशलिस्ट मेडिकल ऑफिसर (उप कमांडेंट) और मेडिकल ऑफिसर (सहायक कमांडेंट) के पदों पर नियुक्ति के लिए योग्य भारतीय नागरिकों (पुरुष और महिला) से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। संबंधित बल में स्वीकार्य वेतनमान और भत्ते इस प्रकार हैं:-

क्र. सं.	पद का नाम	रिक्तियों की संख्या						वेतनमान
		यूआर	एससी	एसटी	ओबीसी	ईडब्ल्यूएस	कुल	
1	सुपर स्पेशलिस्ट मेडिकल ऑफिसर (दूसरा-कमान)	04	-	-	01	-	05	7वें वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में लेवल-12 (78,800-2,09,200)
2	स्पेशलिस्ट मेडिकल ऑफिसर (उप कमांडेंट)	55	27	9	51	20	162	7वें वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में लेवल-11 (67,700-2,08,700)
3	मेडिकल ऑफिसर (सहायक कमांडेंट)	32	23	18	32	10	115	7वें वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में लेवल-10 (56,100-1,77,500)
						कुल	282**	

मेडिकल ऑफिसर (सहायक कमांडेंट) के पद पर कुल रिक्तियों का 10% हिस्सा केवल भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित है। यदि योग्य या पात्र उम्मीदवारों के उपलब्ध न होने के कारण भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित रिक्ति खाली रह जाती है, तो उसे अन्य उम्मीदवारों द्वारा भरा जाएगा।

*** बैकलॉग सहित कुल रिक्तियां बिना पूर्व सूचना के परिवर्तन के अधीन हैं।

2. **आवेदन शुल्क:-** अनारक्षित/सामान्य, ओबीसी और इडब्ल्यूएस श्रेणी के पुरुष उम्मीदवारों के लिए 400/- रुपये। महिलाओं, भूतपूर्व सैनिकों तथा अनुसूचित जाति (SC) और अनुसूचित जनजाति (ST) श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए शुल्क माफ है।

3. **उम्मीदवारों के आवेदन केवल www.recruitment.itbpolice.nic.in के माध्यम से ऑनलाइन मोड में ही स्वीकार किए जाएंगे। कोई भी ऑफ़लाइन आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। उम्मीदवारों को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि वे वेबसाइट पर अपनी प्रोफाइल विवरण भरते समय स्पष्ट और पठनीय फोटो, स्कैन किए गए हस्ताक्षर, मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय द्वारा जारी एमबीबीएस या समकक्ष योग्यता और विशिष्ट योग्यता के समर्थन में प्रमाण पत्र, तथा एमसीआई /एनएमसी /राज्य चिकित्सा परिषद का पंजीकरण प्रमाण पत्र अपलोड करें।** वेतन और भत्तों, पात्रता शर्तों, ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की प्रक्रिया, भर्ती प्रक्रिया और परीक्षाओं आदि के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए, आवेदकों को सलाह दी जाती है कि वे आईटीबीपी की विस्तृत भर्ती वेबसाइट विज्ञापन **www.recruitment.itbpolice.nic.in** का अवलोकन करें। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे किसी भी बाद के चरण में अयोग्यता से बचने के लिए दिए गए निर्देशों और पात्रता मानदंडों के अनुसार ही सख्ती से अपनी प्रोफाइल भरें और ऑनलाइन आवेदन पत्र के माध्यम से आवेदन करें।

ऑनलाइन आवेदन शुरू होने की तिथि 10.08.2026 को सुबह 01:00 बजे है और ऑनलाइन आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि 08.09.2026 को रात 11:59 बजे है।

उप महानिरीक्षक (भर्ती)
महानिदेशालय, आईटीबीपी

CBC -19143/11/0007/2627

भक्ति में भजन से अधिक भाव महत्वपूर्ण है

बाड़ खेत को खाए

नीट पेपरलीक मामले में सीबीआइ की ओर से दी गई यह जानकारी चौंकाने वाली है कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के तीन विषय विशेषज्ञों ने ही प्रश्नपत्र लीक किए थे। इन्होंने गोपनीय प्रश्न तैयार करने और अनुवाद की प्रक्रिया के दौरान परीक्षा सामग्री बाहर निकाली और उसे बिचौलियों के माध्यम से उन अभ्यर्थियों तक पहुंचाया, जो छल-कपट से नीट पास करना चाह रहे थे। इनका साथ कोचिंग चलाने वालों ने भी दिया। ये तीनों शिक्षक थे, जो एनटीए को अपनी सेवाएं दे रहे थे। साफ है कि जिन पर परीक्षा की गोपनीयता बनाए रखने की जिम्मेदारी थी, उन्होंने ही उसमें सेंध लगाने का काम किया। यह एक तरह से बाड़ खेत को खाए वाला ही मामला है। इससे बड़ी विडंबना और कोई नहीं हो सकती कि जिम्मेदार लोग ही गैर-जिम्मेदारी का परिचय दें। इन शिक्षकों ने अपनी हरकतों से 22 लाख से अधिक छात्रों को दोबारा परीक्षा देने के लिए बाध्य ही नहीं किया, एनटीए की बदनामी भी कराई और सरकार के सामने मुसीबत भी खड़ी की। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि पेपरलीक रोधी कानून को बेहद कठोर बनाया गया है और नीट पेपरलीक मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक अदालत को सौंप दी गई है, क्योंकि बात तब बनेगी जब पेपरलीक के दोषियों को यथाशीघ्र कठोर दंड मिलेगा। यह सजा ऐसी होनी चाहिए, जो नजीर बन सके और परीक्षा में सेंध लगाने वालों के मन में भय पैदा कर सके। नीट पेपरलीक मामले में यह भी ध्यान रहे कि एनटीए को सेवाएं दे रहे शिक्षक अपने नापाक इरादे में इसलिए कामयाब नहीं रहे, क्योंकि वे बुरी नीयत वाले थे। वे इसलिए भी कामयाब हुए, क्योंकि एनटीए ने परीक्षा की गोपनीयता बनाए रखने के लिए बुनियादी आवश्यक उपाय नहीं किए। उसने प्रश्नपत्र तैयार करने की प्रक्रिया ऐसी रखी कि आरोपित शिक्षकों की सभी प्रश्नों तक पहुंच बहुत आसान हो गई। खराब बात यह भी रही कि प्रश्नपत्र तैयार करने की प्रक्रिया की सीसीटीवी से सटीक निगरानी भी नहीं की गई। समझना कठिन है कि आरोपित शिक्षकों को पूरा प्रश्नपत्र तैयार करने और उनका अनुवाद करने की सुविधा क्यों दी गई? यह प्रश्न भी अनुत्तरित है कि नीट प्रश्नपत्र के कई सेट क्यों नहीं तैयार किए गए? ऐसा लगता है कि एनटीए के वरिष्ठ अधिकारी इससे परिचित ही नहीं थे कि परीक्षा में सेंध लगाने वाला एक माफिया पैदा हो गया है, जिसमें कोचिंग चलाने वालों के साथ शिक्षक भी शामिल हो सकते हैं। यह प्रकरण इसकी ओर भी संकेत करता है कि जिन शिक्षकों से परीक्षाओं की शुचिता बनाए रखने के मामले में उदाहरण पेश करने की अपेक्षा की जाती है, वही नैतिकता को तिलांजलि देने वाले अपराधी निकले। स्पष्ट है कि यह समाज में नैतिकता में गिरावट को भी रेखांकित करता है।

दुर्घटना का संदेश

पैदल यात्रियों के लिए सड़क पार करने को अंडरपास या उपरिपथ न होना बड़ी समस्या

पटना सिटी के निकट एक सड़क दुर्घटना के बाद घंटों मची तबाही का संदेश यह है कि वाहन चालक हों या पदयात्री, यातायात के नियमों की पूरी तरह अनदेखी कर रहे हैं। बस से कुचलकर एक युवक की हुई मौत के बाद घंटों इस सड़क पर आवागमन बाधित रहा। बस और पुलिस की गाड़ियां आग के हवाले की गईं। कई लोग घायल भी हो गए। दुर्घटना के बाद यह दृश्य आम है कि स्थानीय लोग सड़क पर उतर जाते हैं। कठिनाई यह है कि दुर्घटनाओं से कोई सबक नहीं लेता है। जब से अच्छी सड़कें बनी हैं, वाहन चालकों के बीच तेज चलने की प्रतिस्पर्धा शुरू हो गई है। अपनी जान गंवाते हैं या दूसरों की जान लेते हैं। सरकार की बड़ी कमी यह है कि पैदल यात्रियों के पार करने के लिए अंडरपास या उपरि पथ का निर्माण नहीं किया गया है। स्थानीय लोग अपनी जरूरतों के लिए सड़क पार करते हैं। अपंग होते हैं या जान से हाथ धो बैठते हैं। ग्रामीण इलाके की बात छोड़ दीजिए, राजधानी के अति व्यस्त नेहरू पथ पर भी पैदल यात्रियों की सुरक्षा का ख्याल नहीं रखा गया है। इससे संबंधित कई घोषणाएं हुई तो हैं, मगर वह सड़क पर नहीं उतर पाई।

कह के रहेंगे — माधव जोशी

जागरण जनमत — कल का परिणाम

क्या एक निश्चित राशि के यूपीआइ लेनदेन पर शुल्क लगने से नकदी पर निर्भरता फिर से बढ़ेगी?

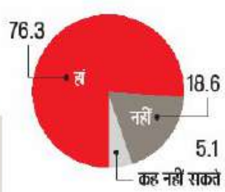

आज का सवाल
क्या एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमीलेयर का सिद्धांत लागू होना चाहिए?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है। (सभी आंकड़े प्रतिशत में)

पुलिस को भी है प्रतिकार का अधिकार

अशोक कुमार

विरोध-प्रदर्शन के नाम पर पुलिस पर हमला किसी व्यक्ति पर हमला नहीं, बल्कि राज्य की विधिक व्यवस्था और कानून के शासन को चुनौती देना है

हाल में दिल्ली के जंतर-मंतर पर काकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी के नेतृत्व में हुए आंदोलन के दौरान पुलिस द्वारा कथित रूप से पैलेट गन के प्रयोग को लेकर पूरे देश में व्यापक बहस छिड़ गई है। घटना की जांच भी प्रारंभ हो चुकी है। सवाल यह है कि पैलेट गन का प्रयोग हुआ या नहीं? यदि हुआ तो किन परिस्थितियों में हुआ? किंतु इस पूरे विवाद के बीच एक महत्वपूर्ण पक्ष लगभग चर्चा से बाहर है कि ऐसी परिस्थितियों में पुलिस को कानून क्या अधिकार देता है? मैंने अनेक बार ऐसे हालात देखे हैं, जब कुछ ही मिनटों में शांतिपूर्ण प्रतीत होने वाला प्रदर्शन हिंसक रूप धारण कर लेता है। ऐसे समय में पुलिस के प्रत्येक निर्णय का सीधा संबंध लोगों के जीवन, सार्वजनिक संपत्ति और कानून-व्यवस्था से होता है। इसलिए किसी भी घटना का मूल्यांकन केवल भावनाओं के आधार पर नहीं, बल्कि कानून और वास्तविक परिस्थितियों के आधार पर किया जाना चाहिए।

प्रत्येक नागरिक को शांतिपूर्ण ढंग से विरोध दर्ज कराने का संवैधानिक अधिकार प्राप्त है, लेकिन यह अधिकार असीमित नहीं है। जब कोई प्रदर्शन हिंसा, आगजनी, तोड़फोड़, पथराव अथवा सार्वजनिक व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा बन जाता है, तब राज्य का संवैधानिक दायित्व है कि वह कानून-व्यवस्था बहाल करे। पूर्व में भारतीय दंड संहिता यानी आइपीसी की धारा 141 में गैर-कानूनी जमावड़े की परिभाषा दी गई थी। अब यह प्रविधान भारतीय न्याय संहिता यानी बीएनएस की धारा 189 में निहित है। यदि पांच या उससे अधिक व्यक्ति किसी ऐसे उद्देश्य से एकत्र हों, जो कानून के विरुद्ध हो, तो वह गैर-कानूनी जमावड़ा माना जाएगा। इसमें सरकार के वैधानिक कार्यों में बाधा डालना, अपराध करना, सार्वजनिक अथवा निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाना, बलपूर्वक किसी की संपत्ति पर कब्जा करना अथवा किसी व्यक्ति को उसकी इच्छा के विरुद्ध कोई कार्य करने के लिए विवश करना शामिल हो सकता है। भारतीय न्याय संहिता की धाराएं 189, 190 और 191 ऐसे गैर-कानूनी जमावड़े तथा दंगों में शामिल व्यक्तियों के लिए दंड का प्रविधान करती हैं। केवल हिंसा करने वाला व्यक्ति ही नहीं, बल्कि जानबूझकर ऐसे हिंसक जमावड़े का हिस्सा बने लोग भी कानूनी दायरे में आते हैं।

अब प्रश्न यह है कि ऐसी स्थिति में पुलिस क्या करे? इसका उत्तर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता यानी बीएनएसएस की धाराओं 148 से 151 में मिलता है, जिन्होंने पूर्ववर्ती दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धाराओं 129 से 131 का स्थान लिया है। व्यवस्था के अनुसार कानून पुलिस को चरणबद्ध तरीके से कार्रवाई करने का अधिकार देता है। सबसे पहले उपनिरीक्षक या उससे वरिष्ठ अधिकारी किसी भी गैर-कानूनी जमावड़े अथवा शांति भंग करने की आशंका वाले समूह को तितर-बितर होने का आदेश दे सकता है। यदि भीड़ आदेश का पालन नहीं करती तो उसे हटाने के लिए पुलिस आवश्यक बल का प्रयोग कर सकती है, जिसमें आवश्यकता पड़ने पर गिरफ्तारी भी शामिल है। कानून पुलिस को केवल उतना ही बल प्रयोग करने की अनुमति देता है, जितना परिस्थितियों में आवश्यक हो। इसे ग्रेडेड रिस्पांस कहा जाता है। इसका अर्थ है कि पुलिस सीधे कठोर बल का प्रयोग नहीं करती। पहले समझाइश, सार्वजनिक घोषणा और चेतावनी दी जाती है। यदि उससे भी स्थिति नियंत्रित न हो तब वाटर कैनन, आंसू गैस तथा अन्य गैर-घातक उपाय अपनाए जाते हैं। आवश्यकता पड़ने पर सीमित लाठीचार्ज किया जा सकता है। इसके बाद भी यदि भीड़ हिंसक बनी रहे और लोगों के जीवन अथवा सार्वजनिक संपत्ति के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न करे, तभी रबर बुलेट, प्लास्टिक पैलेट अथवा पंप-एक्शन एंटी-रायट गन जैसे विशेष उपकरणों का प्रयोग किया जा सकता है। इन उपकरणों का उद्देश्य किसी व्यक्ति की जान लेना नहीं, बल्कि हिंसक भीड़ को नियंत्रित करना और ऐसी स्थिति से बचना है, जहां वास्तविक गोलियों का प्रयोग करना पड़े। फिर भी, इनका उपयोग केवल प्रशिक्षित अधिकारियों द्वारा निर्धारित एसओपी के अनुसार ही किया जाना चाहिए। यदि इन उपायों के बाद भी स्थिति नियंत्रण से बाहर हो जाए, तभी कानून विशेष परिस्थितियों में सशस्त्र बलों की सहायता लेने की अनुमति देता है। सामान्यतः ऐसी कार्रवाई कार्यपालक मजिस्ट्रेट के निर्देशन में की जाती है। यदि किसी आपात स्थिति में मजिस्ट्रेट उपलब्ध न हो, तो कानून वरिष्ठतम उपनिरीक्षक अथवा उससे उच्च अधिकारी तथा सशस्त्र बलों के राजपत्रित अधिकारी को भी आवश्यक परिस्थितियों में आग्नेयास्त्रों के प्रयोग का आदेश देने का अधिकार प्रदान करता है। पैलेट आधारित भीड़ नियंत्रण प्रणाली भारत में लगभग दो दशकों से प्रचलन में है। जम्मू-कश्मीर में लंबे समय तक चले हिंसक पथराव के दौरान इसका उपयोग व्यापक चर्चा का विषय बना। व्यावहारिक दृष्टि से यह भीड़ नियंत्रण के सामान्य उपायों और घातक हथियारों के बीच का एक मध्यमार्गी विकल्प माना जाता है। स्पष्ट है कि कानून पुलिस को हिंसक एवं गैर-कानूनी भीड़ के विरुद्ध बल प्रयोग का अधिकार देता है। हालांकि बल का प्रयोग सदैव न्यूनतम, आवश्यक, अनुपातिक तथा अंतिम विकल्प के रूप में ही किया जाए। पुलिस का उद्देश्य नागरिकों को पराजित करना नहीं, बल्कि कानून का शासन स्थापित करते हुए शांति, जन-जीवन और सार्वजनिक सुरक्षा की रक्षा करना है।

अवधेश राजपूत

पुलिस अधिकारी के लिए दंगा नियंत्रण कभी आसान निर्णय नहीं होता। ऐसी परिस्थितियों में यदि पुलिस निष्क्रिय रहे तो वही समाज उससे पूछता है कि उसने अपनी जिम्मेदारी क्यों नहीं निभाई। फिर भी, यदि कोई अधिकारी कानून की सीमा से बाहर जाकर कार्य करता है, तो उसके विरुद्ध कार्रवाई के भी पर्याप्त प्रविधान हैं। हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि पुलिसकर्मी भी इसी समाज का हिस्सा हैं। वे भी परिवार वाले नागरिक हैं, जो संविधान और कानून के प्रति अपनी शपथ का निर्वहन कर रहे होते हैं। प्रदर्शन के नाम पर पुलिस पर हमला, उनके वाहन जलाना अथवा उनकी जान को खतरे में डालना केवल किसी व्यक्ति पर हमला नहीं, बल्कि राज्य की विधिक व्यवस्था और कानून के शासन को चुनौती देना है।

(लेखक उत्तराखंड के पुलिस महानिदेशक रहे हैं)
response@jagran.com

असहमति से असहिष्णुता तक

हरवंश दीक्षित

लोकतंत्र में अपनी बात रखने का अधिकार जितना अहम है, दूसरे की आवाज सुनने का संस्कार भी उतना ही आवश्यक है

संविधान सभा स्वतंत्र भारत के संविधान को अंतिम रूप देने के ऐतिहासिक क्षण के निकट थी। तब डा. भीमराव आंबेडकर ने एक ऐसी चेतावनी दी थी, जिसकी प्रतिध्वनि आज भी सुनाई देती है। उन्होंने कहा था कि जब संवैधानिक उपाय उपलब्ध हों, तब उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए असंवैधानिक रास्तों का कोई औचित्य नहीं रह जाता। लगभग आठ दशक बाद इस चेतावनी को नए संदर्भ में पढ़ने की आवश्यकता है। आज प्रश्न यही नहीं है कि हम असहमति कैसे व्यक्त करें। उससे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या हम दूसरे की असहमति को भी उतनी ही सहजता से स्वीकार कर सकते हैं, जितनी दृढ़ता से अपनी असहमति व्यक्त करने का अधिकार चाहते हैं? यहीं से आज के लोकतांत्रिक विमर्श की एक गंभीर चिंता उपजती है।

आंदोलन लोकतंत्र के लिए अपरिचित नहीं हैं। भारत का स्वतंत्रता संग्राम स्वयं जन-आंदोलनों की महान परंपरा से निकला है। स्वतंत्र भारत में भी आंदोलनों ने शासन को नागरिकों की अपेक्षाओं के प्रति सजग किया है, अनेक सुधारों का मार्ग प्रशस्त किया है और हाशिए की आवाजों को सार्वजनिक विमर्श के केंद्र तक पहुंचाया है। इसलिए आंदोलन को लोकतंत्र की कमजोरी मानना उचित नहीं होगा। शांतिपूर्ण असहमति लोकतंत्र की जीवंतता का प्रमाण है। गांधी जी की पूरी राजनीतिक पद्धति में साधन की शुचिता को लक्ष्य की पवित्रता जितना ही महत्व मिला। इसीलिए गांधीवादी असहमति प्रतिद्वंद्वी को नष्ट करने के बजाय उसके अंतःकरण से संवाद करने का प्रयास करती थी। लोकतंत्र का संस्कार भी कुछ ऐसा ही है। मैं आपसे असहमत हूं, इसलिए आपका विरोध कर सकता हूं, लेकिन केवल इसलिए आपकी गरिमा, आपके अधिकार और आपकी लोकतांत्रिक वैधता को अस्वीकार नहीं कर सकता। यह सिद्धांत सत्ता और आंदोलनकारियों, दोनों पर समान रूप से लागू होता है। सत्ता यदि प्रत्येक असहमति को शत्रुता अथवा अवज्ञा मानने लगे, तो लोकतांत्रिक संवाद कमजोर होता है। उसी प्रकार आंदोलनकारी यदि प्रत्येक असहमत नागरिक को सत्ता का समर्थक या अपने संघर्ष का विरोधी मान लें, तो आंदोलन की लोकतांत्रिक नैतिकता प्रभावित होती है।

त्वरित प्रतिक्रियाओं से तेज होता ध्रुवीकरण ● फाइल

लोकतंत्र में अपनी आवाज उठाने का अधिकार जितना महत्वपूर्ण है, दूसरे की आवाज सुनने का संस्कार भी उतना ही आवश्यक है। आज सार्वजनिक जीवन में यही संतुलन विशेष महत्व रखता है। इंटरनेट मीडिया ने प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति का अभूतपूर्व मंच दिया है, लेकिन उसने त्वरित प्रतिक्रियाओं, आरोपों और वैचारिक ध्रुवीकरण को भी बढ़ाया है। कई बार हम तर्क सुनने से पहले व्यक्ति की पहचान देखते हैं और विचार पढ़ने से पहले यह तय कर लेते हैं कि वह किस 'पक्ष' का है। परिणाम यह होता है कि बहस सत्य की खोज से हटकर अपने-अपने खेमे की विजय का माध्यम बनने लगती है। यहीं से लोकतंत्र के लिए सबसे गंभीर संकट पैदा होता है-भरोसे का संकट।

लोकतंत्र की खूबसूरती इसी में है कि वह हमें एक जैसा बनाने का प्रयास नहीं करता। लोकतंत्र को केवल चुनावों से नहीं मापा जा सकता। चुनाव उसका अनिवार्य आधार हैं, लेकिन लोकतांत्रिक संस्कृति उससे कहीं व्यापक है। वह तीन प्रकार के भरोसे पर खड़ी होती है-नागरिक का नागरिक पर भरोसा, नागरिक का संस्थाओं पर भरोसा और संस्थाओं का नागरिक के विवेक पर भरोसा। इनमें से कोई एक कमजोर होता है तो पूरी लोकतांत्रिक संरचना प्रभावित होती है। आज के विवादों और आंदोलनों को भी इसी कसौटी पर देखने की आवश्यकता है। कौन जीता और कौन हारा, इसका उत्तर अलग-अलग राजनीतिक दृष्टियों से अलग हो सकता है। कोई आंदोलनकारियों के प्रश्नों को अधिक न्यायसंगत बताएगा। लोकतंत्र इन दोनों मतों के लिए स्थान देता है, लेकिन एक तीसरा प्रश्न दोनों से बड़ा है-इस पूरे संघर्ष के बाद लोकतंत्र पर जनता का भरोसा कितना बचा? यदि विवाद समाप्त होने के बाद नागरिक एक-दूसरे को अधिक संदेह से देखने लगें, संस्थाओं की निष्पक्षता पर विश्वास कमजोर हो जाए, सरकार और विपक्ष के बीच संवाद असंभव-सा लगने लगे तथा सार्वजनिक जीवन 'हम' और 'वे' में विभाजित हो जाए, तो किसी पक्ष की तात्कालिक राजनीतिक जीत भी लोकतंत्र की दीर्घकालिक उपलब्धि नहीं कही जा सकती। राजनीतिक विजय क्षणिक हो सकती है, संस्थागत अविश्वास की उम्र बहुत लंबी होती है। इसीलिए आंबेडकर की संवैधानिक चेतावनी आज और महत्वपूर्ण हो जाती है। लोकतंत्र में प्रश्न पूछना अधिकार है, किंतु आरोप के साथ प्रमाण का दायित्व भी है। सत्ता को निर्णय लेने का अधिकार है, किंतु उसके साथ पारदर्शिता और जवाबदेही का दायित्व भी जुड़ा है। संस्थाओं को निष्पक्ष होना चाहिए और उनकी कार्यप्रणाली में निष्पक्षता दिखाई भी देनी चाहिए। लोकतंत्र का उत्तर अधिक लोकतंत्र है-अधिक संवाद, अधिक पारदर्शिता और अधिक भरोसा। लोकतंत्र में असहमति समस्या नहीं है। असहमति को सह न पाना समस्या है और जब असहिष्णुता संवाद को विस्थापित करती है, तो उसका अंतिम शिकार भरोसा होता है। लोकतंत्र में कोई चुनाव हार सकता है, कोई बहस हार सकता है, कोई आंदोलन भी अपने तात्कालिक लक्ष्य में असफल हो सकता है, लेकिन यदि इस प्रक्रिया में भरोसा हार गया, तो अंततः हार लोकतंत्र की होगी।

(लेखक विधि मामलों के विशेषज्ञ हैं)
response@jagran.com

ऊर्जा

मन की मलिनता

तन, मन, बुद्धि और अहंकार में से तन पृथ्वी, जल, तेज, वायु और आकाश जैसे जिन पांच तत्वों के मेल से बना है, वे सभी परम स्थूल कहे जाते हैं, किंतु दार्शनिक इसे पांच कर्मेंद्रियों तथा पांच ज्ञानेंद्रियों में विभाजित करते हैं और मन को मनन करने वाला बता कर इसे परम शक्ति के रूप में स्थापित करते हैं। इस शरीर का दार्शनिक जब और अधिक सूक्ष्म विवेचन करते हैं तो वे यह बताते हैं कि यह शरीर पांच ज्ञानेंद्रियों तथा कर्मेंद्रियों से तो संयुक्त है ही, परंतु यह मन, चित्त, बुद्धि और अहंकार से संसार और पदार्थों का ज्ञान करता है।

शुक्ल यजुर्वेद में 'शिव संकल्प सूक्त' नाम से एक सूक्त दिया गया है, जिसमें यह कामना की गई है कि हमारा यह मन जो परम बलवान है और सदा हमको विपरीत दिशा में ही ले जाता है, वह कल्याणकारी भावना से युक्त हो। वहां पर मन की जिन अपूर्व शक्तियों का वर्णन है, वे ऐसी शक्तियां हैं, जिनकी तुलना अन्य किसी से नहीं की जा सकती। जब भी कोई व्यक्ति एकाग्रचित्त होकर किसी शुभ कार्य में बैठता है तो यह मन बलपूर्वक दूर से दूरस्थ चला जाता है। इसी तरह जब व्यक्ति असावधान होकर व्यर्थ का समय व्यतीत करता है तो यह मन पास आ जाता है।

इस मन की सामर्थ्य वैसी ही है, जैसी रथ संचालक की होती है। सारथी घोड़ों की लगाम को शक्ति से जहां चाहता है, रथ को ले जाता है। उसी तरह हमारा यह मन हमारी कामना रूपी लगाम से जहां चाहता है, वहां ले जाता है। व्यक्ति के पास जब समय होगा तो वह मन से प्रेरित होकर मेला घूमने जाएगा, किंतु किसी धर्म स्थल पर नहीं जाएगा। ऐसे ही व्यक्ति विविध व्यंजन खाकर अपनी जिह्वा को संतुष्ट तो करेगा, किंतु उसी से मधुर वचन नहीं बोलेगा। यही इसकी मलिनता है। हमें इसे स्वच्छ करने के लिए ही निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए। यदि हम इस प्रयास में सफल हो गए तो हमें जीवन में चहुंओर शुभ ही प्रतीत होगा और हमारा जीवन सार्थकता की ओर अग्रसर होगा।

डा. गदाधर त्रिपाठी

पाठकनामा

pathaknama@pat.jagran.com

मंदिर प्रबंधन की महत्ता

'मंदिर प्रबंधक तैयार करने का समय' शीर्षक से प्रकाशित विकास सारस्वत का आलेख भारतीय समाज के एक ऐसे पक्ष को उजागर है, जिस पर वर्षों से चर्चा कम और उपेक्षा अधिक हुई है। यदि मंदिर केवल पूजा-अर्चना का केंद्र नहीं, बल्कि समाज के नैतिक, सांस्कृतिक और सेवा-आधारित जीवन की धुरी हैं, तो उनका संचालन भी उसी स्तर की दक्षता, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व का अधिकारी होना चाहिए। आज विडंबना यह है कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से संचालित अनेक मंदिर आर्थिक रूप से समृद्ध तो हैं, परंतु उनके प्रशासन में आधुनिक प्रबंधन, वित्तीय अनुशासन, मानव संसाधन विकास, डिजिटल पारदर्शिता, आपदा प्रबंधन और जनसेवा की समग्र दृष्टि का अभाव दिखाई देता है। आस्था जितनी पवित्र है, उसका प्रबंधन भी उतना ही पवित्र और पेशेवर होना चाहिए। केवल श्रद्धा से व्यवस्था नहीं चलती, व्यवस्था के लिए प्रशिक्षण, दृष्टि और चरित्र भी आवश्यक है। मेरा मानना है कि देश के प्रमुख विश्वविद्यालयों एवं संस्कृत संस्थानों में 'धार्मिक संस्थान प्रबंधन' जैसे विशेष पाठ्यक्रम प्रारंभ किए जाने चाहिए, जिनमें भारतीय दर्शन, धर्मशास्त्र, संविधान, विधि, वित्त, सूचना प्रौद्योगिकी, साइबर सुरक्षा, पर्यटन, जनसंपर्क, आपदा प्रबंधन तथा सामाजिक सेवा का समन्वित प्रशिक्षण दिया जाए। ऐसा प्रशिक्षित प्रबंधक मंदिर को केवल आय का केंद्र नहीं, बल्कि शिक्षा, संस्कार, सेवा, पर्यावरण संरक्षण, गौसंवर्धन, महिला सशक्तीकरण और युवा जागरण का जीवंत केंद्र बना सकता है। इसके साथ ही मंदिरों के प्रशासन में पूर्ण वित्तीय पारदर्शिता, समयबद्ध आडिट, आनलाइन लेखा-प्रकाशन, दानदाताओं के प्रति जवाबदेही तथा स्थानीय समाज की सहभागिता सुनिश्चित की जानी चाहिए। श्रद्धालु केवल दर्शन करने नहीं आते, वे अपना विश्वास भी मंदिर को सौंपते हैं। उस विश्वास की रक्षा किसी भी मूर्ति की सुरक्षा से कम महत्वपूर्ण नहीं है। भारत यदि विश्वगुरु बनने की आकांक्षा रखता है तो उसके मंदिर केवल भव्य स्थापत्य के प्रतीक न रहें, बल्कि सुशासन, सेवा, संस्कृति और सामाजिक उत्तरदायित्व के आदर्श माडल बनें। जिस दिन मंदिरों में पूजा के साथ उत्कृष्ट प्रबंधन भी स्थापित हो जाएगा, उसी दिन आस्था की शक्ति समाज-निर्माण की सबसे बड़ी ऊर्जा बन जाएगी।

विमलेश कुमार सिंह चौहान, लखनऊ

कार्रवाई की जरूरत

यह कटु सत्य है कि निर्माण कार्यों में भ्रष्टाचार की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। चिंता की बात यह भी है कि इस पर प्रभावी अंकुश लगाने की इच्छाशक्ति सरकारों में अपेक्षित स्तर पर दिखाई नहीं देती। जब तक भ्रष्टाचार के विरुद्ध कठोर एवं निष्पक्ष कार्रवाई नहीं होगी, तब तक विकास की गति प्रभावित होती रहेगी। केंद्र और राज्य सरकारें राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिचय दें व भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाएं।

– मनोज कुमार, नवादा

लोकतंत्र के हित में नहीं

गतिरोध से त्रस्त संसद लेख में संसद की मौजूदा कार्यशैली पर गंभीर और संतुलित टिप्पणी की गई है। यह सही है कि संसद को सुचारु रूप से चलाने की जिम्मेदारी केवल सरकार या केवल विपक्ष की नहीं, बल्कि दोनों की समान रूप से है। जनता ने अपने प्रतिनिधियों को टकराव के लिए नहीं, बल्कि समस्याओं के समाधान और जनहित से जुड़े मुद्दों पर सार्थक बहस के लिए चुना है। दुर्भाग्य से पिछले कुछ वर्षों में संसद का लगभग हर सत्र किसी न किसी विवाद, हंगामे और गतिरोध का शिकार होता रहा है। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका केवल विरोध करने तक सीमित नहीं होती, बल्कि सरकार को तथ्यों के आधार पर जवाबदेह बनाने और नीतिगत विकल्प प्रस्तुत करने की भी होती है। लेकिन जब विरोध केवल नारेबाजी, वेल में आने और कार्यवाही बाधित करने तक सिमट जाता है, तो उसकी सार्थकता भी कम हो जाती है। चिंता की बात यह भी है कि अनेक महत्वपूर्ण विधेयक पर्याप्त चर्चा के बिना पारित हो जाते हैं, जबकि कई बार पूरा सत्र राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप में ही निकल जाता है। इसका सबसे बड़ा नुकसान आम जनता को उठाना पड़ता है। संसदीय समितियों की भूमिका को अधिक प्रभावी बनाने और सभी दलों की रचनात्मक भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में गंभीर पहल समय की मांग है। विरोध के और मंच हो सकते हैं।

– युगल किशोर राही, छपरा

X पोस्ट

पंजाब में कांग्रेस वही गलती दोहरा रही है,जो उसने 2022 मे की थी,जब सिद्धू से किनारा नहीं किया और चुनाव हार गए। अभी चन्नी ने पार्टी को परेशान किया हुआ है और लगता नही कि उन पर कार्रवाई की जाएगी। अगर इस बार पजाब मे कांग्रेस हार गई तो राज्य मे उसका वैसे ही खेल खत्म समझिए, जैसा उत्तर प्रदेश, बिहार, बंगाल और तमिलनाडु आदि मे हुआ। अशुतोष@ashutosh83B

पंजाब में अकाली दल का वोटबैंक लगभग कायम है। कांग्रेस में आंतरिक खींचतान और आप सरकार के साथ निराशा से भाजपा की स्थिति भी बेहतर हुई है। अगर अकाली और भाजपा का फिर से गठजोड़ हो जाए तो क्या यह कारगर साबित हो सकता है? पल्लवी घोष@_pallavighosh

एफसीआरए में संशोधन के विरोधी कौन हो सकते हैं, समझना आसान है, क्योंकि इसके लागू होने के बाद विदेशी धन के जरिये मतांतरण और राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में फंडिंग मुश्किल होगी। प्रेशर ग्रुप और एनजीओ को फंडिंग कर अपने एजेंडे को हवा देने की विदेशी कोशिशों पर लगाम लगेगी। साथ ही नेता, पत्रकार विदेशी अंशदान स्वीकार नहीं कर सकते। मधुरेंद्र कुमार@Madhurendra13

जनपथ

शेख हसीना वापसी का कर बैठीं प्लान,
कहीं न बंगलादेश जा हो खतरे में जान।
हो खतरे में जान पड़े लेने का देना,
बैठी घात लगाय वहां गुंडों की सेना।
ज्यों दांतों बिच जीभ वहां मुश्किल है जीना,
रहतीं कुछ दिन और यहीं पर शेख हसीना!

–ओम प्रकाश तिवारी

संस्थापक-स्व.पूर्णचन्द्र गुप्त, पूर्व प्रधान सम्पादक- स्व. नरेन्द्र मोहन, नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन- महेन्द्र मोहन गुप्त, प्रधान सम्पादक -संजय गुप्त
जागरण प्रकाशन लिमिटेड के लिये आनन्द त्रिपाठी द्वारा दैनिक जागरण प्रेस C-5, C-6 & 15 इंडस्ट्रियल एरिया, पाटलिपुत्रा, पटना - 800013 से प्रकाशित एवं मुद्रित, सम्पादक (बिहार/प.बंगाल)-विष्णु प्रकाश त्रिपाठी, स्थानीय सम्पादक - आलोक मिश्रा * दूरभाष : 0612-2277071, 2277072, 2277073
E.mail : patna@pat.jagran.com, R.N.I. NO. BIHHIN/2000/03097* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी पटना जीपीओ रजि.नं. R-10/NP-18/14-16 समस्त विवाद पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे। वर्ष 27 अंक 118

सुधा
वादा शुद्धता का
बिहार सरकार
COMFED
डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग
बिहार स्टेट मिल्क को-ऑपरेटिव फेडरेशन लि०
विकसित भारत - समृद्ध बिहार
सहकार से समृद्धि
श्री सम्राट चौधरी
माननीय मुख्यमंत्री, बिहार
के कर-कमलों द्वारा
राज्य योजना 2025-26 एवं 2026-27 अन्तर्गत सीतामढ़ी जिला में
30.00 MTPD क्षमता के दुग्ध चूर्ण संयंत्र, (परियोजना राशि ₹76.60 करोड़)
का
कार्यारम्भ
तथा
मत्स्य ब्रुड बैंक के प्रजनन कार्य
का
शुभारंभ
विशिष्ट अतिथि
श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह
माननीय केंद्रीय मंत्री, मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी, पंचायती राज, भारत सरकार
श्री विजय कुमार चौधरी
माननीय उपमुख्यमंत्री, बिहार
श्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव
माननीय उपमुख्यमंत्री, बिहार
सुश्री श्रेयसी सिंह
माननीय मंत्री, उद्योग एवं खेल, बिहार सरकार
प्रभारी मंत्री, सीतामढ़ी
अध्यक्षता
श्री नन्द किशोर राम
माननीय मंत्री, डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग, बिहार
गरिमामयी उपस्थिति
सीतामढ़ी जिले के सभी माननीय सांसद, बिहार
विधान मंडल सदस्य एवं सभी जन-प्रतिनिधिगण
दिनांक: 8 अगस्त 2026
समय- 1:40 बजे अपराह्न
स्थान- सीतामढ़ी

भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान 11 अगस्त 1942 को सात क्रांतिकारी छात्रों ने दी थी प्राणों की आहुति, महात्मा गांधी के करो या मरो के आह्वान ने नई चेतना जगाई

अपनी शान तिरंगा

देश की स्वतंत्रता किसी एक व्यक्ति या एक दिन के संघर्ष का परिणाम नहीं थी। यह अनगिनत स्वतंत्रता सेनानियों, क्रांतिकारियों, किसानों, मजदूरों, छात्रों, महिलाओं और आम नागरिकों के लंबे संघर्ष, त्याग और उनके बलिदान का फल है। बिहार में भी बड़ी संख्या में गांव-गांव से लोग स्वतंत्रता की लड़ाई को निकले थे। बिहार राज्य अभिलेखागार की पुराभिलेखपाल डा. रश्मि किरण ने बताया कि इससे संबंधित अभिलेख प्रमाण हैं कि किस तरह हमारे पूर्वजों ने स्वतंत्रता के लिए संघर्ष किया। महात्मा गांधी ने करो या मरो का आह्वान किया था। इस आह्वान ने पूरे देश में स्वतंत्रता की नई चेतना जगाई। बिहार एक प्रमुख केंद्र बनकर उभरा, जहां छात्रों, किसानों, मजदूरों और आम जनता ने अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष किया।

इस पार या उस पार...

और ब्रिटिश हुकूमत की गोलियां खा बलिदान हो गए स्वतंत्रता के दीवाने

पटना में सचिवालय के पास सप्तमूर्ति। 1942 के आंदोलन में सचिवालय पर झंडा फहराने गए सात क्रांतिकारी बलिदान हो गए थे। ब्रिटिश शासन ने गोलियां चलवायी थी। • जागरण

जागरण संवाददाता, पटना : 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन से पहले महात्मा गांधी के नेतृत्व में कई महत्वपूर्ण क्षेत्रीय और राष्ट्रव्यापी आंदोलन हुए। 1917 में चंपारण सत्याग्रह, 1919 में रालेट एक्ट के खिलाफ सत्याग्रह, 1920-1922 तक असहयोग आंदोलन, 1930-34 तक सविनय अवज्ञा आंदोलन आदि। 1920-22 के असहयोग आंदोलन के दौरान देश के कई कद्दावर नेताओं की गिरफ्तारी हुई। नौ अगस्त 1942 को अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान प्रदेश के अलग-अलग जिलों से क्रांतिकारियों को जेलों में बंद कर दिया गया था। पटना जिले में अगस्त क्रांति के दौरान चार हजार से अधिक क्रांतिकारियों को जेल में बंद कर दिया गया था। कांग्रेस के बड़े नेताओं में डा. राजेंद्र प्रसाद को नौ अगस्त 1942 को सदाकत आश्रम से गिरफ्तार कर बांकीपुर जेल में डाल दिया गया था। पटना का तत्कालीन जिलाधिकारी मि. आर्चर राजेंद्र बाबू को गिरफ्तार करने सदाकत आश्रम पहुंचा। उसी दिन फूलन प्रसाद वर्मा भी गिरफ्तार हुए थे। डा. राजेंद्र प्रसाद की गिरफ्तारी के बाद पटना कालेज, साइंस कालेज और इंजीनियरिंग कालेज के छात्रों ने पटना विश्वविद्यालय के अहाते में जमा हो कर अंग्रेजों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की थी। छात्र और युवा भड़क उठे और पढ़ाई छोड़ आंदोलन का हिस्सा बने। 10 अगस्त 1942 को पटना में छात्रों का हुजूम वंदे मातरम का नारा लगाते हुए बांकीपुर जेल, हार्डिंग रोड एवं सचिवालय की ओर बढ़ने लगा था। अंग्रेजों ने सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए थे। इस दौरान छात्र हाथ में तिरंगा लिए आगे बढ़ते रहे। ब्रिटिश सत्ता को सीधे चुनौती दे रहे थे। 11 अगस्त को सरकारी कार्यालयों और सचिवालय पर तिरंगा फहराने की योजना 10 अगस्त को बन गई थी। 11 अगस्त की सुबह लोग घरों से निकलने लगे। अशोक राजपथ जनसमूह से भरा था। आंदोलनकारियों का जत्था बांकीपुर पहुंचा। सभा हुई। आजादी से कम किसी को कुछ मंजूर नहीं था। आंदोलनकारियों पर सुरक्षा बलों ने लाठी चार्ज किया, फायरिंग की पर लोग टस से मस नहीं हुए। शाम चार बजकर 57 मिनट पर तत्कालीन जिलाधिकारी डब्ल्यू आर्चर के आदेश पर तीन मिनट तक 13 राउंड गोलियां चलाई गईं। सात छात्रों ने देश के लिए प्राणों की आहुति दी। इसमें मिलर हाई स्कूल के नौवीं के छात्र देवीपद चौधरी, पुनपुन हाई स्कूल के छात्र रामगोविंद सिंह, राम मोहन राय सेमिनरी के छात्र रामानंद सिंह, पटना हाई स्कूल के छात्र राजेंद्र सिंह, बीएन कालेज के छात्र जगपति कुमार, पटना कालेजिएट के छात्र सतीश प्रसाद झा, राममोहन राय सेमिनरी के छात्र उमाकांत सिंह बलिदान हुए। 12 अगस्त 1942 को बलिदानियों की शव यात्रा निकली थी। पूरा शहर यात्रा में शामिल हुआ था। आंदोलन में नारों ने क्रांतिकारियों को बल दिया था। उस दौरान करो या मरो, अब नहीं तो कभी नहीं, इस पार या उस पार आदि नारों से प्रेरित किया।

डा. रश्मि किरण, पुराभिलेखपाल, बिहार राज्य अभिलेखागार • जागरण

हर पिता बेटे को रोकने लगे तो गुलामी की जंजीरें कौन तोड़ेगा

राहुल • जागरण

- दादा की जुबानी सुनी थी अमर बलिदानी राजेंद्र सिंह की कहानी
- नयागांव ने संजोई है स्मृति, 1942 में बलिदान हो गए थे राजेंद्र सिंह

नयागांव (सारण) : हर परिवार अपनी अगली पीढ़ी को कोई न कोई विरासत सौंपता है। कहीं खेत-खलिहान, कहीं मकान और कहीं कारोबार। लेकिन सोनपुर प्रखंड के नयागांव के बनवारीचक में एक परिवार ऐसा भी है, जिसकी सबसे बड़ी विरासत एक अमर बलिदान की कहानी है। यह कहानी है 11 अगस्त 1942 को पटना सचिवालय पर तिरंगा फहराने के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीर बलिदानी राजेंद्र सिंह की। यह कहानी दादा ने अपने बेटे को सुनाई, बेटे ने अपने बच्चों को और अब नई पीढ़ी भी उसी गर्व के साथ इस कहानी को आगे बढ़ा रही है। रिश्ते में बलिदानी राजेंद्र सिंह के प्रपौत्र एवं भारतीय रेल में कार्यरत कुमार विजय बताते हैं कि बचपन में जब भी परिवार के बुजुर्ग एक साथ बैठते थे, तो वीरता की यह कहानी जरूर होती थी। 1942 में राजेंद्र सिंह गर्दनीबाग उच्च विद्यालय में दसवीं कक्षा के छात्र थे। संयोग ऐसा था कि अगस्त क्रांति में शामिल होने से महज एक दिन पहले उनकी पत्नी सुरेश देवी का गवना हुआ था। परिवार चाहता था कि वे घर में रहें, लेकिन उनके मन में मातृभूमि की पुकार अधिक प्रबल थी। पिता शिव नारायण सिंह ने जब आंदोलन में जाने से रोका तो उन्होंने दृढ़ स्वर में कहा था—"यदि हर पिता अपने बेटे को देश के लिए आगे बढ़ने से रोकेगा, तो भारत माता की गुलामी की जंजीरें कौन तोड़ेगा?" घर से निकलते समय उन्होंने यह भी कहा था कि या तो तिरंगा फहराकर लौटेंगे या फिर ऐसा बलिदान देंगे, जिस पर आने वाली पीढ़ियां गर्व करेंगी।

11 अगस्त 1942 को पटना सचिवालय पर तिरंगा फहराने निकले सात छात्र अंग्रेजों की गोलियों के सामने भी नहीं रुके। एक साथी गिरता तो दूसरा तिरंगा थाम लेता। आखिरकार सचिवालय पर राष्ट्रीय ध्वज लहरा उठा। नयागांव आज भी अपने वीर बलिदानी की स्मृतियों को पूरे सम्मान के साथ सहेजे हुए है। स्टेशन गेट के सामने स्थापित उनकी प्रतिमा गांव की पहचान बन चुकी है। हर वर्ष 11 अगस्त को लोग यहां पहुंचकर पुष्पांजलि अर्पित करते हैं।

नयागांव स्थित बलिदानी राजेंद्र सिंह की प्रतिमा • जागरण

नयागांव के बनवारीचक स्थित बलिदानी राजेंद्र सिंह का पुश्तैनी घर • जागरण

कुरकुरे की आड़ में गांजे की हो रही थी तस्करी, पुलिस ने दो को दबोचा

संवाद सूत्र, जागरण • भगहा (पश्चिम चंपारण) : इनरवा थाने की पुलिस ने भारत-नेपाल सीमा से सटे इनरवा बाजार में कुरकुरे की आड़ लेकर गांजा की तस्करी के मामले का पर्दाफाश करते हुए बाइक पर सवार दो तस्करों को गुरुवार की देर शाम में 31.250 किलोग्राम गांजे के साथ गिरफ्तार किया। गिरफ्तार तस्करों की पहचान मैनाटांड़ थाना क्षेत्र के बस्ठा गांव निवासी सहेब कुमार तथा नेपाल के पर्सा जिला के महुवन गांव निवासी सौरभ साह के रूप में हुई है।

30 सेकेंड तक ट्रैक पर दो चलती ट्रेनों के बीच फंसे रहे दर्जनों छात्र

- लखीसराय के बड़हिया स्टेशन पर ट्रैक पार कर रहे थे छात्र-छात्राएं, गुरुमुखी एक्सप्रेस पूरी रफ्तार से गुजरी
- स्नातक परीक्षा में शामिल होने के लिए बाढ़, मोकामा, लखीसराय, कजरा से बड़ी संख्या में विद्यार्थी जा रहे थे बड़हिया

संवाद सूत्र, जागरण • बड़हिया (लखीसराय) : बड़हिया रेलवे स्टेशन पर गुरुवार को एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। दर्जनों छात्र-छात्राएं करीब 30 सेकेंड तक दो चलती ट्रेनों के बीच ट्रैक पर फंसे रहे। गनीमत रही कि छात्र-छात्राओं को सुरक्षित स्थान मिल गया और किसी के जान की क्षति नहीं हुई।

जानकारी के अनुसार, बड़हिया के महिला कालेज और बीएनएम कालेज में स्नातक परीक्षा का केंद्र बनाया गया है। परीक्षा में शामिल होने के लिए बाढ़, मोकामा, लखीसराय, कजरा और अभयपुर से बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं ट्रेन से बड़हिया पहुंच रहे हैं। दोपहर करीब ढाई बजे परीक्षा समाप्त होने के बाद स्टेशन पर परीक्षार्थियों की काफी भीड़ थी। स्टेशन के डाउन प्लेटफार्म पर पटना-झाझा मेमू पैसेंजर खड़ी थी, तभी प्लेटफार्म संख्या तीन पर धनबाद-पटना इंटरसिटी एक्सप्रेस आकर रुकी। इंटरसिटी एक्सप्रेस पकड़ने की जल्दबाजी में दर्जनों परीक्षार्थियों ने फुट ओवरब्रिज का उपयोग करने के बजाय मेमू ट्रेन से उतरकर सीधे रेलवे ट्रैक पार करना शुरू कर दिया। इसी दौरान अप लाइन से गुरुमुखी एक्सप्रेस तेज रफ्तार में गुजरने लगी। इस दौरान दर्जनों परीक्षार्थी दोनों ट्रैक के बीच में ही फंस गए। तभी डाउन लाइन पर खड़ी मेमू पैसेंजर भी खुल गई। दोनों तरफ से ट्रेनें गुजर रही थीं और बीच में फंसे छात्र-छात्राएं करीब 30 सेकेंड तक अपनी जान बचाने के लिए सहमे खड़े थे।

बिहार में बड़हिया स्टेशन पर ट्रैक पार करते समय गुरुमुखी एक्सप्रेस के आ जाने पर सहमे खड़े छात्र-छात्राएं। • सौ. इंटरनेट मीडिया

नरकटियागंज-गौनाहा मेमू ट्रेन का डीपीसी फेल, दो घंटे रुकी ट्रेन

संस, जागरण • नरकटियागंज (पश्चिम चंपारण) : नरकटियागंज जंक्शन से गौनाहा जाने वाली 63362 नरकटियागंज-गौनाहा मेमू ट्रेन शुक्रवार की सुबह नंदपुर ढाला के पास ड्राइविंग पावर कार (डीपीसी) में तकनीकी खराबी आने के कारण बीच रास्ते में रुक गई। इससे दोनों तरफ सड़क पर जाम हो गया। करीब दो घंटे तक अफरा-तफरी की स्थिति बनी रही। 12 बोगी की मेमू अपने निर्धारित समय सुबह 5:50 बजे नरकटियागंज जंक्शन से गौनाहा के लिए रवाना हुई थी। जंक्शन से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर नंदपुर ढाला के समीप पहुंचते ही डीपीसी में तकनीकी खराबी आ गई, जिसके बाद चालक ने सुरक्षा की दृष्टि से ट्रेन को रोक दिया। सूचना पर सीनियर सेक्शन इंजीनियर कैरेज एंड वैगन, मुख्य लोको निरीक्षक संतोष कुमार, स्टेशन अधीक्षक मोहम्मद कलीम सहित अन्य तकनीकी कर्मी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। लोको पायलट रंजय कुमार व गार्ड ने भी तकनीकी टीम के साथ मिलकर खराबी दूर करने का प्रयास किया, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली।

पटना सिटी में बस ने युवक को रौंदा, भीड़ ने 10 वाहन फूंके

- पश्चिम बंगाल नंबर की स्लीपर बस से कुचले जाने के कारण युवक की घटनास्थल पर ही हो गई मौत
- तीन पुलिस वाहन, कार, स्कार्पियो व बाइक-स्कूटी के साथ पुलिस चेक पोस्ट को भी किया आग के हवाले

जागरण संवाददाता, पटना सिटी: अगमकुआं थाना क्षेत्र के एनएच-30 पर पटना-मसौढ़ी मोड़ (छोटी पहाड़ी) के पास शुक्रवार की सुबह नौ बजे के आसपास सड़क हादसे के बाद भारी उपद्रव हुआ। घटनास्थल पर ही युवक मनीष कुमार की मौत से आक्रोशित लोगों ने पुलिस की तीन गश्ती गाड़ी, स्लीपर बस, कार व स्कार्पियो तथा चार बाइक व स्कूटी में आग लगा दी। धू-धूकर जल रहे वाहनों को बुझाने पहुंची टीम को भी भारी आक्रोश का सामना करना पड़ा। तीन घंटे से अधिक समय तक आसपास अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। पुलिस चौकी को भी आग के हवाले कर दिया गया। सीसीटीवी को तोड़ने के साथ वीडियो और फोटो लेने वालों को भी आक्रोश का सामना करना पड़ा। इससे बाईपास और आसपास की सड़कों पर भीषण जाम की स्थिति बनी रही।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पटना-बख्तियारपुर टोल प्लाजा की ओर से बैरिया बस स्टैंड जा रही तेज रफ्तार बस (डब्ल्यूबी-76-ए-3778) ने सड़क पार कर रहे 26 वर्षीय युवक को कुचल दिया। युवक रसीदा चक, छोटी पहाड़ी के उपेंद्र कुमार महतो का पुत्र मनीष कुमार बताया जा रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग और स्वजन शव को एनएच पर रखकर यातायात पूरी तरह ठप कर दिया। आक्रोशित लोगों ने स्थिति संभालने पहुंची पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम को भी खदेड़ दिया। बेकाबू भीड़ ने सड़क पर खड़ी मालसलामी, चौक तथा सुलतानगंज थाना की गश्ती गाड़ी को फूंक दिया। इनके पास खड़ी स्कार्पियो, कार और बाइक-स्कूटी में भी आग लगा दी।

घटना के बाद आक्रोशित लोगों द्वारा फूंकी गई पुलिस जीप • सौ. वीडियो ग्रैब

पत्नी की रील बनाने की आदत से खफा पति ने गला घोंटकर कर दी हत्या

बेंगलुरु, आइएएनएस : पत्नी की फोन की लत और रील बनाने की आदत से परेशान पति ने ऐसा कदम उठा लिया, जिसके बारे में कोई सोच भी नहीं सकता। उसने उसकी गला घोंटकर हत्या कर दी। कर्नाटक की कुंबलगोडु पुलिस की स्पेशल टीम ने बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के रहने वाले धीरज कुमार को पत्नी रीमा कुमारी की हत्या के मामले में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, दोनों को प्यार हुआ था और उन्होंने करीब 10 महीने पहले शादी की थी। इसके बाद वह रीमा के परिवार को बताए बिना उसे लेकर बेंगलुरु चला गया था। वे बेंगलुरु के गेरुपल्या में किराए के कमरे में रह रहे थे।

पुलिस के अनुसार पूछताछ के दौरान, धीरज ने माना कि शादी के बाद रीमा की उसमें दिलचस्पी कम हो गई थी। रीमा ज्यादातर समय मोबाइल फोन पर लगी रहती थी। अक्सर रील बनाती थी, उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने से मना करती थी। सिर्फ अपने लिए खाना बनाती थी और उसके काम से लौटने से पहले ही खाना खा लेती थी। उसने कहा कि वह खाना भी नहीं परोसती थी।

राजधानी में छिटपुट वर्षा, 19 जिलों में मेघ गर्जन की चेतावनी

जागरण संवाददाता, पटना : प्रदेश में मानसून की सक्रियता बने होने के कारण मेघ गर्जन के साथ वर्षा की स्थिति बनी हुई है। मौसम विज्ञान केंद्र पटना के अनुसार, अगले 24 घंटे के दौरान अलग-अलग भागों में छिटपुट वर्षा के साथ दक्षिण बिहार के 19 जिलों में मेघ गर्जन और वज्रपात को लेकर चेतावनी जारी की गई है। रविवार को अररिया, भभुआ, दरभंगा, किशनगंज, मधुबनी, रोहतास, सीतामढ़ी, सुपौल एवं पश्चिम चंपारण जिले में भारी वर्षा को लेकर चेतावनी जारी की गई है। कुछ स्थानों पर हवा की गति 30-40 किमी प्रतिघंटा रहने के आसार हैं। अगले तीन से चार दिनों के दौरान अलग-अलग भागों में वर्षा की गतिविधियां बने रहने के आसार हैं।

दैनिक जागरण क्लासीफाइड

चिकित्सा

शादी से पहले या शादी के बाद
स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है आज ही इलाज करा लेना
मिले या फोन पर परामर्श लें
Dr. Hashmi
स्थापित 1929 hashmi.com
हाशमी दवाखाना अमरोहा-UP
9027281900
9917129269

नाम परिवर्तन

I, Rohan Singh, S/o- Ram Kumar Singh, R/o- Vill- Maniarpur, Ward No.-08, Po- Maniarpur, Ps- Bidupur, Dist- Vaisholi State- Bihar, Pin- 844504 do hereby solemnly affirm and declare, That my son is same and single person who is known in the name of YUVRAJ SINGH and YUVRAJZ SIGH. Vide Aff. no. 3338/06-08-26

I, Kalawati Singh W/o Rajesh Kumar R/o- Rukanpura, Danapur, Po- B.V. Collage, Patna Bihar-800014 declare that name of mine has been wrongly written as Laila Singh in my minor daughter namely Jivika Patel, aged about 15 Years, in her 10th class educational Documents the actual name of mine is Kalawati Singh.

Rajesh Kumar, S/o- Late Suresh Singh, R/o Rukanpura, Danapur, Po- B.V. Collage, Patna Bihar-800014 declare that name of mine has been wrongly written as Rajesh Singh in my minor daughter namely Jivika Patel, aged about 15 Years, in her 10th class educational Documents the actual name of mine is Rajesh Kumar.

मैं, अब तक सुवासनी वर्मा पत्नी श्री मनोज कुमार के नाम से जानी जाती हूं। मैं, 137 कृष्ण पथ, श्री नगर, ए.जी.कॉलोनी, पटना पिन 800025 पर रहती हूं। मैंने, अपना नाम बदल लिया है और इसके बाद मैं सुभासिनी वर्मा से जानी जाऊंगी।

मैं उगेन्द्र नाथ पाण्डेय (Ugendra Nath Pandey) Army No:- 8030166N, R/o- ग्राम कुशाही पो0 मानिकपुर जिला बक्सर (बिहार) का निवासी हूं मेरे सेवा रिकार्ड / डिस्चार्ज बुक में मेरी पत्नी का नाम Suseela एवं जन्मतिथि 01-07-1966 अंकित है। जबकि मेरी पत्नी का सही नाम Sushila Devi (सुशीला देवी) एवं जन्मतिथि 01-01-1965 है। शपथ पत्र सं0- 9, दिनांक 5.8.26

मैं बिरजू कुमार, पिता स्व0 भगेलू चौधरी, पता-मोहल्ला रामजीचक, दीघा स्कूल रोड, थाना दीघा, जिला पटना शपथ पत्र सं0 9636 दिनांक 07.08.26 द्वारा सुचित किया जाता है कि मेरी पुत्री के आधारकार्ड बनवाते समय मेरी पुत्री का जन्मतिथि भूलवश 31.10.2011 और पिता का नाम बिरजू चौधरी अंकित हो गया है जो कि गलत है। सही जन्मतिथि 31.10.2012 और पिता का सही नाम बिरजू कुमार है।

विदेशों में नौकरी

विदेश में नौकरी, वेबसाइट पर देखें- www.mdjob.in (8 से 18 लाख) सलाना कमायें (रहना + खाना मेडिकल फ्री + O.T.)

पोल्ट्री

सण्डे हो या मण्डे रोज खाओ अण्डे

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	5.83	97	180
[illegible]	5.78	97	180
[illegible]	5.78	97	180
[illegible]	5.68	97	180
[illegible]	5.68	97	180
[illegible]	5.83	97	180

Classifieds
दैनिक जागरण
YOU CAN BOOK CLASSIFIED ADVT. OVER PHONE in Patna
For More Details Contact
Ghanshyam Singh
9470645100
0612-2277071

संगिनी

जिंदगी के हर पहलू की

इन दिनों

उम्र बढ़ना स्वाभाविक सच है, लेकिन उसे सहजता के साथ जीना नया सोच है। युवा पीढ़ी इसी सोच के साथ स्किन केयर को फैशन नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली का हिस्सा बना रही है। वह मानती है कि खूबसूरती की असली चमक महंगे ट्रीटमेंट से नहीं, बल्कि सही आदतों और खुद को स्वीकार करने के आत्मविश्वास से आती है। युवा पीढ़ी के इसी सोच पर प्रकाश डाल रहे हैं

एन. नवराही

उम्र से आगे

रात को सोने से पहले 26 वर्षीया अनन्या अपने चेहरे पर रेटिनाल सीरम लगाती हैं, सुबह सनस्क्रीन के बिना घर से बाहर नहीं निकलतीं और हर तीन महीने में त्वचा विशेषज्ञ से स्किन चेकअप भी कराती हैं। यह किसी अभिनेत्री या ब्यूटी इन्फ्लुएंसर की दिनचर्या नहीं, बल्कि आज की शहरी युवा पीढ़ी के बदलते सोच की झलक है। कुछ साल पहले तक एंटी एजिंग स्किनकेयर और एस्थेटिक ट्रीटमेंट को 40 या 50 की उम्र से जोड़कर देखा जाता था, लेकिन अब 20 से 30 वर्ष की युवतियां भी इन्हें अपनी ब्यूटी रूटीन का हिस्सा बना रही हैं। सवाल यह है कि इतनी कम उम्र में एंटी एजिंग की जरूरत क्यों महसूस होने लगी है? क्या यह केवल इंटरनेट मीडिया का प्रभाव है या इसके पीछे कोई वैज्ञानिक सोच भी है?

नई पीढ़ी की बात करें तो उम्र को लेकर उसका नजरिया पहले की पीढ़ियों से काफी अलग है। एक समय था, जब बढ़ती उम्र के असर को छिपाने के लिए मेकअप या दूसरे बाहरी उपायों का सहारा लिया जाता था, लेकिन नई पीढ़ी उम्र छिपाने से कहीं आगे निकल चुकी है। अब सोच यह है कि बढ़ती उम्र में भी शरीर और त्वचा स्वस्थ बनी रहे, इसलिए उसकी तैयारी पहले से ही शुरू कर दी जाए। इसलिए आज 20 से 25 साल की उम्र में ही युवा भविष्य को ध्यान में रखकर अपनी त्वचा में निवेश करने लगे हैं। दरअसल, ब्यूटी इंडस्ट्री में यह बदलाव 'करेक्शन' से 'प्रिवेंशन' की ओर बढ़ते कदम का संकेत है। पहले झुर्रियां, ढीलापन या पिग्मेंटेशन दिखने के बाद इलाज शुरू होता था, जबकि अब कोशिश यह है कि ऐसी समस्याओं को शुरुआत में ही रोका जाए।

डर्मेटोलाजिस्ट डा. लिपी गुप्ता कहती हैं, सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि एंटी एजिंग का मतलब हमेशा एंटी रिंकल क्रीम या कास्मेटिक प्रक्रिया नहीं होता। 20–25 वर्ष की उम्र में सही स्किन केयर की शुरुआत का अर्थ है त्वचा को सूरज की हानिकारक किरणों से बचाना, माइश्चराइज रखना और जरूरत के अनुसार वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित उत्पादों का इस्तेमाल करना। समय पर शुरू की गई ऐसी आदतें भविष्य में होने वाले फोटोएजिंग और पिग्मेंटेशन को काफी हद तक कम कर देती हैं।

स्किन हेल्थ है प्राथमिकताः ब्यूटी की दुनिया में यह बदलाव केवल उम्र का नहीं, सोच का भी है। अब सुंदर दिखना ही लक्ष्य नहीं रह गया, बल्कि त्वचा को लंबे समय तक स्वस्थ बनाए रखना प्राथमिकता बन रही है। युवा पीढ़ी स्किन केयर को मेकअप से अलग और स्वास्थ्य का हिस्सा मानने लगी है।

ब्यूटी एक्सपर्ट भारती तनेजा कहती हैं, युवा यह समझने लगे हैं, त्वचा की देखभाल भी शरीर की देखभाल की तरह एक नियमित आदत है, जिसे सही समय पर शुरू किया जाना चाहिए। यही सोच 'ब्यूटी बिफोर एज' की नींव है।

बदलाव की वजहः युवाओं के इस सोच को बदलने में इंटरनेट मीडिया की सबसे बड़ी भूमिका रही है। ब्यूटी कंटेंट ने स्किन केयर को रोजमर्रा की बातचीत का हिस्सा बना दिया है। अब युवतियां केवल किसी क्रीम का विज्ञापन देखकर उसे नहीं खरीदतीं, बल्कि उसमें मौजूद इंग्रीडिएंट्स, उनके वैज्ञानिक प्रभाव और त्वचा पर उनके उपयोग के बारे में भी जानकारी जुटाती हैं। इस बदलाव की पुष्टि मीडिया एंड फैशन स्किल्स काउंसिल आफ इंडिया के हालिया अध्ययन से भी होती है। अध्ययन के अनुसार, भारत में 70 प्रतिशत उपभोक्ता किसी ब्यूटी उत्पाद को खरीदने से पहले इंटरनेट मीडिया और ब्लाग पर मौजूद प्रोडक्ट रिव्यू से प्रभावित होते हैं। इनमें 18 से 25 वर्ष आयु वर्ग सबसे बड़ा उपभोक्ता समूह है।

समझ बढ़ी इंग्रीडिएंट्स कीः एक समय था, जब लोग केवल ब्रांड का नाम देखकर स्किन केयर उत्पाद खरीदते थे। अब युवा उपभोक्ता यह समझना चाहते हैं कि कौन सा तत्व किस समस्या के लिए उपयोगी है। हालांकि, विशेषज्ञ मानते हैं कि डिजिटल सलाह शुरुआती मार्गदर्शन का माध्यम ही होना चाहिए। गंभीर समस्या या उपचार का निर्णय हमेशा विशेषज्ञ की सलाह के बाद ही लिया जाना चाहिए।

एस्थेटिक ट्रीटमेंट का बदला नजरियाः इस बदलते सोच का असर एस्थेटिक क्लीनिकों में भी साफ दिखाई दे रहा है। पहले वहां ज्यादातर ऐसे लोग पहुंचते थे, जो उम्र बढ़ने के स्पष्ट संकेतों को कम करना चाहते थे। अब वहां आने वाले युवाओं का उद्देश्य चेहरा बदलना नहीं, बल्कि त्वचा की गुणवत्ता बेहतर बनाए रखना, पिग्मेंटेशन कम करना, मुंहासों के निशान घटाना और समय से पहले होने वाले बदलावों को रोकना है। यही कारण है कि छोटे और कम हस्तक्षेप वाले उपचार तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। डा. लिपी गुप्ता कहती हैं, अब 20 और 30 वर्ष की उम्र के युवा प्रिवेंटिव स्किन केयर और लंबे समय तक त्वचा को स्वस्थ बनाए रखने के उद्देश्य से सलाह लेने पहुंच रहे हैं।

क्या यह केवल ट्रेंड हैः हालांकि, 'ब्यूटी बिफोर एज' का यह ट्रेंड जितना सकारात्मक दिखता है, उसका एक दूसरा पक्ष भी है। इंटरनेट मीडिया पर हर दिन दिखाई देने वाली बेदाग और फिल्टर की गई तस्वीरों ने सुंदरता के ऐसे मानक गढ़ दिए हैं, जिन्हें वास्तविक जीवन में हासिल करना हमेशा संभव नहीं होता। मनोविज्ञानी डा. निशा खन्ना कहती हैं, इंटरनेट मीडिया पर लगातार फिल्टर और एडिट की गई तस्वीरें देखने का मनोवैज्ञानिक प्रभाव भी है। इसके बाद कई युवा अनजाने में अपनी तुलना उनसे करने लगते हैं। धीरे-धीरे उन्हें अपनी त्वचा की सामान्य बनावट भी पसंद नहीं आती। डा. लिपी गुप्ता के अनुसार, त्वचा की प्रकृति, उम्र, जीवनशैली और समस्या को समझे बिना किसी भी उपचार की शुरुआत नहीं करनी चाहिए।

मिश्रण कई चीजों का

डा. निशा खन्ना
मनोविज्ञानी

'ब्यूटी बिफोर एज' की सोच केवल सुंदर दिखने की इच्छा का परिणाम नहीं है, बल्कि यह बदलती जीवनशैली, डिजिटल संस्कृति और आत्म जागरूकता का मिश्रण भी है। लगातार ऐसी छवियां देखने का मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ता है। युवा अनजाने में तुलना करने लगते हैं।

यह बदलाव अच्छा है

भारती तनेजा
ब्यूटी एक्सपर्ट

ब्यूटी इंडस्ट्री में पिछले कुछ वर्षों में सबसे बड़ा बदलाव यह आया है कि लोग अब केवल खूबसूरत दिखना नहीं चाहते, बल्कि लंबे समय तक स्वस्थ त्वचा बनाए रखना चाहते हैं। आज के युवा किसी उत्पाद को केवल उसके विज्ञापन के आधार पर नहीं खरीदते, बल्कि उसके इंग्रीडिएंट्स, उनके फायदे और अपनी त्वचा की जरूरत को समझने की कोशिश करते हैं। यह बदलाव अच्छा है।

मैग्नीफिक

सजग है नई पीढ़ी

डा. लिपी गुप्ता
डर्मेटोलाजिस्ट, मैक्स हास्पिटल, नई दिल्ली

एंटी-एजिंग का मतलब झुर्रियों का इलाज कराना या बार-बार एस्थेटिक प्रक्रियाएं करवाना नहीं है। इसका वास्तविक अर्थ है त्वचा को समय से पहले होने वाले नुकसान से बचाना, क्योंकि खराब जीवनशैली हमारी त्वचा में उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को तेज कर देती है। नई पीढ़ी इलाज से ज्यादा रोकथाम पर ध्यान दे रही है।

मैं हूं अपनी धनलक्ष्मी
41 वीं किस्त

आज भी प्रासंगिक है दादी-नानी का तरीका

घर के बजट और बचत की अहमियत पर आज खूब चर्चा होती है, पर व्यावहारिक रूप में अक्सर हम पिछड़ जाते हैं। घर खर्च चलाने का दादी-नानी का तरीका मौजूदा दौर में भी क्यों इतना उपयुक्त है, इस बारे में बता रही हैं डा. आरती गुप्ता

बजट बनाने में सहूलियत देने वाले एप्स, स्प्रेडशीट्स या पर्सनल फाइनेंस से जुड़े स्तंभ आज के दौर में प्रचलित हैं, पर उनके आगमन से बहुत पहले ही भारतीय महिलाओं ने अपने घर-खर्च को व्यवस्थित करने का तरीका खोज निकाला था। किस मद में कितना खर्च होगा, इसके लिए कागज कलम पर लेखा-जोखा बनाने के बजाय किचेन के कुछ डिब्बों या अलमारी में बड़े सहज भाव में वे सब कुछ सहेज देती थीं। प्रत्येक डिब्बे में रखे धन का अलग उद्देश्य होता था। किसी अप्रत्याशित खर्च से निपटने के लिए बचत अलग से की जाती थी। यह हमारी दादी-नानी की सूझबूझ थी। किसी ने भी उन्हें 50-30-20 का नियम नहीं समझाया। उन्होंने जीरो बेस बजटिंग के बारे में सुना भी नहीं होगा, पर इसके पीछे जो मूल सिद्धांत था उस पर उन्होंने व्यावहारिक अमल सुनिश्चित किया। उन्होंने ऐसा नहीं किया कि सारे खर्च निपटाने के बाद जो धनराशि बचे उसे बचत माना हो। पहले बचत राशि निकालने के बाद जो धन बचा, उससे खर्चों को व्यवस्थित करने की कला वे जानती थीं।

इस पर विचार करें कि आपके पास जब धन आता है तो क्या होता है। आप धन पर एक नजर डालते हैं, हर खर्च के लिए धन की उपलब्धता प्रतीत होती है। जब भी कोई खर्च आन पड़ता है तो खाते में पड़ी राशि पर नजर डालते हैं और संबंधित मद में खर्च कर देते हैं। माह समाप्त होने पर याद भी नहीं रहता कि सारा पैसा कहां खर्च हो गया।

डिब्बों में हर मद के लिए धन सहेजने का तरीका इसी बेफिक्री पर लगाम लगाता था। जब किसी खर्च के लिए पैसे अलग निकालकर रख दिए जाते थे तो उसे अन्य मद में खर्च करने में हिचक होती थी। सारा धन एक जगह पर हो तो यह एहसास ही नहीं होगा कि किसी मद के लिए जो राशि निकाली जानी चाहिए, उसका इस्तेमाल किसी अन्य खर्च में किया जा रहा है। धन को विभिन्न मदों में पृथक किए जाने से वित्तीय व्यवहार में बड़ा बदलाव आ जाता था। उन्हें यह पता था कि यदि उन्होंने विभिन्न मदों में धन की बचत नहीं की तो वह धन कहां खर्च हो जाएगा, पता भी नहीं चलेगा।

अब इसका आधुनिक अवतार देखें। आपकी सैलरी आती है और 24 घंटे के भीतर पाई-पाई का हिसाब हो जाता है कि कहां कितना खर्च होना है। इसके बारे में बहुत योजना से नहीं चलते, माह समाप्त होने पर किस मद में कितनी राशि खर्च हुई, इस पर भी विचार नहीं करते। सैलरी जब आती है तो आपके पास अपने सभी खर्चों की पूर्व योजना होनी चाहिए। इस पर विचार के लिए हम समय नहीं निकालते, जबकि यह माह का सबसे अहम दिन होना चाहिए।

धनराशि का प्रथम आवंटन भविष्य के लिए निवेश में होना चाहिए। दूसरा आवंटन निश्चित देयता पूरी करने के मद में होना चाहिए, जैसे किराया या घर की ईएमआइ, स्कूल फीस, इंश्योरेंस प्रीमियम, राशन, विभिन्न प्रकार के बिल, जो खर्च जरूरी हैं, वो तो किए ही जाएंगे। तीसरा आवंटन है, जिसकी लोग अनदेखी कर जाते हैं। ये वार्षिक खर्च होते हैं, जैसे होली-दीवाली, यात्रा, घर की मरम्मत आदि। प्रत्येक के लिए राशि जोड़कर उसे 12 से भाग दें। फिर उतनी राशि हर माह अलग कर दें।

मैग्नीफिक

अधिकांश भारतीय महिलाएं वर्षों से इस तरह धन का आवंटन करती आई हैं, पर उन्होंने कभी इसकी खूबियां नहीं गिनाईं। इस बात पर विचार करें कि इस हफ्ते किस खर्च की जरूरत है और किसके लिए अगले हफ्ते का इंतजार किया जा सकता है। जिस धन के साथ कोई उद्देश्य नहीं जुड़ा होता, वह कहां खर्च हो जाता है, यह याद नहीं रहता। जिस धन के साथ कोई उद्देश्य जुड़ जाता है, उससे ही संपदा निर्मित होती है।

इस हफ्ते, चार डिब्बे यानी खर्च के चार मद रखें। ये चार बैंक खाते भी हो सकते हैं, सैलरी आने पर उनमें स्वतः धन स्थानांतरित होने की व्यवस्था बनाएं। एप के नोट्स में फोल्डर बना सकती हैं या किसी कापी में चार कालम बनाएं। यहां माध्यम नहीं, बल्कि उद्देश्य महत्व रखता है। सैलरी आने पर धन के प्रथम आवंटन के बाद शेष राशि से अन्य मद के खर्च सुनिश्चित करें। धन से जुड़े अनुभव व जिज्ञासाएं साझा करने के लिए हमें लिखें- iamolaxmi@gmail.com

बातचीत

आर्मी ड्रेस पहनते ही जिम्मेदारी का एहसास बढ़ा

टीम गुरमीर

टीवी पर पहली बार आर्मी अस्पताल की कहानी आने वाली है। अभिनेता गुरमीत महाजनी जल्द ही कश्मीर की पृष्ठभूमि पर आधारित कलर्स के नए शो 108 बेस हास्पिटलः उरी में डाक्टर की भूमिका निभाते नजर आएंगे। विभिन्न मुद्दों पर स्मिता श्रीवास्तव ने उनसे की बातचीत...

• कश्मीर से कैसा आकर्षण रहा है?

इस शो की वजह से पहली बार कश्मीर आया। धारावाहिक में हीरो-हीरोइन की पहली और आखिरी मुलाकात भी कश्मीर में होती है। पहली बार सेना की वर्दी पहनी है। सुपरहीरो की कास्ट्यूम पहनने से छाती इतनी चौड़ी नहीं होती है, जितनी आर्मी यूनिफार्म पहनने के बाद हो जाती है।

• एक्शन से लगाव रहा है?

बहुत ज्यादा, लेकिन एक्शन को भावनाओं का सहारा मिलना चाहिए। मारधाड़ का कोई उद्देश्य होना चाहिए। पहली बार मैंने टीवी के लिए इतनी शिद्दत से काम करने वाली टीम देखी है।

• आर्मी अफसरों से बात करने का मौका मिला?

हां, वे बहुत प्यार और गर्मजोशी से मिलते हैं। परिवार से दूर अपने देश के लिए विपरीत स्थितियों में रहना, कठिन काम है। हम छोटी-छोटी चीजों को लेकर तनाव ले लेते हैं। जब आर्मी के लोगों को कश्मीर में देखा तो समझ आया कि वे हमसे कई गुणा ज्यादा मेहनत कर रहे हैं। फिर भी वे गर्मजोशी से मिलते हैं। उनकी ऊर्जा को सलाम है।

• असल जिंदगी में सबसे बहादुरी का काम क्या किया है?

मैंने शादी कर ली। एक बच्चे का पिता हूं, उसका पालन-पोषण कर रहा हूं।

• बेटा आपको अभिनय करते हुए देखकर क्या कहता है?

वह बहुत उत्सुक होता है और कहता है कि मैं भी एक्टर बनूंगा। हालांकि, अभी तो वह सात साल का है। घर पर उसे बहुत ज्यादा स्क्रीनटाइम नहीं दिया जाता है। यह शो दिखाऊंगा, क्योंकि इसमें मैंने सेना की वर्दी पहनी है। मैंने एक मराठी ऐतिहासिक फिल्म 'सरसेनापती हंबीरराव' में छत्रपति शिवाजी महाराज और छत्रपति संभाजी महाराज का डबल रोल किया था। तबसे उनके लिए स्पाइडरमैन और सुपरमैन से ज्यादा छत्रपति शिवाजी महाराज और छत्रपति संभाजी महाराज सबसे बड़े हीरो बन गए हैं। मैं चाहूंगा कि वह एक आर्मी अफसर को हीरो के स्तर पर देखे बजाय स्पाइडरमैन व बैटमैन के। वह वर्दी का सम्मान करे और उसकी कीमत समझे।

• आपको निर्माता बनने का खयाल कब आया था?

जब काम करना शुरू किया तो समझ आ गया कि निर्माण करेंगे तो कई कहानियां कह पाएंगे।

बच्चों के लिए कुछ बनाएंगे?

हां, हमारे पुराणों में ऐसी कहानियां हैं, जो बच्चों का मनोरंजन भी कर सकती हैं और उन्हें कुछ सिखा भी सकती हैं तो बनाना चाहिए। मैं अपने बेटे से कहता भी हूं कि ऐसी फिल्म बनाऊंगा, जो तुम देख पाओगे। फिलहाल तो एक्शन ड्रामा फिल्म बना रहा हूं।

विस्तार से पढ़ने के लिए स्कैन करें।

मेरी बात

मैंने सही परवरिश की

माता-पिता के मन में अक्सर यह सवाल आता है कि बच्चों के साथ किन मामलों में कितना सख्त या नर्म रहना चाहिए। अभिनेता मीजान जाफरी ने एक इंटरव्यू में बताया था कि बचपन में अनुशासन के मामले में मेरे पिता और अभिनेता जावेद जाफरी काफी सख्त थे। हालांकि, अभिनेता **जावेद जाफरी** का कहना है कि जहां जैसी आवश्यकता हुई, वैसा ही रवैया अपनाया। मैं तमीज के मामले में बहुत सख्त रहा हूं। इसके साथ ही बच्चों को सिखाया कि अपनी संस्कृति, अपने धर्म से जुड़े रहो। इन सभी चीजों के बीच संतुलन बनाकर चलना चाहिए। बाकी इतना घूमे-फिरे, दुनिया की सबसे अच्छी चीजें जो हम उनको दे सकते थे, वो हमने दीं। जहां सख्त होना था, वहां सख्त हुए, जहां उनके साथ खेलना था तो खेलते भी थे। बता दें कि मीजान और जावेद फिल्म दे दे प्यार दे 2 में साथ में डांस करते नजर आए थे।

आज भी ताजा हैं यादें

फोटो संजीव कुमार

पहली फिल्म हर कलाकार के लिए खास होती है। अगर वह फिल्म शाह रुख खान के साथ हो तो क्या कहना। अभिनेत्री **श्रिया पिलगांवकर** ओटीटी से लेकर फिल्मों तक काफी काम कर रही हैं, लेकिन शाह रुख के साथ पहली फिल्म फैन की यादें हमेशा उनके दिलोदिमाग में ताजा रहती हैं। श्रिया कहती हैं कि जब भी मेरी पहली फिल्म की बात होती है तो सारी यादें ताजा हो जाती हैं। हाल ही में मेरे फोन पर पुराने फोटोज मेमोरी में दिखाई देने लगे। वे फैन के सेट से थे।

अब अपनी सखी को पढ़ें ऑनलाइन

अपनी डिजिटल कॉपी के लिए स्कैन करें
www.jagransakhi.com

पूर्व मध्य रेल

रजिस्ट्री सं. डी. एल. - 33004/99 REGD. NO. D.L. - 33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.-बी.आर.-अ.-01082026-274536
CG-BR-E-01082026-274536
असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 3723] नई दिल्ली, मंगलवार, जुलाई 14, 2026/आषाढ 23, 1948
No. 3723] NEW DELHI, TUESDAY, JULY 14, 2026/ASHADHA 23, 1948

रेल मंत्रालय
(पूर्व मध्य रेलवे)
अधिसूचना

पटना, 14 जुलाई, 2026

का.आ. 3886(अ).–केन्द्रीय सरकार, रेलवे (संशोधन) अधिनियम, 2008, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 20क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह समाधान हो जाने के पश्चात् की लोक परियोजन के लिए वह भूमि जिसका संक्षिप्त विवरण इसके उपबद्ध अनुसूची में दिया गया है, बिहार राज्य के नवादा जिले में विशेष रेल परियोजना, नवादा से पावापुरी नई बी.जी. रेलवे लाइन के निर्माण कार्य के प्रयोजन के लिए अपेक्षित है, ऐसी भूमि का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करता है।

उक्त भूमि के हितबद्ध कोई व्यक्ति, राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से तीस दिन के भीतर, उक्त अधिनियम की धारा 20घ की उपधारा (1) के अधीन उपर्युक्त प्रयोजन के लिए ऐसी भूमि के अर्जन और उपयोग के संबंध में आक्षेप कर सकेगा।

प्रत्येक ऐसी आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, नवादा, बिहार प्रदेश को लिखित में किया जाएगा और उसमें उसके आधार उपवर्णित होंगे और सक्षम प्राधिकारी आक्षेपकर्ता को व्यक्तिगत रूप से या विधि व्यवसायी के माध्यम से सुनवाई का अवसर प्रदान करेगा और सभी ऐसे आक्षेपों की सुनवाई करने तथा ऐसी और जांच, यदि कोई हो, करने के पश्चात सिरी सक्षम प्राधिकारी आवश्यक समझे, आदेश द्वारा या तो आक्षेपों को अनुज्ञात या अननुज्ञात कर सकेगा।

उक्त अधिनियम की धारा 20घ की उपधारा (2) के अधीन सक्षम प्राधिकारी द्वारा किया गया कोई आदेश अंतिम होगा।

इस अधिसूचना के अधीन आनेवाली भूमि का रेखांकन और अन्य ब्यौरे उपलब्ध हैं और हितबद्ध व्यक्ति द्वारा सक्षम प्राधिकारी के उपरोक्त कार्यालय में उनका निरीक्षण किया जा सकता है।

अनुसूची

बिहार राज्य के नवादा जिले में विशेश रेल परियोजना, अर्थात नवादा से पावापुरी नई बी.जी. रेलवे लाइन निर्माण (25.100 कि.मी.) के लिए अर्जित की जाने वाली भूमि का संरचना सहित या उसके रहित संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है

"नवादा से पावापुरी नई बी.जी. रेलवे लाइन निर्माण (25.100 कि.मी.)" के अन्तर्गत ग्राम– आनन्दपुरा/366, कादिरगंज चादर नं–2/452, कादिरगंज चादर नं.–1/452, उड़सा/450, मौला बिगहा/449, समाइ चादर नं.–4/447, पछियाडीह/446, समाइ चादर नं.–1/447 अंचल– नवादा और मोहीउद्दीनपुर/439, कुम्भी चादर नं. 1/437, नुरगिया चक/466, बकसावां चादर नं. 03/467, बकसावां चादर नं. 01/467, अंचल वारसलीगंज, जिला–नवादा (बिहार)

क्र. सं.	जिला का नाम	अंचल का नाम	मौजा का नाम	थाना न.	खेसरा सं.	अर्जनाधीन रकबा (एकड़ में)	अर्जनाधीन रकबा (हेक्टेयर में)	पूर्ण/ आंशिक
1					37	0.233	0.0943	आंशिक
2					39	0.234	0.0947	आंशिक
3					38	0.262	0.1060	आंशिक
4	नवादा	नवादा	आनन्दपुरा	366	35	0.004	0.0016	आंशिक
5					40	0.059	0.0240	आंशिक
6					50	0.011	0.0045	आंशिक
7					51	0.008	0.0031	आंशिक
8					52	0.001	0.0003	आंशिक

क्र. सं.	जिला का नाम	अंचल का नाम	मौजा का नाम	थाना न.	खेसरा सं.	अर्जनाधीन रकबा (एकड़ में)	अर्जनाधीन रकबा (हेक्टेयर में)	पूर्ण/ आंशिक
1					1507	0.043	0.0176	आंशिक
2					1508	0.248	0.1006	पूर्ण
3					1511	0.311	0.1259	आंशिक
4					1509	0.008	0.0033	पूर्ण
5					1510	0.761	0.3081	आंशिक
6					1512	0.030	0.0122	आंशिक
7	नवादा	नवादा	कादिरगंज चादर नं.–2	452	1513	0.272	0.1101	आंशिक
8					1514	0.031	0.0126	आंशिक
9					1516	0.006	0.0025	आंशिक
10					1517	0.286	0.1157	पूर्ण
11					1518	0.296	0.1199	आंशिक
12					1519	0.305	0.1233	आंशिक
13					1530	0.197	0.0796	आंशिक
14					1533	0.108	0.0438	आंशिक
15					1532	0.244	0.0987	आंशिक
16					1531	0.213	0.0864	पूर्ण
17					1529	0.069	0.0280	पूर्ण
18					1528	0.091	0.0369	पूर्ण
19					1527	0.033	0.0135	आंशिक
20					1751	0.196	0.0795	आंशिक
21					1750	0.043	0.0172	आंशिक
22					1749	0.149	0.0603	पूर्ण
23					1748	0.162	0.0655	आंशिक
24					1747	0.152	0.0615	आंशिक
25					1754	0.008	0.0032	आंशिक
26					1689	0.094	0.0380	आंशिक
27					1690	0.139	0.0564	आंशिक
28					1693	0.068	0.0274	आंशिक
28					1694	0.062	0.0253	आंशिक
30					1695	0.001	0.0004	आंशिक
31					1696	0.060	0.0242	पूर्ण
32					1697	0.070	0.0282	आंशिक
33	नवादा	नवादा	कादिरगंज चादर नं.–2	452	1741	0.115	0.0466	आंशिक
34					1739	0.065	0.0263	आंशिक
36					1738	0.010	0.0040	आंशिक
36					1702	0.037	0.0151	आंशिक
37					1701	0.226	0.0913	आंशिक
38					1700	0.003	0.0013	आंशिक
39					1703	0.037	0.0150	आंशिक
40					1704	0.047	0.0190	आंशिक
41					1676	0.229	0.0927	पूर्ण
42					1677	0.029	0.0117	आंशिक
43					1670	0.044	0.0178	आंशिक
44					1671	0.043	0.0174	आंशिक
45					1672	0.072	0.0291	आंशिक
46					1673	0.302	0.1224	पूर्ण
47					1674	0.122	0.0493	पूर्ण
48					1675	0.062	0.0250	पूर्ण
49					1708	0.012	0.0049	आंशिक
50					1710	0.019	0.0075	आंशिक
51					1711	0.008	0.0034	आंशिक
52					2244	0.158	0.0641	आंशिक
53					1966	0.049	0.0108	आंशिक
54					2228	0.049	0.0199	आंशिक
55					2227	0.291	0.1177	आंशिक
56					2229	0.461	0.1867	आंशिक
57					2230	0.476	0.1927	आंशिक
58					2226	0.154	0.0624	आंशिक
59					2225	0.018	0.0072	आंशिक
60					2231	0.908	0.3673	आंशिक
61					2314	0.065	0.0262	आंशिक
62					2366	0.343	0.1388	आंशिक
63					2367	0.333	0.1346	आंशिक
64					2365	0.175	0.0709	आंशिक
65	नवादा	नवादा	कादिरगंज चादर नं.–2	452	2364	0.258	0.1046	आंशिक
66					2363	0.059	0.0241	आंशिक
67					2359	0.046	0.0187	आंशिक
68					2360	0.377	0.1525	आंशिक
69					2362	0.233	0.0944	आंशिक
70					2361	0.247	0.1002	आंशिक
71					2769	0.056	0.0228	आंशिक
72					2770	0.040	0.0160	आंशिक
73					2767	0.161	0.0650	आंशिक
74					2766	0.145	0.0586	आंशिक
75					2775	0.485	0.1961	आंशिक
76					2777	0.001	0.0002	आंशिक
77					2778	0.029	0.0117	आंशिक
78					2779	0.100	0.0405	आंशिक
79	नवादा	नवादा	कादिरगंज चादर नं.–2	452	2780	0.050	0.0203	आंशिक
80					2781	0.149	0.0603	आंशिक
81					2674	0.018	0.0073	आंशिक

क्र. सं.	जिला का नाम	अंचल का नाम	मौजा का नाम	थाना न.	खेसरा सं.	अर्जनाधीन रकबा (एकड़ में)	अर्जनाधीन रकबा (हेक्टेयर में)	पूर्ण/ आंशिक
1					836	0.054	0.0217	आंशिक
2					832	0.155	0.0628	आंशिक
3					835	0.089	0.0361	पूर्ण
4					837	0.064	0.0258	आंशिक
5					833	0.161	0.0650	आंशिक
6					834	0.241	0.0975	आंशिक
7					827	0.417	0.1689	आंशिक
8					811	0.416	0.1683	आंशिक
9					846	0.305	0.1235	आंशिक
10					807	0.482	0.1950	आंशिक
11					810	0.058	0.0233	आंशिक
12					809	0.054	0.0217	आंशिक
13					808	0.066	0.0266	आंशिक
14					806	0.029	0.0116	आंशिक
15					785	0.353	0.1430	आंशिक
16					788	0.025	0.0102	आंशिक
17	नवादा	नवादा	कादिरगंज चादर नं.–1	452	786	0.036	0.0145	आंशिक
18					783	0.270	0.1093	आंशिक
19					781	0.072	0.0290	आंशिक
20					782	0.262	0.1061	आंशिक
21					771	0.092	0.0374	आंशिक
22					747	0.101	0.0410	आंशिक
23					750	0.007	0.0030	आंशिक
24					751	0.157	0.0635	आंशिक
25					752	0.177	0.0717	पूर्ण
26					753	0.020	0.0081	आंशिक
27					754	0.019	0.0079	आंशिक
28					755	0.014	0.0057	आंशिक
29					760	0.404	0.1634	आंशिक
30					761	0.468	0.1894	आंशिक
31					741	0.509	0.2059	आंशिक
32					746	0.200	0.0809	आंशिक
33					745	0.049	0.0200	आंशिक
34					742	0.182	0.0735	आंशिक
35					744	0.304	0.1231	आंशिक
36					743	0.115	0.0467	आंशिक
37					725	0.540	0.2186	आंशिक
38					724	0.023	0.0091	आंशिक
39					723	0.319	0.1291	आंशिक
40					722	0.281	0.1136	आंशिक
41					721	0.024	0.0096	आंशिक
42	नवादा	नवादा	कादिरगंज चादर नं.–1	452	716	0.087	0.0353	आंशिक
43					717	0.187	0.0755	पूर्ण
44					720	0.144	0.0583	आंशिक
45					718	0.049	0.0197	पूर्ण
46					719	0.017	0.0070	आंशिक
47					667	0.065	0.0265	आंशिक
48					1278	0.120	0.0487	आंशिक
49					1277	0.224	0.0908	आंशिक
50					1276	0.473	0.1916	आंशिक
51					1275	0.574	0.2324	आंशिक
52					1274	0.251	0.1014	आंशिक

क्र. सं.	जिला का नाम	अंचल का नाम	मौजा का नाम	थाना न.	खेसरा सं.	अर्जनाधीन रकबा (एकड़ में)	अर्जनाधीन रकबा (हेक्टेयर में)	पूर्ण/ आंशिक
1					34	0.108	0.0437	आंशिक
2					33	0.026	0.0104	आंशिक
3					40	0.050	0.0203	पूर्ण
4					39	0.089	0.0362	पूर्ण
5	नवादा	नवादा	उड़सा	450	38	0.083	0.0336	पूर्ण
6					36	0.151	0.0611	आंशिक
7					41	0.057	0.0231	पूर्ण
8					42	0.040	0.0163	आंशिक
9					43	0.035	0.0143	आंशिक
10					44	0.052	0.0209	पूर्ण
11					37	0.038	0.0153	पूर्ण
12					45	0.067	0.0271	आंशिक
13					46	0.009	0.0035	आंशिक
14					75	0.677	0.2739	आंशिक
15					80	0.003	0.0010	आंशिक
16					84	0.125	0.0506	आंशिक
17					87	0.093	0.0376	पूर्ण
18					88	0.053	0.0216	आंशिक
19					85	0.157	0.0633	पूर्ण
20					86	0.079	0.0321	आंशिक
21					83	0.103	0.0418	आंशिक
22					108	0.121	0.0490	पूर्ण
23					82	0.173	0.0699	आंशिक
24					81	0.001	0.0003	आंशिक
25					109	0.108	0.0436	पूर्ण
26					107	0.076	0.0306	आंशिक
27					110	0.121	0.0488	पूर्ण
28					111	0.129	0.0523	आंशिक
29					118	0.259	0.1047	आंशिक
30					117	0.301	0.1219	आंशिक
31	नवादा	नवादा	उड़सा	450	112	0.019	0.0075	आंशिक
32					116	0.197	0.0796	पूर्ण
33					115	0.038	0.0153	आंशिक
34					129	0.086	0.0349	आंशिक
35					126	0.172	0.0698	आंशिक
36					127	0.091	0.0369	पूर्ण
37					128	0.089	0.0362	पूर्ण
38					144	0.005	0.0020	आंशिक
39					143	0.063	0.0255	आंशिक
40					140	0.133	0.0539	पूर्ण
41					139	0.211	0.0855	पूर्ण
42					137	0.022	0.0089	आंशिक
43					138	0.035	0.0143	आंशिक
44					142	0.055	0.0222	आंशिक
45					141	0.049	0.0197	आंशिक
46					356	0.273	0.1103	आंशिक
47					332	0.079	0.0321	आंशिक
48					201	0.029	0.0119	आंशिक
49					218	0.141	0.0572	आंशिक
50					258	0.166	0.0672	आंशिक
51					315	0.375	0.1519	आंशिक
52					312	0.323	0.1306	आंशिक
53					225	0.041	0.0166	आंशिक
54					314	1.005	0.4068	आंशिक
55					313	0.002	0.0008	आंशिक
56					301	0.059	0.0239	आंशिक
57					270	0.283	0.1146	आंशिक
58					271	0.039	0.0157	पूर्ण
59					272	0.042	0.0170	पूर्ण
60	नवादा	नवादा	उड़सा	450	273	0.048	0.0194	पूर्ण
61					269	0.093	0.0375	पूर्ण
62					274	0.227	0.0918	आंशिक
63					268	0.100	0.0405	पूर्ण
64					267	0.111	0.0451	पूर्ण
65					266	0.120	0.0484	आंशिक
66					265	0.081	0.0329	आंशिक
67					264	0.056	0.0225	आंशिक
68					263	0.018	0.0072	आंशिक
69					262	0.611	0.2474	आंशिक
70					261	0.472	0.1912	आंशिक
71					260	0.080	0.0325	आंशिक
72					259	0.130	0.0527	आंशिक
73					276	0.002	0.0009	आंशिक
74					275	0.015	0.0062	आंशिक

क्र. सं.	जिला का नाम	अंचल का नाम	मौजा का नाम	थाना न.	खेसरा सं.	अर्जनाधीन रकबा (एकड़ में)	अर्जनाधीन रकबा (हेक्टेयर में)	पूर्ण/ आंशिक
1	नवादा	नवादा	मौला बिगहा	449	123	0.055	0.0221	आंशिक
2					53	0.566	0.2292	आंशिक
3					57	0.030	0.0121	आंशिक
4					52	0.295	0.1195	आंशिक
5					43	0.331	0.1340	आंशिक
6					44	0.272	0.1102	आंशिक
7					45	0.032	0.0131	आंशिक
8					46	0.021	0.0085	आंशिक
9					47	0.012	0.0050	आंशिक
10					32	0.347	0.1403	आंशिक
11	नवादा	नवादा	मौला बिगहा	449	31	0.039	0.0160	आंशिक
12					30	0.233	0.0944	आंशिक

क्र. सं.	जिला का नाम	अंचल का नाम	मौजा का नाम	थाना न.	खेसरा सं.	अर्जनाधीन रकबा (एकड़ में)	अर्जनाधीन रकबा (हेक्टेयर में)	पूर्ण/ आंशिक
1					9939	0.017	0.0070	आंशिक
2					9940	0.175	0.0710	आंशिक
3					9941	0.147	0.0597	आंशिक
4					9937	0.0002	0.0001	आंशिक
5					9936	0.009	0.0036	आंशिक
6					9935	0.042	0.0170	आंशिक
7					9934	0.327	0.1324	आंशिक
8					9933	0.300	0.1214	आंशिक
9					9927	0.248	0.1005	आंशिक
10					9913	0.190	0.0768	आंशिक
11	नवादा	नवादा	समाई चादर नं–4	447	9918	0.128	0.0518	आंशिक
12					9928	0.070	0.0282	आंशिक
13					9916	0.204	0.0827	आंशिक
14					9917	0.104	0.0422	पूर्ण
15					9914	0.026	0.0105	आंशिक
16					9915	0.001	0.0004	आंशिक
17					9912	0.152	0.0615	आंशिक
18					9909	0.132	0.0535	पूर्ण
19					9910	0.122	0.0492	आंशिक
20					9908	0.010	0.0041	आंशिक
21					9907	0.071	0.0285	आंशिक
22					9906	0.095	0.0385	पूर्ण
23					9905	0.039	0.0157	आंशिक
24					9902	0.073	0.0294	आंशिक
25					9901	0.077	0.0313	आंशिक
26					9900	0.079	0.0322	आंशिक
27					9899	0.095	0.0383	आंशिक
28					9898	0.104	0.0423	पूर्ण
29					9897	0.011	0.0046	आंशिक
30					9861	0.016	0.0064	आंशिक
31					9862	0.076	0.0308	आंशिक
32					9894	0.155	0.0626	आंशिक
33					13158	0.034	0.0137	पूर्ण
34					9863	0.135	0.0545	आंशिक
35					9864	0.168	0.0678	आंशिक
36					9867	0.020	0.0079	आंशिक
37					9886	0.017	0.0070	आंशिक
38					9887	0.063	0.0256	पूर्ण
39					9888	0.080	0.0322	पूर्ण
40					9889	0.070	0.0284	आंशिक
41	नवादा	नवादा	समाइ चादर नं.–4	447	9885	0.317	0.1283	आंशिक
42					9873	0.116	0.0468	आंशिक
43					9872	0.015	0.0060	आंशिक
44					9874	0.074	0.0300	आंशिक
45					9875	0.133	0.0538	आंशिक
46					9876	0.094	0.0380	आंशिक
47					9600	0.161	0.0653	आंशिक
48					9598	0.070	0.0285	पूर्ण
49					9599	0.012	0.0048	आंशिक
50					9597	0.013	0.0053	आंशिक
51					9596	0.029	0.0117	पूर्ण
52					9595	0.134	0.0541	आंशिक
53					9594	0.002	0.0007	आंशिक
54					9550	0.055	0.0222	आंशिक
55					9895	0.024	0.0099	आंशिक

क्र. सं.	जिला का नाम	अंचल का नाम	मौजा का नाम	थाना न.	खेसरा सं.	अर्जनाधीन रकबा (एकड़ में)	अर्जनाधीन रकबा (हेक्टेयर में)	पूर्ण/ आंशिक
1					384	0.509	0.2062	आंशिक
2	नवादा	नवादा	पछियाडीह	446	404	0.123	0.0499	आंशिक
3					403	0.328	0.1329	आंशिक
4					390	0.619	0.2505	आंशिक
5					396	0.938	0.3796	आंशिक
6					397	0.283	0.1146	आंशिक
7					417	0.253	0.1024	आंशिक
8					418	0.310	0.1256	आंशिक
9					416	0.070	0.0283	आंशिक
10					540	0.264	0.1070	पूर्ण
11					539	0.074	0.0301	आंशिक
12					537	0.115	0.0466	आंशिक
13					536	0.251	0.1016	आंशिक
14					541	0.006	0.0023	आंशिक
15					542	0.010	0.0040	आंशिक
16					535	0.222	0.0896	आंशिक
17					561	0.011	0.0045	आंशिक
18					534	0.101	0.0407	आंशिक
19					533	0.563	0.2279	पूर्ण
20					532	0.019	0.0077	आंशिक
21	नवादा	नवादा	पछियाडीह	446	530	0.017	0.0068	आंशिक
22					529	0.016	0.0065	आंशिक
23					528	0.012	0.0048	आंशिक
24					527	0.016	0.0063	आंशिक
25					526	0.093	0.0375	आंशिक
26					525	0.122	0.0494	आंशिक
27					524	0.881	0.3567	आंशिक
28					523	0.144	0.0583	आंशिक
29					520	0.106	0.0430	आंशिक
30					522	0.102	0.0412	पूर्ण
31					556	0.043	0.0172	आंशिक
32					521	0.023	0.0095	आंशिक
33					569	0.096	0.0387	आंशिक
34					673	0.020	0.0082	आंशिक
35					672	0.061	0.0245	पूर्ण
36					618	0.014	0.0059	आंशिक
37					619	0.062	0.0249	आंशिक
38					674	0.079	0.0322	आंशिक
39					671	0.265	0.1074	पूर्ण
40					670	0.057	0.0232	आंशिक
41					624	0.145	0.0585	पूर्ण
42					620	0.038	0.0152	आंशिक
43					621	0.141	0.0570	आंशिक
44					669	0.082	0.0332	पूर्ण
45					668	0.064	0.0259	पूर्ण
46					667	0.142	0.0576	पूर्ण
47					623	0.058	0.0233	आंशिक
48					676	0.004	0.0017	आंशिक
49					677	0.001	0.0002	आंशिक
50					665	0.178	0.0720	आंशिक
51					666	0.205	0.0829	पूर्ण
52					592	0.101	0.0410	आंशिक
53					591	0.088	0.0355	आंशिक
54					586	0.123	0.0497	आंशिक
55	नवादा	नवादा	पछियाडीह	446	664	0.070	0.0285	आंशिक
56					659	0.239	0.0966	पूर्ण
57					661	0.004	0.0016	आंशिक
58					660	0.056	0.0225	पूर्ण
59					658	0.087	0.0353	आंशिक

क्र. सं.	जिला का नाम	अंचल का नाम	मौजा का नाम	थाना न.	खेसरा सं.	अर्जनाधीन रकबा (एकड़ में)	अर्जनाधीन रकबा (हेक्टेयर में)	पूर्ण/आंशिक
60					1266	0.158	0.0639	पूर्ण
61					585	0.177	0.0716	पूर्ण
62					584	0.039	0.0159	आंशिक
63					653	0.027	0.0108	आंशिक
64					654	0.034	0.0139	पूर्ण
65					655	0.042	0.0168	पूर्ण
66					656	0.031	0.0124	आंशिक
67					626	0.198	0.0802	आंशिक
68					625	0.146	0.0591	पूर्ण
69					649	0.048	0.0195	आंशिक
70					627	0.056	0.0228	पूर्ण
71					628	0.042	0.0169	पूर्ण
72					629	0.065	0.0262	पूर्ण
73					648	0.039	0.0160	आंशिक
74					630	0.086	0.0347	पूर्ण
75					631	0.084	0.0339	पूर्ण
76					632	0.156	0.0633	पूर्ण
77					582	0.012	0.0050	आंशिक
78					647	0.060	0.0245	आंशिक
79					643	0.364	0.1473	पूर्ण
80					642	0.233	0.0944	पूर्ण
81					633	0.099	0.0399	आंशिक
82					641	0.101	0.0410	पूर्ण
83					640	0.045	0.0181	आंशिक
84					639	0.029	0.0118	आंशिक
85					645	0.032	0.0131	आंशिक
86					644	0.337	0.1365	पूर्ण
87	नवादा	नवादा	पचियाडीह	446	886	0.229	0.0926	आंशिक
88					887	0.367	0.1486	आंशिक
89					969	0.076	0.0307	आंशिक
90					967	0.089	0.0361	पूर्ण
91					968	0.060	0.0245	आंशिक
92					966	0.100	0.0404	पूर्ण
93					965	0.140	0.0565	आंशिक
94					964	0.051	0.0205	आंशिक
95					963	0.043	0.0176	पूर्ण
96					960	0.311	0.1260	पूर्ण
97					959	0.208	0.0843	पूर्ण
98					958	0.272	0.1100	आंशिक
99					957	0.012	0.0047	आंशिक
100					961	0.374	0.1515	आंशिक
101					962	0.388	0.1571	आंशिक
102					995	0.064	0.0260	आंशिक
103					994	0.036	0.0145	आंशिक
104					992	0.169	0.0682	पूर्ण
105					991	0.114	0.0462	पूर्ण
106					990	0.106	0.0430	आंशिक
107					993	0.283	0.1144	आंशिक
108					1270	0.192	0.0776	आंशिक
109					1007	0.241	0.0976	पूर्ण
110					1008	0.214	0.0867	आंशिक
111					1005	0.015	0.0059	आंशिक
112					1006	0.024	0.0098	आंशिक
113					1016	0.009	0.0035	आंशिक
114					1015	0.008	0.0031	आंशिक
115					1009	0.480	0.1942	आंशिक
116					1010	0.646	0.2612	आंशिक
117					1014	0.199	0.0805	आंशिक
118					1013	0.094	0.0382	पूर्ण
119					1012	0.098	0.0396	आंशिक
120					1022	0.020	0.0081	आंशिक
121	नवादा	नवादा	पचियाडीह	446	1076	0.819	0.3314	आंशिक
122					1071	0.085	0.0346	आंशिक
123					1074	0.140	0.0567	पूर्ण
124					1080	0.047	0.0190	आंशिक
125					1075	0.097	0.0391	पूर्ण
126					1073	0.181	0.0733	पूर्ण
127					1072	0.140	0.0568	आंशिक
128					1083	0.517	0.2093	आंशिक
129					1082	0.199	0.0804	आंशिक
130					1086	0.456	0.1845	आंशिक
131					1087	0.621	0.2515	आंशिक
132					1088	0.222	0.0897	आंशिक
133					1089	0.295	0.1194	आंशिक
134					1093	0.627	0.2539	आंशिक
135					1094	0.890	0.3600	आंशिक
136					1095	0.154	0.0623	आंशिक
137					1096	0.334	0.1353	पूर्ण
138					1097	0.048	0.0194	आंशिक
139					1104	0.194	0.0785	आंशिक
140					1103	0.103	0.0417	पूर्ण
141					1102	0.108	0.0436	आंशिक
142					1109	0.112	0.0454	आंशिक
143					1142	0.286	0.1155	आंशिक
144					1115	0.386	0.1562	आंशिक
145					1116	0.530	0.2145	आंशिक
146					1117	0.761	0.3080	आंशिक
147					1119	0.028	0.0113	आंशिक
148					1118	0.503	0.2035	आंशिक
149					1125	0.791	0.3200	आंशिक
150					1126	0.053	0.0216	आंशिक
151					1127	0.065	0.0263	आंशिक
152					1130	0.139	0.0562	आंशिक
153					1129	0.414	0.1675	पूर्ण
154					1128	0.109	0.0440	आंशिक
155	नवादा	नवादा	पचियाडीह	446	1132	0.043	0.0175	आंशिक
156					1133	0.227	0.0919	आंशिक
157					1134	0.374	0.1515	आंशिक
158					1135	0.174	0.0706	आंशिक
159					1136	0.202	0.0817	आंशिक
160					1137	0.353	0.1428	आंशिक
161					1138	0.312	0.1262	आंशिक
162					1262	0.107	0.0434	आंशिक
163					1139	0.182	0.0737	आंशिक
164					1140	0.218	0.0883	आंशिक
165					1141	0.222	0.0900	आंशिक
166					1143	0.328	0.1328	आंशिक
167					1167	0.104	0.0419	आंशिक
168					1168	0.292	0.1180	आंशिक
169					1195	0.647	0.2617	आंशिक
170					1196	0.054	0.0217	आंशिक
171					1197	0.586	0.2371	आंशिक
172					1259	0.699	0.2830	आंशिक
173					1290	0.035	0.0141	आंशिक
174					1199	0.041	0.0166	आंशिक
175					1092	0.039	0.0158	आंशिक
176					646	0.047	0.0189	आंशिक
177					1124	0.003	0.0011	आंशिक
178	नवादा	नवादा	पचियाडीह	446	956	0.002	0.0008	आंशिक
179					667	0.0005	0.0002	आंशिक
180					401	0.006	0.0026	आंशिक
181					399	0.007	0.0029	आंशिक
182					398	0.001	0.0002	आंशिक

क्र. सं.	जिला का नाम	अंचल का नाम	मौजा का नाम	थाना न.	खेसरा सं.	अर्जनाधीन रकबा (एकड़ में)	अर्जनाधीन रकबा (हेक्टेयर में)	पूर्ण/आंशिक
1					1240	0.064	0.0258	आंशिक
2					1239	0.690	0.2792	आंशिक
3					1235	0.324	0.1310	आंशिक
4	नवादा	नवादा	पचियाडीह क	446	1236	0.230	0.0931	आंशिक
5					1234	0.116	0.0468	आंशिक
6					1237	0.423	0.1712	आंशिक
7					1238	0.105	0.0423	आंशिक

क्र. सं.	जिला का नाम	अंचल का नाम	मौजा का नाम	थाना न.	खेसरा सं.	अर्जनाधीन रकबा (एकड़ में)	अर्जनाधीन रकबा (हेक्टेयर में)	पूर्ण/आंशिक
1					402	0.952	0.3854	आंशिक
2					411	0.047	0.0191	आंशिक
3					404	0.017	0.0070	आंशिक
4					403	0.042	0.0168	आंशिक
5					405	0.003	0.0012	आंशिक
6					409	0.061	0.0246	आंशिक
7					387	0.168	0.0681	आंशिक
8	नवादा	नवादा	समाइ चादर नं.-1	447	388	0.236	0.0955	आंशिक
9					389	0.252	0.1018	आंशिक
10					381	0.176	0.0712	पूर्ण
11					382	0.051	0.0208	आंशिक
12					379	0.148	0.0599	आंशिक
13					380	0.277	0.1123	आंशिक
14					305	0.114	0.0462	आंशिक
15					13139	0.163	0.0661	पूर्ण
16					317	0.033	0.0135	आंशिक
17					324	0.014	0.0055	आंशिक
18					314	0.119	0.0483	पूर्ण
19					315	0.300	0.1215	आंशिक
20					316	0.541	0.2189	आंशिक
21					312	0.390	0.1577	आंशिक
22					311	0.039	0.0158	आंशिक
23					313	1.690	0.6840	आंशिक
24					269	0.279	0.1129	आंशिक
25					237	0.249	0.1007	आंशिक
26					238	0.196	0.0794	पूर्ण
27					239	0.176	0.0713	पूर्ण
28					240	0.256	0.1035	पूर्ण
29	नवादा	नवादा	समाइ चादर नं.-1	447	242	0.097	0.0391	आंशिक
30					243	0.012	0.0050	आंशिक
31					244	0.047	0.0189	आंशिक
32					92	0.715	0.2894	आंशिक
33					90	0.246	0.0994	पूर्ण
34					91	1.124	0.4549	आंशिक
35					97	0.120	0.0487	आंशिक
36					98	0.415	0.1678	आंशिक
37					112	0.642	0.2599	आंशिक
38					101	0.064	0.0258	आंशिक
39					105	0.100	0.0404	आंशिक
40					110	0.155	0.0625	पूर्ण
41					111	0.154	0.0621	पूर्ण
42					108	0.175	0.0708	आंशिक
43					107	0.159	0.0645	पूर्ण
44					109	0.078	0.0315	पूर्ण
45					113	0.079	0.0321	पूर्ण
46					114	0.021	0.0086	आंशिक
47					104	0.064	0.0257	आंशिक
48	नवादा	नवादा	समाइ चादर नं.-1	447	89	0.059	0.0240	आंशिक
49					106	0.003	0.0013	आंशिक
50					241	0.088	0.0358	आंशिक
51					401	0.0002	0.0001	आंशिक

क्र. सं.	जिला का नाम	अंचल का नाम	मौजा का नाम	थाना न.	खेसरा सं.	अर्जनाधीन रकबा (एकड़ में)	अर्जनाधीन रकबा (हेक्टेयर में)	पूर्ण/आंशिक
1					201	0.077	0.0311	आंशिक
2	नवादा	वारसलीगंज	मोहीउद्दीनपुर	439	73	0.012	0.0048	आंशिक
3					74	0.060	0.0243	पूर्ण
4					75	0.094	0.0382	पूर्ण
5					77	0.058	0.0234	आंशिक
6					72	0.013	0.0054	आंशिक
7					76	0.847	0.3427	आंशिक
8					104	0.072	0.0293	आंशिक
9					103	0.057	0.0229	पूर्ण
10					88	0.174	0.0703	आंशिक
11					106	0.152	0.0616	आंशिक
12					102	0.108	0.0436	पूर्ण
13	नवादा	वारसलीगंज	मोहीउद्दीनपुर	439	89	0.075	0.0304	आंशिक
14					93	0.076	0.0307	आंशिक
15					107	0.151	0.0609	आंशिक
16					94	0.125	0.0507	आंशिक
17					108	0.188	0.0760	आंशिक
18					100	0.146	0.0591	आंशिक
19					113	0.087	0.0350	आंशिक
20					101	0.115	0.0465	आंशिक
21					115	0.120	0.0486	आंशिक
22					116	0.124	0.0503	आंशिक
23					127	0.10	0.0405	पूर्ण
24					125	0.039	0.0159	आंशिक
25					126	0.037	0.0149	आंशिक
26					131	0.155	0.0628	आंशिक
27					162	0.106	0.0430	पूर्ण
28					163	0.041	0.0166	आंशिक
29					132	0.206	0.0833	आंशिक
30					161	0.173	0.0700	आंशिक
31					136	0.106	0.0426	आंशिक
32					160	0.174	0.0703	आंशिक
33					137	0.054	0.0220	आंशिक
34					156	0.130	0.0526	पूर्ण
35					143	0.152	0.0615	आंशिक
36					155	0.15	0.0607	पूर्ण
37					148	0.006	0.0025	आंशिक
38					147	0.007	0.0029	आंशिक
39					144	0.154	0.0622	आंशिक
40					154	0.36	0.1457	पूर्ण
41					157	0.060	0.0243	आंशिक
42	नवादा	वारसलीगंज	मोहीउद्दीनपुर	439	145	0.051	0.0205	आंशिक
43					153	0.140	0.0565	आंशिक
44					152	0.054	0.0217	आंशिक

क्र. सं.	जिला का नाम	अंचल का नाम	मौजा का नाम	थाना न.	खेसरा सं.	अर्जनाधीन रकबा (एकड़ में)	अर्जनाधीन रकबा (हेक्टेयर में)	पूर्ण/आंशिक
1					504	2.400	0.9714	आंशिक
2					506	0.053	0.0216	आंशिक
3					507	0.409	0.1655	आंशिक
4					508	0.079	0.0316	आंशिक
5					509	0.219	0.0887	आंशिक
6					511	0.051	0.0207	आंशिक
7	नवादा	वारसलीगंज	कुम्भी चादर नं.-1	437	516	0.313	0.1265	आंशिक
8					517	0.031	0.0126	आंशिक
9					518	0.015	0.0061	आंशिक
10					519	0.010	0.0041	आंशिक
11					520	0.661	0.2675	आंशिक
12					578	0.046	0.0185	आंशिक
13					577	0.225	0.0910	आंशिक
14					579	0.063	0.0255	आंशिक
15					585	0.056	0.0227	आंशिक
16					586	0.214	0.0865	पूर्ण
17					576	0.166	0.0674	आंशिक
18					584	0.056	0.0227	आंशिक
19					587	0.259	0.1048	आंशिक
20					596	0.087	0.0354	आंशिक
21					595	0.232	0.0937	पूर्ण
22					594	0.228	0.0922	आंशिक
23					602	0.027	0.0111	आंशिक
24					600	0.112	0.0455	पूर्ण
25					599	0.092	0.0374	आंशिक
26					601	0.084	0.0339	आंशिक
27					618	0.107	0.0435	आंशिक
28					608	0.114	0.0460	पूर्ण
29	नवादा	वारसलीगंज	कुम्भी चादर नं.-1	437	607	0.070	0.0282	आंशिक
30					609	0.071	0.0288	आंशिक
31					616	0.264	0.1070	पूर्ण
32					617	0.087	0.0352	पूर्ण
33					619	0.028	0.0111	आंशिक
34					615	0.073	0.0296	आंशिक
35					614	0.031	0.0126	आंशिक
36					642	0.583	0.2358	आंशिक
37					643	0.040	0.0162	आंशिक
38					641	0.345	0.1397	आंशिक
39					3492	0.070	0.0285	आंशिक
40					658	0.272	0.1102	आंशिक
41					659	0.210	0.0850	आंशिक
42					663	0.470	0.1902	आंशिक
43					666	0.265	0.1070	पूर्ण
44					667	0.425	0.1721	आंशिक
45					668	0.301	0.1217	पूर्ण
46					664	0.216	0.0873	आंशिक
47					849	0.057	0.0229	आंशिक
48					850	0.044	0.0179	आंशिक
49					852	0.044	0.0177	आंशिक
50					854	0.45	0.1822	पूर्ण
51					855	0.050	0.0204	आंशिक
52					856	0.040	0.0163	आंशिक
53					857	0.033	0.0134	आंशिक
54					859	0.15	0.0607	पूर्ण
55					853	0.170	0.0686	आंशिक
56					858	0.236	0.0951	आंशिक
57					860	0.275	0.1113	पूर्ण
58					861	0.070	0.0282	आंशिक
59					862	0.217	0.0877	आंशिक
60	नवादा	वारसलीगंज	कुम्भी चादर नं.-1	437	863	0.326	0.1319	आंशिक
61					3500	0.056	0.0225	आंशिक
62					864	0.402	0.1625	आंशिक
63					865	0.382	0.1547	आंशिक
64					3503	1.292	0.5228	आंशिक
65					871	0.209	0.0846	आंशिक
66					872	0.178	0.0721	पूर्ण
67					876	0.011	0.0045	आंशिक
68					866	0.008	0.0031	आंशिक
69					870	0.147	0.0595	आंशिक
70					873	0.561	0.2270	आंशिक
71					869	0.309	0.1249	आंशिक
72					868	0.058	0.0234	आंशिक
73					875	0.005	0.0021	आंशिक

क्र. सं.	जिला का नाम	अंचल का नाम	मौजा का नाम	थाना न.	खेसरा सं.	अर्जनाधीन रकबा (एकड़ में)	अर्जनाधीन रकबा (हेक्टेयर में)	पूर्ण/आंशिक
1	नवादा	वारसलीगंज	मुरगिया चक	466	483	0.057	0.0232	आंशिक
2					484	0.099	0.0399	आंशिक
3					659	0.051	0.0206	आंशिक
4					660	0.068	0.0276	आंशिक
5					658	0.26	0.1053	पूर्ण
6					657	0.055	0.0224	आंशिक
7					656	0.045	0.0182	आंशिक
8					655	0.059	0.0237	आंशिक
9					666	0.092	0.0371	आंशिक
10					665	0.083	0.0337	आंशिक
11					654	0.387	0.1567	आंशिक
12					669	0.012	0.0048	आंशिक
13					670	0.236	0.0957	आंशिक
14					668	0.097	0.0394	आंशिक
15					679	0.294	0.1191	आंशिक
16	नवादा	वारसलीगंज	मुरगिया चक	466	680	0.235	0.0952	पूर्ण
17					681	0.247	0.0990	आंशिक
18					678	0.274	0.1107	आंशिक
19					667	0.020	0.0081	आंशिक
20					677	0.069	0.0278	आंशिक
21					682	0.108	0.0435	आंशिक
22					684	1.170	0.4730	आंशिक
23					685	0.013	0.0052	आंशिक
24					686	0.019	0.0077	आंशिक
25					683	0.243	0.0982	आंशिक

क्र. सं.	जिला का नाम	अंचल का नाम	मौजा का नाम	थाना न.	खेसरा सं.	अर्जनाधीन रकबा (एकड़ में)	अर्जनाधीन रकबा (हेक्टेयर में)	पूर्ण/आंशिक
1					4925	0.061	0.0247	आंशिक
2					4924	0.662	0.2679	आंशिक
3					4926	0.071	0.0288	आंशिक
4					4922	0.329	0.1331	पूर्ण
5	नवादा	वारसलीगंज	कदराबा चादर नं.-03	467	4927	0.253	0.1024	आंशिक
6					4923	0.074	0.0301	आंशिक
7					4921	0.20	0.0810	पूर्ण
8					4928	0.088	0.0354	आंशिक
9					4918	0.011	0.0046	आंशिक
10					4920	0.240	0.0970	आंशिक
11					4929	0.425	0.1722	आंशिक
12					4919	0.142	0.0576	आंशिक
13					4902	0.150	0.0606	आंशिक
14					4901	0.280	0.1132	आंशिक
15					4875	0.159	0.0644	आंशिक
16					4874	0.029	0.0118	आंशिक
17					4876	0.803	0.3249	आंशिक
18					4873	0.837	0.3389	आंशिक
19					4850	0.247	0.1000	आंशिक
20					4849	0.292	0.1181	आंशिक
21					4848	0.052	0.0212	आंशिक
22					4847	0.075	0.0302	आंशिक
23					4845	0.150	0.0607	पूर्ण
24					4846	0.063	0.0256	आंशिक
25					4844	0.147	0.0594	आंशिक
26					4852	0.0005	0.0002	आंशिक
27					4854	0.119	0.0482	आंशिक
28					4843	0.153	0.0619	आंशिक
29					4842	0.194	0.0785	आंशिक
30	नवादा	वारसलीगंज	कदराबा चादर नं.-03	467	4841	0.299	0.1210	आंशिक
31					4838	0.281	0.1139	आंशिक
32					4839	0.327	0.1322	आंशिक
33					4798	0.098	0.0398	आंशिक
34					4797	0.128	0.0518	आंशिक
35					4793	0.011	0.0044	आंशिक
36					4792	0.010	0.0042	आंशिक
37					4794	0.101	0.0409	पूर्ण
38					4795	0.184	0.0743	पूर्ण
39					4796	0.122	0.0495	आंशिक
40					4791	0.010	0.0039	आंशिक
41					4790	0.109	0.0441	पूर्ण
42					4789	0.120	0.0486	पूर्ण
43					4788	0.066	0.0266	पूर्ण
44					4787	0.013	0.0051	आंशिक
45					4747	0.385	0.1559	आंशिक
46					4769	0.084	0.0341	आंशिक
47					4748	0.046	0.0187	आंशिक
48					4749	0.128	0.0518	पूर्ण
49					4768	0.045	0.0183	आंशिक
50					4765	0.051	0.0208	आंशिक
51					4750	0.167	0.0674	आंशिक
52					4764	0.081	0.0328	आंशिक
53					4751	0.130	0.0526	आंशिक
54					4752	0.173	0.0700	आंशिक
55					4758	0.107	0.0433	आंशिक
56					4753	0.029	0.0119	आंशिक
57					4755	0.080	0.0324	पूर्ण
58					4754	0.060	0.0244	पूर्ण
59	नवादा	वारसलीगंज	कदराबा चादर नं.-03	467	4756	0.086	0.0348	आंशिक
60					5853	0.116	0.0470	आंशिक
61					4722	0.063	0.0255	आंशिक
62					6476	0.080	0.0322	आंशिक
63					5859	0.240	0.0971	आंशिक
64					5858	0.318	0.1286	आंशिक
65					5860	0.228	0.0923	आंशिक

राज्य की नौ हजार सहकारी समितियों को तकनीकी सपोर्ट देगी केंद्र सरकार

केंद्रीय सहकारिता सचिव डा.आशीष कुमार भूटानी ने बिहार सरकार को दिया आश्वासन

राज्य ब्यूरो, जागरण. पटना : बिहार राज्य सहकारिता नीति को मंजूरी मिलते ही अब केंद्र सरकार भी हर संभव मदद करने को आगे आई है। सहकारिता मंत्रालय ने राज्य में कार्यरत 8984 सहकारी समितियों को आगे बढ़ाने हेतु तकनीकी सपोर्ट टीम से मदद देने का भरोसा दिया है। वहीं राज्य में डेयरी एवं मत्स्य सहकारी समितियों के गठन, प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र, राष्ट्रीय सहकारी डाटाबेस तथा प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा सहकारी बैंकिंग प्रणाली से जुड़े कार्यों में हर स्तर पर केंद्रीय सहायता मिलेगी।

समीक्षा बैठक

बिहार दौरे पर आए केंद्रीय सहकारिता सचिव डा.आशीष कुमार भूटानी ने बिहार सरकार को यह आश्वासन दिया है।

सहकारिता विभाग के सचिव धर्मेन्द्र सिंह ने बताया कि केंद्र सरकार ने बिहार में सहकारी क्षेत्र में बेजफेड की स्थापना और उसके कार्यों को माडल के रूप में तैयार करने का सुझाव दिया है।

केंद्रीय सहकारिता सचिव डा.आशीष कुमार भूटानी ने यह आश्वासन भी दिया है कि राज्य में

सहकारिता क्षेत्र के समग्र विकास एवं योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए केंद्र सरकार हर संभव सहयोग करेगी। सहकारिता संबंधी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन और उसका लाभ लोगों तक पहुंचाने के लिए निरंतर निगरानी व्यवस्था का बनाए रखने पर जोर दिया है। केंद्रीय सचिव के साथ बैठक में नए बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि ऋण समितियों, डेयरी एवं मत्स्य सहकारी समितियों के गठन, पैक्सों में व्यावसायिकरण, प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र, कामन सर्विस सेंटर, प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र, राष्ट्रीय सहकारी डाटाबेस, पैक्स कंप्यूटरीकरण, गोदाम निर्माण, खाद्यान्न अधिप्राप्ति, मधुक्रांति, प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा सहकारी बैंकिंग प्रणाली से जुड़े कार्यों की समीक्षा की गई। पैक्सों के माध्यम से अधिकाधिक किसान क्रेडिट कार्ड देने का निर्देश दिया गया।

22 बालूघाटों की पर्यावरणीय मंजूरी अटकी, 153 करोड़ का नुकसान

राज्य ब्यूरो, जागरण. पटना : प्रदेश के 10 जिलों के 22 बालू घाटों को समय पर पर्यावरणीय स्वीकृति नहीं मिलने की वजह से खान एवं भु-तत्व विभाग को करीब 153 करोड़ रुपये के राजस्व का नुकसान हुआ है। यह जनकारी विभागीय समीक्षा बैठक में सामने आई। जिसके बाद इस पर नाराजगी जताते हुए संबंधित जिलों के अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर टीओआर (टर्म आफ रेफरेंस) और पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त करने के लिए पहल करने के निर्देश दिए गए।

खान एवं भू-तत्व विभाग के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार विभाग के मंत्री डा. प्रमोद कुमार के स्तर पर एक समीक्षा बैठक बुलाई गई थी। जिसमें विभाग के राजस्व संग्रहण के साथ विभाग के अन्य कार्यों और योजनाओं की समीक्षा की गई। जिसमें यह बात सामने आई कि 10 जिलों के 22 बालू घाटों का टीओआर लंबे समय से लंबित है। इसके न होने की वजह से घाटों को खनन प्रारंभ करने के पूर्व दी जाने वाली पर्यावरणीय स्वीकृति नहीं मिल पाई है। नतीजा बालू घाट संचालित नहीं हो सके। जिसकी वजह से सरकार को 153.40 करोड़ रुपये के राजस्व का नुकसान हुआ है।

अभियंताओं का तबादला, पदस्थापन के साथ-साथ अतिरिक्त प्रभार भी

राज्य ब्यूरो, जागरण . पटना : नगर विकास एवं आवास विभाग ने विभागीय कार्यों में तेजी और बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था के उद्देश्य से 19 कनीय अभियंताओं (असैनिक/विद्युत) का तबादला किया है। शुक्रवार को जारी आदेश के अनुसार, इनमें योजना एवं विकास विभाग से प्रतिनियुक्ति पर नगर विकास एवं आवास विभाग को सेवा दे रहे पांच कनीय अभियंता भी शामिल हैं। सभी अभियंताओं को उनके वर्तमान पदस्थापन स्थल से स्थानांतरित कर विभिन्न नगर निकायों एवं अधीनस्थ कार्यालयों में नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। साथ ही कई अभियंताओं को अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है। विभाग ने संबंधित अधिकारियों को शीघ्र नए पदस्थापन स्थल पर योगदान देने का निर्देश दिया है।

2047 के विजन पर बढ़ा पाटलिपुत्र सेटेलाइट टाउनशिप प्रोजेक्ट

राज्य ब्यूरो, जागरण . पटना : पाटलिपुत्र ग्रीनफील्ड सेटेलाइट टाउनशिप को आधुनिक, सुनियोजित और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप विकसित करने की दिशा में शुक्रवार को महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। विकास आयुक्त मिहिर कुमार सिंह की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय अंतर-विभागीय परामर्श बैठक आयोजित हुई। नगर विकास एवं आवास विभाग की ओर से आयोजित बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया और अपने सुझाव भी दिए। बैठक में विकास आयुक्त ने कहा कि शहरीकरण की

वर्तमान प्रक्रिया में ग्रामीण क्षेत्र तेजी से शहरी स्वरूप ग्रहण कर रहे हैं, लेकिन कई स्थानों पर आवश्यक शहरी सुविधाओं और सुनियोजित आधारभूत संरचना का समानांतर विकास नहीं हो पा रहा है। ऐसे में सेटेलाइट टाउनशिप जैसी परियोजनाएं केवल नए आवासीय क्षेत्र विकसित करने तक सीमित न रहकर सुनियोजित और सुविधायुक्त शहरी विकास का माडल प्रस्तुत कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित टाउनशिप को केवल आवासीय कालोनी के रूप में विकसित करने के बजाय इसे रोजगार, व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, हरित क्षेत्र और सार्वजनिक सुविधाओं से युक्त एक समग्र शहर के रूप में तैयार किया जाना चाहिए। इससे लोगों को रोजमर्रा की जरूरतों के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी और शहर का संतुलित विकास सुनिश्चित होगा। बैठक के दौरान नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव विनय कुमार ने प्रारूप विकास योजना-2047 की विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय विकास दृष्टि, क्षेत्रीय नियोजन, भूमि उपयोग, सामाजिक आधारभूत ढांचा, ट्रांजिट आधारित विकास (टीओडी), आर्थिक गतिविधियों के विस्तार, पर्यावरण संरक्षण, ब्लू-ग्रीन अवसंरचना, जलवायु अनुकूल विकास, डिजिटल सुविधाओं, स्मार्ट शहरी प्रणाली, चरणबद्ध कार्यान्वयन, निवेश रणनीति और विकास नियंत्रण मानकों की जानकारी दी।

क्र. सं.	जिला का नाम	अंचल का नाम	मौजा का नाम	थाना न.	खेसरा सं.	अर्जनाधीन रकबा (एकड़ में)	अर्जनाधीन रकबा (हेक्टेयर में)	पूर्ण/आंशिक
66					5857	0.365	0.1478	आंशिक
67					5871	0.592	0.2395	आंशिक
68					5872	0.301	0.1219	आंशिक
69					5876	0.414	0.1676	आंशिक
70					5882	0.182	0.0736	आंशिक
71					5881	0.212	0.0859	आंशिक
72					5883	0.170	0.0689	आंशिक
73					5880	0.183	0.0739	आंशिक
74					5884	0.184	0.0746	आंशिक
75					5879	0.338	0.1366	आंशिक
76					5885	0.212	0.0859	आंशिक
77					5924	0.189	0.0763	आंशिक
78					5918	0.458	0.1852	आंशिक
79					5919	0.054	0.0218	आंशिक
80					5920	0.072	0.0293	आंशिक
81					5921	0.240	0.0972	पूर्ण
82					5923	0.048	0.0196	आंशिक
83					5922	0.050	0.0203	आंशिक
84					5931	0.092	0.0374	आंशिक
85					5933	0.102	0.0412	आंशिक
86					6162	0.111	0.0451	आंशिक
87					6167	0.11	0.0445	पूर्ण
88					6168	0.215	0.0868	आंशिक
89					6166	0.50	0.2024	पूर्ण
90					6165	0.33	0.1336	पूर्ण
91					6163	0.065	0.0261	आंशिक
92					6164	0.049	0.0196	आंशिक
93					6156	0.102	0.0414	आंशिक
94					6155	0.097	0.0392	आंशिक
95					6154	0.204	0.0824	आंशिक
96					6195	0.130	0.0526	पूर्ण
97					6194	0.100	0.0407	आंशिक
98	नवादा	वारसलीगंज	बहरावां चादर न.-03	467	6199	0.113	0.0459	आंशिक
99					6196	0.120	0.0486	पूर्ण
100					6197	0.13	0.0526	पूर्ण
101					6198	0.13	0.0526	पूर्ण
102					6153	0.201	0.0813	आंशिक
103					6205	0.382	0.1546	आंशिक
104					6206	0.182	0.0735	आंशिक
105					6144	0.290	0.1174	आंशिक
106					6210	0.086	0.0349	आंशिक
107					6207	0.13	0.0526	पूर्ण
108					6209	0.113	0.0456	आंशिक
109					6208	0.12	0.0486	पूर्ण
110					6143	0.223	0.0902	आंशिक
111					6221	0.135	0.0546	आंशिक
112					6299	0.595	0.2406	आंशिक
113					6305	0.056	0.0228	आंशिक
114					6301	0.034	0.0137	आंशिक
115					6300	1.008	0.4081	आंशिक
116					6359	0.066	0.0269	आंशिक
117					6360	0.081	0.0328	आंशिक
118					6363	1.560	0.6312	आंशिक
119					6362	0.129	0.0520	आंशिक
120					6358	0.258	0.1043	आंशिक
121					6342	0.008	0.0032	आंशिक
122					6343	0.112	0.0453	आंशिक
123					6346	0.072	0.0290	आंशिक
124					6347	0.087	0.0353	आंशिक
125					6348	0.324	0.1309	आंशिक
126	नवादा	वारसलीगंज	बहरावां चादर नं.-03	467	6352	0.251	0.1017	आंशिक
127					6353	0.303	0.1227	आंशिक
128					6354	0.328	0.1326	आंशिक
129					6357	0.297	0.1204	आंशिक
130					6152	0.001	0.0002	आंशिक
1	नवादा	वारसलीगंज	बहरावां चादर नं.-01	466	1073	0.087	0.0353	आंशिक
2					1077	0.065	0.0263	आंशिक
3					1078	0.037	0.0151	पूर्ण
4					1080	0.09	0.0364	पूर्ण
5					1079	0.047	0.0191	पूर्ण
6					1081	0.009	0.0036	आंशिक
7					6420	0.036	0.0146	आंशिक
8					1083	0.026	0.0107	आंशिक
9	नवादा	वारसलीगंज	बहरावां चादर न.-01	466	1084	0.625	0.2529	पूर्ण
10					1085	0.009	0.0036	आंशिक
11					1086	0.008	0.0034	आंशिक
12					1108	0.371	0.1500	आंशिक
13					1105	0.16	0.0648	पूर्ण
14					1106	0.168	0.0681	पूर्ण
15					1107	0.053	0.0213	पूर्ण
16					1109	0.109	0.0441	आंशिक
17					1110	0.109	0.0440	आंशिक
18					1111	0.076	0.0310	पूर्ण
19					1104	0.394	0.1595	आंशिक
20					1090	0.037	0.0151	आंशिक
21					1103	0.008	0.0031	आंशिक
22					1113	0.096	0.0389	पूर्ण
23					1114	0.093	0.0375	आंशिक
24					1121	0.160	0.0647	आंशिक
25					1120	0.077	0.0311	पूर्ण
26					1118	0.130	0.0528	पूर्ण
27					1119	0.142	0.0573	पूर्ण
28					1117	0.166	0.0670	आंशिक
29					1135	0.296	0.1196	आंशिक
30					1134	0.135	0.0548	पूर्ण
31					1133	0.108	0.0435	पूर्ण
32					1132	0.078	0.0317	आंशिक
33	नवादा	वारसलीगंज	बहरावां चादर नं.-01	466	1147	0.120	0.0486	पूर्ण
34					1148	0.102	0.0412	आंशिक
35					1149	0.028	0.0111	आंशिक
36					1146	0.295	0.1194	पूर्ण
37					1140	0.027	0.0111	आंशिक
38					1141	0.095	0.0383	पूर्ण
39					1139	0.083	0.0337	आंशिक
40					1142	0.040	0.0163	आंशिक
41					1143	0.312	0.1264	आंशिक
42					1145	0.160	0.0648	आंशिक
43					1144	0.035	0.0140	आंशिक
44					1178	0.001	0.0003	आंशिक
45					1175	0.120	0.0485	आंशिक
46					1176	0.190	0.0768	पूर्ण
47					1177	0.119	0.0482	आंशिक
48					1199	0.052	0.0212	आंशिक
49					1198	0.138	0.0558	पूर्ण
50					1195	0.113	0.0459	आंशिक
51					1200	0.008	0.0031	आंशिक
52					1197	0.024	0.0095	पूर्ण
53					1196	0.014	0.0055	पूर्ण
54					1194	0.002	0.0010	आंशिक
55					1201	0.026	0.0105	आंशिक
56					1202	0.044	0.0178	पूर्ण
57					1203	0.115	0.0466	आंशिक
58					1205	0.060	0.0244	आंशिक
59					1204	0.162	0.0656	पूर्ण
60					1192	0.010	0.0039	आंशिक
61					1394	0.084	0.0338	आंशिक
62						0.024	0.0097	पूर्ण
63						0.015	0.0062	पूर्ण
64					1188	0.004	0.0016	आंशिक
65					1187	0.004	0.0015	आंशिक
66					1393	0.001	0.0005	आंशिक
67					1395	0.263	0.1064	आंशिक
68	नवादा	वारसलीगंज	बहरावां चादर न.-01	466	1610	0.432	0.1747	आंशिक
69					1186	0.020	0.0080	आंशिक
70					1396	0.063	0.0255	आंशिक
71					1400	0.028	0.0113	आंशिक
72					1397	0.179	0.0723	पूर्ण
73					1611	0.050	0.0201	आंशिक
74					1614	0.091	0.0369	आंशिक
75					1399	0.004	0.0015	आंशिक
76					1398	0.100	0.0403	आंशिक
77					1615	0.056	0.0228	आंशिक
78					1411	0.159	0.0644	आंशिक
79					1616	0.078	0.0315	आंशिक
80					1617	0.173	0.0700	आंशिक
81					1622	0.151	0.0611	आंशिक
82					1623	0.160	0.0648	आंशिक
83					1626	0.151	0.0612	आंशिक
84					1627	0.253	0.1025	आंशिक
85					1628	0.143	0.0580	आंशिक
86					1629	0.196	0.0792	आंशिक
87					1634	0.053	0.0213	आंशिक
88					1635	0.388	0.1572	आंशिक
89					1650	0.827	0.3348	आंशिक
90					1649	0.031	0.0127	आंशिक
91					1652	0.153	0.0618	आंशिक
92					1651	0.054	0.0219	आंशिक
93					1773	0.256	0.1035	आंशिक
94	नवादा	वारसलीगंज	बहरावां चादर नं.-01	466	1776	0.705	0.2852	आंशिक
95					1777	0.960	0.3885	आंशिक
96					1112	0.078	0.0316	पूर्ण
97					1115	0.074	0.0300	पूर्ण
98					1116	0.027	0.0109	आंशिक
99					1769	0.003	0.0012	आंशिक

[फा. सं. DCE/C/RGD/20A/NAWADA]
राजीव गुप्ता, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण/दक्षिण

पीआर/0671/आरजीडी/राजपत्र/एन/26-27/4158

बिहार सरकार
सामान्य प्रशासन विभाग

-: प्रेस विज्ञप्ति :-

बिहार लोक सेवा आयोग 70वीं संयुक्त परीक्षा से चयनित अभ्यर्थियों के बिपार्ड, गया/पटना में योगदान करने से संबंधित सूचना

बिहार लोक सेवा आयोग (BPSC) के एकीकृत 70वीं संयुक्त परीक्षा से चयनित अभ्यर्थियों के प्रमाण पत्रों का सत्यापन (Document Verification) की कार्रवाई दिनांक-27 से 31 जुलाई, 2026 तक बिपार्ड, पटना/गया में सम्पादित किया जा चुका है।

बिहार लोक सेवा आयोग (BPSC) के एकीकृत 70वीं संयुक्त परीक्षा से चयनित वैसे सभी अभ्यर्थी, जिनके प्रमाण पत्रों का सत्यापन किया जा चुका है, को दिनांक-12.08.2026 को पूर्वाह्न 09:30 बजे निम्नांकित तालिका के अनुसार बिपार्ड, गया/पटना में योगदान किया जाना है :-

क्रम संo	पदनाम	विभाग का नाम	योगदान स्थल
1	बिहार प्रशासनिक सेवा	सामान्य प्रशासन विभाग	बिपार्ड, गया
2	बिहार पुलिस सेवा (पुलिस उपाधीक्षक)	गृह विभाग(आरक्षी शाखा)	बिपार्ड, गया
3	जिला समादेष्टा	गृह विभाग(विशेष शाखा)	बिपार्ड, गया
4	काराधीक्षक	गृह विभाग(कारा)	बिपार्ड, गया
5	अवर निबंधक	मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग	बिपार्ड, गया
6	नियोजन पदाधिकारी/जिला नियोजन पदाधिकारी	श्रम संसाधन विभाग (नियोजन पक्ष)	बिपार्ड, गया
7	ग्रामीण विकास पदाधिकारी	ग्रामीण विकास विभाग	बिपार्ड, गया
8	राजस्व पदाधिकारी	राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग	बिपार्ड, गया
9	श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी	श्रम संसाधन विभाग (श्रम पक्ष)	बिपार्ड, गया
10	प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी	पंचायती राज विभाग	बिपार्ड, गया
11	आपूर्ति निरीक्षक	खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग	बिपार्ड, गया
12	प्रखंड अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी	अल्पसंख्यक कल्याण विभाग	बिपार्ड, गया
13	प्रोबेशन पदाधिकारी	गृह विभाग(कारा)	बिपार्ड, गया
14	सहायक निबंधक, सहयोग समितियाँ	सहकारिता विभाग	बिपार्ड, गया
15	जिला अंकेक्षण पदाधिकारी	सहकारिता विभाग	बिपार्ड, गया
16	राज्य-कर सहायक आयुक्त	वाणिज्य-कर विभाग	बिपार्ड, पटना
17	अवर निर्वाचन पदाधिकारी	निर्वाचन विभाग	बिपार्ड, पटना
18	बिहार शिक्षा सेवा	शिक्षा विभाग	बिपार्ड, पटना
19	सहायक निदेशक (सामाजिक सुरक्षा कोषांग)	समाज कल्याण विभाग	बिपार्ड, पटना
20	सहायक निदेशक (सहायक निदेशक निःशक्तता सशक्तिकरण कोषांग)	समाज कल्याण विभाग	बिपार्ड, पटना
21	सहायक निदेशक (बाल संरक्षण इकाई)	समाज कल्याण विभाग	बिपार्ड, पटना
22	जिला अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी	अल्पसंख्यक कल्याण विभाग	बिपार्ड, पटना
23	ईख पदाधिकारी	गन्ना उद्योग विभाग	बिपार्ड, पटना
24	सहायक योजना पदाधिकारी/सहायक निदेशक	योजना एवं विकास विभाग	बिपार्ड, पटना
25	अपर जिला परिवहन पदाधिकारी	परिवहन विभाग	बिपार्ड, पटना
26	नगर कार्यपालक पदाधिकारी	नगर विकास एवं आवास विभाग	बिपार्ड, पटना
27	प्रखंड अनु० जाति एवं अनु० जनजाति कल्याण पदाधिकारी	अनु० जाति एवं अनु० जनजाति कल्याण विभाग	बिपार्ड, पटना
28	वित्तीय प्रशासनिक पदाधिकारी	वित्त विभाग	बिपार्ड, पटना
29	बाल विकास परियोजना पदाधिकारी	समाज कल्याण विभाग	बिपार्ड, पटना

इस प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बिहार लोक सेवा आयोग (BPSC) के एकीकृत 70वीं संयुक्त परीक्षा से चयनित वैसे सभी अभ्यर्थी, जिनके प्रमाण पत्रों का सत्यापन किया जा चुका है, को सूचित किया जाता है कि दिनांक-12.08.2026 को पूर्वाह्न 09:30 बजे बिपार्ड, गया/पटना में योगदान करना सुनिश्चित करें।

विस्तृत जानकारी state.bihar.gov.in/prdbihar पर भी देखी जा सकती है।

PR- 009543 (G A D) 2026-27

(सत्येन्द्र कुमार सिंह)
सरकार के संयुक्त सचिव

नशे की मार, बर्बाद करे पूरा परिवार।

बिहार सरकार
जिला सैनिक कल्याण कार्यालय
सारण, छपरा – 841301

प्रेस विज्ञप्ति

जिला सैनिक कल्याण कार्यालय, सारण, छपरा के परिसर में अवस्थित दुकान संख्या 05 तथा 09 और 10 (संयुक्त) का आवंटन करने के संबंध में। (सिर्फ युद्ध विधवा/ड्यूटी के दौरान मारे गए रक्षा कर्मियों की विधवा/सैन्य सेवा के कारण विकलांग सैनिक/भूतपूर्व सैनिक जिसमें सैन्य सेवा के कारण बढ़ी हुई विकलांगता भी शामिल हो/पूर्व सैनिकों की विधवाओं के लिए)

01. दुकान संख्या 05 तथा 09 और 10 (संयुक्त) का आवंटन इस प्रकार होना है :-
(क) दुकान संख्या 05 – सी.एस.सी. के लिए (आधार कार्ड बनाने इत्यादि), जो पूर्व सैनिक अथवा वीर नारी/विधवा ने सी.एस.सी. पर पंजीकरण कराया हुआ है अथवा आवेदन दिया है।
(ख) दुकान संख्या 09 एवं 10 (संयुक्त) – इलेक्ट्रॉनिक्स सामान (AFD Items) के लिए जो कार्यरत सैनिकों/पूर्व सैनिकों को सी.एस.डी. दर पर बेचा जाएगा।

02. बंद लिफाफे में आवेदन के साथ बोली की रकम का जिक्र होना चाहिए। दुकान संख्या 05 के लिए कम से कम बोली का दर ₹15,000/- (पन्द्रह हजार रूपयें) मात्र होगा। दुकान संख्या 09 एवं 10 (संयुक्त रूप से) के लिए बोली कम से कम ₹30,000/- (तीस हजार रूपयें) मात्र होगा। आवेदन में दुकान संख्या 05 या 09 एवं 10 (संयुक्त) के लिए आवेदन है, वह स्पष्ट रूप से अंकित होना चाहिए। दुकान संख्या 09 एवं 10 का आवेदन संयुक्त रूप में होना चाहिए। एक आवेदक एक से ज्यादा दुकान के लिए आवेदन अलग-अलग दे सकते हैं। परन्तु ज्यादा से ज्यादा एक व्यक्ति को सिर्फ एक ही दुकान आवंटित किया जाएगा।

03. न्यूनतम किराया – दुकान के आकार के हिसाब से एवं अनुमण्डल पदाधिकारी, सदर, छपरा द्वारा निर्धारित दर पर दुकानों का किराया भुगतेय होगा।

04. यह गैर-सैनिकों एवं कार्यरत सैनिकों के लिए नहीं है एवं वैसे पूर्व सैनिक जो पहले से दुकान चला रहे हैं और अभी तक दुकान खाली नहीं किये हैं, उनका भी आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। दोनों दुकान का आवंटन अलग-अलग प्राथमिकता एवं सबसे अधिक बोली की रकम जो बंद लिफाफे में लिखा होगा, उसके आधार पर होगा। यदि एक ही प्राथमिकता के दो लोग से अगर समान रकम का प्रस्ताव प्राप्त होता है, तो उस परिस्थिति में आवेदक के सेवा अभिलेख के अनुसार जिनकी उम्र ज्यादा होगी, उन्हें ही दुकान आवंटित किया जाएगा। यह रकम Non-refundable होगी तथा खुली बोली का प्रावधान नहीं है।

05. निविदा पेटी में आवेदन के साथ ₹1,000/- (एक हजार रूपयें) मात्र का डिमान्ड ड्राफ्ट ZILA SAINIK KALYAN PADADHIKARI के नाम से बंद लिफाफे में भी देना अनिवार्य है, अन्यथा समिति के द्वारा आवेदन अस्वीकार कर दिया जाएगा।

दुकानें इस प्राथमिकता क्रम में आरक्षित रहेंगी।
प्राथमिकता-01, युद्ध विधवा/ड्यूटी के दौरान मारे गये रक्षा कर्मियों की विधवा।
प्राथमिकता-02, विकलांग सैनिक (सैन्य सेवा के कारण विकलांगता)।
प्राथमिकता-03, भूतपूर्व सैनिक (इनमें सैन्य सेवा के कारण बढ़ी हुई विकलांगता भी शामिल है)।
प्राथमिकता-04, भूतपूर्व सैनिकों की विधवा।

06. बंद लिफाफे में अपना आवेदन नीचे दिए गए निम्नलिखित दस्तावेजों के साथ दिनांक-12 अगस्त 2026 से 12 सितम्बर 2026 को 05:00 बजे अपराह्न तक कार्यालय के निविदा पेटी में प्राप्त होने पर आवेदन स्वीकार किया जाएगा। दिनांक-12 सितम्बर 2026 को 05:00 बजे अपराह्न के बाद आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। लिफाफे के उपर अपनी कोटि (Category) के अनुसार प्राथमिकता और दुकान संख्या स्पष्ट रूप से अंकित होना चाहिए, जो निम्नवत् रूप से प्रदर्शित होगी :-

(दुकान सं0 – .... प्राथमिकता – ....)

प्रेषक,
सैन्य सं0– ....
रैंक – ....
नाम – ....
पता – ....
मो0 सं0 – ....

सेवा में,
जिला सैनिक कल्याण पदाधिकारी
जिला सैनिक कल्याण कार्यालय,
सारण, छपरा (बिहार)
पिन कोड – 841301
दूरभाष सं0 – 06152-296714

07. आवेदन के साथ संलग्न दस्तावेज निम्नलिखित है :-
(क) पूर्व सैनिक/विधवा परिचय पत्र (जिला सैनिक कल्याण कार्यालय, सारण, छपरा द्वारा निर्गत)।
(ख) सी.एस.सी. पंजीकरण विवरणी अभिप्रमाणित (सिर्फ दुकान संख्या 05 के लिए)।
(ग) आधार कार्ड की छायाप्रति अभिप्रमाणित।
(घ) सेवा पुस्तिका/विवरणी की छायाप्रति अभिप्रमाणित।
(ङ) Battle Casualty/Physical Casualty/Disability Certificate की छायाप्रति अभिप्रमाणित।

नोट :- अधिक जानकारी के लिए जिला सैनिक कल्याण कार्यालय, सारण, छपरा से सम्पर्क करें। निविदा दिनांक 15 सितम्बर 2026 को 12:00 बजे अपराह्न में जिला सैनिक कल्याण कार्यालय, सारण, छपरा में आवेदकों/आवेदिकाओं की उपस्थिति में समिति के द्वारा आवेदन खोला जाएगा।

PR. No. 009422 (Home (Jail) 2026-27

जिला सैनिक कल्याण पदाधिकारी
सारण, छपरा

उक्त सूचना www.state.bihar.gov.in/prdbihar पर भी देखी जा सकती है।

यौन जनित रोग छुपाओ नहीं ईलाज कराओ,
खुद के साथ अपने जीवन साथी को भी सुरक्षित करें।

सेंसेक्स 78,499.17 ↓455.59 | सराफा: सोना ₹1,54,000 10 ग्राम ↑₹200 | चांदी ₹2,34,800 एक किलो (बदलाव नहीं) | डालर ($) ₹95.20 ↓₹0.02

एक नजर में

विदेशी मुद्रा भंडार में 10.5 अरब डालर की बढ़ोतरी

मुंबई: बीते सप्ताह देश के विदेशी मुद्रा भंडार में 10.512 अरब डालर की बढ़ोतरी हुई है और अब कुल विदेशी मुद्रा भंडार 692.866 अरब डालर हो गया है। आरबीआइ के अनुसार, 31 जुलाई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा आस्तियां 8.75 अरब डालर बढ़कर 564.68 अरब डालर पर पहुंच गईं। इसी तरह, स्वर्ण भंडार 1.685 अरब डालर बढ़कर 104.743 अरब डालर पहुंच गया है। इससे पिछले सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 6.118 अरब डालर बढ़कर 682.354 अरब डालर पर पहुंच गया था। (प्रेट्र)

हिंडाल्को इंडस्ट्रीज का शुद्ध लाभ 75 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली: हिंडाल्को इंडस्ट्रीज ने शुक्रवार को बताया कि अप्रैल-जून 2026 तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 75 प्रतिशत बढ़कर 7,013 करोड़ रुपये रहा है। इसमें एल्युमिनियम और तांबे क्षेत्रों से ज्यादा आय का प्रमुख योगदान रहा है। अप्रैल-जून 2025 के दौरान कंपनी को 4,004 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। बीती तिमाही के दौरान कंपनी की कुल आय बढ़कर 85,882 करोड़ रुपये रही है, जो पिछले वर्ष समान अवधि में 64,834 करोड़ रुपये थी। (प्रेट्र)

पालीसिलिकान उत्पादन को आएगी प्रोत्साहन योजना

नई दिल्ली: नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय पालीसिलिकान की घरेलू मैन्यूफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन योजना लाने पर विचार कर रहा है। इसका उद्देश्य आयात खासतौर पर चीन पर निर्भरता घटाना है। सीआइआइ के एक कार्यक्रम में नवीकरणीय ऊर्जा सचिव संतोष कुमार सारंगी ने कहा कि भारत आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा नवीकरणीय ऊर्जा बाजार बन गया है। जुलाई के अंत में गैर-जीवाश्म ईंधन पर आधारित बिजली उत्पादन क्षमता 300 गीगावाट के पार पहुंच गई है और 2030 तक इसे 500 गीगावाट पर पहुंचाना है। (प्रेट्र)

डीआइआइ ने किया 8.40 लाख करोड़ का निवेश

सेबी रिपोर्ट: वित्त वर्ष 2025-26 में एफपीआइ ने भारतीय शेयर बाजार से 1.80 लाख करोड़ निकाले

- घरेलू संस्थागत निवेश में म्यूचुअल फंड का बड़ा हिस्सा, 6.40 लाख करोड़ रुपये का योगदान दिया
- कारपोरेट इंडिया ने सार्वजनिक शेयर बिक्री प्रस्ताव के जरिये रिकार्ड 2.35 लाख करोड़ रुपये जुटाए

17% के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचा सूचीबद्ध कंपनियों में डीआइआइ का हिस्सा

15.8% पर 15 साल के निचले स्तर पर आ गई एफपीआइ की हिस्सेदारी

नई दिल्ली, आइएएनएस: सेबी का सालाना रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 में घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआइआइ) देश के शेयर बाजार के एक अहम स्तंभ के तौर पर उभरे हैं। इस दौरान उन्होंने रिकार्ड 8.5 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया और यह इस दौरान विदेशी पोर्टफोलियो (एफपीआइ) द्वारा 1.80 लाख करोड़ रुपये की निकासी की तुलना में बहुत ज्यादा है। घरेलू भागीदारी बढ़ने से नेशनल स्टाक एक्सचेंज (एनएसई) में सूचीबद्ध कंपनियों में डीआइआइ की हिस्सेदारी बढ़कर 17 प्रतिशत के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गई है। जबकि एफपीआइ की हिस्सेदारी 15 साल के निचले स्तर 15.8% पर आ गई।

घरेलू संस्थागत निवेश में म्यूचुअल फंड का बड़ा हिस्सा रहा और उन्होंने लगभग 6.4 लाख करोड़ रुपये का योगदान दिया। इसे एसआइपी में होने वाले निवेश और बढ़ती घरेलू भागीदारी से समर्थन मिला। यह ट्रेंड निवेशकों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी के बीच देखने को मिला। पिछले वित्त वर्ष के दौरान डीमैट अकाउंट की संख्या बढ़कर 22.50 करोड़ हो गई, जो घर बैठे निवेश की सुविधा और बाजार तक आसान पहुंच के चलते व्यापक भागीदारी को दर्शाता है। सेबी की रिपोर्ट में भारत के पूंजी बाजार की बढ़ती गहराई पर जोर दिया गया है।

257 कंपनियों ने एसएमई प्लेटफार्म के जरिये पूंजी जुटाई

कारपोरेट इंडिया ने सार्वजनिक शेयर बिक्री प्रस्ताव के जरिये रिकार्ड 2.35 लाख करोड़ रुपये जुटाए। इसमें आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आइपीओ), फालो-आन पब्लिक आफर और राइट्स इश्यू शामिल हैं, जो पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले 11.7 प्रतिशत ज्यादा है। इसके अलावा, वित्त वर्ष 2025-26 में रिकार्ड 257 कंपनियों ने पूंजी जुटाने के लिए एसएमई प्लेटफार्म का इस्तेमाल किया और 11,587 करोड़ रुपये जुटाए, जबकि राइट्स इश्यू के जरिये जुटाई गई पूंजी 134.2 प्रतिशत बढ़कर 46,168 करोड़ रुपये हो गई।

तरजीह आवंटन से जुटाए गए फंड में 76.3 प्रतिशत की वृद्धि

तरजीह आधार पर आवंटन के जरिये जुटाए गए फंड में 76.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और यह 1.49 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि शेयर बायबैक 143.6 प्रतिशत बढ़कर 19,238 करोड़ रुपये हो गया, जिसमें कंपनियों ने अपने लगभग पूरे आफर आकार का इस्तेमाल किया। इसके अलावा, डेट मार्केट में भी जबरदस्त गतिविधि देखी गई, जिसमें सार्वजनिक डेट इश्यू के जरिये संसाधन जुटाने में 39.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और यह 11,343 करोड़ रुपये हो गया।

बिजनेस से जुड़ी खबरों और अपडेट के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

ज्यादा ब्याज आय से एसबीआइ का शुद्ध लाभ 14 प्रतिशत बढ़ा

- अप्रैल-जून 2026 तिमाही में सरकारी बैंक को 24,113 करोड़ रुपये का लाभ हुआ
- बीती तिमाही में बैंक की ब्याज से आय 15 प्रतिशत बढ़कर 46,992 करोड़ रुपये रही

मुंबई, प्रेट्र: देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक एसबीआइ ने शुक्रवार को बताया कि अप्रैल-जून 2026 तिमाही के दौरान उसका समेकित शुद्ध लाभ 13.73 प्रतिशत बढ़कर 24,113 करोड़ रुपये रहा है। इसमें ज्यादा ब्याज आय और फंसे कर्ज के लिए कम प्रोविजन का प्रमुख योगदान रहा है। वहीं, एकल आधार पर बैंक का शुद्ध लाभ वार्षिक आधार पर 10.23 प्रतिशत बढ़कर 21,121.22 करोड़ रुपये रहा है, जो पिछले वर्ष समान अवधि में 19,160.44 करोड़ रुपये था।

बैंक ने बताया कि बीती तिमाही में उसकी ब्याज से शुद्ध आय करीब 15 प्रतिशत बढ़कर 46,992 करोड़ रुपये रही। वहीं, गैर-ब्याज आय नौ प्रतिशत घटकर 15,293 करोड़ रुपये रही है। इसका कारण विदेशी मुद्रा या डेरिवेटिव्स आय में 70 प्रतिशत की गिरावट रही है। बैंक की जमा में वृद्धि 9.73 प्रतिशत रही है। बैंक के चेयरमैन सीएस शेट्टी ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में हमने कर्ज वितरण में 14-15 प्रतिशत की वृद्धि का लक्ष्य रखा है। बैंक ने एफसीएनआर (बी) जमा योजना के तहत अब तक छह अरब डालर जुटाए हैं और इसके सितंबर में 10 अरब डालर पहुंचने की उम्मीद है। शुक्रवार को बैंक के शेयर बीएसई में 1.03 प्रतिशत बढ़कर 1,096.05 रुपये प्रति इकाई पर बंद हुए।

जुलाई में शाकाहारी थाली चार प्रतिशत महंगी हुई

मुंबई, प्रेट्र: जुलाई में घर पर बनी शाकाहारी थाली की कीमत पिछले साल के मुकाबले चार प्रतिशत महंगी रही। शाकाहारी थाली की औसत कीमत इसलिए बढ़ी क्योंकि प्याज की कीमतें एक साल पहले की तुलना में 20 प्रतिशत बढ़ गईं, जबकि वनस्पति तेल और एलपीजी सिलिंडर की कीमत में क्रमशः 11 प्रतिशत और 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। चिकन के दाम में भारी बढ़ोतरी से पिछले महीने मांसाहारी थाली नौ प्रतिशत महंगी हो गई।

क्रिसिल इंटेलिजेंस ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि मांसाहारी थाली के मामले में प्याज और कुकिंग गैस की कीमतों के अलावा ब्रायलर चिकन में 14 प्रतिशत की बढ़ोतरी के कारण कीमत में ज्यादा उछाल आया। मांसाहारी भोजन की कुल लागत में ब्रायलर का हिस्सा लगभग आधा होता है। शाकाहारी थाली की कीमतों में वृद्धि को आलू और टमाटर की कीमतों में गिरावट से कुछ हद तक कम किया गया।

जुलाई में रिकार्ड 3.28 लाख इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री

- जुलाई 2025 की तुलना में पिछले महीने 66 प्रतिशत ज्यादा ईवी की बिक्री हुई
- इलेक्ट्रिक दोपहिया की बिक्री जुलाई 2026 में 88 प्रतिशत बढ़कर 2,04,362 इकाई रही

नई दिल्ली, प्रेट्र: इस वर्ष जुलाई में देश में 3,27,901 इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की बिक्री हुई है, जो एक नया मासिक रिकार्ड है। इसमें जुलाई 2025 की तुलना में 66 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। फेडरेशन आफ आटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के अनुसार, अब लगभग हर आठ में से एक इलेक्ट्रिक वाहन की बिक्री हो रही है।

फाडा के अनुसार, जून 2026 में रिकार्ड 3,06,220 इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री हुई थी और इसमें वार्षिक आधार पर 63 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी। पिछले महीने ईवी की बिक्री में दोपहिया का सबसे अधिक 2,04,362 इकाई का योगदान रहा है। इसमें जुलाई 2025 की 1,08,516 इकाई की तुलना में 88.32 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इसी तरह, इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री पिछले महीने 83.13 प्रतिशत बढ़कर 32,928 इकाई रही है। जुलाई 2025 में 17,981 इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों की बिक्री हुई थी। तीन पहिया श्रेणी में पिछले महीने कुल खुदरा बिक्री 87,055 इकाई रही है, जो जुलाई 2025 की 69,477 इकाई से 25.3 प्रतिशत ज्यादा है। इलेक्ट्रिक वाणिज्यिक वाहनों की खुदरा बिक्री जुलाई 2025 की 1,324 इकाई की तुलना में पिछले महीने 168.6 प्रतिशत बढ़कर 3,556 इकाई रही है। फाडा के वाइस प्रेसिडेंट साई गिरिधर ने कहा कि यह एक माह में ईवी की सबसे अधिक बिक्री है।

ई-श्रम पोर्टल से रोजगार, कौशल विकास योजनाओं का उठाएं लाभ

31.82 करोड़ कामगार पंजीकृत हैं इस पोर्टल पर तीन अगस्त 2026 तक

असंगठित क्षेत्र के कामगारों का राष्ट्रीय डाटाबेस बनाने और उन्हें विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने 26 अगस्त 2021 को ई-श्रम पोर्टल लांच किया था। आज इस पोर्टल से केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों की योजनाएं जुड़ चुकी हैं। इससे कामगार एक ही प्लेटफार्म से इन योजनाओं का लाभ ले सकते हैं। आइए जानते हैं इस पोर्टल के बारे में...

ई-श्रम पोर्टल से जुड़े कई विभाग

कामगारों की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं तक पहुंच को आसान बनाने के लिए श्रम मंत्रालय ने 21 अक्टूबर 2024 को ई-श्रम पोर्टल पर 'वन स्टाप साल्यूशन' पहल की शुरुआत की थी। इस पहल के तहत विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को ई-श्रम पोर्टल से जोड़ा गया है। इस पोर्टल पर पंजीकरण के बाद कामगारों को एक यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (यूएएन) दिया जाता है।

इन योजनाओं का लाभ ले सकते हैं कामगार

- प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि)
- प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई)
- प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई)
- विकसित भारत-गारंटी फार रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जीरामजी)
- प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी)
- प्रधानमंत्री आवास योजना- शहरी (पीएमएवाई-यू)
- प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई)
- आयुष्मान भारत- प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई)
- प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान)
- वन नेशन वन राशन कार्ड (ओएनओआरसी)
- प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना (पीएमएमवीवाई)
- नेशनल करियर सर्विस (एनसीएस)
- स्किल इंडिया डिजिटल हब (एसआइडीएच)
- प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन (पीएम-एसवाईएम)

कौन करा सकता है पंजीकरण

- आवेदक की आयु 16-59 वर्ष के बीच होनी चाहिए और आयकर देने वाला न हो।
- वह असंगठित क्षेत्र में काम करने वाला होना हो। इसमें खुद का काम करने वाले, दिहाड़ी मजदूर, घर से काम करने वाले, और गिग वर्कर शामिल हैं।
- कामगार के पास आधार कार्ड, आधार से जुड़ा एक वैध मोबाइल नंबर और बैंक खाता होना चाहिए।
- आवेदन करने वाला कर्मचारी भविष्य निधि संगठन या कर्मचारी राज्य बीमा निगम का सदस्य नहीं होना चाहिए।

ऐसे कराएं पंजीकण

कामगार ई-श्रम पोर्टल या मोबाइल एप के जरिये खुद पंजीकरण कर सकते हैं। इसके अलावा, कामन सर्विस सेंटर (सीएससी), राज्य सेवा केंद्र (एसएसके) और उमंग प्लेटफार्म के जरिये भी ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकरण किया जा सकता है। आधार-आधारित सत्यापन सफल होने के बाद ही पंजीकरण पूरा होता है।

जागरण इन्फो

अंतरराष्ट्रीय जागरण

अखिलेश को उत्तर प्रदेश में चाहिए प्रशांत किशोर का फार्मूला

अरविंद शर्मा • जागरण

नई दिल्ली: राजनीति में संकेत अक्सर औपचारिक घोषणाओं से पहले दिख जाते हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए नए सामाजिक समीकरण की तलाश तेज कर दी है। उन्होंने जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर से संपर्क कर सहयोग मांगा है। पीडीए की नई परिभाषा गढ़ने के बाद इसे सिर्फ चुनावी मशवरा लेने की कोशिश नहीं, बल्कि नया नैरेटिव तैयार करने की कवायद माना जा रहा है। बिहार के बांकीपुर में भाजपा के अपराजेय गढ़ को ध्वस्त कर प्रशांत किशोर ने जिस तरह का चुनावी माडल पेश किया है, उसने विपक्षी दलों का ध्यान खींचा है।

सूत्रों के अनुसार, अखिलेश यादव ने प्रशांत किशोर से फोन पर बात कर उत्तर प्रदेश में साथ काम करने की संभावनाओं पर चर्चा की है। प्रारंभिक बातचीत सकारात्मक मानी जा रही है। यदि संवाद आगे बढ़ता है तो यह सिर्फ प्रशांत किशोर का रणनीतिक सहयोग नहीं होगा, बल्कि सपा की राजनीतिक सोच में भी बदलाव का संकेत माना जाएगा। दरअसल, बिहार और उत्तर प्रदेश के पिछले कुछ चुनावों ने स्पष्ट कर दिया है कि केवल परंपरागत वोट बैंक के भरोसे सत्ता तक पहुंचना आसान नहीं रह गया है। राजद को मुस्लिम-यादव (माय) समीकरण तक सीमित रहने की कीमत चुकानी पड़ी है। तेजस्वी यादव के इस हश्र से सबक लेते हुए, अखिलेश अपने आधार का विस्तार करना चाहते हैं। इसी उद्देश्य से उन्होंने पीडीए की परिभाषा में पंडित को शामिल किया। साफ है कि उनकी नजर सवर्ण वोटरों पर भी है। जनेश्वर मिश्र की जयंती को बड़े स्तर पर मनाना भी इसी रणनीति का संकेत है। प्रशांत किशोर का चुनावी माडल यहीं पर अखिलेश के लिए महत्वपूर्ण हो जाता है। बांकीपुर में उन्होंने चुनाव को केवल जातीय गणित तक सीमित नहीं रहने दिया। रोजगार, शिक्षा, स्थानीय विकास, भ्रष्टाचार और बेहतर जनप्रतिनिधित्व जैसे मुद्दों को उभारकर ऐसा माहौल बनाया, जिसमें भाजपा का परंपरागत ध्रुवीकरण कमजोर पड़ गया। उत्तर प्रदेश में भी सपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल भाजपा से मुकाबला करना नहीं है। 2024 के बाद के राजनीतिक माहौल में उसे युवाओं, शहरी मध्य वर्ग, पहली बार मतदान करने वाले वोटरों एवं सवर्ण समाज के एक हिस्से तक पहुंच बनानी होगी। इसके लिए जातीय गठजोड़ के साथ ही ऐसा विमर्श भी तैयार करना होगा जो भाजपा के वोट बैंक में सेंध लगा सके। बंगाल चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की हार के बाद उन्होंने प्रशांत किशोर की पूर्व कंपनी आइपैक की सेवाएं लेने से इन्कार कर दिया था। तब सपा बाहरी रणनीतिकारों के बजाय अपने संगठन के दम पर चुनाव लड़ने पर विचार कर रही थी, लेकिन बांकीपुर के नतीजों के बाद परिस्थितियां बदलती दिखाई दे रही हैं। बांकीपुर की जीत ने इस धारणा को भी मजबूत किया है कि अब उन्हें चुनावी रणनीतिकार नहीं, बल्कि जमीन पर चुनाव जीतने की क्षमता रखने वाले विशेषज्ञ नेता के रूप में भी देखा जाने लगा है।

समीकरण की तलाश

- बांकीपुर में भाजपा के अपराजेय गढ़ को ध्वस्त करने वाले प्रशांत किशोर से मांगा सहयोग
- यदि संवाद आगे बढ़ता है तो यह केवल प्रशांत किशोर का रणनीतिक सहयोग नहीं होगा

समुद्र की गहराइयों में बन रहे स्थायी अनुसंधान केंद्र

40 वर्षों बाद अमेरिका में नया अंडरवाटर स्टेशन, 650 फीट गहराई तक बनेगा मानव आवास

जेएनएन, नई दिल्ली: जिस तरह अंतरिक्ष में विज्ञानी लंबे समय तक रहकर शोध कर रहे हैं, अब वैसी ही तैयारी समुद्र की गहराइयों में भी शुरू हो गई है। अमेरिका की कंपनी डीप ने नया अंडरवाटर स्टेशन 'वैनगार्ड' विकसित किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे समुद्री अनुसंधान का नया दौर शुरू हो सकता है। यदि ये परियोजनाएं सफल रहीं तो आने वाले वर्षों में महासागरों के अध्ययन का स्वरूप उसी तरह बदल सकता है, जैसा अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन ने अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में किया है।

सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले चार दशकों में अमेरिका के समुद्री क्षेत्र में यह पहला नया मानव आवास (अंडरवाटर हैबिटैट) है। इससे पहले 'एक्वेरियस' ही दुनिया का प्रमुख सक्रिय अंडरवाटर रिसर्च स्टेशन था, जो 1993 से फ्लोरिडा के समुद्र में काम कर रहा है। वैनगार्ड स्टेशन को फ्लोरिडा कीज नेशनल मरीन सैंक्चुअरी में समुद्र की सतह से लगभग 56 फीट नीचे स्थापित किया गया है। इसमें चार विज्ञानी पांच से सात दिन तक रहकर समुद्र के भीतर ही शोध कर सकेंगे। स्टेशन आधुनिक जीवन-समर्थन प्रणाली, अपशिष्ट प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण तकनीकों से लैस है। इस स्टेशन का पहला उद्देश्य समुद्र में तेजी से नष्ट हो रही कोरल रीफ का अध्ययन और संरक्षण है। बढ़ते समुद्री तापमान के कारण दुनिया भर में कोरल ब्लीचिंग की समस्या बढ़ रही है। विज्ञानी ऐसे मजबूत कोरल की पहचान करेंगे जो बदलती परिस्थितियों में भी जीवित रह सकते हैं और क्षतिग्रस्त रीफ के पुनर्जीवन में मदद कर सकते हैं।

अंडरवाटर स्टेशन का सबसे बड़ा लाभ सैचुरेशन डाइविंग तकनीक है। इसमें विज्ञानी उसी दबाव वाले वातावरण में रहते हैं, जहां वे काम करते हैं। इससे बार-बार सतह पर लौटने और डीकंप्रेशन की जरूरत नहीं पड़ती।

शुभेंदु के निजी सहयोगी की हत्या में सीबीआइ की चार्जशीट में दो भाजपा कार्यकर्ताओं के भी नाम

- सीबीआइ ने 11 आरोपितों के खिलाफ अदालत में दाखिल की चार्जशीट, हत्या मामले में एक आरोपित अब भी फरार

राज्य ब्यूरो, जागरण, कोलकाता: बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के निजी सहयोगी चंद्रनाथ रथ की हत्या मामले में सीबीआइ ने 11 आरोपितों के खिलाफ विशेष अदालत में चार्जशीट दाखिल की है। आरोपितों में भाजपा के दो कार्यकर्ता सागर सोनकर और उनके भाई साहिब सोनकर भी शामिल हैं। एजेंसी ने दोनों को हाल में गिरफ्तार किया था। सीबीआइ का आरोप है कि उन्होंने उत्तर प्रदेश के शूटरों को सुपारी देकर हत्या की साजिश रची। सीबीआइ अब तक छह शूटरों तथा तीन बिचौलियों को गिरफ्तार कर चुकी है। एक आरोपित अभी भी फरार है।

मालूम हो कि चंद्रनाथ की गत छह मई को राज्य के उत्तर 24 परगना जिले के मध्यमग्राम में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। यह घटना विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के दो दिन बाद हुई थी। राज्य सरकार के अनुरोध पर यह मामला बंगाल पुलिस से लेकर सीबीआइ को सौंपा गया था। जांच एजेंसी के अनुसार, चंद्रनाथ की हत्या की साजिश दिसंबर 2025 से रची जा रही थी, लेकिन विभिन्न कारणों से वारदात की तारीख टलती रही। आरोप है कि सागर ने शूटरों की व्यवस्था की। जांच में प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दल के एक पदाधिकारी की भूमिका भी जांच के दायरे में है। सीबीआइ के मुताबिक, सागर वर्ष 2020 तक उसी दल के एक विधायक के यहां कार्यरत था, बाद में भाजपा में शामिल हो गया।

भारत ब्रिक्स करेंसी के पक्ष में नहीं: गोयल

नई दिल्ली, प्रेट्र: वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत ब्रिक्स करेंसी के पक्ष में नहीं है और ऐसी किसी भी योजना को शुरू करने का समर्थन नहीं करता है। ब्रिक्स समूह में दुनिया के 11 बड़े उभरते बाजार और विकासशील देश शामिल हैं। इसमें ब्राजील, चीन, मिस्र, इथियोपिया, भारत, इंडोनेशिया, ईरान, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात हैं। यह वैश्विक और क्षेत्रीय महत्व वाले आज के मुद्दों और वैश्विक राजनीतिक गवर्नेंस के मुद्दों पर परामर्श और समन्वय के लिए एक प्लेटफार्म के तौर पर काम करता है।

रामायणी सम्मान-2026 के लिए 28 विभूतियों के नाम की घोषणा

19 अगस्त को बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में होगा राष्ट्रीय सम्मान समारोह

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: रामायण रिसर्च काउंसिल के तत्वावधान में गोस्वामी तुलसीदासजी की जयंती पर आयोजित होने वाले 'रामायणी सम्मान' के लिए चयनित विभूतियों के नामों की औपचारिक घोषणा कर दी गई। यह सम्मान समारोह 19 अगस्त, 2026 को बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू), वाराणसी स्थित मालवीय मूल्य अनुशीलन केंद्र में भारतीय अध्ययन केंद्र के सहयोग से होगा। रामायणी सम्मान के लिए देशभर के 28 विशिष्ट विभूतियों का चयन किया गया है। काउंसिल के बोर्ड आफ ट्रस्टी के अध्यक्ष व नैनीताल-उधमसिंह नगर से संसद सदस्य अजय भट्ट ने बताया कि इस सम्मान का उद्देश्य नई पीढ़ी को रामायण साहित्य व भारतीय संस्कृति से जोड़ना है। रामायणी सम्मान के संयोजक व काउंसिल के ट्रस्टी डा. देव दत्त शर्मा ने कहा कि सम्मान के लिए कुल सात श्रेणियां रखी गई हैं, जिनमें रामायण शोध, रामकथा वाचन, रामायण साहित्य, रामायण संगीत, बाल रामायणी, राष्ट्रसेवा रामायणी और श्रीसीताराम-पथिक सम्मान हैं।

रामायणी सम्मान पाने वाले विशिष्ट जन

अनुप जलोटा (भजन-सम्राट), अनुराधा पौडवाल (गायिका), आर.के. सिन्हा, (बिहार), स्व. किशोर कुणाल-पटना (मरणोपरांत), डा. अर्चना प्रकाश (लखनऊ), भगवान दास (दिल्ली), डा. उदय प्रताप सिंह (वाराणसी), डा. अवधि हरि (लखनऊ), योगेश्वर प्रसाद देवरानी (नैनीताल), आदित्य जैन नीमच, (मध्य प्रदेश), अभय माणके (इंदौर), संत हरिओम (हाथरस), नरेंद्रनाथ गगन (बिहार), योगेश चंद्र शर्मा (योगी) (आगरा), संजीव, बिहार, डा. आशा ओझा (बिहार), मद्गुल्ला प्रफुल्ला (आंध्र प्रदेश), विनोद कुमार तिवारी (झारखंड), डा. चंद्र प्रभा मदान (हरियाणा), आचार्य संतोष पांडेय (राजस्थान), अजय याज्ञिक (दिल्ली), विंध्याचल मणि त्रिपाठी (यूपी), राजराधे कृष्ण शर्मा (महाराष्ट्र), प्रेम प्रकाश दुबे (महाराष्ट्र), त्रिलोकी नाथ पांडेय (यूपी), रामधनी द्विवेदी (यूपी), डा. रविशंकर पांडेय (यूपी), रेखा मेहरा (नई दिल्ली)।

आज का भविष्यफल: 08 अगस्त, 2026 शनिवार

प. के.ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति: श्रावण मास कृष्ण पक्ष दशमी का राशिफल।
आज का राहुकाल: प्रातः 09 बजे से 10 बजकर 30 मिनट तक।
आज का दिशाशूल: पूर्व
आज की भद्रा: दोपहर 02 बजे तक।

कल 09 अगस्त, 2026 का पंचांग

कल का दिशाशूल: पश्चिम
कल का पर्व एवं त्योहार: कामदा एकादशी व्रत विक्रम संवत 2083 शके 1948 दक्षिणायण, उत्तरगोल, वर्षा ऋतु श्रावण मास कृष्ण पक्ष की एकादशी 11 घंटे 06 मिनट तक तत्पश्चात द्वादशी, मृगशिरा नक्षत्र 14 घंटे 44 मिनट तक तत्पश्चात आर्द्रा नक्षत्र, व्याघात योग 05 घंटे 38 मिनट तत्पश्चात हर्षण योग, मिथुन में चंद्रमा।

मेष: मंगल चंद्र की युति व्यावसायिक दृष्टि से उत्तम होगी। चल या अचल संपत्ति से संबंधित सफलता मिलेगी।

वृष: सम्मान में लाभ मिलेगा। आर्थिक मामलों में सुधार होगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी।

मिथुन: बहुप्रतीक्षित कार्य के संपन्न होने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। पारिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कर्क: स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। कोई अप्रिय घटना हो सकती है।

सिंह: संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। जीवन सुखमय होगा, फिर भी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कन्या: घर की महिला मुखिया से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। वाणी पर संयम रखें।

तुला: व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। रिश्ते में निकटता आएगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

वृश्चिक: स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। जलीय दुर्घटना से सचेत रहने की आवश्यकता है।

धनु: पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होगा। सत्ता का सहयोग रहेगा।

मकर: स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। किसी तरह का जोखिम न उठाएं।

कुंभ: वाणी पर संयम रखें। छोटी-छोटी बात पर उत्तेजित होना स्वास्थ्य के लिए घातक होगा।

मीन: व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। रचनात्मक प्रयास सार्थक होगा। सहयोग मिलेगा।

वर्ग पहेली-3420

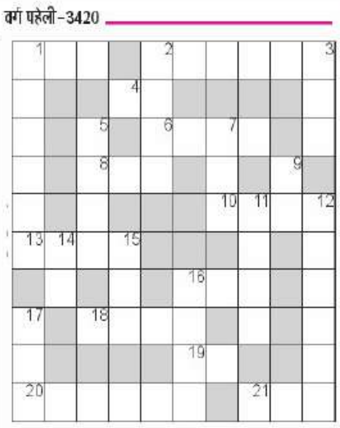

©Bird Features & Writing Agency

बाएं से दाएं:
1. दरवाजा, किवाड़ (3)।
2. पूर्व स्थिति में लाना (3,3)।
4. जेल, बंदीगृह (2)।
6. व्यर्थ की बात (4)।
8. काम-धंधा, नौकरी-... (3)।
10. बहुत दान करने वाला (4)।
13. टीस उठना (4)।
16. सहारा, भरोसा (3)।
18. बोलने में अटकना (4)।
19. समय, मौत (2)।
20. जैसी ..... वैसी ..... (3,3)।
21. तरक्की (3)।

ऊपर से नीचे:
1. कसमसाने का भाव (6)।
2. समानता का भाव (4)।
3. व्यर्थ, बेवजह (3)।
5. एकाएक, हठात (4)।
7. वाद (3)।
9. न्यूजीलैंड का एक पक्षी (2)।
11. भेंट या उपहार (4)।
12. इंग्लैंड की क्रांति को ... भी कहा गया (2,2,2)।
14. नाड़ी, रग (2)।
15. व्यर्थ, बिना मतलब का (3)।
16. टालमटोल (4)।
17. मार्ग, रास्ता (3)।

कल का हल

प	ल	ट	ना		पो	र	बं	द	र
ह				ब	ल		द		क्त
लौ	प	ल	पा	ना			र		बी
या				ना			बां		ज
न	म					बा	ट	नी	
	नी	ग	र					गे	मे
बे		ण			खो				ता
रा		दे			लौ	ल	का	र	ना
ब		व		बी	ल				य
र	म	ता	जो	गी		ए	का	ए	क

सुडोकू-3420

7			3		6			2
		3			4		9	
	5			2		3		
8			6	7			5	
	4				1	9		3
		1	9					
1	2			9		7		6
	6				2			4
4			1	6		5		

कल का हल

5	3	1	6	4	8	2	9	7
9	8	6	1	2	7	5	4	3
7	2	4	5	9	3	6	1	8
3	4	5	7	1	9	8	2	6
8	1	9	3	6	2	7	5	4
2	6	7	8	5	4	1	3	9
4	9	8	2	7	5	3	6	1
1	7	2	9	3	6	4	8	5
6	5	3	4	8	1	9	7	2

भारतीय टीम का 'इंजरी वार्ड' बना सेंटर आफ एक्सीलेंस

बुमराह से हार्दिक तक लंबी है चोटिल खिलाड़ियों की सूची सीओई में चल रहा 13 खिलाड़ियों की फिटनेस पर काम

अभिषेक त्रिपाठी • जागरण

नई दिल्ली: भारतीय टीम इस समय श्रीलंका दौरे पर है, जहां 15 अगस्त से दो टेस्ट मैचों की सीरीज शुरू होगी। उससे पहले शुक्रवार से भारत और श्रीलंका क्रिकेट एकादश के बीच तीन दिवसीय अभ्यास मैच खेला जा रहा है, जिसमें कप्तान शुभमन गिल अंगुली की चोट के कारण खेलने नहीं उतरे। केवल गिल ही नहीं इस समय भारतीय टीम के अधिकतर खिलाड़ी चोट से जूझ रहे हैं। जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा, नीतीश कुमार रेड्डी तो दौरे से बाहर हो चुके हैं, वहीं वाशिंगटन सुंदर के दूसरे और साई सुदर्शन के पहले टेस्ट में खेलने की चर्चा है, लेकिन अब तक उनकी फिटनेस पर कोई स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है।

दशकों से बीसीसीआइ ने खिलाड़ियों का जो पूल बनाया था, वह पिछले कुछ वर्षों से 'चोट के स्विमिंग पूल' में तब्दील हो गया है, जहां चारों तरफ चोट ही तैरती दिखाई देती हैं। जब भी कोई सीरीज शुरू होने वाली होती है, खिलाड़ियों के चोटिल होकर बाहर होने का सिलसिला शुरू हो जाता है या कोई न कोई सीरीज के बीच में ही चोटिल होकर बाहर हो जाता है। मौजूदा समय में चोटिल छह खिलाड़ियों में से छह ऐसे हैं, जो इंग्लैंड दौरे पर टेस्ट टीम का हिस्सा थे। इनमें से विशेषरूप से गेंदबाज और आलराउंडरों की संख्या अधिक है। कई खिलाड़ी तो ऐसे हैं, जिनकी चोट बार-बार उभर जाती है।

पहले माना जाता था कि भारतीय टीम का पूल इतना बड़ा और मजबूत है कि आप एक समय पर तीन टीमें भी खिला सकते हो, लेकिन अब ये हालत है कि किसी एक खिलाड़ी का विकल्प चुनने में भी काफी मशक्कत करनी पड़ती है। इस समय भारतीय टीम के मौजूदा सेटअप या भविष्य की योजनाओं में शामिल 13 खिलाड़ी ऐसे हैं, जो चोटिल हैं और बेंगलुरु स्थित सेंटर आफ एक्सीलेंस (सीओई) में रिहैबलिटेशन प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। इसका असर निश्चित रूप से भारतीय टीम के प्रदर्शन पर भी पड़ा है। चाहे टेस्ट हो या वनडे हो या फिर टी-20 इन सभी प्रारूप में भारतीय टीम चोटों से जूझती रही है। अगर ऐसा ही चलता रहा तो कैसे भारतीय टीम का भला होगा, भगवान ही जाने।

हार्दिक पांड्या

जसप्रीत बुमराह

हार्दिक पांड्या: बाईं जांघ की क्वाड्रिसेप्स चोट

हार्दिक पाड्या ने पुनर्वास के दौरान कौशल आधारित अभ्यास, स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग में अच्छी प्रगति दिखाई है। वह 80 से 90 प्रतिशत तीव्रता के साथ गेंदबाजी तक पहुंच गए थे और एक सप्ताह में 12 से 15 ओवर डाल रहे थे। इसी दौरान उनकी दाईं पिंडली में दर्द उभरा। जांच में किसी गंभीर चोट या अन्य बड़ी समस्या के संकेत नहीं मिले। एहतियात के तौर पर कुछ समय के लिए उनकी दौड़ और गेंदबाजी रोक दी गई, जिससे दर्द कम हो सके। स्थिति में सुधार के बाद हार्दिक ने दोबारा रनिंग कार्यक्रम शुरू कर दिया है और बढ़ते कार्यभार के साथ उनका शरीर अच्छी प्रतिक्रिया दे रहा है। सीओई ने 10 अगस्त से उनका 'रिटर्न टू बालिंग' कार्यक्रम दोबारा शुरू करने की योजना बनाई है। इसके बाद धीरे-धीरे गेंदबाजी का कार्यभार बढ़ाया जाएगा।

जसप्रीत बुमराह: बाएं घुटने में सिनोवाइटिस

इंग्लैंड के विरुद्ध तीसरे वनडे से बाहर होने के बाद जसप्रीत बुमराह 30 जुलाई को सीओई पहुंचे थे। उनके बाएं घुटने के जोड़ में तरल पदार्थ जमा होने की समस्या सामने आई थी। 20 जुलाई को घुटने से तरल पदार्थ निकालने के साथ जोड़ में लुब्रिकेंट इंजेक्शन दिया गया था। चिकित्सक की सलाह के अनुसार, आराम करने के बाद वह सीओई पहुंचे। यहां विस्तृत जांच के दौरान मैदान पर जागिंग करते समय उन्हें परेशानी महसूस हुई। एक पैर से किए जाने वाले मूवमेंट की जांच में भी समस्या सामने आई। इसी आधार पर उन्हें श्रीलंका के विरुद्ध टेस्ट सीरीज से बाहर कर दिया गया। सीओई की रिपोर्ट के मुताबिक बुमराह को मैच फिटनेस हासिल करने से पहले धीरे-धीरे अपनी ताकत और कंडीशनिंग बढ़ानी होगी। इसके बाद कौशल आधारित अभ्यास का भार बढ़ाया जाएगा। उनकी वापसी की कोई निश्चित तिथि फिलहाल नहीं दी गई है।

खिलाड़ियों की चोट और प्रगति

नीतीश रेड्डी: बाईं जांघ की क्वाड्रिसेप्स चोट

नीतीश कुमार रेड्डी पुनर्वास कार्यक्रम पर अच्छी प्रतिक्रिया दे रहे हैं और उन्होंने सफलतापूर्वक 'रिटर्न टू स्किल्स' चरण में प्रवेश कर लिया है। पिछले सप्ताह उन्होंने 60 से 70 प्रतिशत तीव्रता से गेंदबाजी की और पूरे सप्ताह में कुल 16 ओवर का गेंदबाजी कार्यभार पूरा किया। अधिक तीव्रता वाली गेंदबाजी की तरफ बढ़ने की तैयारी के तहत वह तेज गति से दौड़ने का अभ्यास भी कर रहे हैं। इसके साथ ही उनका प्रगतिशील स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कार्यक्रम जारी है। अगले चरण में उनकी गेंदबाजी की तीव्रता और कार्यभार धीरे-धीरे बढ़ाया जाएगा। सीओई की रिपोर्ट के मुताबिक अभी तक नीतीश की रिकवरी सही दिशा में है।

साई सुदर्शन : दाएं पैर में स्ट्रेस रिएक्शन

साई सुदर्शन ने अपनी रिकवरी में अच्छी प्रगति की है और बल्लेबाजी तथा क्षेत्ररक्षण का अभ्यास शुरू कर चुके हैं। वह नेट्स में 75 मिनट तक बल्लेबाजी करने में सफल रहे हैं और कंडीशनिंग अभ्यास के दौरान 24 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से दौड़ भी चुके हैं। हालांकि रिपोर्ट में एक चिंता भी सामने आई है। उनके प्रभावित पैर के अंगूठे में अब भी दर्द महसूस हो रहा है। कौशल अभ्यास या दौड़ के बाद दर्द कितने समय तक रहता है, इसमें भी अंतर देखा गया है। इसी कारण सीओई उन्हें पूरी तरह फिट घोषित करने से पहले उनकी प्रतिक्रिया को और परखना चाहता है। योजना के मुताबिक लगातार दो दिनों तक लंबे बल्लेबाजी, रनिंग और फील्डिंग सत्र कराने के बाद एमआरआइ स्कैन के आधार पर उनकी आगे की प्रगति तय की जाएगी।

हर्षित राणा : दाईं हैमस्ट्रिंग

हर्षित राणा 20 जुलाई को सीओई पहुंचे थे और उसके बाद से उनकी रिकवरी में अच्छी प्रगति हुई है। रिपोर्ट में विशेष रूप से कहा गया है कि हर्षित ने अपनी रिकवरी रणनीतियों और शरीर के वजन के मामले में सुधार किया है। वह कंडीशनिंग अभ्यास के साथ भी अच्छी तरह तालमेल बैठा रहे हैं। अब सीओई का लक्ष्य उनकी ताकत, फुर्ती और शरीर की चोट सहने की क्षमता को और बेहतर करना है। इसके साथ निर्धारित समयसीमा के भीतर अपेक्षित बाडी कंपोजिशन हासिल करने पर भी काम किया जा रहा है। पुनर्वास के साथ उनका कौशल आधारित अभ्यास शुरू कर धीरे-धीरे उसका कार्यभार भी बढ़ाया जाएगा।

वाशिंगटन सुंदर : दाईं हैमस्ट्रिंग

वाशिंगटन सुंदर भी 20 जुलाई को सीओई पहुंचे थे और पुनर्वास शुरू होने के बाद उनकी स्थिति में लगातार सुधार हुआ है। उन्होंने जागिंग शुरू कर दी है और वर्तमान में 17 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से कंडीशनिंग अभ्यास कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक उनकी ताकत, संतुलन और शरीर की स्थिति तथा मूवमेंट को नियंत्रित करने की क्षमता में अच्छा सुधार हुआ है। आने वाले सप्ताहों में उनके कंडीशनिंग और स्ट्रेंथ प्रशिक्षण का भार धीरे-धीरे बढ़ाया जाएगा। इसके बाद एजिलिटी और तेजी से दिशा बदलने वाले अभ्यास भी जोड़े जाएंगे। इसी दौरान कौशल आधारित प्रशिक्षण भी शुरू किया जाएगा। उनकी वापसी को लेकर फिलहाल कोई निश्चित तिथि नहीं दी गई है।

वरुण चक्रवर्ती : बाईं हैमस्ट्रिंग

वरुण चक्रवर्ती ने 20 जुलाई को सीओई में रिपोर्ट किया था और पुनर्वास शुरू होने के बाद उन्होंने अच्छी प्रगति की है। वह वर्तमान में छह ओवर तक स्पाट गेंदबाजी कर रहे हैं। अगले सत्र से उन्हें बल्लेबाजों के सामने आठ ओवर गेंदबाजी कराने की योजना है। कंडीशनिंग सत्र में भी वरुण की स्थिति बेहतर हुई है और उन्होंने मैदान पर किए जाने वाले अभ्यासों का अच्छी तरह पालन किया है। अगले कुछ सप्ताह उनके लिए महत्वपूर्ण होंगे। इस दौरान उन्हें तेज रफ्तार से दौड़ने, अचानक दिशा बदलने और बढ़ते भार के साथ स्ट्रेंथ ट्रेनिंग से गुजरना होगा। इन चरणों पर शरीर की प्रतिक्रिया के आधार पर पूर्ण गेंदबाजी की ओर उनकी वापसी आगे बढ़ाई जाएगी।

आकाशदीप : कमर के निचले हिस्से में स्ट्रेस फ्रैक्चर

आकाशदीप पुनर्वास के साथ स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कार्यक्रम के अनुरूप अच्छी तरह आगे बढ़ रहे हैं। 'रिटर्न टू प्ले' कार्यक्रम पर उनकी प्रतिक्रिया सकारात्मक रही है। वह फिलहाल 70 से 80 प्रतिशत तीव्रता से गेंदबाजी कर रहे हैं और उनका साप्ताहिक गेंदबाजी कार्यभार 19 ओवर तक पहुंच चुका है। आने वाले सप्ताह में गेंदबाजी का भार चरणबद्ध तरीके से और बढ़ाया जाएगा। इसके साथ उनकी फील्डिंग और बल्लेबाजी गतिविधियों को भी क्रमवार बढ़ाने की योजना है। यह संकेत है कि आकाशदीप अब पुनर्वास के शुरुआती चरण से आगे निकलकर क्रिकेट से जुड़े वास्तविक कार्यभार की तरफ बढ़ रहे हैं।

हिमांशु सिंह: दाएं घुटने में चोट

मुंबई के गेंदबाज हिमांशु सिंह की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार वह मौजूदा पुनर्वास से और प्रशिक्षण कार्यक्रम के साथ-साथ गेंदबाजी के कार्यभार पर भी काफी अच्छी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। उन्होंने 28 जुलाई से 50 से 60 प्रतिशत तीव्रता से स्पाट गेंदबाजी शुरू कर दी थी और इस दौरान किसी तरह की परेशानी महसूस नहीं हुई। अब आने वाले सप्ताहों में उनकी गेंदबाजी की तीव्रता और कुल प्रशिक्षण भार को धीरे-धीरे बढ़ाया जाएगा। यदि घुटना बढ़ते कार्यभार पर इसी तरह प्रतिक्रिया देता रहा तो वह चरणबद्ध तरीके से पूर्ण गेंदबाजी की ओर बढ़ सकते हैं।

अशोक शर्मा: स्ट्रेस फ्रैक्चर

अशोक शर्मा की चोट 13 खिलाड़ियों में गंभीर मामलों में शामिल है। जिंबाब्वे के विरुद्ध 26 जुलाई को तीसरे टी-20 के बाद उनकी कमर के बाएं हिस्से में अचानक तेज ऐंठन हुई थी। शुरुआती उपचार में दवाएं देने के साथ चार दिन आराम कराया गया, लेकिन परेशानी बनी रही। 31 जुलाई को सीओई पहुंचने के बाद उनकी कमर और वक्षीय रीढ़ की एमआरआइ और सीटी स्कैन कराया गया। तस्वीरें विशेषज्ञ राय के लिए न्यूजीलैंड के स्पाइन विशेषज्ञ डा. रोवन को भेजी गईं। जांच में बाएं एल। पार्स इंटरआर्टिकुलरिस में एक्यूट स्ट्रेस फ्रैक्चर और बाईं 11वीं पसली में फ्रैक्चर की पुष्टि हुई। अभी वह चोट के शुरुआती चरण में हैं और फ्रैक्चर भरने के लिए चार सप्ताह पूर्ण आराम की जरूरत होगी।

सुयश शर्मा: घुटने में चोट

सुयश शर्मा लगातार दाएं घुटने में दर्द की शिकायत के बाद छह जुलाई को जांच के लिए सीओई पहुंचे थे। पिछले आइपीएल के बाद उन्होंने गेंदबाजी दोबारा शुरू नहीं की थी। एमआरआइ में दोनों घुटनों में पटेलर इंसर्शनल टेंडिनोपैथी सामने आई। शुरुआती चरण में तेजी से गेंदबाजी की ओर लौटाने वाला कार्यक्रम अपनाया गया, लेकिन लक्षणों में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। इसके बाद 28 जुलाई को पीआरपी इंजेक्शन दिया गया। फिलहाल वह व्यवस्थित पुनर्वास कार्यक्रम से गुजर रहे हैं, जिसमें मुख्य जोर धीरे-धीरे ताकत बढ़ाने पर है। आने वाले सप्ताहों में पहले घुटने की ताकत बढ़ाई जाएगी, उसके बाद प्रभाव वाले अभ्यास शुरू होंगे।

युद्धवीर सिंह: दाएं कंधे में चोट

युद्धवीर सिंह के दाएं कंधे की स्थिति में लगातार सुधार हो रहा है। सीओई की रिपोर्ट के अनुसार कंधे में होने वाली परेशानी अब काफी कम हो चुकी है। वह कंधे के विशेष पुनर्वास अभ्यास के साथ पूरे शरीर की स्ट्रेंथ ट्रेनिंग कर रहे हैं। मौजूदा कार्यक्रम का उद्देश्य कंधे को मजबूत करने के साथ शरीर की समग्र ताकत और कुल कार्यक्षमता बढ़ाना है। आने वाले सप्ताहों में कंधे के जोड़ की सहनशीलता और बढ़ते भार के प्रति उसकी प्रतिक्रिया को देखते हुए पुनर्वास और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग का स्तर धीरे-धीरे बढ़ाया जाएगा। अभी कौशल अभ्यास या पूर्ण गेंदबाजी की वापसी की कोई समयसीमा नहीं बताई गई है।

रियान पराग: सर्जरी के बाद पुनर्वास

दाएं कंधे की सर्जरी के बाद रियान पराग की रिकवरी धीरे-धीरे आगे बढ़ रही है। रिपोर्ट के अनुसार उनके कंधे की गति और ताकत दोनों में सुधार हुआ है। सबसे महत्वपूर्ण प्रगति यह है कि अब उन्हें स्लिंग की जरूरत नहीं है और उसका इस्तेमाल बंद करा दिया गया है। कंधे की गतिशीलता और ताकत में संतोषजनक सुधार के बाद रियान ने अब व्यवस्थित स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कार्यक्रम शुरू कर दिया है। हालांकि रिपोर्ट में बल्लेबाजी, गेंदबाजी या थ्रोइंग शुरू करने की कोई निश्चित समयसीमा नहीं बताई गई है। अगले चरण में कंधे की ताकत और गति को सामान्य स्तर तक पहुंचाने पर ध्यान रहेगा और उसके बाद ही क्रिकेट कौशल से जुड़े अभ्यास की दिशा में बढ़ा जाएगा।

खेल डायरी

2032 तक रीयल मैड्रिड में रहेंगे विनिसियस

मैड्रिड, एपी: ब्राजील के स्टार विनीसियस जूनियर ने रीयल मैड्रिड के साथ अनुबंध बढ़ाने पर सहमति जताई है और वह जून 2032 तक स्पेनिश क्लब में बने रहेंगे। क्लब ने यह घोषणा की। 26 वर्षीय विंगर अपने मौजूदा अनुबंध के अंतिम वर्ष में प्रवेश कर चुके थे और खबरों के अनुसार प्रीमियर लीग चैंपियन आर्सेनल ने उनमें दिलचस्पी दिखाई थी। विनीसियस ने 18 साल की उम्र में मैड्रिड में शामिल होने के बाद से 375 मैचों में 128 गोल किए हैं और क्लब को 14 खिताब जीतने में मदद की है, जिसमें तीन बार ला लीगा और दो बार चैंपियंस लीग का खिताब शामिल है। क्लब ने गुरुवार को कहा, विनीसियस जूनियर हमारे इतिहास के सबसे सफल दौर में से एक के सबसे महत्वपूर्ण खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। अनुबंध विस्तार की वित्तीय शर्तों का खुलासा नहीं किया गया। विनीसियस ने इंस्टाग्राम पर लिखा, बर्नब्यू में आठ साल बहुत कम हैं। छह और साल और हमेशा के लिए।

अरिहा ने जिम्नास्टिक्स में जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली, प्रेट्र: अरिहा पगंबम एरोबिक जिम्नास्टिक्स एशियाई चैंपियनशिप की सीनियर महिला व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय बन गई हैं। भारतीय जिम्नास्ट ने फाइनल में 19.100 के स्कोर के साथ पोडियम पर शीर्ष स्थान हासिल किया और इस प्रतियोगिता में भारत का पहला स्वर्ण पदक जीता। अरिहा ने आर्टिस्ट्री के लिए 8.650, एक्जीक्यूशन के लिए 7.600 और डिफिकल्टी के लिए 2.850 अंक हासिल करके खिताब अपने नाम किया। भारतीय जिम्नास्टिक महासंघ के अध्यक्ष सुधीर मित्तल ने कहा कि हमारे लिए यह एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया।

खालिन ने जीता जेएंडके ओपन गोल्फ खिताब

श्रीनगर, प्रेट्र: खालिन जोशी ने शुक्रवार को पांच अंडर 66 का कार्ड खेलकर खूबसूरत रायल स्प्रिंग्स गोल्फ कोर्स में एक करोड़ पुरस्कार राशि के जेएंडके ओपन में नौ शाट से शानदार जीत दर्ज की। बेंगलुरु के 33 वर्षीय गोल्फर ने 63, 66, 65 और 66 के कार्ड खेले, जिससे टूर्नामेंट में उनका कुल स्कोर 24-अंडर 260 रहा। इससे वह अपना आठवां पेशेवर खिताब और 2026 डीपी विश्व पीजीटीआइ सत्र में दूसरी जीत दर्ज करने में सफल रहे। जोशी को इस खिताबी जीत से 15 लाख रुपये की पुरस्कार राशि मिली और इसकी बदौलत वह पांच पायदान के फायदे से डीपी विश्व पीजीटीआइ रैंकिंग में 13वें से आठवें स्थान पर पहुंच गए। इससे इस सत्र में उनकी कुल कमाई 34 लाख रुपये हो गई। दिल्ली के राशिद खान (68-68-64-69) उप विजेता रहे जबकि पानीपत के शुभम जगलान (70-68-66-66) तीसरे स्थान पर रहे। डीपी विश्व पीजीटीआइ आर्डर आफ मेरिट में शीर्ष पर चल रहे सप्ताक तलवार (69-71-65-70) संयुक्त पांचवें स्थान पर रहे। तलवार ने रैंकिंग में शीर्ष स्थान मजबूत किया।

सेमीफाइनल में भिड़ेंगी अश्मिता और रक्षिता

आसन (दक्षिण कोरिया), प्रेट्र: भारत की अश्मिता चालिहा और रक्षिता रामराज ने शुक्रवार को कोरिया मास्टर्स सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला सिंगल्स के सेमीफाइनल में जगह बनाई, जहां वे आमने-सामने होंगी। विश्व में 50वें नंबर की खिलाड़ी अश्मिता ने टूर्नामेंट का अब तक का सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए क्वार्टर फाइनल के रोमांचक मुकाबले में जापान की विश्व में 22वें नंबर की खिलाड़ी और यहां शीर्ष वरीयता प्राप्त हिना अकेची को 20-22, 21-15, 21-19 से पराजित किया।

इस जीत के साथ ही भारतीय खिलाड़ी ने पिछले साल मलेशिया सुपर 100 में हिना से मिली हार का बदला भी चुकता कर दिया। रक्षिता ने एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए तीसरी वरीयता प्राप्त और हमवतन तन्वी शर्मा को 18-21, 21-19, 21-18 से हराकर उलटफेर किया।

पहले सत्र में पिटे गेंदबाज, फिर स्पिनरों ने कराई वापसी

अभ्यास मैच के पहले दिन श्रीलंका क्रिकेट एकादश ने आठ विकेट पर बनाए 363 रन

कोलंबो, प्रेट्र: श्रीलंका के विरुद्ध 15 अगस्त से शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले भारतीय गेंदबाजों को अभ्यास मुकाबले के पहले ही दिन कड़ी परीक्षा से गुजरना पड़ा। तीन दिवसीय अभ्यास मैच में श्रीलंका क्रिकेट एकादश के युवा बल्लेबाजों ने शुक्रवार को शुरुआती सत्र में भारतीय गेंदबाजी आक्रमण की जमकर परीक्षा ली, लेकिन अंतिम सत्र में कुलदीप यादव की अगुआई में स्पिनरों ने वापसी कराई। श्रीलंका एकादश ने शुक्रवार को पहले दिन 90 ओवर में आठ विकेट पर 363 रन बनाए। इस मुकाबले को प्रथम श्रेणी का दर्जा हासिल नहीं है। पहले और दूसरे दिन दोनों टीमों को 90-90 ओवर बल्लेबाजी करनी है, जबकि अंतिम दिन दोनों को 45-45 ओवर मिलेंगे। पहले दिन के प्रदर्शन ने मुख्य कोच गौतम गंभीर के सामने हालांकि कई सवाल खड़े कर दिए हैं। कप्तान शुभमन गिल अभ्यास सत्र के दौरान लगी चोट के कारण मैदान पर नहीं उतरे।

तेज गेंदबाजों को नहीं मिली लय: करीब पांच सप्ताह बाद लाल गेंद से मुकाबला खेल रहे भारतीय तेज गेंदबाज शुरुआत से ही लय तलाशते दिखाई दिए। मोहम्मद सिराज ने 13 ओवर में 44 और प्रसिद्ध कृष्णा ने आठ ओवर में 32 रन दिए, लेकिन दोनों को कोई विकेट नहीं मिला। तेज गेंदबाजों में गुरनूर बराड़ सबसे प्रभावी रहे और उन्होंने 12 ओवर में 49 रन देकर एक विकेट लिया। श्रीलंका के आरंभिक बल्लेबाज निशान फर्नांडो ने भारतीय तेज गेंदबाजों का निडरता से सामना किया। उन्होंने 65 गेंदों में 66 रन की तेज पारी खेली। फर्नांडो ने रविंदु रसांथा के साथ पहले विकेट के लिए 110 रन जोड़कर भारतीय खेमे की चिंता बढ़ा दी। यह साझेदारी फर्नांडो के दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से रन आउट होने पर टूटी। रसांथ ने धैर्य दिखाते हुए 143 गेंदों में 71 रन बनाए।

विकेट लेने के बाद जश्न मनाते भारतीय खिलाड़ी • बीसीसीआइ

महंगे साबित होने के बाद कुलदीप का पलटवार : शुरुआती स्पेल में कुलदीप भी संघर्ष करते नजर आए और पहले पांच ओवरों में 29 रन खर्च कर बैठे। इसके बाद उन्होंने अपनी गेंदों की गति में शानदार बदलाव किया और श्रीलंकाई बल्लेबाजों से मुश्किल सवाल पूछे। कुलदीप ने 18 ओवर में 76 रन देकर दो विकेट लिए। उन्होंने अहान विक्रमसिंघे को स्वीप खेलने के लिए मजबूर किया और अतिरिक्त उछाल के कारण गेंद बल्ले का ऊपरी किनारा लेकर शार्ट फाइन लेग पर बराड़ के हाथों में पहुंच गई। इसके बाद उनकी तेज आर्म बाल ने अंजला बंडारा को एलबीडब्ल्यू किया। मानव सुथार भारतीय गेंदबाजों में सबसे किफायती रहे। उन्होंने 11 ओवर में सिर्फ 30 रन दिए, और रसांथा को फ्लाइट से चकमा देकर आउट किया। बाद में दूसरी नई गेंद से उन्होंने कोण बनाती फुल गेंद पर जमे हुए, सोनल दिनुषा को भी अपना शिकार बनाया।

दिनुषा ने स्पिनरों को दी चुनौती : श्रीलंका एकादश के कप्तान सोनल दिनुषा ने 72 गेंदों में 52 रन की प्रभावशाली पारी खेली। बाएं हाथ के दिनुषा ने कुलदीप को कलाई से पढ़ते हुए उनके विरुद्ध शानदार सीधा छक्का भी लगाया। उन्होंने रमेश मेंडिस (32) के साथ सातवें विकेट के लिए 64 रन जोड़े। दोनों ने विशेषकर स्लाग स्वीप का प्रभावी इस्तेमाल किया। अनुभवी रवींद्र जडेजा ने 15 ओवर में 64 रन देकर दो विकेट जरूर लिए, लेकिन वह सर्वश्रेष्ठ लय में नजर नहीं आए।

प्रगनानंद ने जीता सेंट लुई रैपिड एवं ब्लिट्ज टूर्नामेंट

शतरंज डायरी

20 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी आर प्रगनानंद ने 23.5 अंक के साथ खिताब पर जमाया कब्जा

सेंट लुई (अमेरिका), प्रेट्र: भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रगनानंद ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए, एक राउंड शेष रहते ही अपना पहला सेंट लुई रैपिड एवं ब्लिट्ज टूर्नामेंट का खिताब जीता। इस 20 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने कुल 23.5 अंक के साथ खिताब अपने नाम किया। उन्होंने अपने करीबी प्रतिद्वंद्वी तथा विश्व चैंपियनशिप के चक्र के दावेदारों में से एक उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव को पर्याप्त अंतर से पीछे छोड़ा।

प्रगनानंद ने ग्रैंड शतरंज टूर के आखिरी रैपिड और ब्लिट्ज टूर्नामेंट के अंतिम दिन एक भी मैच नहीं गंवाया। उन्होंने ग्रैंड शतरंज टूर्नामेंट में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है, जिससे इस साल के अंत में होने वाले ग्रैंड फाइनल में उनकी जगह लगभग पक्की हो गई है। इस भारतीय खिलाड़ी को अब क्लासिकल प्रणाली के तहत खेले जाने वाले सत्र के आखिरी टूर्नामेंट में भी अपनी यही फार्म बरकरार रखनी होगी। सिंदारोव के विरुद्ध मामूली बढ़त के साथ रैपिड वर्ग में जीत हासिल करने के बाद प्रज्ञाननंदा ने ब्लिट्ज में केवल एक गेम हारा। उन्होंने इस वर्ग में संभावित 18 में से 11.5 अंक प्राप्त किए। सिंदारोव रैपिड में प्रगनानंद से पूरे एक अंक से पीछे रहे। उन्हें 22 अंकों के साथ दूसरे स्थान से संतोष करना पड़ा।

विजेता ट्राफी के साथ प्रगनानंद • एक्स

क्रिकेट और स्पोर्ट्स की अन्य खबरों के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

आरित कपिल ने दूसरा आइएम नार्म किया हासिल

नई दिल्ली: भारत के दस वर्षीय आरित कपिल ने सर्बिया में रुदार जीएम क्लोज्ड शतरंज टूर्नामेंट में एक राउंड शेष रहते हुए अपना दूसरा इंटरनेशनल मास्टर (आइएम) नार्म हासिल किया। सर्बिया के आइएम किरिल क्लुकिन और बुल्गारिया के निक्कोलोव मोमचिन के विरुद्ध शानदार जीत से शुरुआत करते हुए आरित ने बुल्गारिया के ग्रैंडमास्टर रादोस्लाव दिमित्रोव को भी हराया। उन्होंने अगले चार राउंड ड्रा खेलकर अपना दूसरा आइएम नार्म सुनिश्चित किया। आरित अब इंटरनेशनल मास्टर बनने से सिर्फ एक नार्म दूर हैं। वह अगले महीने 11 साल के हो जाएंगे।

हाकी विश्व कप में 28 साल बाद कोई भारतीय अंपायर नहीं

नई दिल्ली, प्रेट्र: हाकी अंपायरिंग को कठिन और संघर्षपूर्ण करियर मानते हुए भारतीय दिग्गजों ने नीदरलैंड्स और बेल्जियम में 15 अगस्त से शुरू हो रहे विश्व कप में तीन दशक बाद एक भी भारतीय अंपायर नहीं होने पर निराशा व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि अंपायरों की संख्या बढ़ाने के बजाय गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करना आवश्यक है।

1998 में नीदरलैंड्स के यूट्रेक्ट में हुए विश्व कप के बाद पहली बार टूर्नामेंट के अंपायरों या तकनीकी अधिकारियों में किसी भारतीय को स्थान नहीं मिला है। इस बार सूची में यूरोपीय देशों का दबदबा है। भारत के आरवी रघु प्रसाद, सतिंदर शर्मा, तरलोक सिंह भुल्लर और अमरजीत सिंह बाबा विश्व कप में अंपायरिंग कर चुके हैं।

पूर्व अंपायरों ने जताई नाराजगी, कहा- अंपायरों की संख्या बढ़ाने की बजाए गुणवत्ता पर ध्यान दें

पिछले साल 47 वर्ष की आयु में संन्यास लेने वाले रघु प्रसाद ने कहा कि बड़े टूर्नामेंटों में अंपायरों की नियुक्तियां एफआइएच अंपायरिंग समिति करती है, जिसमें पिछले बड़े टूर्नामेंटों और प्रो लीग में प्रदर्शन मानदंड होता है। हमने यूरोपीयों के बीच अपनी पहचान बनाई थी, जो आसान नहीं था।

रघु प्रसाद ने कहा कि अंपायरों को पुरस्कार या वेतन नहीं मिलता, जबकि खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के बाद पुरस्कार और सरकारी नौकरी मिल जाती है।

एक नजर

कर्नाटक में बीटेक छात्र ने हास्टल में की आत्महत्या

बेंगलुरु : कर्नाटक में आइआइएससी के 19 वर्षीय बीटेक छात्र ने यहां अपने छात्रावास के कमरे में आत्महत्या कर ली है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि मृतक छात्र की पहचान चिक्कबल्लापुर जिले के निवासी रक्षन के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, उसे गुरुवार सुबह अपने कमरे में लटका हुआ पाया गया, जिसके बाद अधिकारियों को सूचित किया गया। पोस्टमार्टम परीक्षा के बाद, शव को उसके परिवार को सौंप दिया गया। (प्रेट्र)

नारायण साई की उम्रकैद की सजा निलंबित करने से सुप्रीम कोर्ट का इन्कार

नई दिल्ली : कथावाचक आसाराम के बेटे नारायण साईं को 2013 के दुष्कर्म मामले में सुनाई गई आजीवन कारावास की सजा निलंबित करने से सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को इन्कार कर दिया। जस्टिस एमएम. सुंदरेश और जस्टिस पीबी. वराले की पीठ ने हालांकि गुजरात हाई कोर्ट से कहा कि वह दुष्कर्म मामले में दोषसिद्धि के खिलाफ नारायण साईं की अपील पर तीन महीने के भीतर निर्णय ले। (प्रेट्र)

प्रतिबंधित संगठनों के साहित्य पर लगाई रोक

मुंबई : महाराष्ट्र सरकार ने जिहाद का महिमामंडन और कट्टरपंथ को बढ़ावा देने वाले संगठन इस्लामिक स्टेट, इस्लामिक स्टेट इन खुरासान प्रोविंस, हिजबुल मुजाहिदीन पीर पंजाल रेजिमेंट, अल-कायदा के साहित्य पर प्रतिबंध लगा दिया है। गृह विभाग की ओर से छह अगस्त को जारी एक राजपत्र अधिसूचना में राज्य सरकार ने अधिकारियों को कट्टरपंथी साहित्य से जुड़ी पत्रिकाओं और किताबों को जब्त करने का भी निर्देश दिया। (प्रेट्र)

एसआइआर पर सुनवाई कर रहे जजों की सुरक्षा याचिका पर विचार करें

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कलकत्ता हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश तपब्रत चक्रवर्ती से अनुरोध किया कि वे जस्टिस अनन्या बांदी राय सरस्वती के लिए सुरक्षा कवच की याचिका पर विचार करें, जो बंगाल में एसआइआर से संबंधित शिकायतों की सुनवाई करने वाले अपीलीय न्यायाधिकरण की अध्यक्षता कर रहे हैं। (प्रेट्र)

रेल यात्रा के दौरान अब छोटे अपराधों में जेल नहीं, मौके पर जुर्माना भरकर मिलेगी राहत

रेल मंत्रालय ने कई धाराओं में आपराधिक कार्रवाई के स्थान पर आर्थिक जुर्माने का किया प्रविधान

दीपक बहल • जागरण

- पहले मामला दर्ज कर आरोपित को अदालत में पेश किया जाता था, अब मौके पर जुर्माना वसूल कर जारी की जाएगी रसीद
- नए प्रविधान में 500 से 2500 तक जुर्माना, इन्कार करने पर रेलवे अधिनियम के तहत नियमानुसार की जाएगी कार्रवाई

अंबाला : रेल यात्रा के दौरान छोटी-सी चूक, अनजाने में हुई लापरवाही या मामूली नियम उल्लंघन पर अब यात्रियों को जेल नहीं जाना पड़ेगा। रेल मंत्रालय ने रेलवे अधिनियम की कई धाराओं में आपराधिक कार्रवाई के स्थान पर आर्थिक जुर्माने का प्रविधान कर दिया है। पहले मामला दर्ज कर आरोपित को अदालत में पेश किया जाता था, लेकिन अब मौके पर जुर्माना वसूल कर रसीद जारी की जाएगी। यानी निर्धारित मामलों में यात्री मौके पर ही जुर्माना भरकर केस निपटा सकेंगे। इस संबंध में रेल मंत्रालय ने देशभर में नए दिशा निर्देश जारी कर दिए हैं। सभी मंडलों में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) को नई व्यवस्था से अवगत करवा दिया है। बदलाव से अदालतों पर लंबित मामलों का बोझ कम होगा। मौके पर ही जुर्माना वसूल होने से समय की बचत होगी और अधिकारी गंभीर अपराधों की रोकथाम पर अधिक ध्यान दे सकेंगे।

आरक्षित डिब्बे में अनधिकृत प्रवेश पर दो हजार जुर्माना : बिना टिकट या फर्जी टिकट पर यात्रा, अधिकृत दूरी से आगे यात्रा करना तथा ट्रांसफर टिकट पर यात्रा जैसे मामलों में यात्री को किराये के साथ अतिरिक्त शुल्क देना होगा। अधिकांश मामलों में न्यूनतम अतिरिक्त शुल्क 500 रुपये निर्धारित किया है। इसी तरह भीख मांगना या अनाधिकृत बिक्री करने पर दो हजार रुपये का जुर्माना, रेलवे परिसर में शराब पीने या नशे की हालत में उपद्रव करने पर एक हजार या सामुदायिक सेवा, रेलवे कर्मी के कार्य में बाधा डालने पर 2500 तक का जुर्माना, रेलवे परिसर में अनाधिकृत प्रवेश पर 500 का जुर्माना, आरक्षित डिब्बे में अनाधिकृत प्रवेश पर दो हजार तथा बिना अधिकार सीट या बर्थ घेरने पर एक हजार का जुर्माना, निर्देशों की अवहेलना करने पर 500 का जुर्माना, महिलाओं के आरक्षित डिब्बे या विशेष स्थान में अनधिकृत प्रवेश पर 2500, धूम्रपान करने तथा रेलवे संपत्ति को नुकसान पहुंचाने पर 200 रुपये जुर्माना देना होगा।

जुर्माना अदा करने के साथ मिलेगी रसीद : नए प्रविधान के तहत यदि कोई व्यक्ति नियमों का उल्लंघन करता है तो उससे मौके पर ही जुर्माना भरने के लिए कहा जाएगा। जुर्माना भरने पर उसकी रसीद दी जाएगी और पूरा रिकार्ड आनलाइन व रजिस्टर में दर्ज किया जाएगा। यदि कोई जुर्माना देने से इन्कार करता है तो उसके विरुद्ध रेलवे अधिनियम के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। प्रत्येक कार्रवाई की फोटो और वीडियो रिकार्डिंग, उल्लंघनकर्ता का पूरा विवरण तथा एक ही व्यक्ति द्वारा बार-बार नियम तोड़ने पर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। जब तक संबंधित साफ्टवेयर पूरी तरह अपडेट नहीं हो जाता, तब तक सभी मामलों का रिकार्ड मैनुअल रजिस्टर में भी सुरक्षित रखा जाएगा। प्रतिदिन की कार्रवाई की रिपोर्ट मंडल सुरक्षा नियंत्रण कक्ष को भेजने के निर्देश दिए हैं।

बार-बार नियम तोड़ने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई : आरपीएफ ने स्पष्ट किया है कि यह राहत केवल सामान्य और पहली बार होने वाली चूक के लिए है। यदि कोई व्यक्ति बार-बार रेलवे नियमों का उल्लंघन करता है या गंभीर अपराध करता है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी, जिसमें कारावास (जेल) का प्रविधान भी लागू रहेगा।

मानसून सत्र के अंतिम सप्ताह में आर-पार की लड़ाई में जुटी सरकार और विपक्ष

नीलू रंजन • जागरण

- लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ अमित शाह ने की बैठक
- कांग्रेस ने अपने सांसदों को जारी किया व्हिप, सभी दलों को किया अलर्ट-सभी सांसद रहें मौजूद

नई दिल्ली : मानसून सत्र के अंतिम सप्ताह में आर-पार की लड़ाई की तैयारी में सरकार और विपक्ष दोनों जुट गए हैं। शुक्रवार को गृह मंत्री अमित शाह की लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला व विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ बैठक और कांग्रेस की ओर से अपने सांसदों की संसद में उपस्थिति के लिए जारी व्हिप को इसी से जोड़कर देखा जा रहा है। शुक्रवार को ही अमित शाह से मुलाकात के बाद मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने कह दिया कि विदेशी अनुदान विनियमन कानून (एफसीआरए) से संबंधित संशोधन विधेयक 12 अगस्त यानी बुधवार को आएगा।

माना जा रहा है कि अमित शाह खुद एफसीआरए पर चर्चा का नेतृत्व करेंगे और विपक्ष के आरोपों का जवाब भी देंगे। विपक्ष के दबाव में नहीं, बल्कि मंत्रालय का काम होने की स्थिति में अमित शाह के सदन में आने के संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजीजू के बयान से इसकी पुष्टि होती है। सरकार की तैयारियों को देखते हुए कांग्रेस ने सोमवार, मंगलवार और बुधवार तीन दिन के लिए सभी सांसदों के उपस्थित रहने का व्हिप जारी कर दिया। इसके साथ ही कांग्रेस ने आइएनडीआइए के सभी सहयोगी दलों से संपर्क कर अपने-अपने सांसदों को संसद में उपस्थित रहने का निर्देश देने को कहा है। भाजपा की ओर से अभी तक कोई व्हिप जारी नहीं किया गया है, लेकिन सभी सांसदों को दिल्ली में रहने का निर्देश दिया जा चुका है। बताया जा रहा है कि कांग्रेस द्वारा व्हिप जारी करने की असली वजह एफसीआरए नहीं, बल्कि महिला आरक्षण व परिसीमन से जुड़े विधेयक पेश किए जाने की आशंका है।

एफसीआरए संशोधन विधेयक सामान्य बहुमत से पास हो सकता है, जो राजग के पास है। उसे शोर शराबे के बीच भी अन्य विधेयकों की तरह पास कराया जा सकता है। लेकिन संविधान संशोधन के लिए दो-तिहाई बहुमत की जरूरत होगी, जिसमें एक-एक सांसद की गिनती अहम होगी। कांग्रेस को आशंका है कि एफसीआरए की जगह सरकार महिला आरक्षण और परिसीमन का विधेयक लाने का दांव चल सकती है। किरेन रिजीजू ने गुरुवार को ही संकेत दे दिया था कि राहुल गांधी से बातचीत विफल रहने और गतिरोध कायम रहने की स्थिति में भी सरकार तीनों विधेयकों को लेकर आगे बढ़ेगी। इसके साथ ही अमित शाह ने ईसाई संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ मुलाकात कर विधेयक को लेकर उनकी आशंकाओं को भी दूर करने का प्रयास किया। प्रमुख विपक्षी दल और समुदाय के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत कर सरकार ने साफ कर दिया कि सभी पक्षों के साथ विचार-विमर्श कर सरकार लोकतांत्रिक तरीके से विधेयक को पास कराने का फैसला किया गया है। वहीं एस जयशंकर के साथ अमित शाह की मुलाकात को विदेश और खासकर अमेरिका में एफसीआरए में संशोधनों को लेकर फैलाए जा रहे भ्रम से जोड़कर देखा जा रहा है।

दीपके की भाजपा से अपील-अपने 'गाडफादर' भागवत की सलाह सुनें

छत्रपति संभाजीनगर, प्रेट्र : काकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संयोजक अभिजीत दीपके ने शुक्रवार को भाजपा से आग्रह किया कि वह अपने "गाडफादर" आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की सलाह पर ध्यान दे। भागवत ने कहा था कि प्रदर्शन कर रहे जेन जी युवाओं को देशद्रोही नहीं कहा जाना चाहिए। इस बीच, भाजपा ने जेन जी पर मोहन भागवत के बयानों का समर्थन करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी युवाओं के सपनों को पूरा करने में मदद करने के लिए लगातार काम कर रहे हैं।

मुंबई में भागवत की जेन जी के साथ बातचीत के एक दिन बाद पत्रकारों से बात करते हुए, दीपके ने मांग की कि सत्तारूढ़ पार्टी आरएसएस प्रमुख की इस बात से सहमत हो कि नीट में गड़बड़ियों को लेकर जंतर-मंतर पर युवाओं का विरोध प्रदर्शन वास्तविक शिकायतों के कारण हुआ था। दीपके ने कहा कि मोहन भागवत का सबसे अहम बयान यह था कि प्रदर्शनकारी युवाओं को देशद्रोही नहीं कहा जाना चाहिए और उनके मुद्दे जायज हैं। गुरुवार को भागवत ने जेन जी का जोरदार समर्थन करते हुए, कहा कि उनकी शिकायतें सही हैं। सिर्फ विरोध प्रदर्शन के चलते उन्हें देशद्रोही नहीं कहा जाना चाहिए। अभिजीत दीपके ने बताया कि सीजेपी की टीमों को झारखंड भेजा गया है, ताकि वे भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे उम्मीदवारों के साथ एकजुटता दिखा सकें। संसद परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए भाजपा महासचिव तरुण चुघ ने कहा कि अगर प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत के एजेंडे का कोई मुख्य इंजन है, तो वह भारत के युवा हैं। प्रधानमंत्री को आज के युवाओं पर सबसे ज्यादा भरोसा है, जिन्हें लोग जेन जी कहते हैं। भाजपा सांसद कंगना रनोट ने कहा कि जेन जी देश की ताकत हैं। युवा तेजी से भारत की सांस्कृतिक पहचान को अपना रहे हैं।

किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सकी समझौता वार्ता, 18 पर विकल्पों पर होगी बात

- श्रीकृष्ण जन्मस्थान और शाही मस्जिद ईदगाह पक्ष के बीच लोक अदालत में डेढ़ घंटे चली वार्ता
- जन्मस्थान पक्ष ईदगाह के लिए अन्यत्र जमीन देने को तैयार, दूसरा पक्ष 1968 के समझौते पर अड़ा

जागरण संवाददाता, मथुरा : श्रीकृष्ण जन्मस्थान और शाही मस्जिद ईदगाह के बीच लोक अदालत में शुक्रवार को हुई समझौता वार्ता में कोई निर्णय नहीं हो सका। दोनों पक्ष अपने पुराने रुख पर कायम रहे। जन्मस्थान पक्ष का कहना था कि वह ईदगाह के लिए अन्यत्र जमीन देने को तैयार है। ईदगाह पक्ष इस मामले में 1968 में हुए समझौते को ही अंतिम मान रहा है। दोपहर तीन बजे से शुरू हुई वार्ता करीब डेढ़ घंटे तक चली। अब 18 अगस्त को दोनों पक्षों के बीच विकल्पों को लेकर वार्ता होगी। इस मामले में 23 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में भी वार्ता होगी।

श्रीकृष्ण जन्मस्थान और शाही मस्जिद ईदगाह के बीच विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने स्थानीय अदालत को विशेष लोक अदालत आयोजित कर दोनों पक्षों के बीच समझौता कराने का निर्देश दिया है। इसके लिए चार जुलाई को पहली बार विशेष लोक अदालत लगी। इस तारीख पर मुस्लिम पक्ष नहीं पहुंचा। तब जन्मस्थान पक्ष के लोगों ने कहा कि ईदगाह कमेटी यहां से ईदगाह हटा ले। हम नई ईदगाह बनाने के लिए सौ किमी दूर भूमि देंगे।

शुक्रवार को एक बार फिर अपर जिला जज चतुर्थ अरविंद कुमार की ओर से विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। जन्मस्थान पक्ष की ओर से ज्यादातर वादकारी वार्ता में पहुंचे। शाही मस्जिद ईदगाह कमेटी के सचिव तनवीर अहमद ने कहा कि अब समझौते का कोई मतलब नहीं है। अदालत ने कहा कि ईदगाह को हटाने और मुकदमा वापस लेने की बातों को छोड़कर किसी अन्य विकल्प पर विचार किया जाए।

यह है मामला : श्रीकृष्ण जन्मस्थान के स्वामित्व में 13.37 एकड़ भूमि है। इस भूमि के हिस्से में ही श्रीकृष्ण जन्मस्थान से सटी करीब पौने दो एकड़ भूमि पर शाही मस्जिद ईदगाह बनी है। 1832 से दोनों पक्षों के बीच विवाद चला आ रहा है। वर्ष 1968 में शाही मस्जिद ईदगाह कमेटी और श्रीकृष्ण जन्मस्थान की व्यवस्था देखने के लिए गठित श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संघ के बीच समझौता हुआ। वर्ष 1920 में फिर इसे लेकर वाद दायर हुआ और कहा गया कि जन्मस्थान की पूरी भूमि ट्रस्ट के नाम है। सेवा संघ को समझौता करने का अधिकार नहीं है। इस समझौते को रद किया जाए। तब से अब तक 18 मुकदमे न्यायालय में दायर हो चुके हैं।

बंगाल के हावड़ा से बिहार के छह डकैत गिरफ्तार

- कोलकाता और हावड़ा की सोने की दुकानों को बनाया था निशाना
- नालंदा-पटना में दर्ज है मामले, बिहार एसटीएफ कर रही थी तलाश

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता : दुर्गापूजा से पहले कोलकाता और हावड़ा की सोने की दुकानों में बड़ी डकैती की कथित साजिश को हावड़ा सिटी पुलिस की खुफिया टीम ने नाकाम कर दिया। पुलिस ने संकराइल थाना क्षेत्र में कार्रवाई कर बिहार के छह कथित कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार किया। उनके पास से दो आग्नेयास्त्र और कारतूस बरामद किए गए हैं।

पुलिस के अनुसार, गिरोह के सदस्य बिहार से बंगाल में दाखिल हुए थे और डकैती की तैयारी के लिए संकराइल में एक मकान किराये पर लेकर रह रहे थे। उनका कथित इरादा कोलकाता और हावड़ा की छोटी-बड़ी सोने की दुकानों को निशाना बनाने का था। पुलिस को गुप्त सूचना मिलने के बाद संकराइल थाने की मदद से बुधवार रात छापेमारी की गई और सभी छह आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान प्रिंस कुमार, विशाल कुमार, किशन कुमार, चंदन कुमार, अंकित कुमार और लवकुश राय के रूप में हुई है। सभी बिहार के रहने वाले बताए गए हैं।

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपितों के खिलाफ नालंदा और पटना में डकैती के मामले दर्ज हैं। प्रिंस कुमार के खिलाफ नालंदा और बिहार में हत्या के मामले भी दर्ज होने की जानकारी सामने आई है। बिहार एसटीएफ भी इन आरोपितों की तलाश कर रही थी। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि गिरोह ने बंगाल में किन-किन दुकानों की रेकी की थी और उनके पीछे कोई अन्य सदस्य या स्थानीय सहयोगी तो नहीं है। सभी आरोपितों को हावड़ा अदालत में पेश किया गया।

दीवार ढहने के बाद मलवे के बीच बिखरे पड़े चांदी के सिक्के। • जागरण

झारखंड के हजारीबाग में ढही दीवार निकले दो किलो चांदी के सिक्के

जासं, हजारीबाग : लगातार हो रही वर्षा के बीच शुक्रवार की सुबह झारखंड के हजारीबाग स्थित अमनारी गांव में एक पुराना कच्चा मकान ढह गया। मलबा हटाने के दौरान दीवार में छिपाकर रखे गए मिट्टी का कलश टूट गया और उसमें मौजूद दो किलो से अधिक वजन के चांदी के प्राचीन सिक्के जमीन पर बिखर गए। इसकी जानकारी मिलते ही गांव में कौतूहल मच गया और सिक्कों को देखने के लिए आसपास के लोग पहुंचने लगे।

बताया गया कि अमनारी निवासी बैजू महतो का वर्षों पुराना मिट्टी का मकान लगातार वर्षा के कारण कमजोर हो गया था, जो गिर पड़ा। गनीमत रही कि परिवार पहले से ही पास के पक्के मकान में रह रहा था, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। बहरहाल, सिक्कों की संख्या और उनके पुराने स्वरूप को लेकर गांव में तरह-तरह की चर्चा हो रही है। ग्रामीणों का मानना है कि सिक्के बैजू महतो के पूर्वजों द्वारा वर्षों पहले सुरक्षित रखी गई पारिवारिक धरोहर है। लोग बैजू महतो के दिवंगत भाई बद्दन महतो के पुराने मिट्टी के मकान की दीवारों में भी इसी प्रकार के सिक्के या अन्य धरोहर चुनवाकर रखे जाने की बात कर रहे थे। इधर, सिक्के मिलने की सूचना पर पहुंचे प्रशासनिक अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर स्वजन को सिक्कों को सुरक्षित रखने की सलाह दी। फिलहाल सिक्के परिवार की निगरानी में हैं।

राजिम एवं गरियाबंद में है प्रकृति और आस्था का अद्भुत संसार

यात्रा जुलाई से फरवरी माह के बीच यहां के लुभावने नजारे आने वाले पर्यटकों का मनमोह लेते हैं

जितेंद्र सिंह दहिया • नईदुनिया

रायपुर : रायपुर से राजिम और गरियाबंद की ओर बढ़ते ही यह एहसास होने लगता है कि यह यात्रा केवल किसी धार्मिक स्थल तक पहुंचने की नहीं, बल्कि प्रकृति, इतिहास और आस्था के अद्भुत संसार से साक्षात्कार की है। महानदी, पैरी और सोंढूर नदियों का त्रिवेणी संगम दूर से ही यात्रियों को अपनी ओर आकर्षित करता है। घाटों पर गूंजती मंदिरों की घंटियां, बहता जल और श्रद्धालुओं की आस्था ऐसा वातावरण रचती है, जो मन को सहज ही शांति और ऊर्जा से भर देता है। राजिम से आगे बढ़ते ही गरियाबंद का प्राकृतिक वैभव खुलने लगता है। पहाड़ों से उतरते झरने, सघन साल वन, प्राचीन मंदिर, वन्यजीवों से समृद्ध अभयारण्य और पुरातात्विक धरोहरें इस जिले को छत्तीसगढ़ के प्रमुख पर्यटन स्थलों में विशिष्ट पहचान दिलाती हैं। जुलाई से फरवरी तक गरियाबंद की प्राकृतिक छटा देखते ही बनती है।

भगवान भोलेनाथ की प्रतिमा और घटारानी जलप्रपात • नईदुनिया

आकर्षित करता है 610 मीटर लंबा लक्ष्मण झूला

राजिम में महानदी पर बना 610 मीटर लंबा प्रसिद्ध लक्ष्मण झूला • नईदुनिया

राजिम में महानदी पर बना 610 मीटर लंबा प्रसिद्ध लक्ष्मण झूला पर्यटकों को आकर्षित करता है। यहां आठवीं शताब्दी का भगवान विष्णु को समर्पित राजीव लोचन मंदिर प्राचीन शिल्पकला का एक उत्कृष्ट नमूना है। नल राजवंश के काल में निर्मित इस भव्य मंदिर के विशाल स्तंभों और दीवारों पर उकेरी गई आकृतियां उस दौर के कलाकारों की कुशलता की कहानी कहती हैं।

यहां नदियां करती हैं महादेव का जलाभिषेक

राजिम का कुलेश्वर मंदिर • नईदुनिया

वर्षाकाल में राजिम का कुलेश्वर महादेव मंदिर एक अलौकिक दृश्य प्रस्तुत करता है। जब महानदी, पैरी और सोंढूर का जलस्तर बढ़ता है, तो मंदिर चारों तरफ से घिर जाता है। यहां लहरें जब बार-बार शिवलिंग का स्पर्श करने के लिए आगे बढ़ती हैं, तो ऐसा प्रतीत होता है, मानो तीनों नदियां स्वयं भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करने को आतुर हो रही हैं।

तीन किलोमीटर ट्रैकिंग करनी पड़ती है जलप्रपात के नजारे देखने को

घने जंगलों और पहाड़ियों के बीच बसे जतमई, घटारानी और चिंगरा जैसे जलप्रपात अपनी शीतल जलधारा और मनमोहक वातावरण से पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। झरने, हरियाली और शांत परिवेश शहरी भागदौड़ से दूर सुकून का एहसास कराते हैं। रोमांच पसंद लोगों के लिए बारुका गांव के पास स्थित चिंगरा पगार जलप्रपात खास आकर्षण है। लगभग 130 फीट ऊंचाई से गिरते इस बरसाती झरने तक पहुंचने के लिए करीब तीन किमी की ट्रैकिंग करनी पड़ती है। ऊंची पहाड़ियों, सघन वनों और निर्मल जलधारा से घिरा यह स्थल ट्रैकिंग, फोटोग्राफी और पिकनिक के लिए लोकप्रिय हो रहा है।

विश्व के सबसे बड़े शिवलिंगों में से एक भूतेश्वरनाथ के कीजिए दर्शन

भूतेश्वरनाथ महादेव • नईदुनिया

गरियाबंद शहर से तीन किमी दूर स्थित भूतेश्वरनाथ महादेव को विश्व के सबसे बड़े प्राकृतिक शिवलिंगों में गिना जाता है। मान्यता है कि यह शिवलिंग प्रति वर्ष आकार में थोड़ा-थोड़ा बढ़ता है। सावन और महाशिवरात्रि के दौरान यहां मेले का आयोजन होता है, जिसमें आसपास के जिलों सहित ओडिशा और महाराष्ट्र से भी हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

कैसे पहुंचें और कहां ठहरें

गरियाबंद, रायपुर से लगभग 90 किलोमीटर दूर है। रेल और हवाई यात्रा के लिए निकटतम केंद्र रायपुर ही है। किसी भी साधन से रायपुर पहुंचने के बाद अभनपुर-राजिम मार्ग से सड़क मार्ग द्वारा लगभग ढाई घंटे में गरियाबंद पहुंचा जा सकता है। इस दौरान रास्ते के नजारे भी देखने लायक होते हैं। रायपुर से नियमित बस, टैक्सी और निजी वाहन की सुविधा उपलब्ध है। ठहरने के लिए गरियाबंद शहर में होटल हैं, जबकि जतमई क्षेत्र में वन विभाग का नेचर कैंप और निजी रिजार्ट पर्यटकों को प्रकृति के बीच ठहरने का अवसर देते हैं।

आप राजनीति में हैं और अंडों से डरते हैं, स्वतंत्रता सेनानियों ने तो गोलियां खाईं : कोर्ट

- तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा को हेट स्पीच मामले में सुप्रीम कोर्ट से नहीं मिली राहत
- जांच अधिकारी के समक्ष निजी तौर पर पेशी से छूट की मांग पर विचार से किया इन्कार

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : हेट स्पीच मामले में शुक्रवार को तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा। मोइत्रा ने 'अंडों से हमले' की आशंका जताते हुए जांच अधिकारी के समक्ष निजी तौर पर पेशी से छूट देने और वर्चुअली पेश होने की इजाजत मांगी थी, लेकिन शीर्ष अदालत ने याचिका पर विचार करने से इन्कार कर दिया। कोर्ट ने कहा, 'राजनीति में कदम रखने के बाद आप अंडों से डरती हैं? जबकि हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने सीने पर गोलियां खाई थीं।' कोर्ट का नकारात्मक रुख देखते हुए मोइत्रा ने अपनी याचिका वापस ले ली।

बंगाल में नदिया जिले के होगलबेरिया पुलिस स्टेशन में दर्ज यह मामला इंटरनेट मीडिया पर कथित हेट स्पीच वाली पोस्ट से जुड़ा है, जिसे मोइत्रा ने फर्जी आरोपों पर आधारित बताया है। मोइत्रा ने कलकत्ता हाई कोर्ट से अनुरोध किया था कि मामले में उनके विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई पर रोक लगाई जाए और एफआइआर रद की जाए। हाई कोर्ट ने 21 जुलाई को मोइत्रा को पांच अक्टूबर तक अंतरिम राहत दी थी और कहा था कि तब तक उनके विरुद्ध कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। साथ ही मोइत्रा को 14 अगस्त को जांच अधिकारी के समक्ष पूछताछ के लिए पेश होने, जांच में सहयोग करने एवं पुलिस नोटिस का पालन करने का निर्देश दिया था। मोइत्रा इस आदेश को चुनौती दी थी।

सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस शील नागू की पीठ ने कहा कि वह हाई कोर्ट के आदेश में दखल देने की इच्छुक नहीं है। जबकि मोइत्रा की ओर से वरिष्ठ वकील गोपाल शंकर नारायण ने जांच अधिकारी के समक्ष निजी पेशी से छूट मांगी। उन्होंने कहा कि कानूनन उन्हें पुलिस के समक्ष वर्चुअली पेश होने का अधिकार है। शंकरनारायण ने कहा कि पुलिस नोटिस के अनुसार मोइत्रा को अपने ही निर्वाचन क्षेत्र के पुलिस स्टेशन में उपस्थित होना है।

बिहार सरकार ने बताया, दीपक प्रकाश बन गए एमएलसी

- सुप्रीम कोर्ट ने मंत्री को पद से न हटाए जाने पर पूछा था सवाल
- दिया गया था छह महीने में निर्वाचन की व्यवस्था का हवाला

नई दिल्ली, प्रेट्र : बिहार में दीपक प्रकाश को विधान परिषद का सदस्य मनोनीत कर दिया गया है और अब वह मंत्री पद पर कार्य करते रहेंगे। उनके मंत्री पद पर कार्य करने में अब कोई रुकावट नहीं है। बिहार सरकार ने यह बात सुप्रीम कोर्ट को बताई है। शीर्ष न्यायालय में प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहाना की पीठ में सुनवाई के दौरान सालिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बिहार सरकार की ओर से बताया कि दीपक प्रकाश ने विधान परिषद के सदस्य (एमएलसी) के रूप में शपथ ले ली है। प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ राकेश कुमार सिंह की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें दीपक प्रकाश को मंत्री पद से हटाए जाने की मांग की गई है। कहा गया कि प्रकाश को मंत्री बनाए हुए छह महीने का समय हो गया है लेकिन इस दौरान वह विधानसभा या विधान परिषद के सदस्य नहीं बन पाए हैं। इसलिए संवैधानिक व्यवस्था का पालन करते हुए उन्हें मंत्री पद से हटाया जाए। सालिसिटर जनरल मेहता ने बताया कि जिस समय याचिका दायर की गई थी उस समय प्रकाश किसी भी सदन के सदस्य नहीं थे लेकिन अब वह एमएलसी हैं। इसके बाद पीठ ने मेहता से कहा कि दीपक प्रकाश के एमएलसी पद की शपथ लेने से संबंधित अधिसूचना प्रस्तुत की जाए।

पूर्व जज यशवंत वर्मा के खिलाफ एफआइआर और जांच की मांग ठुकराई

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को इलाहाबाद हाई कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश यशवंत वर्मा के खिलाफ एफआइआर दर्ज करने और उनके आवास से मिली जली हुई नकदी के मामले की अदालत की निगरानी में जांच कराने संबंधी याचिका खारिज कर दी। अदालत ने कहा कि इस तरह की याचिका न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग है और इसे केवल सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के उद्देश्य से दायर किया गया है। न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आलोक अराधे की पीठ ने अधिवक्ता घनश्याम उपाध्याय की याचिका पर सुनवाई से इन्कार करते हुए कहा कि इसी प्रकार की याचिका पहले खारिज की जा चुकी है।

थाईलैंड में दादा-दादी की हत्या कर स्कूल पहुंचा किशोर, शिक्षकों को भी मारी गोली

बैंग कुआई, रायटर : थाईलैंड में एक सनकी किशोर ने शुक्रवार को कई हत्याएं कीं और बाद में खुद को गोली मार ली। उसने सबसे पहले अपने दादा-दादी की गोली मारकर हत्या कर दी। उसके बाद नोन्थाबुरी प्रांत के देबसिरिन नोन्थाबुरी स्कूल पहुंचा, जहां उसने अंधाधुंध फायरिंग की, जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। मरने वालों में शिक्षक और अन्य कर्मचारी शामिल हैं। यह इस देश में 2022 के बाद से हुई सबसे बड़ी सामूहिक हत्या की घटना है। गोलीबारी का मकसद अबतक साफ नहीं हो पाया है। इसकी जांच की जा रही है।

पुलिस ने बताया कि 14 साल के शूटर ने 26 गोलियां चलाईं और उसके पास 34 अतिरिक्त राउंड गोलियां मिलीं। बंदूक उसके दादा की थी। राष्ट्रीय पुलिस प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल ट्राइरोंग फोफान ने बताया कि इस घटना में 15 लोग घायल हुए हैं। इमरजेंसी वर्कर कियातिखुन वेरापोंगप्राथिथ ने बताया कि जब वे पहुंचे, तो गोलियां चल रही थीं। आखिरी गोली चलने की आवाज सुनने के बाद उन्हें किशोर शूटर का इलाज करने के लिए बुलाया गया। उसकी नब्ज चल रही थी। अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका।

जन्म के आधार पर अमेरिकी नागरिकता पाने के पात्र लोगों की संख्या होगी सीमित

अमेरिकी राष्ट्रपति ने दो आदेशों पर किए हस्ताक्षर, एक में बर्थ टूरिज्म को बनाया निशाना

वाशिंगटन, प्रेट्र: अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जन्मजात नागरिकता के अधिकार पर अंकुश लगाने के लिए नए कदम उठाए हैं। उन्होंने अमेरिका में ''बर्थ टूरिज्म'' पर सख्ती करने और जन्म के आधार पर अमेरिकी नागरिकता पाने के पात्र लोगों की संख्या सीमित करने के लिए, दो नए कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने यह कदम ऐसे समय उठाया है, जब कुछ हफ्ते पहले अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में ट्रंप के पहले के आदेश को रद कर दिया था।

ट्रंप ने गुरुवार को कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर किए। इनमें से एक उन लोगों को निशाना बनाता है, जो व्यावसायिक रूप से 'बर्थ टूरिज्म'' को चुनते हैं और बच्चे को अमेरिकी नागरिकता दिलाने के मकसद से यहां आते हैं। इस आदेश का उद्देश्य ऐसे लोगों के अमेरिका में प्रवेश को सीमित करना है। जबकि दूसरा आदेश उन लोगों की परिभाषा का विस्तार करता है, जिन्हें जन्म के आधार पर अमेरिकी नागरिकता के लिए अयोग्य बताया गया है। इसमें विदेशी सरकारों की ओर से लाबिंग करने वाले विदेशी नागरिकों के बच्चों को भी शामिल किया गया है। ट्रंप ने व्हाइट हाउस के ओवल आफिस में इन कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर करने के बाद पत्रकारों से बातचीत में सुप्रीम कोर्ट के 30 जून के फैसले की आलोचना की और कहा कि नया कदम कुछ आवश्यक बदलावों के साथ उठाया गया है। उन्होंने कहा, ''जन्म के आधार पर नागरिकता के मामले में सुप्रीम कोर्ट का निर्णय बेहद दुर्भाग्यपूर्ण था। इसलिए, हम इसमें बदलाव कर रहे हैं।'' नौ जुलाई, 1868 को अनुमोदित अमेरिकी संविधान के 14वें संशोधन ने अमेरिका में जन्मे या कानूनी रूप से नागरिकता प्राप्त करने वाले सभी लोगों को अमेरिकी नागरिकता प्रदान की थी, जिनमें पहले दास रह चुके लोग भी शामिल थे। ट्रंप ने कहा, ''यह प्रविधान गृहयुद्ध के बाद किया गया था। इसका उद्देश्य दासों के बच्चों को नागरिकता देना था, लेकिन अब क्या हो रहा है। लोग इसके आधार पर पूरा कारोबार खड़ा कर रहे हैं।''

अमेरिका में जन्मजात नागरिकता पर डोनाल्ड ट्रंप की सख्ती, सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप के पहले के आदेश को कर दिया था रद

डोनाल्ड ट्रंप। ● (फाइल) रायटर

सुप्रीम कोर्ट ने रद किया था कार्यकारी आदेश

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने 30 जून को ट्रंप के उस कार्यकारी आदेश को रद कर दिया था, जिसमें जन्म के आधार पर नागरिकता समाप्त करने का प्रयास किया गया था। अदालत ने 100 वर्ष से अधिक समय से चली आ रही संवैधानिक व्यवस्था को बरकरार रखते हुए कहा था कि अमेरिका में जन्म लेने वाले लगभग सभी लोग अमेरिकी नागरिक होते हैं।

''बर्थ टूरिज्म'' से सालाना 26,000 बच्चों का जन्म

माइग्रेशन पालिसी इंस्टीट्यूट ने सबसे व्यापक जनगणना आधारित अनुमान के आधार पर बताया कि हर वर्ष अमेरिका में 22 हजार से 26 हजार बच्चों का जन्म ''बर्थ टूरिज्म'' के माध्यम से होता है। हालांकि सरकारी डाटा के अनुसार, 2024 में विदेशी पते वाली माताओं से केवल 9,600 बच्चों का जन्म अमेरिका में हुआ।

क्रिकेटर शाकिब बांग्लादेश लौटने को तैयार

नई दिल्ली, रायटर: बांग्लादेश की अपदस्थ पीएम शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग से जुड़े पूर्व क्रिकेट कप्तान शाकिब अल हसन ने कहा है कि वह दो साल के निर्वासन को खत्म करके अपने देश लौटने और वहां मुकदमों का सामना करने के लिए तैयार हैं। उनके खिलाफ हत्या के अलावा अन्य मामले दर्ज हैं। उन्होंने कहा कि अगर सरकार उनकी सुरक्षा की गारंटी देती है तो वह क्रिकेट से रिटायर होने से पहले एक विदाई सीरीज खेलना चाहते हैं। शेख हसीना सरकार को हटाए जाने के बाद से शाकिब अमेरिका में रह रहे हैं। बांग्लादेश के क्रिकेटर रहे शाकिब (39) चाहते हैं कि वह अपने घर पर एक विदाई सीरीज खेलें और 2027 में होनेवाले विश्व कप में अपने देश का प्रतिनिधित्व करें।

बोस्टन में धूमधाम से मनाया जाएगा स्वतंत्रता दिवस

न्यूयार्क, प्रेट्र : बोस्टन इलाके में भारतीय-अमेरिकी समुदाय धूमधाम से स्वतंत्रता दिवस मनाने की तैयारी कर रहा है। इस दौरान परेड और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे, जो दोनों देशों के बीच मजबूत साझेदारी को दिखाएंगे। फाउंडेशन आफ इंडियन-अमेरिकंस-न्यू इंग्लैंड नौ अगस्त को बोस्टन में 5वीं 'इंटरनेशनल इंडिया डे परेड' आयोजित करेगा। इसे न्यू इंग्लैंड में भारत की आजादी, उसकी सांस्कृतिक विरासत और भारत-अमेरिका की मजबूत दोस्ती के सबसे बड़े समारोहों में से एक माना जाता है। एफआइए-न्यू इंग्लैंड ने गुरुवार को कहा कि भारत की आजादी की 80वीं वर्षगांठ के मौके पर होने वाली इस साल की परेड 'आजादी का उत्सव और यूएस-भारत दोस्ती' की थीम पर आधारित होगी।

JGi ARKA JAIN University Jharkhand
NAAC GRADE A
THE WEEK hansa research — INDIA'S BEST UNIVERSITIES SURVEY 2025 — RANKED 38TH — PRIVATE & DEEMED MULTIDISCIPLINARY UNIVERSITIES IN INDIA
ISO

Ph.D NOTIFICATION AGAINST VACANT SEATS IN DOCTORAL PROGRAM

ADMISSION OPEN FOR JULY 2026 BATCH

The university invites applications for admission in its Ph.D Programme (Part-time) against Vacant Seats after completion of the First Round of the admission process from research-oriented candidates with excellent academics

IN THE FOLLOWING DOMAINS
- COMMERCE
- MANAGEMENT
- ENGLISH
- PHARMACY
- BIOTECHNOLOGY
- COMPUTER SCIENCE
- MECHANICAL ENGINEERING
- ELECTRICAL & ELECTRONICS ENGINEERING
- JOURNALISM & MASS COMMUNICATION
- LAW

LAST DATE FOR SUBMISSION OF APPLICATION FORM IS AUGUST 22nd, 2026 (SATURDAY).

The Written Test will be held on August 29th, 2026 (Saturday). Qualified candidates in the Written Test will be informed & called for Personal Interview subsequently at a later date.

ELIGIBILITY (As per AJU Ph.D Regulation 2023):
- Master's Degree (1-year/2-semester after a 4-year UG degree, or 2-year/4-semester after a 3-year UG degree) with minimum 55% marks or equivalent grade.
- 4-year Bachelor's Honours with Research Degree with minimum CGPA 7.5/10 or equivalent grade.
- Completed M.Phil. course-work with 55% marks or M.Phil. dissertation evaluated and recommended for award.

Relaxation of 5% marks (from 55% to 50%) or equivalent grade applicable for SC/ST/OBC (Non-Creamy Layer)/EWS/Person with Disabilities, as per UGC norms.

EXEMPTION:
The Candidates who have qualified UGC-NET (including JRF) / UGC-CSIR NET (including JRF) / SLET / GATE / M.Phil./GPAT are exempted from the Written Test. They need to appear directly for the Personal Interview.

However, all the Candidates need to Apply Online and pay charges towards Registration.

Details related to Ph.D Admission are available on the university website www.arkajainuniversity.ac.in

7371037371 | 0657-2220285 | 2312007 Apply Online: www.arkajainuniversity.ac.in

Chaibasa/CKP : 8406900963 | Ghatshila : 9955062615 | Hazaribagh : 7903233264 | Bokaro : 6201696510
Admission Office : D-95, Danish Arcade, Opposite Asian Inn Hotel, Dhatkidih, Jamshedpur - 831001
Campus Address : Opp. Kerala Public School, Mohanpur, Gamharia, District Seraikela Kharsawan, Jharkhand - 832108

Asarfi Cancer Institute
(A Unit of Asarfi Hospital Limited)

Comprehensive Cancer Care Under one Roof

Scope of Services
- Medical Oncology
- Surgical Oncology
- Radiation Oncology
- Haematology
- Nuclear Medicine (PET & SPECT)
- Mammography
- Histo & Onco Pathology

20,000+ OPD | 5,000+ Chemotherapy | 600+ Cancer Surgery | 500+ Radiotherapy | 3,000+ PET Scan

9297970030 | www.cancer.asarfi.co.in | Ranguni Road, Bhuli, Dhanbad

Asarfi Hospital Ltd
CIN: L85110JH2005PLC011673
Regd. Office: 4th Floor, Asarfi Hospital, Baramuri, Bishunpur, Polytechnic, Dhanbad, Jharkhand – 828130, India
Phone: 9608833708 | **E-Mail:** cs@asarfihospital.com | **Website:** www.asarfi.in

Leading Dhanbad-based healthcare provider with a 20-year operating track record, running two hospitals across super-specialty and oncology care, delivering integrated healthcare services under one roof, spanning critical care, emergency care, cardiac care, oncology, diagnostics, and other multi-specialty services.

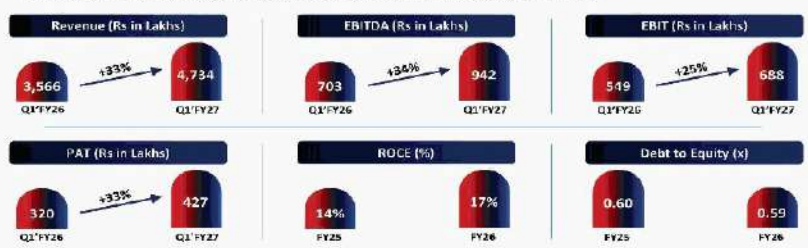

- **Strong growth with margin expansion:** Q1'FY27 revenue rose 33% YoY to ₹4,734 Lakhs, with **EBITDA margin at 20%** and **PAT margin at 9%**, driven by better realizations, improved ARPOB and enhanced case mix across **both** hospital units.
- **Operational momentum across units:** Q1'FY27 **IPD revenue grew 31% YoY** and **OPD revenue increased 44% YoY**, supported by growth in patient volumes and higher realizations; ARPOB increased to **₹23,498 (Super-Specialty)** and **₹31,892 (Cancer Unit)**.
- **Specialty-led performance:** Growth was driven by high-acuity specialties including **Cardiology, Neurosciences, Orthopaedics** and **Obstetrics & Gynaecology** in the Super-Specialty unit, along with improved traction in **Radiation Oncology** and **Medical Oncology** at the Cancer unit, strengthening overall revenue mix and complexity of care.

EXTRACT OF UNAUDITED STANDALONE AND CONSOLIDATED FINANCIAL RESULTS FOR THE QUARTER ENDED JUNE 30, 2026

(₹ in Lakhs)

Sl. No	Particulars	STANDALONE		CONSOLIDATED	
		Quarter Ended		Quarter Ended	
		30.06.2026 (Unaudited)	30.06.2025 (Unaudited)	30.06.2026 (Unaudited)	30.06.2025 (Unaudited)
1	Revenue from operations	4,734.47	3,566.41	4,753.41	3,568.11
2	Other Income	59.26	141.63	56.59	141.63
3	Total Income	4,793.73	3,708.04	4,810.00	3,709.74
4	Profit before Taxes	570.74	427.14	570.62	419.61
5	Profit after Taxes	426.84	319.64	426.72	312.11
6	Paid-up Equity Share Capital	1,967.73	1,967.73	1,967.73	1,967.73
7	EPS (FV per share of Rs 10/- each)				
	- Basic (in Rs)	2.17	1.62	2.17	1.59
	- Diluted (in Rs)	2.17	1.62	2.17	1.59

Notes:
1. The Unaudited Standalone and Consolidated Financial Results for the Quarter ended June 30, 2026 have been reviewed and recommended by the Audit Committee and approved by the Board of Directors of the Company at their respective meetings held on August 07, 2026.

2. The above is an extract of the detailed format of Unaudited Standalone and Consolidated Financial Results for the Quarter ended June 30, 2026 filed with Stock Exchanges under Regulation 33 of the Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of the above Financial Results are available on the websites of Bombay Stock Exchange (www.bseindia.com) and Company's website at www.asarfi.in.

For and on behalf of Board of Director
Asarfi Hospital Limited
Sd/-
Udai Pratap Singh
Managing Director
DIN: 08453794

Place: Dhanbad
Date: August 07, 2026